ISSN 2229-547X VIDEHA

विदेह ३६७ म अंक ०१ मार्च २०२३ (वर्ष १६ मास १८३ अंक ३६७)

(विदेह www.videha.co.in)



विदेह मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम्



विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

सम्पादक: गजेन्द्र ठाकुर।



Videha eJournal (link www.videha.co.in) is a multidisciplinary online journal dedicated to the promotion and preservation of the Maithili language, literature and culture. It is a platform for scholars, researchers, writers and poets to publish their works and share their knowledge about Maithili language, literature, and culture. The journal is published online to promote and preserve Maithili language and culture. The journal publishes articles, research papers, book reviews, and poetry in Maithili and English languages. It also features translations of literary works from other languages into Maithili. It is a peer-reviewed journal, which means that articles and papers are reviewed by experts in the field before they are accepted for publication.

Videha e-Journal: Issue No. 365 at www.videha.co.in

समानान्तर परम्पराक विद्यापति- *चित्र विदेह सम्मानसँ सम्मानित श्री पनकलाल मण्डल द्वारा*

मैथिली भाषा जगज्जननी सीतायाः भाषा आसीत्। हनूमन्तः उक्तवान- मानुषीमिह संस्कृताम्।

__अक्खर खम्भा (आखर खाम्ह)__

तिहुअन खेत्तहि काञि तसु कित्तिवल्लि पसरेइ। अक्खर खम्भारम्भ जउ मञ्चो बन्धि न देइ॥ *(कीर्तिलता प्रथमः पल्लवः पहिल दोहा।)*

मात्र आखर नहि खाम्ह निर्माण कऽ ओहिपर (*गद्य-पद्य रूपी*) मंच जँ नै बान्हल जाय तँ ओ त्रिभुवनरूपी क्षेत्रमे ओकर कीर्तिरूपी लत्ती कोना पसरत।

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant. -Robert Louis Stevenson

...

Videha: Maithili Literature Movement

ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्ष ग्वंग शान्तिः

𑓇 𑒠𑓂𑒨𑒾𑓁 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑒩𑒢𑓂𑒞𑒩𑒱𑒏𑓂𑒭 ẇ 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑓁

𑒁𑒢𑒳𑒏𑓂𑒩𑒧

𑒌 𑒁𑓀𑒏𑒧𑒹 𑒁𑒕𑒱:-

𑓑.𑓑.𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩- 𑒢𑒴𑒞𑒢 𑒁𑓀𑒏 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏𑒲𑒨

𑓑.𑓒. 𑒁𑓀𑒏 𑓓𑓖𑓔 𑒣𑒩 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

𑓒.𑒑𑒠𑓂𑒨 𑒐𑒝𑓂𑒛

𑓒.𑓑.𑒛𑒼 𑒬𑒧𑓂𑒦𑒳 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒮𑒱𑓀𑒯- 𑒮𑓂𑒧𑒵𑒞𑒱 𑒬𑒹𑒭: 𑒮𑓂𑒢𑒹𑒯𑒱𑒪 𑒂𑒬𑒲𑒩𑓂𑒫𑒔𑒢

२.२.रोशन जनकपुरी- नटकिया

२.३.आचार्य रामानन्द मण्डल- कोरोना

२.४.आचार्य रामानंद मंडल- मैथिली

२.५.आचार्य रामानंद मंडल- नेपाल: मधेश बनाम मिथिला

२.६.आशीष अनचिन्हार-पाठक रमन पोथी किए पढ़थि?

२.७.कुमार मनोज कश्यप- गनगुआरि

२.८.निर्मला कर्ण- अग्नि शिखा (खण्ड-१४)

२.९.जगदीश प्रसाद मण्डल- मोड़पर (धारावाहिक उपन्यास दसम पड़ाव)

२.१०.जगदीश प्रसाद मण्डल- पूनूखटोर

२.११.रवीन्द्र नारायण मिश्र- मातृभूमि (उपन्यास)- २२ म खण्ड

२.१२.नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (लेखक गजेन्द्र ठाकुर)

२.१३.नित नवल सुशील (लेखक गजेन्द्र ठाकुर)

३.पद्य खण्ड

३.१.राज किशोर मिश्र- दुटि

३.२.जगदानन्द झा 'मनु'- ७ टा गजल

४.विदेह पेटार VIDEHA ARCHIVE

४.१.विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक Videha e journal's all old issues

४.२.मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download

४.३.मैथिली वीडियोक संकलन Maithili Videos

४.४.मैथिली शिशु, बाल आ किशोर साहित्य Maithili Children Literature

𑓔.𑓕.𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩𑒲 𑒏𑒼𑒢𑒰

𑓔.𑓖.𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒮𑒴𑒔𑒢𑒰 𑒮𑓀𑒣𑒩𑓂𑒏 𑒁𑒢𑓂𑒫𑒹𑒭𑒝

𑓔.𑓗.𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒅-𑒪𑒩𑓂𑒢𑒱𑒓𑓂𑒑

𑓔.𑓘.𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒩𑒞𑓂𑒢

𑓔.𑓙.𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒐𑒼𑒖



𑓇 𑒠𑓂𑒨𑒾: 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑒩𑒢𑓂𑒞𑒩𑒱𑒏𑓂𑒭𑓀 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑓁 𑒣𑒵𑒟𑓂𑒫𑒲 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑒩𑒰𑒣: 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑒩𑒼𑒭𑒡𑒨: 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱 𑒫𑒢𑒮𑓂𑒣𑒞𑒨: 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑒩𑓂𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫𑒹 𑒠𑒹𑒫𑒰: 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑒩𑓂𑒥𑓂𑒩𑒯𑓂𑒧

দ্যৌ: শান্তিবন্তবিক্ষ ẇ শান্তিঃ পৃথ্বী শান্তিবাপ: শান্তিবোষধয: শান্তি রনস্পতয: শান্তির্রিশ্বে দেবা: শান্তির্ব্রহ্ম

ब्रह्मणसँ प्रार्थना ज द्युलोकम, अंतरिक्षम, पृथ्वीयन, जलम, औषधम, वनस्पतिम, विश्वम, सव देवतागणम आ ब्रह्मम शांति ह्वअय।

ॐ-ब्रह्मण, द्यौ-सूर्य-तवेगण, अंतरिक्ष- पृथ्वी आ द्युलोकक वीच, आय:-जल, विश्वेदेवा- सव देवता, ब्रह्म- सर्जक।

প্রার্থনা জে ছ্যুনোকমে, খ্যঁতবিঞ্চমে, পৃথ্বীপব, জনমে, ঔষধমে, রনস্‌পতিমে, রিশ্বৃমে, সভ দেরতাগণমে খ্বা র্‌বঁহ্মমে শীঁতি হ্মখ্বয। ওঁ-র্‌বঁহ্মণ, ছ্যৌ-সূর্য-তবেগণ, খ্যঁতবিঞ্চ- পৃথ্বী খ্বা ছ্যুনোকক রঁীচ, খ্বাপ:-জন, রিশ্বৈদেরা- সভ দেরতা, র্‌বঁহ্ম- সর্জক।

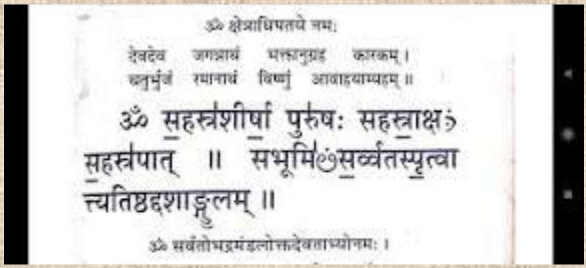
ॐ, स॒हस्र॑शीर्षा॒ पुरु॑षः। स॒ह॒स्रा॒क्षः स॒हस्र॑पात्।

, ↓↑↓ ↑। ↓↓↓ ↓↑।

स भूमिं॑ वि॒श्वतो॑ वृ॒त्वा। अत्य॑तिष्ठद् दशाङ्गु॒लम्॥

↑ ↓↑ ↓। ↑ ↓॥

𑒯𑒖𑒰𑒩 𑒧𑒰𑒟, 𑒯𑒖𑒰𑒩 𑒂𑒿𑒐𑒱, 𑒯𑒖𑒰𑒩 𑒣𑒋𑒩 𑒮𑓀𑒑 𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫𑒏𑒹𑒿 𑒂𑒔𑓂𑒕𑒰𑒠𑒱𑒞 𑒏𑒋 𑒁𑒕𑒱, 𑒠𑒮 𑒂𑓀𑒑𑒳𑒩𑒏 𑒑𑒢𑒲𑒏 𑒫𑒋𑒧 𑒢𑒻 𑒁𑒕𑒱 𑒍।


ॐ क्षेत्राधिपतये नमः
देवदेव जगन्नाथ भक्तानुग्रह कारकम् ।
चतुर्भुजं रमानाथं विष्णुं आवाहयाम्यहम् ॥
ॐ सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात् ॥ सभूमिᳬसर्व्वतस्पृत्वा त्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम् ॥
ॐ सर्वतोभद्रमंडलोक्तदेवताभ्योनमः ।

𑒣𑒠𑓂𑒦𑓂𑒨𑒰𑒑𑓂𑒿 𑒬𑒴𑒠𑓂𑒩𑒼 𑒁𑒖𑒰𑒨𑒞॥

↓◌↑ ↓ ↑॥

𑒣𑒋𑒩𑒮𑒿 𑒬𑒴𑒠𑓂𑒩𑒏 𑒅𑒞𑓂𑒣𑒞𑓂𑒞𑒱 𑒦𑒹𑒪॥

𑒣𑒠𑓂𑒦𑓂𑒨𑒰𑓀 𑒦𑒴𑒧𑒱𑒩𑓂𑒠𑒱𑒬𑓁 𑒬𑓂𑒩𑒼𑒞𑓂𑒩𑒰𑒞𑓂।

↓ ↓↓ ↑↑।

𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒣𑒋𑒩𑒮𑒿 𑒦𑒴𑒧𑒱𑒨𑒰𑒏 𑒅𑒞𑓂𑒣𑒞𑓂𑒞𑒱।

❀ (White Florette- innocence and purity)

☸ (Wheel of Dharma)

卐(Swastik)

(𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡𑒱𑒩𑒮𑓂𑒞𑒳, 𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡𑒧 , Devanagari Anji)

(Gwang 𑓆 (two small circles connected by u and a dot placed over it, used in reference of Vedic texts)

(Tirhuta Anji, Ankush of Ganeshji, placed at the beginning of something)

𑒀



ॐ द्यौ: शान्तिरन्तरिक्ष ग्वंग शान्ति:

ওঁ দ্যৌ: শান্তিরন্তরিক্ষ ẇ শান্তি:

१.१.गजेन्द्र ठाकुर- नूतन अंक सम्पादकीय

१.२.अंक ३६४ पर टिप्पणी

१.१.गजेन्द्र ठाकुर- नूतन अंक सम्पादकीय

एकटा अपन छवि बनाउ, जकरासँ नीक लोक प्रेम करैए आ जे यथार्थ अछि कर्मठ अछि।

मुदा जेना जेना अहाँ आगाँ बढ़ब, समय बीतत तेना तेनासँ बहुतोक अपन मानक छवि दूषित होबऽ लागै छन्हि आ से होइए ओहि गप सत्यपर ध्यान देलासँ जे दोसर तेना निश्चयमे की सोचैए वा बाजैए। मुदा ओ अपन छद्म स्नान वा कहियो काल नीको स्नान वा किछु जानकारी नँ दऽ सकै छथि मुदा की ओ हमर अपन छवि वा यथार्थता तेना दऽ सकै छथि, नै ननन् ओ बेशीकाल तकर उनटा करै छथि। माता-पिता आ शिक्षक सेहो कखनो काल अनायास ऐमे सम्मिलित भऽ जाइ छथि। संगी-साथी, सर-समाज आ सम्बन्धी सेहो। ओ कम वा बेशी सूक्ष्म अछि, ओकर गणित ओहि बच्चासँ नीक-अधला छै, ओहि तेज वा बुड़बककेँ दाम्भ बनाउ वा नै बनाउ, ओकरा दुआरे हम सर जितलौं वा हारलौं। हुनकर क्रियाकलाप आ बाल ओही सर करैए, मुदा से तखन होएत न जखन अहाँ तेहयन कान-बात देबै।

सफलता जे वास्तवमे सफलता होइ, बिनु कम्प्रोमाइजबला सफलता, तैसँ अहाँक आत्मविश्वास आगाँ बढ़त। असफलता लोककेँ हतोत्साहित तखन करत जखन ओ वास्तवमे असफलता होइ। जेना

उनीताक निरन्तरताक कारण साहित्यकेँ नीचाँसँ ऊपर लऽ गेल आ कारक केँ ऊपरसँ नीचाँ। तँ चाहि कऽ कए रचनात्मक साहित्य लिखब आ तत्पर मिलेल हाकाक तिसीश्लीनकी ऊर्ध्वीश्रुभन सभसँ

पुरस्कार लेब मूल्य लेब सफलता हएत आकि सफलता? आ सुभाष चन्द्र यादव सन सुशील सन जिनगी हमरा अपनाएब आ तकर मूल्य चुकाएब हएत सफलता आकि असफलता?

तँ अपन आत्मविश्वास बनने रहू, अनुशासन अतिश राखू। व्यायाम सभदिन वृद्धि करैत रहू, जे एक दिन एहन बीतय जे अहाँक व्यायाम कोना वृद्धि नै हएत तँ बूझू जे दिन बर्बाद भऽ गेल। आ स्थितिप्रज्ञ बनू, आत्मविश्वास राखू। आ जँ अहाँमे ई सभ गुण अछि तँ अहाँ समानान्तर धाराक लोक छी, अहाँक स्वागत अछि।

रोज सकाल उठू, घरक काज सभ करू, जैसँ अहाँ जवाबदेह आ आत्मनिर्भर भऽ सकब। समस्या एलापर सहायता माँगैसँ लाज नै करू आ दोसराक समस्यामे दोसराकेँ सभ सहायता करू। शक्तिशाली दुश्मनक सामाँ ठाढ़ होएब कठिन अछि, जे लेल चाही साहस, नीक-अधलाक स्पष्ट दृष्टि आ सत्य, आ अन्यायक खिलाफ कखनो हथियार नै राखू। विचियलासँ क्रिया नै सुनू, कऽ कय देखाउ, कल्पनाशक्ति आ उपनाम-उपनामीसँ किछु नै होएत, कऽ कय देखाउ, जे साधक ई छी से करबा करू।

अन्तर्जालपर सभ बहुत बात खरा छै, नै रूकू व्यू बनाउ नहिये यसानु, अन्तर्जालक अपनाबी सभसँ बचू।

अपनासँ कमजोर आ छोटकेँ तंग नै, ओकरा प्रताड़ित नै करू, जे किया अहाँ संग ओहो करैत एकर खिलाफ शिकायत करू।

जयपुर-फुट (नकली पएर), कम धुँआ बला चूल्हा सन समानान्तर साहित्य सेहो अन्वेषण, निष्काम कर्म आ बिनु पाइ/ पुरस्कारक लालचक कएल जा रहल अछि जे ओहिसँ हम सभ नीक समाज बनाबी आगाँ बढ़ाबी।

सभमे किछु प्रतिभा सेहो छै, जेना पियानो बजेबाक प्रतिभा। जे विश्वास नै हृदय मे ओतेक कड़ा पड़ि देखियौ। ओहिलेल कएक वर्षक प्रशिक्षणक आवश्यकता सेहो छै। पहिना लोक नृत्य, नाटक सेहो छै आ लकड़ी आ माटि सम्बन्धी प्रतिभा सेहो छै। ओहि कलाक सम्मान करू।

ओही विकासक स्वागत करू जाहिसँ पर्यावरण नष्ट नै होइत अछि, जेना गाछ काटै छी तँ ओहिसँ दस गुणा गाछ लगाबू।

असगर काज करैमे डर लागैत, छोटासँ छोटा काज? मुदा से सभ काल नै रहत, सभ काल न संग रहत न समर्थन।

रंग केँ बिसरि जाउ, ओ नीक हृदय रखैत, वा अधला हृदय रखैत।

किछु संगी साथी आ संगठन अहाँकेँ दुखी करै छथि, गारि सुनबै छथि, हतोत्साहित करै छथि, हुनका विदा करबाक समय आबि गेल। नीक दिन अखनो आबैबला अछि, अधला समय कहियाधरि

चलत। अधला समयमे सीखल शिक्षा दूरगामी होइत अछि जइसँ हम अपन गलती नै दोहराबी। काजक बीच विराम दऽ विश्राम करब सेहो आवश्यक, ध्यान, सर-कुटुम, दोस-महीम ओइठाम जनाइ-एनाइ सेहो आवश्यक।

वैज्ञानिक बात यदि साक्षात देखबा लेल तैयार नहि। सभ दिन होइत जाउ। आ से होइत जखन अहाँ सभ दिन काज न काज एकटा लोकक सहायता करी। सदा अपन विचारकेँ लिखि कऽ जमा करैत रहू। जलखै बिनु नागा कर करू, सात-आठ घण्टा सूतू, भोजन एहन करू जे शरीर लेल स्वास्थ्यकारी होअए। मोन तैयार उचटऽ लागए तँ ध्यान लगाउ, चित्र बनाउ, पढ़ू, संगीतसँ गप करू, घूमू फिरू, संगीतपर नाचू।

जीवन अमूल्य अछि, एकर सभ क्षणक प्रति सम्मान राखू। बिनु शिकाइतक मेहनति करू आ से तखन तँ आशा करू जखन जेसँ असफलता प्राप्त होअए। देखल सपना मोन लक्ष्य दिस सभ दिन एक डेग, आ ओ जँ मनोरंजक लागए तँ बूझू जे अहाँ समानान्तर धाराक लोक छी, अहाँक स्वागत अछि।

कतेक हँसी, आँखि बनि नै गेल, गामसँ नूतन लेल, ओही खुशी नै देखलक, ओही हास्यकणिका सुनलाक बादक हास्य हँसी नै छल, ओही वासनाकेँ संगी बनौनिहारा ओकरा विश्वास दिऔनिहारा जे ओ हमरा लेल खास नै अछि से हँसी नै छल। वृद्ध आ बच्चाक सहायता करबाक चाही, वृक्ष आ प्राकृतिक आपदासँ प्रभावित लोक आ देशक मदति करबाक चाही, ओही कहियो निरर्थक नै होइत। अहाँक सामाँ

स्पष्ट लक्ष्य होवाक चाही, परिश्रम आ लगनसँ ओ प्राप्त सहज हएत। अन्यायी आ कष्ट पहुँचनिहारक प्रति बजनाइ सीखू, मानवताक प्रति निष्काम भावसँ सेवा केनिहारक प्रति कृतज्ञ हो। दिव्यांग लोकक प्रति हमरा सभकेँ ध्यान राखबाक चाही, हुनका प्रति संवेदनशील रहबाक चाही। दिव्यांक लोक दिव्यांगताक अलाव सेहो बहुत रास गुणसँ विभूषित छथि, हमरा से देखबाक चाही, आ हुनका अपन अधिकार भेटनि तेकरा संग देवाक चाही। विश्व स्वास्थ्य संगठनक अनुसार विश्वमे पन्द्रह प्रतिशत लोक दिव्यांग छथि। भारतमे पछिला बर्ख २००१ मे दिव्यांग लोकक गणना भेल जे मात्र २.१ प्रतिशत अछि, ई प्रतिशत विश्वास योग्य नै अछि। सहकर्मी, संगी साथी सभ बनबाक दबाव अहाँपर सदिखन रहत, मुदा अहाँ ओइ दबावमे नै आउ। अपन व्यक्तित्व विकसित करू।

हँसी-ठट्ठा लेल अपन जान गमनाइ नीक गप नै।

खाद्यमे रसायनिक पदार्थ वातावरणकेँ दूषित केने अछि। जैविक पदार्थक उपजा बिनु रसायनिक पदार्थक होइत अछि, ई बेसी स्वास्थ्यकारी आ बहुरंगन होइत अछि।

जिनकामे आत्म-सम्मानक भाव कम छन्हि ओ नीक अनुभव करै लेल दासताक मान्यताक आवश्यकता पड़ैत अछि। फेसबुकपर यादि कऽ कय लाइक गनैबला लेल ई गप अछि। कतेक घटना घटित भेल अछि जइमे सेल्फी लेबै काल व्यक्ति खधाइमे खसि पड़लथि, छातसँ खसि पड़लथि आ मृत्यु भऽ गेलन्हि। हँ मुदा सेल्फी कर प्रयोग अहाँ नीक उद्देश्य जेना बेटी संग सेल्फी आदिक रूपमे कऽ सकै छी।

समयक महत्व बूझू, हालातु सदा समिति, खास कऽ प्रतिक्रियावादी समिति-संस्था अहाँक बहुत समय खराब कऽ सकैत अछि। कखनो नियत समयसँ नै पहुँचि सकी तँ दुख व्यक्त करनाइ नै बिसरू। पाइ हमरा सभकेँ प्रकृतिसँ दूर कऽ देने अछि। कनाडाक मूल इण्डियन अबेनाकी कबीला जे हुनका सभ लेल आरक्षित निर्जन इलाकामे रहैए पर्यावरणक लेल कतेक सुन्दर सुन्दर लोकोक्ति बनौने अछि 'तखन जखन आखिरी गाछ कटि जायत, आ सभ धारमे माहुर दऽ देल जायत, तखन जखन छोट-छोट माँछ अहाँ मारि लेब, तखन अहाँ बूझि सकब जे अहाँ पाइ नै खा सकै छी।'

सामान्य जीवन जीबू जाहिसँ पर्यावरणकेँ नुकसान नै होइ, प्रकृतिसँ प्रीति कऽ रहू।

एक दोसरासँ मिलि जुलि कऽ रहू, मनुक्ख टा नै, माल-जाल, चिड़ै चुनमुनी, सभसँ, प्रकृतिसँ प्रेमसँ।

आ से तँ अछि तँ बूझू जे अहाँ समानान्तर धाराक लोक छी, अहाँक स्वागत अछि।

क्रिया सम्पूर्ण नै होइए मुदा नीक बनबाक प्रयास तँ कैये सकै छी। हमरा सभकेँ सत्यवादी, ईमानदार आ दयालु बनल रहबाक प्रयास करबाक चाही। ई संसार रहबा योग्य एकटा नीक स्थान बनल रहय तकर प्रयास सभकेँ करबाक चाही।

हमरा सभकेँ खूब पढ़बाक चाही, नव नव चीज सिखैत रहबाक चाही।

- Gajendra Thakur, editor, Videha (Be part of Videha www.videha.co.in -send your WhatsApp no to +919560960721 so that it can be added to the Videha WhatsApp Broadcast list.)

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.२.अंक ३६४ पर टिप्पणी

प्रारूसर उषा चौधरी

अद्भुत सम्पादकीय आलेख।

रवीन्द्र नारायण मिश्र

अपनेक संपादकीय पढलहुँ। बहुत नीक लिखने छी अपने। हार्दिक शुभकामना!

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

ॐ द्‌यौ: शान्तिरन्तरिक्ष ग्वंग शान्ति:

ॐ द्यौ: शान्तिरन्तरिक्षं शान्ति:

२.गद्य खण्ड

२.१.डॉ शम्भु कुमार सिंह- स्मृति शेष: स्नेहिल आशीर्वचन



डॉ. शम्भु कुमार सिंह

स्मृति शेष : स्नेहिल आशीर्वचन

सहरसा, 12 मार्च, 2016, *दैनिक हिन्दुस्तान*समाचार पत्रक एकटा समाचार पर नजरि गेल *'मैथिली साहित्य की सुप्रसिद्ध लेखिका श्रीमती प्रतिमा सिंह का निधन*(वास्तविक अवसान दिवस 09 मार्च, 2016)।' मोन पड़ि गेल आइसँ लगभग 7 वर्ष पहिने देल गेल हुनक आशीर्वचन-"जीबू! खूब तरक्की करू!"

प्रो. प्रतिमा सिंह सँ हमर परिचयक दू टा कारण छल। एक, मैथिलीक विद्यार्थी हेबाक कारणेँ आ दोसर प्रो. नचिकेताजीक माय हेबाक कारणेँ। पहिल कारणक साक्षी इतिहासक ओ पन्ना थिक जाहि आधुनिक मैथिली भाषा साहित्यक उन्नायकक श्रेणीमे एहि दम्पति (प्रो. प्रतिमा सिंह ओ प्रो. प्रबोध नारायण सिंह)क नाम स्वर्णाक्षरमे अंकित अछि आ दोसर कारण हमर व्यक्तिगत अछि। व्यक्तिगत एहि लेल जे भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर मे रहबाक अवसर हमरा श्री नचिकेताजीक कारणसँ भेटल छल।

तारीख कोन छैक से मोन नहि अछि, हँ, 2009क जुलाई मास रहल छैक। एहिबेर गामसँ मैसूर वाया कोलकाता टिकट छल। सहरसा सँ सियालदह 7 बजे राति पहुँचि गेल रही। हावड़ासँ मैसूरक रेलगाड़ी आब 8 बजे रातिमे छूटत। भरि दिन की करब? कोना समय कटत? मोनमे आएल, किएक नहि श्री. अणिमा सिंहक दर्शन क' लेल जाय? हुनका पता बूझल रहय, A-132, लेक गार्डेन, कोलकाता। सोचलहुँ जे अपन बैग 'अमानती घर'मे राखि हुनकर दर्शन क' आबी।

रेलवेक कर्मचारी कहलक- "बैग में खान-पीन की कुछ सामग्री हो तो निकाल लीजिए नहीं तो चूहे बैग को कुतर देंगे"। मोन पड़ल जे एहिबेर अएबाकाल हमर माय गोटेक किलो मूँगक दालि देने छलीह। हम दालिक ओ पोटरी अपना बैगसँ निकालि हैण्डबैगमे राखि लेलहुँ। 12 बजे दुपहरक समय रहल छैक। हम लेक गार्डेन दिस बिदा भेलहुँ। दालिक पोटरी हमरा संगहि रहए।

A-132, लेक गार्डेन। घंटी (कॉलबेल) बजएबाक प्रयोजन नहि पड़ल। घरक मुख्य द्वारकेँ देखाहि पता लागि गेल छल जे एहि घरक मरम्मतिक काज चलि रहल अछि। मुख्यद्वारक हॉलनुमा घरमे बहुत रास बीज-बीग सब छिरिन-बिरिन भेल छैक। कतहु चूनाक खपटा तँ कतहु बिजलीक नबका-पुरनका तार, बल्ब आदि। घरक बीचाबीच एकठाम बहुत रास समान सब जमा कएल छैक, जाहिपर मैल कपड़ा सब धूल-धूसरित भ' गेल छैक। हमरा ओहि घरक द्वार पर पहुँचबाक देरी की किछुए क्षणमे एकटा दिव्य व्यक्तित्व

𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒮𑒰𑒧𑒰𑒧 𑒂𑒥𑒱 𑒏𑓄 𑒚𑒰𑒜𑓃𑒱 𑒦' 𑒑𑒹𑒪𑒲𑒯। 𑒑𑒼𑒩 𑒫𑒩𑓂𑒝, 𑒅𑒖𑓂𑒖𑒩 𑒡𑒣-𑒡𑒣 𑒏𑒹𑒬, 𑒢𑒲𑒪 𑒩𑓀𑒑𑒏 𑒣𑒙𑓂𑒙𑒲𑒠𑒰𑒩 𑒣𑒰𑒛𑓃𑒱 𑒥𑒪𑒰 𑒅𑒖𑓂𑒖𑒩 𑒡𑒣-𑒡𑒣 𑒮𑒰𑒛𑓃𑒲, 𑒠𑒰𑒪𑒱-𑒞𑒩𑒏𑒰𑒩𑒲𑒮𑒿 𑒮𑒰𑒢𑒪 𑒯𑒰𑒟 (𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒉𑒪 𑒖𑒹 𑒋 𑒦𑒰𑒢𑒮 𑒏' 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒲𑒯)। 𑒯𑒧 𑒔𑒩𑒝 𑒮𑓂𑒣𑒩𑓂𑒬 𑒏𑒉𑒪𑒱𑒉𑒢𑒱। 𑒋 𑒣𑒳𑒕𑒪𑒟𑒱, 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒹?

"𑒖𑒲 𑒯𑒧𑒩 𑒢𑒰𑒧 𑒬𑓀𑒦𑒳...𑒖𑒱𑒪𑒰-𑒮𑒯𑒩𑒮𑒰...। 𑒯𑒧 𑒦𑒰𑒩𑒞𑒲𑒨 𑒦𑒰𑒭𑒰 𑒮𑓀𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢, 𑒧𑒻𑒮𑒴𑒩 𑒧 𑒏𑒰𑒖 𑒏' 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲, 𑒁𑒣𑒢𑒹𑒏 𑒠𑒩𑓂𑒬𑒢𑒰𑒩𑓂𑒟 𑒂𑒉𑒪 𑒕𑒲। "

"𑒯𑒧𑒩 𑒁𑒯𑒼𑒦𑒰𑒑𑓂𑒨! 𑒥𑒴𑒥𑒴 (𑒣𑓂𑒩𑒼. 𑒅𑒠𑒨 𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒮𑒱𑓀𑒯) 𑒏𑒯𑒢 𑒕𑒟𑒱? 𑒯𑒳𑒢𑒏 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒮𑓂𑒟𑓂𑒨 𑒏𑒯𑒢 𑒕𑒢𑒱? 𑒢𑒲𑒏 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒲 𑒢? 𑒧𑒻𑒮𑒴𑒩 𑒬𑒯𑒩 𑒏𑒯𑒢 𑒪𑒰𑒑𑒪? 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒪𑒪 𑒏𑒰𑒖 𑒏𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒏𑒞𑒏 𑒑𑒼𑒙 𑒟𑒱𑒏𑒯𑒳𑒿 𑒋𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧? 𑒉𑒐𑒢 𑒋𑒞𑒉 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒪𑒪 𑒏𑒼𑒢-𑒏𑒼𑒢 𑒏𑒰𑒖 𑒮𑒦 𑒔𑒪𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒻𑒏? 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒢𑒫 𑒨𑒳𑒑𑒏 𑒪𑒼𑒏 𑒟𑒱𑒏𑒯𑒳𑒿, 𑒐𑒴𑒥 𑒧𑒯𑒢𑒞𑒱𑒮𑒿 𑒏𑒰𑒖 𑒏𑒩𑒴। 𑒂𑒥 𑒁𑒯𑒲𑓀 𑒮𑒦 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒦𑒫𑒱𑒭𑓂𑒨 𑒟𑒱𑒏𑒯𑒳𑒿। 𑒥𑒴𑒥𑒴𑒋 𑒮𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩 𑒂𑒥𑒉𑒫𑒪𑒰 𑒩𑒯𑒟𑒱, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒂𑒥𑒱 𑒮𑒏𑒪𑒰𑒯। 𑒏𑒲 𑒏𑒩𑒥𑒻, 𑒖𑒹 𑒖𑒰𑒥𑒞 𑒠𑒹𑒯 𑒣𑒠 𑒣𑒩, 𑒞𑒱𑒢𑒏𑒰 𑒮𑓀𑒮𑒙𑒰 𑒞𑒰𑒥। 𑒠𑒹𑒐𑒻 𑒢𑒻 𑒕𑒱𑒨𑒻 𑒒𑒩𑒏 𑒠𑒬𑒰! 𑒉𑒐𑒢 𑒮𑒦𑒙𑒰 𑒏𑒰𑒖 𑒯𑒧𑒯𑒲𑓀 𑒏𑒩𑒥𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲। 𑒢 𑒥𑒴𑒥𑒴𑒏𑒿 𑒤𑒳𑒩𑒮𑒞𑒱 𑒢 𑒁𑒖𑒨𑒏𑒿...। 𑒑𑒰𑒛𑓃𑒲 𑒏𑓄 𑒥𑒖 𑒁𑒕𑒱? ...𑒂𑒯𑒱 𑒩 𑒥𑒰! 𑒮 𑒏𑒼𑒢𑒰 𑒯𑒉𑒞! 𑒥𑒱𑒢𑒰 𑒦𑒼𑒖𑒢 𑒏𑒩 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒼𑒢𑒰 𑒖𑒰𑒉𑒥? 𑒐𑒰 𑒪𑒱𑒁, 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒋𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧 𑒑𑒧𑒻𑒨 𑒦𑒼𑒖𑒢 𑒦𑒹𑒙𑒞। ...𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒞𑒿 𑒑𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒂𑒥𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲। 𑒧𑒰𑒨 𑒐𑒴𑒥 𑒢𑒲𑒏 𑒢𑒴𑒏𑒳𑒞 𑒥𑒢𑒰 𑒏' 𑒐𑒳𑒌𑒢 𑒯𑒞𑒲𑒯, 𑒞𑒱𑒪𑒾𑒩𑒲, 𑒁𑒠𑒾𑒩𑒲, 𑒁𑒩𑒱𑒏𑓀𑒔𑒢𑒏 𑒮𑒰𑒑...। 𑒉𑒞𑓄 𑒋 𑒮𑒦 𑒔𑒲𑒖 𑒏𑒞𑓄 𑒦𑒹𑒙𑒞? 𑒬𑒯𑒩𑒏 𑒖𑒲𑒫𑒢। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒞𑒿 𑒉𑒐𑒢𑒯𑒳𑒿 𑒖𑒹 𑒧𑒰𑒙𑒱𑒏 𑒐𑒰𑒣𑒛𑓃𑒱𑒧 𑒦𑒴𑒖𑒪 𑒂 𑒖𑒰𑒿𑒞𑒧 𑒠𑒩𑒛𑓃𑒪 𑒧𑒴𑒿𑒑 𑒠𑒰𑒪𑒱𑒏 𑒮𑓂𑒧𑒩𑒝 𑒁𑒥𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒿 𑒧𑒼𑒢 𑒯𑒯𑒩𑒻𑒞 𑒖𑒹 𑒑𑒰𑒧𑒯𑒱

जा कऽ नहीं। मुदा आब स संभव नहि अछि। ई दखियौक हमहूँ करैत लोक छी! हम एखन धरि अहाँकेँ बैसबाक लेल नहि कहि सकलहुँ। कने बैसाउ! हँ, एतऽ आउ! बैसू!"

ओहि घरक एकटा कोनमे दू-तीनटा कुर्सी छलैक आ एकटा खाट-सन रहल। रहल यत थारीमे लागल हुनकर भोजन जाहिमे सँ ओ किछुए कौर खने हेतीह। खलहा भातक थारी सूखा गेल छलैक। हुनकर ओ0 हाथक दालि-तरकारी सेहो सूखि कऽ टटा गेल छलनि। ओहि कुर्सी यत हम दुनू गोटे सामा-सामी बैसि गेलहुँ।

"हँ! ने हम कहैत नहीं जे..."

ओ बाजिते जा रहल छलीह, आ हम! हमर ध्यान आब हुनकर कोनो गप्प यत नहि रहए। हम दोसर दुनियामे चलि गेल रही। हम अपना मोनमे हुनकर बेड़ सरल बात दोहरा रहल छलहुँ, "बबू करैत छथि..., मैथिलीक लेल काज कनिहार..., अहीं सन आब मैथिलीक रचनीय थिकहुँ..., खायतमे रूजल आ जाँतमे दरड़ल मूँगक दालि...।"

"मूँगक दालि!"

हमरा रहल जे मूँग दालिक पोटरी ने हमरा लग अछिए हम हिनका दऽ दैत छियनि। हुनि मोन करए जे 'दुन जी! एतबा नास मूँगक दालि हिनका दए अहाँ सुदामाक पद प्राप्त करए चाहैत छी?'

अँगनामे हम हुनका कहलियनि, "जी, हमरा लग (थोड़ेक) मूँगक दालि अछि जँ अपनेकेँ कोनो असौकर्य नहि हो तँ अपने ओकरा स्वीकार कएल जाउ।"

ओ कहलनि, "असौकर्य कोन? अहाँ हमर सासुरक लोक छी, हमर जिला (सहरसा)क लोक छी, मिथिलाक लोक छी, दिअ! दिअ!"

हम पात्री हुनका दिस बढ़ा देलियनि।

ओ ओहि छोट-सन पात्रीकेँ हाथमे लए नाकसँ सटा कए सूँघलनि... आह! अपूर्व! स्वादिष्ट हएत ओ जाँतमे दरड़ल मूँगक दालि...अपूर्व गमक!

"..........."

अबै काल हुनक चरण स्पर्श कएने छलहुँ तँ ओ आशीर्वचन देने छलीह, "जीवू! खूब नीक करू!"

आइ जखन वएह समाचार मोन पड़ि गेल "मैथिली साहित्य की सुप्रसिद्ध लेखिका श्रीमती अणिमा सिंह का निधन।" तँ हुनक ओ आशीर्वचन "जीवू! खूब नीक करू!" मोन पड़ि गेल। स्नेहिल आशीर्वचनक स्नेहिल गमक!!!

-डॉ. शंभु कुमार सिंह, संपर्क सूत्र: 9986890429

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

२.२.नाभन जनकपूनी- नटकिया



नाभन जनकपूनी

नटकिया

मलंगनाम रानका दस वज ।

मघनाथ वाजल -"माटनसाइकल त दासनि‍ ओनि ल गेलौ । वस स चल यनौ ।"

"हाँ ।"-रान स ननलयून गकक याग्राक लल ओकन माटनसाइकलक प्रगिज्ञा समाप्त रुल । वेंग ३०। मघनाथक याछ याछ ओहा विदा र'गेल ।

ओ यनसू साँझम, किछु अन्हानम, एहि जिला सदनमूकामम आयल छल । उग्रीतिग नर्गम अधिकानक लल एकगा आ संघर्षक चेतना अभिवृद्धि सम्बन्धी एकटा एकदिनहा अन्तर्क्रिया गोष्ठीम विशेषज्ञ नक्ताक नूपम आमन्त्रित र'क' आयल छल ओ । मलंगना, यानम्यनिक छाटछिन आ वातेन यनक वजान स, अखन शहनोन्मूख वस नहुन वजानम वदैल गेल अछि । मूदा अछि त नयाल आ गनाइएक जिला सदनमूकाम । एनहक सडक वालूए आ गिट्टी स सालसाल

बनैत अछि । बनखा मास शुरू होब'स दू एक महिना पहिने बनल छी सडकसबक बालु आ किछु गिट्टी, बनखाक पानिसंगे सडक कातक खधानलाहा नालीमे बहि जाइत अछि, आ साल भरि हाकिम हुक्काम, मंत्री, नेतासबक निरखी गाडीसब सडकपर दौडैत वा सडक कातमे चलैत लोकसब संग बनमसिया धुनखल करैत रहैत अछि । 'मान बहाँ......'स शुरू क'क' गाडीबलाक मातृपक्ष आ पितृपक्षक सम्मान आ शैलीबद्ध उद्धार करैत किछु लोक धूरा स भरल कपडा झाडैत, नाकमे आँखी घूसियाक' सारू करैत अछि । मुँहमे कचकचाइत बालु थूकैत अछि जना गाडीमे पन थूकन हो । नजेन उठाक' दूर दृष्टिक्षितिज स उडैत धूराक बीच हराइत वा हराएल गाडी दिस ताकैत अछि । आ 'साला छी देश भरल हड्ड' सनक काना देश सम्बन्धी तायलगसंगे पहिनहीँ जका संगी सबहक गप्पमे मसगूल भ' जाइत अछि । आ किछु भद्रजन 'उहँ !' सन संक्षिप्त टिप्पणी व्यक्त करैत छथि, सलीका आ शान स कपडा झाडैत छथि, जेबी स रूमाल निकालैत छथि, मुँह कान पोछैत छथि आ घन जा क' पूर्ण नाक बजैत छथि -"छी सडकसब त येहल चल' जाकन नहिए नहुँ गेलै ।"

हनक सनकान पनिनलमे एहि जिला स मंत्री प्रायः नहिये अछि । अखना एहि जिलाक दू टा मंत्री अछि । स्थानीय विकास मंत्री, श्र अलकानाम मिलाक' गिट्टी आ बालुक अनन्त महाराजन क' नहल अछि, आ शासन पद्धलियम मंत्री, श्र तीजल, पद्धल आ एलपीजी गेसक मन्द मन्द यान क'क' अपन अगिलका देश पूर्णाक

गृह क'नहल अछि । 'वाह मंत्रीजी सब ! आ जय हो मलंगवा ! ....' , उनका मनमन हँसी गेलै ।

मुदा आइ सत्कयन धुना कमा उठल नहल छल, आ सतक सहो किछु साह बूझयलै उनका । "सतक यन बूझाइछै जना रान रान याइन यटौन छै । काना मंत्री जन्मी आयल छै कि ?"- ओ पूछलक ।

"हँ ! यद्मालियम मंत्रीक अवाइ हइ ।"- मघनाथ वाजल ।

"कागक नीक हाइगै उँ सब दिन क' एकटा मंत्री अवैत, इ सदनमूकाम उजिया जाइग - सहा आ निकसित ।"- ओ बोल कयलक ।

"नीमन हइ ज कहिया काल अवै हइ सन ! अखनी दुन स गिट्ठीएवालू खाइ हइ आ गल यीवै हइ । सब दिन ज अगै त एकना सवक स्नागम सदनमूकाम साह हो जगै ।"-मघनाथ हसा क' हँसल । मघनाथ उनक स्थानीय सहयोगी अछि ।

"उयन अहाँसब सनकानक आ मंत्रीसवक कथिला न कूछ कहै छियै? अहाँसव त संघर्ष आ अधिकानक या0 यढवै छियै ।"- मघनाथ हँसित हँसित गम्भीन प्रश्न कयलक ।

"हमसब त विशेषरू छियै न, उत्पीतनक तथ्यांक आ अधिकान सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था आ कानूनी संघर्ष क वानम जानकानी त दव कनै छियै ।"- ओ जवाव दलक ।

"लेकिन खाली जानकारिए देला स त न होएत, घोटालासभ त कागज पत्रमे मिलाएले होए रहए।"-मघनाथक स्वरमे निराशा छल।

"हमसभ जे आइएनजीओमे काम करै छी, ओ तथ्यक आ कानून स बसी नहिँ देखै छै। तहूँ नहिँ बसी देख, अपन काज देख बस!"

मघनाथके मुँहपर किछु नहिँ नीक भाव ओकरा बुझयलै। जेना ओकरा बात नहिँ नीक लागल होए। मघनाथ चुप्प रहल।

"नमस्कार हौ मघनाथ! कहना जाइछा कि?"-तखन एकगोटे पाछू स टोकलकै मघनाथके।

"नमस्कार, नरलपुर जाइछी।"-मघनाथ जवाब देलक।

"हिनका न चिह्लियन?"

"ई, ई रमन सर छथिन, अधिकार आ संघर्षक विशेषज्ञ। एगो गोष्ठीमे आयल रहलखिन त'। आपस जा रहल छथिन।"-मघनाथ ओकरा परिचय करौलक।

"नमस्कार सर!"-कहैत मघनाथक परिचित एकटा गलीमे हेरा गेल।

'अधिकार आ संघर्षक विशेषज्ञ।' अपन परिचयपर ओ मनमन हँसल। बस स्टैन्ड आबि गेल छल। गाडी लागल छल।

"सीट त सङ्ग रेन गेल हएत, पछिलका सीट पर बैसि पड़ ! सत !"-मघनाथ वाजल।

"की कनवीरी त, चल। उपाय कोन छै दोसर?"- ओ जवाब देलक।

"विश्राम करू सत ! खिड़की सामने बैस कुदक'बैसू हएत।"- मघनाथ सलाह देलक।

"ठीक छै।"- ओ कहलक। दुनू गोटे विश्राम करए गेल। तखन गाड़ीक इन्जन जोर स घनघनायल आ संगेसंग गाड़ीक सउँस अरी वरी आ आँजन पाँजन खड़खड़ा उठल। पता नहि कोना' नूट स निठायल रे'क' मलंगवा नूटम 'ताला' गेल (वैसल नहल) अछि। ओकर नजैर आगुम क सीट आ पैसेन्जरसवक नँघेत स्लीपिंग सीट दिस गेल। स्लीपिंग सीटक उपर एकटा चानी उठल मुँडी नजैर आयल, जकर पछिलका रागम चक्लाकार सनपटुआ सन् उज्जर केशक पाग धानी निम्ना मुँह लटकल छल आ ओकरा वीचम नम्हर मूसनीक नाक्षेन जका ट्टा-मँड मूड़ा सीटल साँटल टीकी लटैक नहल छल। नहि जानि कोक वसन्त पान क'क' स्थायी पासस'म प्रवेश क'नहल छल 'गुनूजी' (स्लीपर)!

"स्लीपर आ गाड़ी तुनित वूसाइछै।"- ओ हँसल।

"हूँ ! ..."-स्लीपर दिस तकैत मघनाथ वाजल- "...लेकिन विसवास कनू, ननलपून पहुँचव कनवे !"

"माँ ! गाड़ी नञि कनिहा।"- ओ मनमन प्रार्थना कयलक।

गाड़ीक गेटपर चारि पाँच गोट एक्का बर गाड़ीमे पैसलै। इञ्जन फेर जान स घनघनयलै आ खड़खड़ाइत गाड़ी आगू बढ़ि गेलै। बूझयलै जेना कुक्का जायत, ओ मरः द' अगिलका सीटक काना पकड़िललक। मुँह स फेर प्रार्थना बीज छिटैक गेल- 'माँ !'

मेघनाथ ओकरा देख क' मुस्कायल। तखन एकटा दूबर पातर छौंड़ा 'जय हो' क चन्द्र उद्घोष करैत ओकरा बगलमे आबि क' बैसि गेल। खिड़की कातम पहिनहि स एकटा फुलपैंट, बुशर्ट आ चप्पल पहिरने, सामान्य मुदा ग्रामीण आ हलादमीसन बुझाइत लोक बैसल छल। ओहो छौंड़ा दिस ताकलक। छौंड़ा अनगमुहा सन् बुझयलै ओकरा।

गाड़ी मलंगनाम सीमा छाड़ि चुकल छल। एहि बीच किछु आओर गोट गाड़ीमे चढ़ल छल आ दुनू दिसक बिचला खाली जागम किछु धक्कम धक्का बढ़ि गेल छल।

"हँ, लाउ त !"-कन्डक्टर हाथ पसारलक।

"कते दिया? नरलपूर। दु गोट।"- ओ पूछलक।

"एक सय दियौ न।"- कन्डक्टर जबाब देलक।

"एक सय !"- ओ मेघनाथ दिस ताकलक। मेघनाथ 'ठीक'मे मुँड़ी हिलयलक।

"दुः लाउ न, अहूँसन कथी कचकच करै छी !"- कनुआन समकल । उत्तर द' देलक ।

छौंडा खिड़की स बहरा देखैत रहल छल । कनुआन उत्तर टोकलक- "हय ! गाड़ा ला ।"

"जाहि, गाड़ीनि त उतरबै ।"- छौंडा ओकर स्वरमे बाजल ।

"त गाड़ीनियाक पैसा न लगै छै कि ?"- कनुआन गुम्मैत आँखि स उतरा देखलक आ घूमि गेल । "करुन करुन यसिकान गाड़ीमे चढ़ जाइय ।"- कनुआनक बड़बड़ाहट सारु सुनाइ द' रहल छल ।

खिड़की कातक पैसेन्जर शायद कानपुर यन स टीकट लेन छल ।

गाड़ी गति पकैनलन छल । स्टेशनक बीचमे के दुब्बा दुब्बी (खधिया खधिया)मे पसैत निकलैत गाड़ीक चक्का पछिलका सीटक यात्रीसबक बन बन सिग्नल बोल जका क्रुक्का रहल छल । कखनो काल त उतर कछुमे साँस अटैक जाइ । 'पछिलका सीटक मनुक्खनम् उत्तर जानय उ बहसय ।'

कनुआन ओकरा ओइ ठल पैसेन्जरक टोकलकै "हँ, गाड़ा लावा !"

पैसेन्जर किछु नहि कनुआनक देलक ।

"कहाँ जयबा ?"-कनुआन पूछलक ।

"ननलपुर ।"-पैसेन्जर कहलक ।

"बीस रुपैया आन लाबा।"- कन्हर बाजल।

येसकुन भौँस देखयलक -"कथी क बीस?"

"पचास रुपैया लात हऽ।"- कन्हरा कठकल।

"गाँ जह कहबहा सह हागो?" -येसकुन हर ठँठल।

"जल्दी कर', लाब न त गाडी स उतर'।"- कन्हरक गार कर आउर कठा हले।

युवक जेबी स किछु आन रुपैया निकालि क' कन्हरक हाथमे देलक। "दश रुपैया आन।" -कन्हर बाजल।

"बसी बढियाँ र र देखाब क! हमहूँ ओहि बा क लोक छी।"- युवक कर नंगदानीवला गरर देखयलक आ कन्हरक अस्तीर स आगू मुँह घुमादेलक। आ कन्हर युवक क जेना बिसरि गेल। ओ दासर क टोकलक -"लाउ।"

'आ हमरा स पचास रुपैया लाउ.....' , ओ मेघनाथ दिस तकलक। जेना मनक बात बुझि गेल मेघनाथ, मुस्काइत बाजल -"सकबे सर?"

ओ किछु नहि बाजल। ओकरा याद पड़ि गेलै ओकर प्राजेक्ट प्रमुख शर्माजी आ दादा देशक आइएनजीओक गोरका कुइस स्मिथ। स्मिथ, जे कम्सलटेन्ट खर्च आ अपन विविध खर्चक बहाने प्राजेक्टक नामपर आयल राशिमे स आधा स बेसी अपना जेबीमे पहिनहि

 ISSN 2229-547X VIDEHA

ध'लैग अछि । वाँकी ववलम स कार्यक्रमक स्थानीय आयाजक, शर्माजी, डा आ डाकन सहकर्मीसव वसी स वसी नकाम अयना जवीम आवय, गकना लल खींचा गानी आ मालमालाक कनैग नहिय। अहिना जना की कनुकान आ येसकन कयलक अछि । की वस म, सनकानी गैनसनकानी, सव OIम मालमालाकी अछि, गानागान अछि । जना सउँस दशे मालमालाकी ह'गेल हा । "

गाउीक हनहनी क चीनैग खलासीक गज स्वन स डाकन मनालाय हंग हलै -"गम्हनिया ।"

डाकना कागक खिउकी लग वैसल ग्रामीण हलादमी वगलम वैसल छौँउाक याद यानलकै -"गम्हनिया आ गेला ।"

कनुकानाक जना याद नहि, डाहा हाक दलकै -"हँ.... उगना न ।"

"अगिलका चौक यन उगनवे ।"- छौँउा जान स जवाव दलकै । कनुकान जना मनमन गाबन दन हा, डाकन आँख म गहन हान छल, मुदा मुँह स किछु नहि वाजल । छौँउा जना कनुकानक हान वूझ नहल छल, डा मुस्कायल आ अयन नढरवला नजैन स जम्हन डाम्हन गकलक आ जान स नाना लगयलक- "चमलिया माकी जय !"

चमलिया माकी दु स्थायज आना आगु क चौक छल। छौँउाक वाली आ हाव नाँगट छल । छौँउा दख'म ग सिकिउ यहलमान

छल, गेया छी गनन? नाह ! 'अहिना ज मलंगना आ मलंगना की, दशेक लोकसब मंत्री, हाकिम हुक्काम आ सनकानक गनन दखाव' सकितै !'- ओ मनमन सोचलक । तखन गाडी चलन लगलै हुड़ाम । पछिलका सीटपरक सबगोटेक कुक्का लगलै। असोानधान ओकन त माथा जना वसक छत स ठोकना जाछी, तना बुझयलै । ओ जान स अगिलका सीट पकनलक । '.....त जनगाक गाडी अहिना हुड़ाम चलत आ ओकन माथ वस स ठोकनायत ।'- ओ मनमन हँसल आ खिड़कीसँ बाहनक दिस तकलक । बाहनक जना अविचल सुनामीम जहाज खसैत नहल छल । ओकन मूसनीक नाङ्गनवला टीकी डोल नहल छल । ओहि सुनामीम छौंडा हुन नाना लगौलक - 'बमलिया माछी की जय !'

अगिलका सीट पनक गेलगला, ओछ लुंगी आ प्लास्टिकक चप्पल पहिनन एकटा पहलमान सन् अधवैस् ग्रामीण, छौंडा पन बंग्य कयलक -"मानलियौ न बौना गाना !"

"साना दिन अबै जाइछी, विद्यार्थीया स पइसा लगै, त कइस हायै? हुन् धनिक नहयै त एगो बात, की हौ काका?"- छौंडा शान मानलक ।

एकटा चौक आयल । गाडी नुकल आ हुन चलल । किछु उतनल आ किछु बसि चढल । गाडीम गहमा गहमी किछु आनो बढ़ि गेल । हाथ हनाछी आ लनाछीक क्रमम बैसल आ कनुक्कानक तीव्र आ मध्धिम स्वन गाँय ताँयक बीच सुनाछी द' नहल छल । गेटपन कनुक्कानक स्वन सुनाछी दलक -" गेटपन हीत न

कनू, पिछाओ जाउ ।" सम्भवतः ओ यैसञ्जनसवक धकियओवा कयलक । ओहि धनरूनीम कन खसैत यनैत ओकटा कन हरीनट यूनक ओकना स दु सीट आगु नजैन आयल । यहिल नजैन म ओ, नील नंगक जीन्स येन्ट आ यीयनका रंग यहिनन ओहि यूनकक याछ्ओ स दखलक । यूनक अयन माँटासन ममटगन नम्मन कणक नवन वेनु स वम्मन छल । आ अयन सूटकस सीट स ओयन वनाओल गेल सामान नाख'वला खानाम◌ं नाञ्ञख नरूल छल ।

ओ निम्मिण रल । ओहि शुद्ध ग्रामीण उत्रम अत्याधुनिक शहरनक रूसन कण' स आयल ? सूटकस नखलाक वाद यूनक चानुदिस नजैन घूमयलक । शायद कणी खाली सीट खाञ्ञज नरूल छल । सुगढ आ स्वच्छ नयन नक्षवला ओहि यूनकक चहना आ आँञ्ञखम कलात्मक आ कामल राव स्थायीनूय जना वास कनैत हो, गना वूमयलै ओकना । ओकटा चौक अयलै । किछु गाट उणनलै । यूनकक वगलक सीट खाली रलै । यूनक यूछलक -"वञ्ञQ ?"

"खाली हञ्ञओ, यूछ क कान जनूनी हञ्ञ, वञ्ञO जा ।"-सीटयनक यैसञ्जन वाजल । यूनक वञ्ञस गेल । यूनकक स्वनम स्नेह कामलता छल आ सम्वाद प्रस्फुणिम लचकता । ओकना आगूक सीटयन वैसल दु टा यूनतीम स ओकटा सूनल जायवला आवाजम रूसरूसायल -"मौगमहना हञ्ञ, गम्भनिओक हञ्ञ, नट्आम काम कनै हञ्ञ ।"

किछु यैसञ्जनक नजैन ओहि यूनक दिस घूमल । जना सओकक हूत्रा हूत्रीक सूनामीम समय काट'क जागाओ रहि गेल हो । गाओ हून नूकल । काना यूलिस चक याम्ह छल चौनीम । दु टा यूलिस

गाछीमे पैसल, पैसलाहसब यत नजैर दौड़यलक, सीटसबक निचलका हिस्सामे ठेहा स ठकठकयलक आ गाछी स निकल बौन गेल। गाछी सुनसान रहल। सड़क स निकल खातिर पुलिस टैन लग कारा वर्दिधारी सब वृक्षाहुत पुलिस अधिकारी किछु हल्लाहुत टैनक एक कात स दासन कात जा रहल छल आ कनुकान निचीत हातम किछु कहैत ठाकना यादु यादु घुमैत रहल छल। धाखैत सहा गाछी बड्ड का'का' निकल बौन गेल।

"कथी क देखी रहल ?"- एकटा पैसलाह प्रश्न कयलक।

"जानू बात न मिललैय। यनरहीक हाकिम कहै रहल किछो खालक।"- पुलिसक टैन लग स लौटल दासन पैसलाह वाजल।

"त खाल दव क न चाही।"- यहिलका पैसलाह वाजल।

"न, कहै रहल समान खालक देखवउ।"-दासन जवाव देलक।

"कुछ ल द क मिलाव न चाही, यसिलाह क देखी न हाथ छथ।"- यहिलका हुन वाजल।

" त जाउ न अयन, कहीँ बात मील जौ कि !"-दासन व्यंग्य कयलक।

"ऊँह !"- यहिलका अयन ववाल कयलक।

"नाजिला क बात रहल, बात मिलव कनौ।"-गसन हाथस देअयलक।

गावा गक किछु आउान यैसञ्जन यूलिस ट्रैन गक यहुँच (गल । उाहासव किछु कागज दखवैग यूलिस अधिकानी स नहाना हानम वाग क' नहल छल । उासव शायद व्यायानी छल, जकन माल गाडीम लात छल । उा गाडिएम स दुःख नहल छल । खगम कन्डक्टन, ड्राइभन, उा व्यायानीसव आ यूलिससव मिलाक' कनीव गीस पैँगिसटा लाकक समूह वहुग नास समूहम विनाजिग ह'क' वगियाय लागल । उाकना सन्निधान सनाम वहसक लल प्रस्तुग आ अटकल काना गम्हीन ओजन्ता यन क अवस्था याद यनलै । स्ठगन कालम सन्निधान सनाक प्रांगनम सनासम्भव ओहिना अनक समूहम विनाजिग ह'क' अत्यन्त गम्हीन छलहल आ वहसम लीन ह'जाइग छल । खगम ओहन गम्हीन स्थिगि छल । किछु कालक वाद सव समूहम स किछु (गाट निकलिलक' ओकरा गाडीक गनम जमा ह'क' किछु आउान घनीष्ठग वहसम लीन ह'(गल । उाकना वूझयलै ज सन्निधान सनाक प्रांगनम विनाजिग समूह सवहक नगा आ सनामूख, उपसनामूख सवसं(ग (गाय्य वार्गा क'नहल हा । खगम गाडीक निव्वा ड्राइभन, कन्डक्टन, व्यायानी आ किछु यूलिससव छल । हाकिमसन ल(गैग यूलिस, ट्रैनलग असगन 0।८ सिगनट हुक्क नहल छल । गाडीक निव्वा किछुकाल गहन छलहल चलल । गकनावाद कन्डक्टन, ओकटा व्यायानी आ ओकटा यूलिस, ज शायद हाकिम यूलिसक सहायक छल, हाकिम यूलिसलग यहुँचल । किछु गय्य हल । हाकिम यूलिसक छाडि क' वाँकी यूलिस यार्टीक प्रगिनिधिसव यूलिसट्रैनक अउाटम चढल (गल । किछु उाधक वाद लौटल । यूलिसक सहायक हाकिम अयन सीनियन दिस दुःख क' मुस्काइग '0क 0क' म मुँडी हिलयलक । कन्डक्टन आ व्यायानी

दुनू हाकिमक वर्दीसँ देखाक' नमस्कार कयलक आ गाडी स गाडी दिस लौटल । ड्राइवर सीटपर पहिनहि बैसल चुकल छल । गाडी जान स घनघनायल, खलासी गेटपर जान स दु बेर थाप मारलक आ हाँक देलक -"हँ, बढ़ौन ।" आ सुनामी यात्रा शुरू भ'गेल ।

ओ सोचलक, अहुना क'क' कतो सम्विधान सरकार समस्या समाधान नहि कयलक । प्रथम निर्धारित भ'गेल सम्विधान सभा, हद !

एकटा पैसेंजर कन्डक्टरक प्रभाव देखयलक -"शुरूए म मिला लेल नहिता त देखी नहि न होयता । ककरा कहाँ कहाँ जायक छै ।"

"गाडीएम बैसलक गद्य मारै छी स नित्र न आव क चाही !"- कन्डक्टर शायद किछु बेसिए परेशान भ'गेल छल ।

"नहि एगो बात कहलिया ह ।"- ओ पैसेंजर बात सम्हारलक ।

"हौ बयानी सुन कथी कथी लात क' लेल रहे, आ ओ झाला पुलिसवासँ हमनासँक मायबहिनक एक कयेय ...."-कन्डक्टर बड़बड़ाइत रहल छल -".....ओकनासँक पट न छौ हई त सनकान स न माँगैक चाही कि......।"

"हो बसमे ई ह देखम हय, न त एकरा पुलिससबक बाप्पक बीच बौनाहायन पिटाई करक चाही ।"-सर्ट कार्ट पेंट आ चमकौत झाँपाधारी एकटा आधुनिक सलादमी युवक पछाड़ सँ बघारलक ।

"एले, वसी सखी न न वघान् । अहाँ यढलहवासूनक वाली गउिजम ख़कला । यनहनीसूनक आगे अहूँसूनक Oनी मान दय़य ।"- कन्हकन उहि आधूनिक एलादमी यूनकक दवानलक । यूनक सकयका गेल । यूनकक हैसन कहि नहल छल ज उा नाजधानी वा काना नम्नन शहनम नहेग अख़छ । कन्हकन जकरा गनीवसन महिलाक टाकलक -"एाउ ला, कहाँ जयव !"

"गेन वजान ।"-महिला वाजल आ एाउ दलक ।

याख़ी कम्म छल । कन्हकन कउकल -"यवीस नूपैया ला ।"

"जान हख़ उा मालिक ।"- गनिवनी गिउगिउायल ।

"हख़, ख़ी वस गाहन वायक हउ? नूपैया न हउ ग उगन गाउी स ।"- यूलिस स एटल सव हजीहग उहि गनिवनीजयन उगाख़न नहल छल कन्हकन ।

"काह गनियवख़ छी उा मालिक, कृटानयिसान आ ख़ूँटा एथाम कामकाज क' क वाल वच्चाक यट याले छी । गख़का दया क' दवे ग कृच्छा न विगनग उा मालिक !"-मजदूनकी हन गिउगिउायल ।

कन्हकन हन कउकल -"हाल् वाग न कनक, यूना एाउ द ।"

मजदूननी आँख़खम याचनाक एाव नन चानूदिस नजेन घूमयलक । वसमक किछ लाक सूनिया क', दखिया क' नख़ँ दखल सूनलजका आयसी गप्पम मसगूल छल । जहि गप्पम गाम शहन, दश निदश, ग्रष्टाचान, कमीशन, लाकगन्त्र, गानाशाही,

मानवीयता आ बहादुरी एकर विषय सामिल छल। किछुगोट निर्भीकमय निर्णय गनिवनी आ कन्हैयाक वार्तालाप आ दृश्य सुनि आ देखि रहल छल। जीन्स पैन्ट आ टीशर्टवला मोगमहुना युवक सेहो देखि रहल छल ई दृश्य। ओ बाजल-"कोना ऐसा काम हुऐ ओ कन्हैया साहेब?"

"पाँच रुपैया।"- कन्हैया जवाब देलक।

"पाँच रुपैया ला ओतना घाल मचयने छी। लू, हम दै दैछी.....।"- मोगमहुना पाँच रुपैया कन्हैया दिस बढ़ेलक। महिला ससरि क' मोगमहुना लग आबि गेल। -"... अहाँ ठीक य' बैठ जाउ" -मोगमहुना बाजल आ अपन ठाँठ र' गेल। महिला बैसि गेल।

गाजीम किछुगोटक ई दृश्य नीक लगलै। ओकरा नीक लगलै। एकगोट मोगमहुनाक पूछलकै- "कत्ते जाइछी?"

"छपरा जिला।" -मोगमहुना जवाब देलक।

"उहाँ कोना कामनाम करैछ की?" - ओ पैसेन्जर खाधियानलक।

"हँ, कामउम कथी। नावउवम काम करै छी।"

"नावम मन लगै हउ?"- प्रश्नकर्ता बौलक टानम बुझायल।

"नीमन कथी लगतै हउ! बक्स नावम लागि गेलियै। स ओहीम मन लागि गेलै। घनम बूढ़वा बूढ़िया मायबाप हउ। कनादुक

याले छी ।"-मोगमहना वाजल । वर्जाकाल उाकन स्त्रीजन्य रानरंगिमा आ लवकना किछु येसक्तनक शायद मजा द'नहल छल ।

"नीमन की ! मज अवैत हाँ कि । छयनिया जिस्वानसवक ग 'हाथी' यालक सीख ग नहव कनै छै ।"-एकटा अ(धेठ खड्गन (धानी कुर्णधानी रलमानूस वशनमी स खिखियायल । मोगमहना जनेत आँख स उाकना दखलक, मुदा वाजल किछु नइँ । चूपचाप ठाढ नहल ।

उाकना नइँ नीक लगलै, मन रलै ममकाइन दी उाहि रलमानूसक, मुदा उाहा नइँ किछु वाजल ।

"यढल लिखल छहा ?" - उा यूछलक ।

" न ! वड्डम आठ किलासगक यढलियै । गनीव वायमाय खर्व न दव सकलै । गाउँभमक नमसन थ्यासजीक साथे लाग (गेलियै । हा (गेलियै नटुआ । दस विदस रनमना हा जाइछै आ कुछ आमदनिया हा जाइछै ।"- मोगमहना सहज राव स उत्तन दलक ।

"नटुआ आ मोगमहना कहि क' गाना ज टिहकानी याने छा स नीक लगै छा ?"-उा हन प्रश्न कयलक ।

"छाइन दु हड्डन ! हमना काम कन क हय, ओकना ज कहक हइँ कह दियौ । काइँ हमना खायला न दइय । वाकी, हम

बहुत जिज्ञासासँ आ हलमानुससँक देखल छथि, जकर बहुवटी काठमाण्डू, पटना दिल्लीमे बिकाइ छइ आ ओ सभ गेलि आ बीलगलीमे उठि छइ।"- भोगमहुना मनक पीर उघलिए देलक।

ओ गप्पक दिशा मोड़लक -" अपन गाम घर नीक नइँ लगै छौ, जे एतक दुर जाइ छौ?"

"अपन गाउँ घर ककरा निम्मन न लगै हुअन, लेकिन करबै कथी? काम न करही पनौ।"-भोगमहुना मनक दुःख व्यक्त कयलक।

"ओनियाँक पुलिस अइसन होइ छइ?"-एकटा पैसञ्जर प्रश्न कयलक।

"अइना कइसन होगै"- भोगमहुना बाजल -"ओहिएक न सिखल हुय एनिक पुलिससब।"

"गाना न गनि बसिए पिनसान करैग हागै।"-दोसर पैसञ्जर नूय, नंग आ ढंगपन प्रश्न कयलक।

"न पूछ, कहीँ कहीँ न कुछ बसिए हिनसानी रागे पनैय। हमू एगो खनाव आदमी हुय हमना, बदमस्ती आ बज्जा निमन न लगैय। कहीँ कहीँ न मगठा हुसाद आ दु गनहा हाथ पाएक नौका रागे पनल हुय ....।"-भोगमहुना सहज रागमे अपन मन खाइल नहुल छल-".....एक न गरीब, दोसर नटुआ, गसन नयालक आ

उाहाम उाकान दगाम। उा सुन वृषेय ज कृठा कानवे ग ठज ज'गे
।"

"गाँह् षगउ आ हाथयाग क'लै ठही ?"-दासन येसन्नन मुष्काॅग
हन खाधियानलक।

"यने हॅ ग लाक हूना लॅ हॅ, हन हम खाली नट्ॅ न न
ठी। आखिन महना महनी कनवलाक वटा ठी।
धनकटनी, हँसुआ आ लकउी चीनम टाँग्ल ग यकनव कनेठी।
हूनसदम न नट्आगिनी कन वल जाॅठी।"- मोगमहना सवहक
अयआ नियनीग वाजल।

"ठिक ? जय हा !"- नढटहवा ठौँउ वाजल आ यहलमान जक्कसंग
चौल कयलक।

"जाद धाख न न दखाव क। गाना सूनक दखलिया ह'।
यूलिसवासून नहला ह' सवक यनल, ग मुँहम लट्ठ धयन वे0ल नहला
ह'।"- मोगमहना खौँसायल। उा आव जटिल वृमा नहल ठल।

"गाँही कथी क'लवही ?"- नढटहवा ठौँउ कन यिगायलसन वाजल
।

"स समययन न वृमाॅठ।"- हेरीनट मोगमहनाक आनाज दृढ
नहिंगा नट्आयन मलकि गेल। किछ गाटक संग उाकना हँसा
गेलै। नागानन्दा किछ गीग ह'गेलै आ नागलायक क्राम नूॅक

गेल। ओ हाइ मौगमेहरा सबक अपेक्षा नियमित प्रस्तुत रहल छल।

सुनामीमे जहाज हीलैत डोलैत अपना गतिमे आगू बढ़ल जा रहल छल। ओ खिड़की स बहरा तकलक। गाड़ी एकटा बस स्टेशन पाँतिन स गुजैर रहल छल। आगू पाछू, दायाँ बायाँ कतौ गाम घर नइँ देखाइ द' रहल छल। कतौ कतौ सड़क स दूर खेतमे किछु झोँपड़ी रेखा नजैर आबि रहल छल। सड़क कातमे एकटा गाछीक निच्चा ठाढ़ दु टा युवक गाड़ीक रोकबाक इशारा कयलक। रूकित, दुनू गोटे गाड़ीमे चढ़ी स बैसल। एकटा जोरक आवाज सुनाइ पड़ल-"हय, गाड़ी बन्द कर।"

"बुझाइय बदमाससब गाड़ीम चढ़ गेल हय।"- मौगमेहरा फुसफुसायल।

"हय, जेना गोट ठाम छ बइठ जा, न त गोली मार देबौ।"- एकटा युवक धमकीयलक। सब बैसल्हन बइस गेल। मौगमेहरा घुसइक क' डाकना आ मघनाथक बीचमे बइस गेल। दुनू युवकक हाथमे नलकट्टा छल। जेना लकवा मारि देने होइ, गाड़ीमे मनकी पसैर गेल छल। .....गाम शहर, देश विदेश, भ्रष्टाचार, कमीशन, लोकतन्त्र, राणाशाही, मानवीयता, बहादुरी आदि सब विषयसब शान्त छल। पछिलका सीटपरक बढ़िया छौंड़ा, गोल गलावला पहलमान, पढ़ाकू युवक, खद्दरधारी भलमानुस, सब थरथर, शान्त छल।

"पैसा निकाल !"- एकटा युवक कनुक्कन दिस नलकटुवा तनलक। कनुक्कन मट् द' पैसावला बैग आगू क'देलक। जानक डर सबक होइछै। दोसर युवक बैगमे स रूपैया निकाललक' अपन जेबमे कोँचलक। दुनू युवक गाडीमे चारू दिस नजैर दौड़यलक। पाछू दिस उठकन सबक नजैर दुनू युवतीपर पड़लै। पहिनेन उठल स युवतीसब सम्भ्रान्त परिवारक लगैत छल। दुनू युवक बसक बीचमे बैसल लोकसबक नँघैत पछिलका सीट धरि पहुँचल आ युवतीक हाथ पकैर क' खींच' लागल-"उठ !"

युवतीसब घिघियाइत हाथ छोड़यबाक कोशीस क'रहल छल। दुनू युवक पुना दम लगाक' युवतीक गनियबैत सीट स बाहर खींच रहल छल। दुनूक ध्यान युवती दिस छल। "उठ नहिं त गोली मारि देबौ ....." -गनियबैत एकटा युवक नलकटुवा सामने कयलक। तखन मोगमहना फुर्ति स उठकन हाथ पकैर क' बसक छत दिस उठा देलक। ओ सबहक अपेक्षा विपरीत छल। ओ त निश्चिन्त नहि छल। हड़बड़ीमे घोड़ा दबा गेल आ फायर भेल- 'धायँ'।

"माँ गे !"-युवती चिचियायल आ सीटक बीचमे घुसिया गेल। ताधरि मोगमहना उठि युवकक मुँहीक जान स एकटा सीट स टकरा देलक, ओ धड़ाम क'खसल। दोसर युवक गाडी स मोगमहनापर नलकटुवा सामने कयलक। मोगमहना मट् द' उठकन हाथक मटैक देलक, मुदा फायर भेलै। सुसंजोग जे गोली मोगमहनाक कान छुबैत पछिलका सीसा तोड़ैत बाहर निकैल गेल। ओ युवक मोगमहनाक कपारपर नलकटुवाक हत्था स प्रहार कयलक

। वहो खुनक विनु यनवाह कयन मोगमहना दून् यूनकक (०।०नी धयन छल। शानीनिक महनणि आ नाँवक अयासक क्रमम शानीनिक कसनण स वलिष्ठ मोगमहना असगम दून् यूनकक नग७न छल। मोगमहनाक (०हून आ मुक्काक प्रहान स दून् यूनकक सहा माथ आ नाक स खुन वहि नहल छल। माञ्ञन दवाक, (गाली मानवाक आ वम स ३७ा दवाक धक्की आ गाञ्ञन ऐेा ३ाहा दून् यूनकसव अयन यूना णागण लगा नहल छल। मोगमहना अकसक ए' नहल छल। अचानक मोगमहना गनजल-"ञ साला सून ! आव कथीक ७न लगेछौ, नलकठूनाम क (गाली स० न (गलै। ञ मान न सानसून क।"

अखन धञ्ञन वस एयग्रक्ष आ स्क्षव्र छल। सवकिछ जना अनिश्वसनीय छल। मोगमहना हून गनियथलक। अचानक ३ाकना वगल स मघनाथ छ७यल। ३ा धयलक ७कटा क। आव माकाविला वनावन छल। दु एर्सज दु। दून् वदमास यूनक अधमन् ए'(गल छल। नळटा छौँ३ा सहा आगु वढल। यहलमानजी सहा, आना कणका। सव मिलिक' ३ाहि दून् यूनकक (थोआ कनो गा७ी स घीच क' निव्रा ७गानक। दूनूम हील' ७ल' क णागण णक समाक्ष ए' चुकल छल। मूदा ३ाकना सवक चानूकाण स घनन येसस्ठनसव द लाण द मुक्का, द ञ्ॅ७, (थोआ क'नहल छल।

मोगमहनाक माथ फूटल छलै आ हाथयेनम कय ०ाम छिला (गल छलै। मोगमहना सीटयन वञ्ञस क' अयन फूलल साँसक नियन्त्रण कन'क काशीस क' नहल छल आ फूटल छिलायल ०ामसवक दञ्ञख

𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪 । 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒁𑒐𑒢𑒼 𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫𑒰𑒮 𑒢𑒯𑒱 𑒦'𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪 । 𑒧𑒼𑒑𑒧𑒯𑒩𑒰𑒏 𑒄 𑒩𑒴𑒣 𑒁𑒣𑓂𑒩𑒞𑓂𑒨𑒰𑒮𑒱𑒞 𑒕𑒪 । 𑒑𑒩𑒲𑒥𑒢𑒲 𑒁𑒣𑒢 𑒧𑒰𑒙𑒢𑒲𑒧 𑒮 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒏𑒣𑒛𑓃𑒰𑒏 𑒙𑒳𑒏𑒛𑓃𑒰 𑒤𑒰𑒛𑓃𑒱𑒏' 𑒧𑒼𑒑𑒧𑒯𑒩𑒰𑒏 𑒧𑒰𑒟 𑒮 𑒥𑒯𑒻𑒞 𑒐𑒴𑒢𑒏 𑒣𑒼𑒕𑒪𑒏 𑒂 𑒏𑒣𑒛𑓃𑒰𑒏 𑒣𑒙𑓂𑒙𑒲 𑒥𑒰𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒏 । 𑒑𑒩𑒱𑒥𑒢𑒲 𑒑𑒩𑒱𑒨𑒣𑒪𑒏- " 𑒮𑒢𑒡𑒴𑒢𑒰, 𑒧𑒢𑒏𑒲𑒫𑒪𑒰, 𑒧𑒰𑒨𑒰 𑒥𑒯𑒱𑒢𑒏 𑒢 𑒕𑒱𑒢𑓂𑒯 𑒯𑒾 । 𑒏𑒯𑒳 𑒞, 𑒍𑒤𑒑𑒼 𑒥𑒪𑒖𑒰𑒢𑒲 !"

𑒧𑒼𑒑𑒧𑒯𑒩𑒰, 𑒮𑒞𑒏𑒣𑒢 𑒠𑒴𑒢 𑒥𑒩𑒧𑒰𑒮𑒏 𑒣𑒲𑒩𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒣𑒻𑒮𑒢𑓂𑒢𑒮𑒥𑒏 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒏' 𑒧𑒳𑒮𑓂𑒏𑒰𑒨𑒪 -"𑒧𑒢𑒪 𑒥𑒰𑒒𑒏 𑒧𑒿𑒰𑒕 𑒏𑒯𑒱𑒮 𑒅𑒐𑒰𑒛𑓃 𑒩𑒯𑒪 𑒯𑒾, 𑒠𑒹𑒐𑒱𑒨𑒅 𑒢 𑒯𑒳𑒩𑒰𑒢 !" 𑒧𑒼𑒑𑒧𑒯𑒩𑒰𑒏 𑒮𑒾𑒩𑓂𑒨 𑒮𑒞𑓂𑒨 𑒕𑒪 । 𑒍 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒢𑒙𑒳𑒩 𑒢𑒯𑒱 𑒕𑒪 । 𑒢𑒥𑒢𑒰𑒃 𑒞 𑒍𑒏𑒩 𑒣𑒩 𑒯𑒢𑒥𑒰𑒏 𑒢𑒏𑓂𑒮𑒰 𑒕𑒪 । 𑒍𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒖𑒢𑒰 𑒡𑒢𑒏𑒙𑒢𑒲, 𑒖𑒢𑒰 𑒏𑒰𑒢𑒲𑒑𑒢𑒲 𑒪𑒰 𑒥𑒴𑒙 𑒣𑒰𑒪𑒱𑒮 𑒪𑒰 𑒖𑒢𑒰 𑒏𑒰𑒢𑒐𑒰𑒢𑒰𑒧 𑒏𑒰𑒢𑒲𑒑𑒢𑒲 । 𑒢𑒙𑒳𑒂𑒑𑒱𑒢𑒲 𑒍𑒏𑒩 𑒜𑓀𑒑 𑒕𑒪, 𑒏𑒧𑒖𑒰𑒢𑒲 𑒢𑒯𑒱 । 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒁𑒣𑒢 𑒮𑒰𑒿𑒔𑒣𑒢 𑒪𑒰𑒖 𑒪𑒰𑒑𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒻 । '𑒍𑒞𑒯𑒳 !' 𑒧𑒼𑒑𑒧𑒯𑒩𑒰𑒏 𑒑𑓂𑒩𑓀𑒟 । 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒥𑒴𑒮𑒣𑒪𑒻 𑒖𑒢𑒰 𑒏𑒛𑓃𑒰 𑒕𑒰𑒑𑒲𑒧 𑒕𑒴𑒢𑒰 𑒩𑒰𑒿𑒃𑒏 𑒠𑒹𑒢 𑒯𑒰𑒨 ।

"𑒯, 𑒂𑒥 𑒢𑒯𑒱, 𑒧𑒢𑒢 𑒖𑒾 𑒞 𑒐𑒳𑒢 𑒧𑒳𑒮𑓂𑒞𑒰 𑒪𑒑𑒞"-𑒏𑒛𑓃𑒰 𑒥𑒰𑒖𑒪 ।

"𑒥𑒰𑒯 𑒏 𑒪 𑒔𑒪𑒰 𑒮𑒪𑒰 𑒮𑒴𑒢𑒏 । 𑒣𑒢𑒯𑒲 𑒏 𑒥𑒴𑒮𑒰 𑒠𑒻 ।"-𑒠𑒰𑒮𑒢 𑒮𑒴𑒮𑒰𑒢 𑒠𑒹𑒪𑒏 ।

𑒠𑒳𑒢𑒳𑒏 𑒅𑒢𑒙𑒰 𑒥𑒰𑒯 𑒥𑒰𑒯𑒳𑒏' 𑒑𑒰𑒙𑒲𑒧 𑒪𑒰𑒠𑒪 𑒑𑒹𑒪 । '𑒑𑒳𑒢𑒳𑒖𑒲' 𑒑𑒰𑒙𑒲𑒏 𑒮𑓂𑒙𑒰𑒩𑓂𑒙 𑒏𑒨𑒪𑒏 । 𑒮𑒴𑒢𑒰𑒧𑒲 𑒨𑒰𑒞𑓂𑒩𑒰 𑒬𑒳𑒩𑒴 𑒦'𑒑𑒹𑒪 । 𑒂𑒑𑒴 𑒔𑒧𑒪𑒱𑒨𑒰 𑒧𑒰𑒃 𑒂𑒨𑒪 । 𑒁𑒑𑒧𑒴𑒞𑒰 𑒕𑒾𑒿𑒞 '𑒔𑒧𑒪𑒱𑒨𑒰 𑒧𑒰𑒃 𑒏𑒲 𑒖𑒨'𑒏

नाना बिनु लगेरहि गाडी स उतरि गेल। ओतहुक पुलिस चौकीमे दुनू बदमासकेँ घुसाओल गेल। इन्सपेक्टर बाजल-"एना कोना मारलकैप, मरितैन जइतै त सबकेँ खून मुड्डा लगितै। कथी हेल छलै?" पैसेन्जरसब ओकरा सब बात जानकारी करौलकै। मोगमहराक बयान लेल गेल, कन्डक्टरक सेहो। इन्सपेक्टर कानूनी प्रक्रिया देखबैत गाडीक किछुकाल आगा राक' चाहैत छल। मुदा कन्डक्टरक कानक हाथ पैर जोडलाक बाद, बजैलापर हाजिर हेबाक शर्त आ 'गोष्ठ' नार्तिक बाद पिन्ड छूटल। गाडी आगू बढल। गाडीमे शान्ति छल, लोकक चेहरापर भय अखनो जेना कायम छल। लोकक नजरि घूमि घूमि क' मोगमहरापर अटकि जाइत छल। मोगमहराक चेहरापर एकटा आश्चर्य आ धैर्य छल। 'गौर बजार' आयल। ओ गरिबनी मारती काँख तर धयलक आ मोगमहरा दिस तकलक। मोगमहरा आँखि मूनने चोटसबक दर्दपर काबू पाब'क कोशीस क'रहल छल शायद।

"ओआ! बड दुखाइछौ?"-गरिबनी मोगमहराक माथपर हाथ देलक।

"न, ठीक हइ।"-मोगमहरा मुस्काइत आँखि खोललक। "नवलपुरमे दरदक गोटी कीन क खा लिहा, न दुखयतौ, गौर बजार आ गेलै। हम उतरबइ छिया।"-गरिबनीक स्वरमे स्नेह छल।

"होइ बहिन, जाउ!"-मोगमहरा नम्र स्वरमे बाजल। आर पैसेन्जरसंगे गरिबनीओ उतरि गेल। एकर मात्र आब किछु घटल

जका बूमायल । गेया गाडीम गाँयँ गाँयँ नऽऽ छल । हँ ! गुन गुन, गुन गुन वऽऽढ नहल छल । ननका येसन्तनसव यूननासव स घटनाक वानम वूस चाहि नहल छल । नजेनसव घूऽऽम घूऽऽम क' मोगमहनयन काछ्नि ह'नहल छल । मोगमहना हीना ह' गेल छल । मोगमहनालल धन सन, डा आँऽऽख मूनन सीट स यीठ सटयन डाङ्गल छल ।

आव सूनामी कम ह' गेल छल । ग्रहलवला सडक आऽऽव गेल छल, गँ गाडीक गणि वऽऽढ गेल छल ।

"गऽऽक दनीम अव ननलयून आ जौ ।"- मघनाथ वाजल ।

डाकना मनम अखना किछुकाल यहिनक दृश्य नाऽऽच नहल छल । डाकन उग्रीतिण नर्गक अधिकान आ संघर्ष सम्बन्धी प्रशिक्षण, वसमक येसन्तनसवक नवैया आ मोगमहनाक सौयम कणह गालमल अऽऽछ ? नाजमार्ग नजेन आयल । वस स्टैन्ड आऽऽव गेल । गाडी अन्हिमवन साँस ललक । श्वूणकसी आ मूसनी नाँढैनसन टीकीवला वृद्ध ग्राऽऽहन गाडी स उणनल । खलासी अन्हिम वन चिचियायल - " ननलयून, उणनै जाउ !"

मघनाथ आ डा, दून् गाडी स उणनल । मोगमहना सङ्ग उणनल । "आव कम्हन जयवा गाँ ?"- डा मोगमहना स यूछलक ।

"अव कहीं न जवै हङन, जहाँ जहाँ चाट लागल हय, स दनद कनैय, माऽऽ वाउ याद यन गेल । हम् लडटक गडँव जवै । घाउ चाट ठीक हा जौ गहिव कहीं जवै ।"-मोगमहनाक स्वनम जना

काना अबाध वालक वाँज नहल छल। दुनू युवती अपन यनिजनक कल्यायन, सिसकैत, घटनाक वयान क' नहल छल। किछु उद्यम मोगमहनाक वहादुनीक कथा यसैन गेल छल। लाकसव मोगमहनाक कामल हाव, लचकदान चाँलढाल आ सौर्यक कथाक मिलाक' ओकना दिस आश्चर्य मिश्रित नजैन स देख नहल छल।

"अगिलका चौकयन, नातयन गाडी लागल हैत।"- मघनाथ वाजल आ दुनूगोटे आगू बढ़ि गेल। ओकना मनम एकटा हाव उठल, देशम जौँ एहन किछु निर्दोष, धर्मात्मा, महनगिया आ वहादुन मोगमहना ह'जाय, त देशक उद्धान ह'जाएत। 'खोज' यनौ, एकटा अछि, त आना अनर्थ हायत, आ सवक एक ठाम जमा कन' यनौ'- ओ मनमन सोँचलक।

नाजमार्ग यन नाजधानी एक्सप्रेस ठाढ़ छल। मघनाथ नमस्कान कयलकै-"याद नखवै सन !" ओ मूँडी हिलयलक, आ गाडीम चढ़ि गेल। ओकना छातीम छुना अखना गाडल बूझयलै। मोगमहना कहैन छल- 'मनल वाघक माँछ कहैस उखाड़ नहल हैं, देखियउ न हइन !'

नाजमार्गयन नाजधानी एक्सप्रेस दौड़ नहल छल।

(०६९ ९ ८, नवि दिन)

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **यन यठाउ।**

२.३.आचार्य रामानन्द मण्डल- कविता



आचार्य रामानंद मंडल

कविता

मास्टरनी पत्नी क सहयोग लल जातिगत जनगनना क पहिला दौर मकान गनना कएत पंचायत क गनना ब्लाक म गेली। दस दिन स्कूल गनना क बाद एकदिन स्कूल प्रांगन म पहुँचली। बरामद पर राखल अंखना चौकी पर बैठ क चाह ली। तरीब एकदिन बूढ़ी क आवाज आयल -रूकल जान। अंखना चौकी पर न बैठू। हमरा जाजिम बिछाब दल जाउ। तब बैठल जाये। हम कहली -काना बात न हय। कनिक देर क बात हय। हमरा सब क देर हो जायत। बूढ़ी बाललन -न। जाजिम बिछाब दूं। तब बैठब। अंहा सब अपने अप्पनी हय। स्कूल कब आयब। अंहा सब शिक्षक छी। शिक्षक आदरनीय होइत छथिन।

बूढ़ी चौकी पर जाजिम बिछैलन आ कहलन -आबि बैठ क काज करू।

हम पूछलियन -कै गो बेटा हय। बूढ़ी बाललन -तीन गो बेटा हय। आंसू स्नल आंखि आ स्नेहिल आवाज म बाललन -बड़का बेटा न हय। छोटका बेटा कंहा राग गेल स पता न हय। मंझला बेटा,पुतोहू आ एकटा पोता हय।

हम पूछलियन -छोटका बेटा कौला राग गेल। बूढ़ी डबडबाइल आंख आ नाइल आवाज म बजलन -बाकन संगत खराब र गेल नहिया। गांजा,रांग,शराब खाय पियै नहिया। बाकन बिआह हो गेल नहिया। औनी दिखा क बाललन-एगो छैह पोता बाकन जनमल हय। पुतोहूओ छाड क चल गेल।

हम पूछलियन -आ वउका वटा।

वूढी वाललन -वा कनाना स मन गेल।

हम कहलियन -कानाना स।

वूढी वजलन -हं।वा हैदनावाद म ७गो अखवान म काज कनैत नहैया।दु गो वटी आ यत्नी संग उंह नहा। यहिल वाकन यत्नी क कानाना ह गेल नहैया।हमन वटा छूट्टी लक वाकना खुव सना सूसूर्सा कैलक।वाकन कानाना छूट गेलैय आ हमना वटा क कानाना ह गेल।वाकन यत्नी वाकन सना सूसूर्सा न कलकैय आ हमन वटा मन गेल।

हम कहलियन -सना सूसूर्सा न कैलन। कैला।

वूढी वजलन -वाकन यत्नी ७गो ७नजीउ म काज कनैत नहया।वा वाकना छूट्टी न दऽऽ। हमन वटा सना सूसूर्सा न हाय क कानध मन गेल।

हम पूछलियन -यूतैहू आ याती आवि कंहा हया।

वूढी वजलन -सह हैदनावाद मां।वा अरिया नही ७नजीउ म काज कनैत हया।वा हमना सह क न दखैय हया।

मंमिला वटा दखहाल कनैय हया।यूतैह आ ७कना स ७गो याता हया।

हम पूछलियन -कि कनैय वटा।

बूढ़ी बजलन -बाजार पर एगो छोट मोट किराना क दुकान छय।

हम कहलियन -सब परिवार एक जगह राखब कि अलग अलग।

बूढ़ी बजलन -सब क अलग अलग लिख दिऔ। हमरा छोटका बेटा संग लिख दिऔ।

हम कहलियन -सब लिख देली।

बूढ़ी अपन पोता स बजलन -बौआ। मम्मी क कहू चाह बनाब क।

हम कहलियन -छोड़ दिऔ।

बूढ़ी बजलन -न चाह त पिय क पड़त। हम्मर मालिक पति जौं तक जीवित रहला। हमरा दरवाजा पर स बिना चाह पील कोई न गेलन। हम ता रिवाज कना छोड़ दूं।

बबवा चाह लक आइल। हम एगो कप बूढ़ी क ओर बढ़ेली।

बूढ़ी बजलन -हम आबि चाह न पियेबौ। जौं तकि मालिक रहलन। दूनू गोटा साथ चाह पीबि।

हम कहलियन -आबि दसखत क दियौ।

बूढ़ी दसखत केलन - राधा मा।

हम दुनू गोटा परनाम क क उठला स आगे बढ़ गेली।

याद रह गेल बूढ़ी क डबडबाइल आंखि आ कामना।

-आचार्य रामानंद मंडल सामाजिक चिंतक सीतामढ़ी, *सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक, माता-बच्चा देवी, पिता-स्व०राजकिशोर मंडल, पत्नी-प्रमिला देवी, जन्म तिथि-01 जनवरी १९५० योग्यता- एम-एससी (रसायन शास्त्र), एम ए (हिन्दी)। रुचि- साहित्यिक, मैथिली-हिन्दी कविता -कहानी लेखन आ आलेख। प्रकाशित पोथी - मैथिली कविता संग्रह रोसा क र वांटिया। २०२२ प्रकाशित रचना - समिया कविता संग्रह पोथी - जनक नंदिनी जानकी आ शौर्य गाथा। २०२२ पत्रिका -मिथिला समाज, घर -बाहर आ अपूर्वा (मैसाम)। अखबार -दैनिक मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश। सामाजिक-सामाजिक चिंतन, दायित्व- पूर्व जिला प्रतिनिधि, प्राथमिक शिक्षक संघ, डुमरा, सीतामढ़ी। स्थायी पता- ग्राम-पिपरा विशनपुर थाना-परिहार जिला-सीतामढ़ी। वर्तमान पता- पिपरा सदन, मुरलियाचक वार्ड-04 सीतामढ़ी पोस्ट-बरहमहिला जिला-सीतामढ़ी राज्य-बिहार पिन-843302*

ऐ रचनापर अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

२.४.आचार्य रामानंद मंडल- मैथिली



आचार्य रामानंद मंडल

मैथिली

हे सुनू ना।

कहू कि कहै छी।

पढ़िया ना हम एगो कथा लिखली हए।

लाउ पढ़ैय छी।

एगो राजा रहैय। नाम राकन दशरथ रहै। हूनका तीन गो रानी रहैय। बड़की क नाउ कौशल्या, मंझली क कैकेयी आ छोटकी क नाउ सुमित्रा रहैय।

हो। हम आबि न पढ़ब।

कैला।

हमन मूंह दुखाइ छैय। बुझाइ जना जीउ उठाइ गेल।

आउन पढ़ूं ना।

ना। हमना सं न पढ़ाइ हए।

देखियौ ना। आइ क दैनिक मैथिल पुनर्जागरन प्रकाश म निर्गुण आनंद क कथा छपल हए। ना कालम म प्राहसन रहलथिन हए ।

ला दियौ। इ मैथिली म हए। अपन सब क भासा इ न हए।

अंहू त मैथिलीय बाजैय छी।

हम मैथिली न बाजैय छी। हम घर म टूटल फूटल हिंदी बाजैय छी। आ बाहर खाली हिंदी बाजैय छी। देखैय न छी। ज न पढल लिखल हैय ताहू अपना बच्चा क खाली हिंदी सिखाबैय छैयै।

ई अंहा कि भ गेल हुअ। अंहा अपना भासा क खनाब क नहल छी। बिना पढल लिखल क भासा बाल आ लिख नहल छी।

आब अंहा पानी क पाईन, थाली क थारी, ग्लास क गिलास कहैय छी। ई ठीक बात हैय। पढ लिख क लोग एना बाजैय छी। बिया पूता क बाली बानी बिगड जौय।

एना न कहू। ई मैथिली भासा लक पूरक सर आईली ए एसा बन नहल हुअ। देखियौ ना। शिक्षक क एगो लतिका मैथिली लक आई ए एस बनलैय हुअ। मिथिला मिनन क ललित नानायन मा ईन्द्रनब्यु ललथिन हुअ।

त ई बात हुअ।

हं। मिथिला क मातृभासा मैथिली हुअ। अपना सब त सीता क जनम स्थली सीतामढी क छी। त हमना सब क मातृभासा मैथिलीय हुअ। आउन नयका शिक्षा नीति म त प्राथमिक शिक्षा मातृभासा म

छी हल जाँय। विद्वान लोक सभा आयोग क परीक्षा मैथिली विषय लक बहुत युवक विद्वान प्रशासनिक सभा म गेल हुअ।

आंय। ऽऽ बात त हम न जनैत नहली हऽऽ। हम त अपना धिया पुता क ओहिसन बनाव क सोचैत नहली हुअ। हम त बुझैत नहली हुअ कि ओहुन वाली रासा स हमन धिया पुता खराब हो जायत। अहिला हमना ऽऽ वाली रासा न निमन लगैत नहल हुअ। अब त हम ऽऽह रासा बालब आ लिखब। बाह जिउ ठेठाय बाह अउनी दुखाय।

हो। आवि कनिका हमना पढ़ क सुनाउ। तब हुन हम पढ़ब।

त अच्छा सुनूं।

कौशल्या स राम, कैकऽऽी सं भरत आ सुमित्रा सं लछमन आ शत्रुधन जनम ललक। विश्वामित्र मुनि अपना यज्ञ क राछस सभ सं नछा क लल राम आ लछमन क राजा दशरथ स माँग क ल गेलन। राम आ लछमन क विश्वामित्र जी धनुस यज्ञ देखाव जनकपुर ल गेलन। रस्ता मँ ओगो नारी अहिल्या अपना पति रिसी गौतम क श्राप क दुख सं पथर जका भ गेल नहो। राम क पग ध्वनि सुन क होश म आ गेलन। उ स्थान क अहिल्या स्थान आऽऽ कहल जाऽऽ हुअ। जनकपुर क राजा जनक अपना बेटी सीता क बिआह लल प्रतिज्ञा कैल नहलन कि ज बीन अऽऽ शिव धनुस क तोड़ देत, हुनक स अपन बेटी सीता सं बिआह करब।

सीता क जनम त सीतामढ़ी म भायल नहो।

𑒕𑒻। 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒧𑒹 𑒖𑒾𑓀 𑒁𑒏𑒰𑒪 𑒣𑒩𑒪 𑒩𑒯𑒻 𑒞 𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒖𑒢𑒏 𑒏𑒵𑒭𑒏 𑒥𑒢 𑒏 𑒯𑒩 𑒖𑒼𑒞 𑒮𑓀 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒧𑒯𑒰𑒠𑒹𑒫 𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒢𑒰 𑒂 𑒣𑒴𑒖𑒰 𑒏𑒻𑒪𑒢 𑒅 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒏 𑒪𑒼𑒑 𑒯𑒪𑒮𑒢 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒏𑒯𑒻𑒨 𑒕𑒻।

𑒕𑒻। 𑒯𑒧𑒯𑒴 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹 𑒞 𑒥𑒮𑓀𑒞 𑒣𑓀𑒔𑒧𑒲 𑒏 𑒖𑒪 𑒜𑒰𑒩𑒹 𑒯𑒪𑒮𑒢 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒑𑒹𑒪 𑒩𑒯𑒲।

𑒞 𑒮𑒳𑒢𑒴𑓀। 𑒯𑒩 𑒖𑒼𑒞𑒹 𑒩𑒯𑒪𑒢 𑒞 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒧𑒜𑓃𑒲 𑒏 𑒣𑒳𑒢𑒾𑒩𑒰 𑒧𑒹 𑒐𑒹𑒞 𑒧𑓀 𑒋𑒑𑒼। 𑒥𑒔𑓂𑒔𑒲 𑒯𑒩 𑒏 𑒯𑒰𑒪 𑒏 𑒢𑒼𑒏 𑒞𑒩 𑒧𑒱𑒪𑒪 𑒩𑒯𑒻 𑒢𑒼𑒏 𑒏 𑒮𑒲𑒞 𑒏𑒯𑒪 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒻। 𑒞𑒻𑓀𑒪𑒰 𑒥𑒔𑓂𑒔𑒲 𑒏 𑒢𑒰𑒅 𑒮𑒲𑒞𑒰 𑒩𑒐𑒪 𑒑𑒹𑒪। 𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒖𑒢𑒏 𑒮𑒲𑒞𑒰 𑒏 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒩𑒰𑒖𑒡𑒰𑒢𑒲 𑒖𑒢𑒏𑒣𑒳𑒩 𑒪 𑒑𑒹𑒪𑒢।

𑒥𑒛𑓃𑒲 𑒮𑒲𑒞𑒰 𑒏 𑒫𑒱𑒂𑒯 𑒩𑒰𑒧 𑒮 𑒡𑒢𑒳𑒮 𑒞𑒼𑒛𑓃𑒪𑒰 𑒏 𑒥𑒰𑒠 𑒦 𑒑𑒹𑒪। 𑒖𑒢𑒏 𑒖𑒲 𑒏 𑒠𑒰𑒮𑒢 𑒥𑒹𑒙𑒲 𑒅𑒩𑓂𑒧𑒱𑒪𑒰 𑒮 𑒪𑒏𑓂𑒭𑓂𑒧𑒢 𑒏 𑒂 𑒖𑒢𑒏 𑒖𑒲 𑒏 𑒕𑒼𑒙 𑒦𑒰𑒃 𑒏 𑒥𑒹𑒙𑒲 𑒧𑒰𑓀𑒛𑒫𑒲 𑒮 𑒦𑒩𑒞 𑒏 𑒂 𑒠𑒰𑒮𑒢𑒏𑒲 𑒥𑒹𑒙𑒲 𑒬𑓂𑒩𑒳𑒞𑒱𑒏𑒲𑒩𑓂𑒞𑒲 𑒮𑓀 𑒬𑒞𑓂𑒩𑒳𑒒𑓂𑒢 𑒏 𑒫𑒱𑒂𑒯 𑒦 𑒑𑒹𑒪। 𑒫𑒱𑒂𑒯 𑒏 𑒏 𑒁𑒨𑒼𑒡𑓂𑒨𑒰 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒩𑒯𑒞 𑒞 𑒮𑒲𑒞𑒰 𑒏 𑒛𑒼𑒪𑒲 𑒏 𑒋𑒑𑒼। 𑒫𑒱𑒬𑒰𑒪 𑒣𑒰𑒏𑒛𑓃 𑒏 𑒑𑒰𑒕 𑒞𑒩 𑒩𑒐𑒪 𑒑𑒹𑒪। 𑒞𑒰𑒃 𑒞𑒩 𑒋𑒑𑒼। 𑒧𑒢𑒼𑒩𑒧 𑒣𑒼𑒐𑒩𑒰 𑒩𑒯𑒻 । 𑒂𑒃 𑒍 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒏 𑒣𑓀𑒟𑒣𑒰𑒏𑒛𑓃 𑒏𑒯𑒪 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒻।

𑒥𑒰𑒠 𑒧𑒹 𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒠𑒬𑒩𑒟 𑒩𑒰𑒧 𑒏 𑒨𑒳𑒫𑒩𑒰𑒖 𑒥𑒢𑒰𑒥 𑒏 𑒔𑒰𑒯𑒪𑒢। 𑒣𑒩𑓀𑒞 𑒠𑒰𑒮𑒢𑒏𑒲 𑒣𑒞𑓂𑒢𑒲 𑒏𑒻𑒏𑒹𑒨𑒲 𑒏 𑒔𑒪𑒞𑒹 𑒩𑒰𑒧 𑒏 𑒥𑒢 𑒖𑒰𑒨 𑒏 𑒣𑒩𑒪𑒻𑒢। 𑒩𑒰𑒧 𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒮𑒲𑒞𑒰 𑒂 𑒪𑒏𑓂𑒭𑓂𑒧𑒢 𑒖𑒲𑒨𑒰 𑒥𑒢 𑒔𑒪 𑒑𑒹𑒪𑒢।

वन म सीता क राउस क राजा रावन अपहरन क क अपन राजधानी लंका ल गेल। हनूमान आ सुग्रीव क सहायता सं राम क वान स रावन मारल गेल।

राम अयोध्या क राजा बन लन।

हा ऊँ खिस्सा पहलहू सुन ल रहली हैय परंच हिंदी मा। आवि अंहा क मुंह स मैथिली म सुन ली हैय त बडा सुन्नर आ मिठगर लगैय हय।

हं। मैथिली भासा बडा मिठ भासा हय।

ओही लल बिआहा सादी म मैथिलीय म लोग गीत गवैय हय।

लाउ। आवि हम पढैय छी।

राम जी क दुगो पूत हल रहैया लव आ कुश।

हा सीता क एगो नाउ मैथिली हय।

हं। एहील भसा मैथिली हय।

-आचार्य रामानंद मंडल, सामाजिक चिंतक सीतामढ़ी, *सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक, माता-चन्द्र देवी, पिता-स्व0राजधन मंडल, पत्नी-प्रमिला देवी, जन्म तिथि-01 जनवरी 1960 योग्यता- एम-एससी (रसायन शास्त्र), एम ए (हिन्दी)। रुचि- साहित्यिक, मैथिली-हिन्दी कविता -*

कहानी लेखन आ आलेख। प्रकाशित पोथी - मैथिली कविता संग्रह रासा कं न बांटिया। २०२२ प्रकाशित रचना - समिया कविता संग्रह पोथी - जनक नंदिनी जानकी आ शौर्य गाथा। २०२२ पत्रिका -मिथिला समाज, घर -बाहर आ अपूर्वा (मैसाम)। अखबार -दैनिक मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश। सामाजिक-सामाजिक चिंतन, दायित्व- पूर्व जिला प्रतिनिधि, प्राथमिक शिक्षक संघ, त्रमना, सीतामढी। स्थायी पता- ग्राम-पिपरा विशनपुर थाना-परिहार जिला-सीतामढी। वर्तमान पता- पिपरा सदन,मुरलियाचक वार्ड-04 सीतामढी पोस्ट-चकमहिला जिला- सीतामढी राज्य-बिहार पिन-843302

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

२.७.आचार्य रामानंद मंडल- नेपाल: मधेश बनाम मिथिला



आचार्य रामानंद मंडल

नेपाल: मधेश बनाम मिथिला

आइ काल्हि पड़ोसी देश नेपाल मे मधेश के लऽ हंगामा मचल छैय। कि आठ जिला जे मिथिला उत्र छैय,सरकार नेपाली संसद दु तिहाइ मत स मधेश प्रदेश नाम घोषित कऽ देलक। पहिले एकर नाम प्रांत नंबर-०२ रहै।

अइ ऐतिहासिक घटना के लऽ नेपाल मे राजशाही के समाप्त होला पर आ प्रजातंत्र घोषित होला के घटना के देखनाइ आवश्यक छैय।

वर्तमान संविधान -2015 सातवां संविधान छैय। 2007 के अंतरिम संविधान आ 2006 के शांति समझौता स निर्देशित छैय।

नयका संविधान लैंगिक भेदभाव युक्त छैय। ऐ एकल महिला के बच्चा के नागरिकता देब स मना करैय छैय। नागरिकता के लऽ

माय वाप क नेपाली नागरिक होनाइ आवश्यक छैक। विदेशी महिला स शादी करैत वाला नेपाली नागरिक क बच्चा क नेपाली नागरिकता मिलत परंतु विदेशी महिला मां का नागरिकता नै मिलत। अहि आधार पर मधेशी समुदाय,जे सीमा पार भारतीय महिला क संग विवाह करैत छैथ, असमानता स प्रभावित होइत छैथ। मधेशी लोग उत्तर भारत क लोग स जाति आ सामाजिक रूप स जुड़ल छैक।

मधेशी राजनीतिक दल राज्य मं आनुपातिक प्रतिनिधित्व क मांग करैत रहल। परंतु तराई क्षेत्र क75 मं20 जिला मं50 प्रतिशत आबादी रहैत छैक। संसद मं165 मं100सीट पहाड़ी आ पर्वतीय क्षेत्र का। जे कि कुल आबादी क50 प्रतिशत स सेहो कम छैक। जे कि तराई क आबादी 50प्रतिशत सं ज्यादा छैक। आ तराई क्षेत्र क65 सीट देल गेल छैय।

अहि लेल मधेशी विरोध मं मधेश आन्दोलन चलैलक। मधेश आन्दोलन मुख्य रूप स राजनीतिक आंदोलन छैक।

पहिला मधेश आन्दोलन- 2007

अंतरिम संविधान क घोषणा क बाद शुरू भेल। संविधान मं मधेशी आ हाशिया क समुदाय आ जातिय समुदाय क समान प्रतिनिधित्व क अनदेखी भेल। जन आन्दोलन राज्य क पुनर्गठन क राष्ट्रीय विमर्श मं जातीय राष्ट्रवाद क प्रमुख मुद्दा बनल। पहिला आंदोलन संवैधानिक पहिचान, प्रतिनिधित्व आ राजनीतिक शक्ति क कुछ हद तक लाब मं

सरल रहल। ई आंदोलन राज्य क खिलाफ जातीय समूह क शिकायत क प्रतिध्वनि नहि।

दोसर मधेश आन्दोलन-2008

दोसर आंदोलन संघवाद, आनुपातिक प्रतिनिधित्व आ जनसंख्या क अनुसार चुनाव क्षेत्र क लेल रहल। जनसंख्या क आधार पर चुनाव क्षेत्र आ संघवाद मान लेल गेल।

तेसर मधेश आन्दोलन-2015

सामाजिक परिवर्तन क आंदोलन बाद सेहो मधेशी क संग गलत व्यवहार आ समान अधिकार सं वंचित राखल गेलैय।

संघीय प्रांत क अनुचित गठन आ तराई क कवल आठ जिला क एकटा प्रान्त बनायल गेल। जौं कि चौदह जिला पहाड़ी क्षेत्र स नहि।

राजधानी आ आनुपातिक प्रतिनिधित्व-

राज्य क अंगो आ सार्वजनिक रोजगार मं45प्रतिशत सन्दर्भ समूहं क लिए आरक्षित हैं। सामाजिक रूप स पिछड़ल महिला, दलित, आदिवासी, जनजाति,खास आर्य,थारू, अल्पसंख्यक समूह, विकलांग, हाशिया समूह, मुस्लिम, पिछड़ा वर्ग,, लिंग आ धर्मनिरपेक्ष रूप स अल्पसंख्यक समूह, युवा, किसान, मजदूर,उत्पीड़ित आ पिछड़ा क्षेत्र क नागरिक। ई सामान्य विराजन नहि। युवा आ ऐतिहासिक रूप स हाशिए पर रहवाला मधेशी या खास आर्य, पहाड़ी उच्च जाति

समुदाय स यहिल स ही नाजनीति मं प्रमुख हैंऽऽ,आ एक ही श्रेणी मं आवैत नहि।

मधेशी आंदोलन वाऽऽस जिला क मधेश प्रदेश क लल नहि। यनंव आ0 जिला क संसद दा तिहाऽऽी मत स मधेश प्रदेश तथा नाजधानी जनकपुन धाम घोषित कै दल क,ज नंयहिल प्रांत नंवन-02 नहै।

आवि विवाद ऽऽ हैंऽऽ कि जौ वाऽऽस जिला क मधेश प्रदेश नहितै ज चुन यर्वत शृंखला स लक दक्षिन सीमा रानात पूनव स यश्चिम तक हैंय त काना विवाद नै नहतै। यनंव वर्तमान ज आ0 जिला हैंऽऽ, विशुद्ध नुप स यौनाणिक मिथिला ऊप्र हैंऽऽ। तै मधेश प्रदेश क नाउ मिथिला प्रदेश नह क चाही। जनकपुन धाम त नाजधानी घोषित र चुकल हैंयै। मिथिला क संस्कृति यन ऽऽ कुठानाघात हैंऽऽ। यनंव अऽऽ मामला यन मधेशी दु रहांक हैंऽऽ। मिथिला मं मैथिली राषा क आंदोलन यन दु रहांक क वडा घडा (गैन ब्राह्मण कायस्थ मिथिला प्रदेश क नाउ यन एक्का नै हैंया ऽऽ वर्ग सांस्कृतिक आ मैथिली राषा क नाम यन दुनाचान आ उपेक्षित कैल गेल हैंऽऽ। अऽऽ वर्ग क राषा मैथिली क नान (वज्जिका)आ (00 मानल जाऽऽ छैया। मैथिली अकादमी अऽऽ वर्ग क साहित्य क मान्यता नै दऽऽ छैय । कुछ लाग मगही क समर्थन मं छैया। ऽऽ वर्ग मिथिला नाउ क ब्राह्मणवादी मानै छैया। तै मिथिला नाउ क विनाध कनैत छथि। तै प्रदेश क नाम मधेश प्रदेश घोषित रला। यनंव मिथिला क समर्थक मिथिला आ संस्कृति क लल उद्यम हैंऽऽ।

निष्कर्ष नुय मं म(ध्य प्रदेश जातीय नाष्ट्रनादनाद क यनिणाम हेऽऽ।

-आचार्य नामानंद मंडल सामाजिक चिंतक सीतामढ़ी, *सवानिवृत्त प्रधानाध्यापक, माता-वङ्का देवी, पिता-स्व०नाजधन मंडल, पत्नी-प्रमिला देवी, जन्म तिथि-01 जननवी १९६0 याश्यता- एम-एससी (नसायन शास्त्र), एम ए (हिन्दी)। नुचि- साहित्यिक, मैथिली-हिन्दी कविता - कहानी लेखन आ आलेख। प्रकाशित पोथी - मैथिली कविता संग्रह हासा क न वांटिया। २०२२ प्रकाशित नचना - समिया कविता संग्रह पोथी - जनक नंदिनी जानकी आ शौर्य गाना। २०२२ पत्रिका -मिथिला समाज, घन -वाहन आ अपूर्वा (मैसाम)। अखवान -दैनिक मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश। सामाजिक-सामाजिक चिंतन, दायित्व- पूर्व जिला प्रतिनिधि, प्राथमिक शिक्षक संघ, डुमना, सीतामढ़ी। स्थायी पता- ग्राम-पिपना विशनपुर थाना-पनिहान जिला-सीतामढ़ी। वर्तमान पता- पिपना सदन,मूनलियाचक वार्ड-04 सीतामढ़ी पास्ट-चकमहिला जिला- सीतामढ़ी नाज्य-बिहान पिन-843302*

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पन पठाउ।**

२.६.आशीष अनचिन्हार-पाठक हमर पोथी किए पढ़थि?



आशीष अनचिन्हार

पाठक हमर पोथी किए पढ़थि?

एहि शीर्षककेँ एनाहुतो लीखि सकैत छी जे "पाठक हमर पोथी किए किनताह"। एहि गप्पक विषयपर विचार होइत रहत मुदा हमरा लागए बुझाइए जे हम पाठक लग अपन self-appraisal प्रस्तुत कऽ रहल छी। बहुत लोक एकरा नैतिक न्याय खराब मानताह तँइ मैथिलीमे एहन विषयपर नै लीखल गेल (मौखिक तँ सभ लेखक करिते छथि) मुदा हम नहि मानैत छी। कहबाक लेल तँ ई self-appraisal प्राइवेट नौकरी लेल छै जाहिमे कर्मचारी अपन गुणक विवरण दैत छै आ ओकर बॉस ओकरा देखि कऽ मिलान करै छै

जे लिखल चीज व्याकरणमे सही छै कि नै आ तकर बाद ओहि कर्मचारीक ज्ञान वृद्धि वा प्रमाणन होइत छै। हमरा लगैए जे ई साहित्यक लेल नीक काज करत। एहि विषय अंतर्गत लेखक अपन पोथीक ओहन किछु विशेषता अवश्य लीखथि जकरा बादमे समीक्षक-आलोचक देखि कऽ तय कऽ सकथि जे देल गेल विशेषता कतेक निर्वाह पोथीमे भेल छैक वा कि नै। आ एहि क्रममे हम अपन पोथी "अनचिन्हार आखर" जे कि 2011 मे श्रुति प्रकाशन, दिल्लीसँ प्रकाशित भेल छल तकर विवरण प्रस्तुत कएल रही जे कि विदेहक 1 अगस्त 2021 कएर अंकमे प्रकाशित भेल छल। आब अही क्रममे हमरा एवं गजेन्द्र ठाकुरजी द्वारा संपादित पोथी "मैथिलीक प्रतिनिधि गजल 1905 सँ 2022 धरि" पाठक लग प्रस्तुत कऽ रहल छी। आबी किछु एहन बातपर जाहिसँ ई पाठककेँ ई सहुलियत होइत जे उपरमे लिखल पोथी किए पढ़बाक चाही वा कि किए किनबाक चाही---

1) आन जे कारण हो मुदा एहि पोथीकेँ एकमात्र कारणसँ पढ़ल-कीनल जा सकैए आ ओ कारण अछि जे एहिमे लगभग हरेक युगक गजलकारक गजल संग्रहीत अछि। एहिसँ पहिने गजलक नामपर जे कतेक संकलन आएल ताहिमे मैथिलीक प्राचीन गजलकेँ नै राखल गेल। कोन कारणसँ नै राखल गेल से स्पष्ट छै। प्राचीन गजल सभ पूर्णतः व्याकरणक पालन करैए मुदा आन संपादक सभ एहि प्राचीन गजलकेँ ई सोचि कात रखने होता जे कहीं जनताक सामनेमे हमर सभहक कथित गजलक पोल नै खुजि जाए।

हम ई दावा नै करैत छी जे एहि पोथीमे 100 प्रतिशत प्राचीन गजल संकलित भेल हएत मुदा हमरा एतेक भरोस अछि जे एहिमे 98-99 प्रतिशत प्राचीन गजल पाठककेँ भेटि जेतनि।

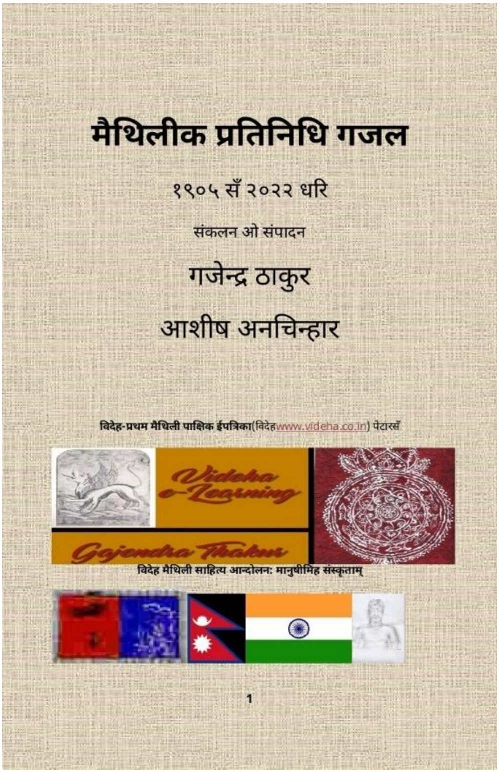
2) प्राचीन गजलमे व्याकरणक पालन कता भेल छै से जनबाक लेल एहि पोथीकेँ पढ़ल-बीनल जेबाक चाही।

3) ई पोथी एकमात्र संकलन अछि जे मैथिली गजलकेँ संपूर्णता संग प्रकाशित करैत अछि। पाठक एकै ठाम मैथिली गजलक आदि, मध्य आ वर्तमान जानि सकै छथि।

4) साहित्यमे खास कऽ गजलमे प्रेमयनक विषय अनिवार्य नहियेँ अबैत छै मुदा अधिकांशतः प्रेमयनक रचना एक सीमाक बाद बाधक भऽ जाइत छै। मुदा प्रस्तुत पोथीमे प्रेमक प्रयोग एना भेल छै जे बाप-बेटी वा कि भाए-बहीनि एकै संग एहि पोथीक रचना सभकेँ पढ़ि सकैत छथि।

5) जे पाठक मैथिली गजलक विकास बूझए चाहै छथि तिनका ई पोथी अवश्य पढ़बाक चाही। ई पोथी अही दिशा काज अछि।

एहि पाँच टाक अतिरिक्त आरो बात सभ अछि जाहि लेल पाठककेँ ई पोथी पढ़बाक चाही मुदा एहि ठाम आ बात सभहक खोज करबाक लेल हम पाठक एवं आलोचक दुनूकेँ आग्रह करबनि।



अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

२.१.कुमार मनोज कश्यप- गनगुआरि



कुमार मनोज कश्यप

१ टा लघुकथा

गनगुआनि

कान धनानिय एक-एक टा यात्री जाठिया उा दु नुमक फ्लैट वुक कना पाउल नहै स नेह जनै छै। बैंक क किश्त चुकबै म खान-पान, नहन-सहन सबहक स्तन न्यूनतम भऽ गेल नहै। मानमान हिसाब लगाबय त फ्लैट भऽ गेला पन मकान किनाया बाँचि जेतै तऽ आर्थिक स्थिति सुधनि जेतै। मुदा अपन सोचल ककना होइये ? फ्लैट कब्जा म देनी जखन सब क असह्य बुझ लै लगलन्हि तखन दिन नाति एक कऽ कऽ यूनियन बनलै आ शुनू भेलै धनना-प्रदर्शन क दौड़। एहन बिल्डन दिस सऽ नोटिस भेटलै दु लाख नुपया आओन जमा कनबै लै; कानण निर्धारित समय बित-ऽऽल-एनिया अंतिम निर्माण म बढ़ि गेल छलै। बिल्डन संग एकना सबहक प्रतिनिधि क बैसक दौड़क बैसान भेलै। एक दिन मीटिंग सऽ बाहन आबि प्रतिनिधि सभ क सम्बोधित कनैत कहलकै - 'एनिया क संग-संग निर्माण-सामग्री क

लागल बढ़ल गेली बढ़ल लागि युक्तिसंगत छै आ हमरा सर के दबाहि पड़ता। बिल्डर अपना घर सऽ ताँ त लऽ नहिं सकतौ? हमरा सर लै खुशखबरी अछि जे आहाँक प्रतिनिधि सर के सत्य ज्ञान हेला आ कतक समर्थन के बाद बिल्डर देस प्रतिनिधि लागि काम करबा लै तैयार भऽ गेल अछि। जेह हाथ सेह साथ! आब हमरा सर बाकी रकम जतक जल्दी जमा करबा देबे ततक जल्दी स्लेट के कब्जा भऽ जेता।'

लोकक मुँह खुजल के खुजल रही गेल रहै.. मुस्कान छलै तऽ मात्र प्रतिनिधि सर के चेहरा पर!

-**कुमार मनोज कश्यप, सम्प्रति**: भारत सरकार के उप-सचिव, **संपर्क:** सी-11, टावर-4, टाइप-5, किदवई नगर पूर्व (दिल्ली हाट के सामने), नई दिल्ली-110023 मो. 9810811850 / 8178216239 ई-मेल : writetokmanoj@gmail.com

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

२.६.निर्मला कर्ण- अग्नि शिखा (खण्ड-१४)



निर्मला कर्ण (१९६०-), शिक्षा - एम् ए, नैहर - खराजपुर,दरभङ्गा, सासुर - गोढियारी (बलहा), वर्तमान निवास - राँची,झारखण्ड, झारखंड सरकार महिला एवं बाल विकास सामाजिक सुरक्षा विभाग मे बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पद सँ सेवानिवृत्ति उपरान्त स्वतंत्र लेखन।

मूल हिन्दी- स्वर्गीय जितेन्द्र कुमार कर्ण, मैथिली अनुवाद- निर्मला कर्ण

अग्नि शिखा (भाग - १४)

पूर्व कथा:

देवर्षि नारद संऽ सम्राट पुरुरवाक यशोगाथा सुनि कऽ देव लोक मे सभ कियो चमत्कृत भेल छथि। इन्द्र अपन समस्याक समाधान पाबि प्रसन्नचित्त छथि। अप्सरा उर्वशी सम्राट पुरुरवाक यशोगाथा सुनि हुनका अपन दिल समर्पित कऽ देलथि।

आब आगू:

पुरंदर क निमंत्रण पर आइ पुरुरवा सदेह स्वर्ग मे समुपस्थित भेल छथि। इन्द्रक प्रसन्नताक ठाम अन्त नहि अछि। स्वर्ग लोक आइ आनंद सरोवर मे सराबोर भेल अछि। इन्द्रक प्रासाद पुरुरवा क पाबि प्रफुल्लित अछि। पुरंदर भूपति क भाँति-भाँति क व्यंजन संऽ स्वागत सत्कार कयलनि। हुनक गुणगान गंधर्व गण सुर लय बद्ध कऽ सुनौलक। स्वर्गक अप्सरा मनका अपना हाथें सोमरस स्वर्ण पात्र मे भरि-भरि कऽ राजा क पान करबा हेतु साग्रह प्रस्तुत कएल। पुरुरवा इन्द्र क द्वारा कएल अपन एहि स्वागत सत्कार संऽ अत्यन्त प्रसन्न भेलाह। मणि जड़ित सिंहासन पर एक दुसर क समक्ष पुरुरवा आ पुरंदर बैसल छलाह। पुरुरवाक सुंदरता इन्द्र क समक्ष द्विगुणित भेल छलनि। आइ इन्द्रक आभा भूमंडलपति क समक्ष क्षीण पड़ि गेलनि।

अपन हृदय क वश मे नहि पाबि उर्वशी हुनक स्वागत मे उपस्थित नहि भेलीह। ओ शव क भाँति अपन स्वर्ण-पर्यंक पर निज प्रासाद मे बैसल छलीह। हुनक सखी चित्रलेखा हुनक समक्ष बैसल छलीह। ओ भरि मोन राजाक सौंदर्य क यशोगान उर्वशी क समक्ष कऽ

रहल छलीह । उर्वशी अन्तर्मन मे मुग्ध भऽ रहल छलीह नाटकक यशोगान सँ । ओ पुरूरवा के विषय मे चित्रलेखा सँ एक-एक बात विश्लेषण करैत पूछि रहल छलीह । चित्रलेखा पूछलथि हुनका सँ - "अहाँ किएक नहि हुनक परिचर्या मे जाइत छह"?

"ह _ ह_ हमर हालत ठीक नहि अछि"|

" मुदा हम तऽ देखि रहल छियह जे अहाँ बहुत नीक सऽ छह। अहाँ पूर्ण स्वस्थ छह। फेर एहन बहाना किएक करै छह"?

"कालिह्य सऽ हमर मोन स्वस्थ नहि अछि,ताहि सँ हम जाइत नहि गेलहुँ। यदि हम जाइत गेल रहितहुँ आ अस्वस्थताक कारण हुनका दुःख भऽ जइतन्हुँ तखन हमर कामक उपहास होइत!सखी!अहाँ कनिक हुनी बात सोचऽ । तेना हुनी बात किएक नहि बुझाइत छह"?

" अहूना कहू होइत छैक सखी ! हमहुँ सरस कामक अप्सरा सरस त गेल रहितैक,ओहि मे की सब कओ स्वस्थ छल ? मुदा ककरा संग एहन घटना कहाँ भेल!फेर अहाँ किएक एना डराइत छह"?

"ताहन सबहक बात किछु आओर छैक,अहाँ सम्पूर्ण रूपेण स्वस्थ छह । हम किछु दिन सँ अस्वस्थ छी,एहि कारण हुनी सरस काना बात अथवा काज मे हमरा रुचि नहि रहि गेल अछि"|

चित्रलेखा के उर्वशीक एहन व्यवहार सँ किछु-किछु आशंका होमय लगलइन्हि,मुदा ओ उर्वशी मन हुनी बात प्रगट नहि कयलन्हि । ओ मौन भऽ गेलीह ।

\- - -

ओतऽ अपन व्यथा कथा आ दानव गणक दु:साहस कर वर्णन पुरूरवा

संs सांगोयाँग कलनि । दुर्योग दूनक सए वाग दर्फविद एs सुनगि नहलाह। गदूयनांग अयन यूद्ध ब्यवस्था क स्पष्ट कनेग ०००द्ध अयन मूल मंगव्य प्रगट कलनि -

"दुर्योग ! हमन ०००ब्धा अछि आहाँ दव दानव क अहि यूद्ध म दवगाक सहायगा कनी । स्वर्गक प्रगिष्ठा वचवनाक आव माग्र यैह एक मार्ग शेष अछि"|

"हम दवगाक सहायगा कs अयना क कृगकृत्य वूस्रव, दवद्ध ! मानव आ दवगाक मिग्रगा गs सदिखन सs नहल,हम हला उाकन प्रगिकूल काना जा सकैग छी "?

"गखन अहि यूद्ध क लल याजना वनावै म आहाँ हमन सहायगा कनू। "

०००द्धक अनूनाध यन यूनूनवा सहमगि दलथि। गदूयनांग दवगा क दानव यन आक्रमणक हानी याजना कन संवंध म दूनू गोट वहूग काल गक मंत्रणा कनेग नहलथि । कगका याजना वनल विगडला कागा याजना म कनियां त्रूटि वूस्रना गेला यन उहि याजना क स्थाि एक नव याजना यन विचान हामय लागै । अन्द म एक याजना यन दूनू गोट क यूर्ण सहमगि वनि गेलनि । यूनूनवा आ यूनंदन दूनू गोट उहि याजना यन सए दृष्टिकाण संs विचान विमर्श कलनि,यूनः उाकना कार्य नूय म अनवा हगु कटिवद्ध एs गेलाह । ०००द्ध निश्चय कलथि ज ००ी यूद्ध काल्हिय संs प्रानम्भ एs गेनाि उचिग हायग । यूनूनवा क एहि म काि आयगि नहि एलैहि । गयश्चाग ०००द्ध अयन सएकउ म चलि गेलाह। यूनूनवा क उागहि विश्राम क ब्यवस्था कs दल गेल । यूनूनवा विश्राम कनवा हगु अगिथि शाला म स्थिग अयन शयन कउ म प्रस्थान कलथि।

- - -

पाताल लोक मे दानव राज बलि अपन क्रुद्ध अवस्था मे दृष्टिगत होइत छल । ओ अपन भवन मे उद्विग्नता सँ एम्हर सँ ओम्हर टहलि रहल छल। कखनो क' अपन वाम हाथ पर दाहिन हाथक मुष्टि-प्रहार क' रहल छल । ओकरा देखि क' बुझाइत छल ओ तामस मारने भेल अछि। ओ तमतमाइत अपन दूत मय सँ पुछलक -

"तों ई सूचना एतेक विलंब सँ हमरा किएक देलह"?

"दानवपति हम अपन ऊर्जा भरि भरिपूर प्रयत्न कएल,मुदा पृथ्वीक मार्ग सँ पाताल लोकक मार्ग अवरुद्ध अछि । एहि कारणे हमरा बहुत लंबा मार्ग तय कर' पड़ल एतय अयबा मे "|

"हुँssss त' एकर अर्थ ई भेल जे सम्पूर्ण पृथ्वी पर एकछत्र शासन पुरन्दरक भ' गेल अछि! दानव के लेल पृथ्वीक मार्ग पर्यन्त अवरुद्ध भ' गेल"?

"जी दानवपति बात यैह थिक "!

"हम दूनू गोटे के देख लेब | अहि बेर एहन ने युद्ध होयत कि पुरन्दरो आ ओकर दूनू के पानि पिया देब। दूनू गोटे हमर पर्यंक सँ बहायल करत, राजन नाक,एक घांट पानि के लेल गिड़-गिड़ायत मुदा हम ओकरा एक घांट पानियों के लेल तरसा देब । त्रिलोक देखत हमर क्रोध के "|

"लेकिन असुराधिपति ! हम सभ त' पहिलहि पुरन्दर सँ हारि चुकल छी"!

"गां चुप रहु,बिना बूझने सूझने किछु बाजइ नहि । एक बेर हारि भेलहुँ तकर की मतलब ? हम पुनः युद्ध करब आ ओकर एहन दुर्गति करब कि त्रिलोक मे कतहु शरण नहि भेटत ओकरा। हम पुरुरवा आ इन्द्र दुनू के अपन हाथ बना लेब । बुझलहुक"!

दानव दूत मौन रहल । क्रोधाग्नि सँ असुराधिपति अपन पैर धरती पर पटकैत रहल आ हुंकार भरैत रहल । फेर अपन शूरवीर दानव सेनानायक के सभाकक्ष मे अबैक सूचना पठाओल मंत्रणा हेतु ।

किछु देरी के बाद केशि अपन वीर योद्धा सेनानायक सभ संग जीत के संबंध मे मंत्रणा करैत युद्ध सँ संबंधित अनेक प्रकारक निर्देश देलक। ओकर निर्देशक मूल मंत्र छल - 'अपन समस्त युद्ध कौशल संग राक्षसी मायाक प्रदर्शन करबाक उचित अवसर एहि थिक। अपन पूर्ण शक्ति सँ सभ दानव गण संगठित भs पुरुरवा आ इन्द्र दुनू सँ युद्ध करबा हेतु कटिबद्ध भs जाउ । सभ दानव ई दृढ निश्चय कs ली जे एहि युद्ध मे स्वर्ग एवं धरती दुनू पर अधिकार प्राप्त करबाक अछि । इन्द्र आ पुरुरवा दुनू के पर कर प्रकारेँ पराजित कs ओहि दुनू के दानवगणक हाथ बनाय राखक अछि। "

एकर उपरांत अपन सभ सेनानायक युद्धक तैयारी करबा हेतु आदेश दs दानव राज केशि विदा कलक आ स्वयं अपन राजप्रासाद मे जयबा हेतु प्रस्थान कलक।

क्रमशः

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

२.९.जगदीश प्रसाद मण्डल- माउपन (धारावाहिक उपन्यास दसम

पतन)



जगदीश प्रसाद मण्डल

मातपन (धारावाहिक उपन्यास)

दसम पतन

एखन धरि जे सामान्य जिनगीक आयुक अँटकार रहल अछि, मुदा शतायुक आधारपर, दिन हिसाब कामसँ आधारपर पढ़ैत चुकल छथि। मुदा अर्द्धायुपर पढ़ैत चुकल छथि। विद्यालयमे पहिने जेना होइ छल जे सालमे वर्ग बदलै छल आ बीचमे, छह मासपर एकटा छमाही परीक्षा सेहो होइ छल, जे एखन तीन मास, छह मास, नअ मास आ बारह मासक भऽ गेल अछि। तहिना आइ जीवनक आधा उमेर बीतला पछाति कामसँ अपन जीवनक परीक्षा मने-मन लऽ रहला अछि। लेबा करा ने करा, धर्मार्थ तँ छथि नहि, बरहामासे मुदा एकटा श्रमिकक जीवन तँ छैहे।

पतिवारम कामदेव देख रहल अछि जे छह सन्तानम सबसँ छोट बेटा आ पाँच बेटी छै। जइमे छै तीनू बेटीक बिआह, तीनू कीनल घरार्थे बचि कए छैथ, बाँकी दू शेष छैना। कहिया-सँ दूनूक बिआह करब? एहुमे दिनानुदिन बेटी बिआहक खर्च बढ़ल जा रहल अछि। जहिना अनुमान लगबैत रहथि बान-भाउ देखन मन उना जाइछ, तहिना कामदेवकेँ आगूक रस्ता उनैन लगि रहल छैना। संगे मनमे झीहा सुमान उठि रहल छैन जे दूनू छोट बेटीकेँ कहुना-कहुना खाली नाम-गामटा लिखब सिखा सकलिऐ.! अपना तँ पिता छला, जिनगी रहितो गोदामक बाना बीठयत उठा, पढ़ीना चूबा एक सीमा तक पढ़ौलैन.! की हम अपन बाल-बच्चाकेँ गाबा कऽ सकलिऐ.? न अखन तक एकोटा घर बना सकलौं आ न..! तैयन पतिवार सहो पहिनसँ आब नमहर रऽ गेल अछि..! बिसमित रहल कामदेव मन-मन अपन जिनगीकेँ पतीझित नूपम निहारि रहल छला। तहीकाल सुरेश्वर लगमे आबि पूछलकैन-

"मन किए मारने छी, एक गोटकेँ बढ़ैत आशा हाइछ। आबा जीवनकेँ ढंगसँ जीबू। जखनसँ लोक जीवनकेँ जीबैक कोशिश करए लगै छैथ तखनसँ जीवनमे जगमगायत रस्ता जगमगाए लगै छैना।"

पतीक विचार सुनि कामदेवक मन जना सचत रहलैन। जइसँ पतीयत जीक विसवास अखन धनि छलैन तइमे बढ़ोत्तरी रहलैन, जइसँ पतीक विचारक प्रति आकर्षण बढ़लैन। निःसहाय जकाँ कामदेव सुरेश्वर दिस तकैत बजला-

"की करब तीक रहत, स बूझिय न पब रहल छी।"

पतिक विचार सुनि अपन विचारकेँ जगमगबैत सुरेश्वर बजली-

"शुनुहम जखन कहन रही जे सनकान दुटा प्रकान देलक, अहाँ

ओकरा बचिकऽ नोकरी पकड़ि लिअ। एखन अहाँ की बाजल नहि?" एना किया ओकरा उठिकऽ पटैक छातीपर बैस पूछैत, तहिना पत्नीक बातसँ कामेश्वर मर्माहत हुअ लगला। सुमारक हुअ लगलैन, स्वतंत्र जीवनक स्वतंत्र व्यवसाय..! मुदा स्वतंत्र जीवन जीबैक जे कला अछि, तेकर प्रति हानी चूक भेल अछि..! ओ से नहि भेल अछि जे करा बनर्जीदादा अस्सी बर्खक उम्र धरि दरदराइत जीवन बितौलैन जे कहियो दासताक खगता नहि भेलैन। जहिना नोकरीक जीवन आ क्रिया-कलाप शुरू छलैन तहिना जीवनक अन्तिम सीमा धरि निमाहबो केलैन।

अखन फेरो सँ कामेश्वर बजला- "आब की करब नीक होएत?"

संजोग बनल। एन.एच.57 बनल शुरू भेल जाहिमे इञ्जीनियरक खगता भेल। प्राइवेट कम्पनीक काज, ओकर कोनो आधार नहि, काज करै जाकर इञ्जीनियर चाही। ओहि बात जहिना कामेश्वरकेँ बूझल छलैन तहिना सुरेन्द्राकेँ सेहो बूझल रहैन। अपन विचार सँ सुरेन्द्रा बजली-

"एन.एच. सरकारी काज शुरू भेल अछि, जाहिमे इञ्जीनियरक खगता अछि, बहाल भऽ जाउ।"

पत्नीक विचार सुनि कामेश्वर आइ ठाढ़ मोड़पर पहुँच गेला, जेना एक दिस स्वतंत्र जीवनक विचारक हत्या भऽ रहल छैन तँ दोसर दिस आर्थिक तंगी जान लेबापर तुलल छैन।

जहिना जीवन सबकेँ प्रिय होइत तहिना कामेश्वरकेँ सेहो छैन्हि। मुदा जीवनो तँ जीवन छी, किया विचारक संग जीवन बीत करै छैथ तँ किया धनीक नजरिकेँ जीवन बूझै छैथ। ओना, कामेश्वरक

जीवन सँ एकाएक टूटल रहैत तँ किछु जीवित नव विचारमे रहबा कनिऔन, मुदा आइ बीस बर्खसँ टूटैत-टूटैत एतेक टूटि गेलैन अछि जे विचारक नक्सा या तँ नंग बदैल यानि जकाँ भऽ गेलैन अछि वा मरुभूमिक जलाशय जकाँ सुखि गेलैन। हारैत जीवन आ टूटैत विचारक माध्यम आबि कामसन बजला-

"कहियो जाकऽ बहाल भऽ जाएब।"

पतिक विचार सुनि सुरेन्द्राक अपन पैत्रिक परिवारक दृश्य पुन: मनमे नाचए लगलैन। बजली किछु ने, मुदा मन मधुआ गेलैन।

-जगदीश प्रसाद मण्डलजीक जन्म मधुबनी जिलाक बेरमा गाममे 5 जुलाइ 1947 ईस्वीमे भेलैन। मण्डलजी हिन्दी एवं राजनीति शास्त्रमे एम.ए.क अहर्ता पाबि जीविकोपार्जन हेतु कृषि कार्यमे संलग्न भऽ रुचि पूर्वक समाज सेवामे लागि गेला। समाजमे व्याप्त रूढ़िवादी एवं सामन्ती व्यवस्थाकेँ सामाजिक विकासमे हिनका बाधक बुझि पड़लैन। फलत: जमीन्दार, सामन्तक संग गाममे पुरजोर लड़ाइ ठाढ़ भऽ गेलैन। फलत: मण्डलजी अपन जीवनक अधिकांश समय केस-मोकदमा, जहल यात्रादिमे ब्यतीत केलाह। 2001 ईस्वीक पछाति साहित्य लेखन-क्रममे एला। 2008 ईस्वीसँ विभिन्न पत्र-पत्रिकादिमे हिनक रचना प्रकाशित हुअए लगलैन। गीत, काव्य, नाटक, एकांकी, कथा, उपन्यास इत्यादि साहित्यक मौलिक विधामे हिनक अनवरत लेखन अद्वितीय सिद्ध भऽ रहलैन अछि। अखन धरि दर्जन भरि नाटक/एकांकी, पाँच साएसँ ऊपर गीत/काव्य, उन्नैस गोट उपन्यास आ साढ़े आठसाए कथा-कहानीक संग किछु महत्वपूर्ण विषयक

शोधालेख आदिक पुस्तकाकार, साठसँ ऊपर ग्रन्थक प्रकाशित छैन। मिथिला-मैथिलीक विकासमे श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीक योगदान अविस्मरणीय छैन। ई अपन सतत क्रियाशीलता आ रचना धर्मिताक लेल विभिन्न संस्थासभ द्वारा सम्मानित/पुरस्कृत होइत रहला अछि, यथा- विदेह सम्पादक मण्डल द्वारा "गामक जिनगी" लघु कथा संग्रह लेल "विदेह सम्मान- 2011", "गामक जिनगी व समग्र योगदान हेतु साहित्य अकादमी द्वारा- "टैगोर लिटिरेचर अवार्ड- 2011", मिथिला मैथिलीक उन्नयन लेल साउन दरभंगा द्वारा- "वैदेह सम्मान- 2012", विदेह सम्पादक मण्डल द्वारा "नै धारैए" उपन्यास लेल "विदेह बाल साहित्य पुरस्कार- 2014", साहित्यमे समग्र योदान लेल एस.एन.एस. ग्लोबल समिनती द्वारा "कौशिकी साहित्य सम्मान- 2015", मिथिला-मैथिलीक विकास लेल सतत क्रियाशील रहबाक हेतु अखिल भारतीय मिथिला संघ द्वारा- "वैद्यनाथ मिश्र "यात्री" सम्मान- 2016", रचना धर्मिताक उत्तम अमूल्य योगदान हेतु ज्योत्स्ना-मण्डल द्वारा- "कौमुदी सम्मान- 2017", मिथिला-मैथिलीक संग अन्य उत्कृष्ट सेवा लेल अखिल भारतीय मिथिला संघ द्वारा "स्व. बाबू साहेब चौधरी सम्मान- 2018", चेतना समिति, पटनाक प्रसिद्ध "यात्री चेतना पुरस्कार- 2020", मैथिली साहित्यक अहर्निश सेवा आ सृजन हेतु मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समिति, गुवाहाटी-असम द्वारा "राजकमल चौधरी साहित्य सम्मान- 2020", भारत सरकार द्वारा "साहित्य अकादमी पुरस्कार- 2021" तथा साहित्य आ संस्कृतिमे महत्वपूर्ण अवदान लेल अमर शहीद रामफल मंडल विचार मंच द्वारा "अमर शहीद रामफल मंडल राष्ट्रीय पुरस्कार- 2022"

नवना संसान : 1. ॅ्छ्रधनूषी अकास, 2. नागि-दिन, 3. गीन ॅ0 ॅगानरुम माघ, 4. सनिगा, 5. गीतांजलि, 6. सूखाॅल याखनिक जाॅ्0, 7. सगवध, 8. वूनोगी, 9. नरुसा चौनी, 10. कामधेनू, 11. मन मथन, 12. अकास गंगा - कविता संग्रह। 13. यंचवटी- ॅकांकी संचयन। 14. मिथिलाक वटी, 15. कम्प्रामाॅ्ज, 16. ममलिया विआरु, 17. नम्राकन उकोग, 18. स्वयंवन- नाटक। 19. मौलाॅ्ल गाछक फूल, 20. उछान-यगन, 21. जिनगीक जीग, 22. जीवन-मनध, 23. जीवन संघर्ष, 24. नै धाउँॅ, 25. वॅकी वहिन, 26. रादनक आ0 अह्वान, 27. सधवा-विधवा, 28. ॅ0 गाछ, 29. ॅ्ज़ाग गमा ॅ्ज़ाग वँचलौं, 30. लरुसन, 31. यंगु, 32. आमक गाछी, 33. सुचिगा, 34. माॅयन, 35. संकल्प, 36. अन्तिम ऊध, 37. कुष्ठा- उयन्यास। 38. ययस्विनी- प्रवन्ध-निवन्ध-समालोचना। 39. कल्याणी, 40. सगमाॅ, 41. समभौगा, 42. गामक गमघैल, 43. वीनांगना- ॅकांकी। 44. गनगन, 45. वजन्मा-वूसन्मा- वीरेन कथा संग्रह। 46. शंगुदास, 47. नटनी खढ- दीर्घ कथा संग्रह। 48. गामक जिनगी, 49. अर्द्धांगिनी, 50. सगरैंया याखैन, 51. गामक शकल-सूरग, 52. अयन मन अयन धन, 53. समनथाॅ्क रुग, 54. अयुयन-वीनान, 55. वाल गोयाल, 56. रकमाॅ, 57. उलवा चाउन, 58. यगमाॅ, 59. गढ़नगन हाथ, 60. लजविजी, 61. उकरु समय, 62. मधुमाछी, 63. यसनाक धनम, 64. गुॅा- खुट्टीक नाटी, 65. रुलहान, 66. खसैग गाछ, 67. ॅगछा आमक गाछ, 68. शुरचिन्हक, 69. गाछयन सँ खसला, 70. उरियाॅल गाम, 71. गुलगी दास, 72. मुॅियाॅल घन, 73. वीनांगना, 74. स्मृगि शेष, 75. वटीक यैनूख, 76. क्रान्तियाग, 77. त्रिकालदर्शी,

78. पैंतीस साल पछुआ गेलौं, 79. दाहिनी हाथ, 80. स्वाभिमानी जिनगी, 81. दसखल दिन, 82. गपक पियाहुल लोक, 83. दिवालीक दीप, 84. अप्पन गाम, 85. खिलतोड़ भूमि, 86. चितवनक शिकार, 87. चौनस खाक चौनस उपज, 88. समयसँ पहिने चेत किसान, 89. शौक, 90. गामक आशा टूटि गेल, 91. पसेनाक मोल, 92. कृषियोग, 93. हारल चेहरा जीतल मुँह, 94. नइ जाएब पनिशाल, 95. कर्तक रंग कर्मक संग, 96. गामक सूरत बदैल गेल, 97. अन्तिम परीक्षा, 98. धनक खर्च, 99. नीक ओकाल ओकलौं, 100. जीवनक कर्म जीवनक मर्म, 101. संबन्ध, 102. रूसि मन काज, 103. आएल आशा चलि गेल, 104. जीवन दान तथा 105. अप्पन साथी- लघु कथा संग्रह।

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

२.१०.जगदीश प्रसाद मण्डल- पुनर्खरीद



जगदीश प्रसाद मण्डल

पुनर्खोज

समाजमे कोन हना उठए आ कहन मूँहे उठए, एकना थाहव कनी हनिगन अछिए। खाएन ऐ गँ हल गाम-गामक, टाल-टालक, जाति-जातिक आ धर्म-धर्मक संग सम्प्रदाय-सम्प्रदायक नूय, मूदा अपना गामसँ मानव कोन अछि। मानव अछि अपन गाम, अपन समाज आ अपना सन दूनियाँक लाकक।

जहिना गाम-गाममे कौ-कौ, उमा-गुनीक धर्म स्थल अछि गँ कौ-कौ अस्पताल, पढैक विद्यालय नहि अछि सहा वाग नहियेँ अछि, सहा अछिए। गामसँ दूनूक नंगक मान दु-दिशिया हना सदिकाल उठैक सम्भावना नहिए अछि। एक दिस, देखा-सूनि ठी, अस्पतालमे ओजानसँ वीमानीकँ हगोल जाएए आ दासन दिस उमा-गुनीक गहनमे मूँहदान नएँ हटैए, सहा वाग नहियेँ अछि, सहा अछिए। मूँहसँ तोङन वनैक, ऐंजीनियन वनैक यनसादीक विलहा-वाँट सहा हाएग अछि।

निकासपुरमे सेहो अपना ढंगक एकटा उठल। एकटा उठल जे गाममे पुस्तकालय बनतै। पुस्तकालयक मान एखन नहि जे घर बना आलमारीमे पोथी साजि राखल गेल। साल-साल जन्मोत्सव मनबैत रहलौं। समाजक बीच पुस्तकालय उत्तम सार्वजनिक जगह छीहे जेठाम दस गोटे एकठाम बैस जीवन-मरणक विचार सेहो करैत छैथ।

आठ बजे दिनमानक पहुँच, सुशील रायकेँ पुस्तकालय अपना घर दिससँ अबैत देखलयैन। दुनू गोटेक बीच कक्का-बड़ीक सम्बन्ध अछि। कहब जे की कक्का-बड़ीक सम्बन्ध अछि? दुनू गोटेक बीच जे अछि से अहूँ देखत छी जे उ पढ़ल-लिखल गुणशील छैथ आ अपन बच्चेसँ जे महींसवारि शुरू कलौं, से एखन अखना करै छी। एखन ग्राम नहि हुअए जे जहिना बालक पुरैआक साल रैंसवारिक दनमाहो छल, तहिना अछिए। हम से नहि छी, बच्चेसँ जहिना दूध-दही खाइक चसकिया लगल आ पासैक बुझिसँ मन खुशिया अछिए जइसँ पासैक काज तहिना अखना अछि। आठटा महींस रखने छी। एक क्वीन्टल दूध हाइए, अपन परिवारक खर्च हमा पाँच किलो कम एक क्वीन्टल दूध प्रतिदिन बेचै छी। गोबरक गैस उपयोग बढ़ि गेल अछि जे दिन-दिनक बिक्री हुअए लगल अछि।

दुनू गोटेक बीच कक्का-बड़ीक सम्बन्ध ऐछी अछि जे जहिया दुनू गोटे सम्बन्ध बनबए लगलौं तहिया पहिल कक्कावड़ी रहल जे जिनगीक सम्बन्ध बना रहल छी, पँचबरखा सम्बन्ध नहि, जना अदली-बदली हाइबला नाकनिहानाक हाइए। एना नहि करै छी। पहुम गौआँ छी, बाप-दादाक बनौल-बसौल गाम छीहो। जहिना उ सरह पुलिस-दरोगाकेँ गाम नहि आबए देलखिन। जइसँ शर्मयन दुनू गोटेक सम्बन्ध रहल,

तइमे एकटा पैघ ईहो छल जे संग पूर्नमे उँ जहल जाए पड़त, तँ एक-दोसरक संग सेहो जाएब आ संग-संग निकलबा करबा। से कहब जे अखन तक गद्य-पद्यक काम अछि, सेहो बात नहियेँ अछि। पढ़ल-लिखल सुशील भाय जहिना छैथ तहिना समाजसँ जुड़ल समाज निर्माता सेहो छथिए।

सुशील भायकेँ, कनी हनिक्कासँ कहलयैन-

"भाय, मन बड़ मुस्किआइए, कौ किछु पलौं अछि की?"

जहिना बजलौं तहिना सुशील भाय मँपल-तापल उत्तर देलैन-

"उँए पलौं हर तँए न मुस्किआइ छी।"

सुशील भायक जबाब पर अकबका गेलौं जे हम की कहलयैन आ ओ की बूझिकऽ कहलैन। जखन दू गोटे एकठाम छी, तखन मुहोँ चुप राखब उचित नहियेँ हएत। तँए पैछला बातकेँ दबौत बजलौं-

"भाय, किमहर-किमहर सबारी चलले-ए?"

सुशील भाय बजला-

"हिनसूनका तानक काजसँ तँ निवृत्त भइये गेल हएब किने?"

बजलौं-

"काज सँ पहिलुका पीलहा चाह पबि गेल, काजक पछातिक मान काज कलाक पछातिक चाह पछुआएल अछि।"

सुशील भाय पूछलैन-

"कत देरी लगतह।"

कहलयैन-

"दरबज्जापर पहिर चलु ना। आब कि गोबरक चिपरी आकि गोरहा-गोइठाबला जरनाक चुल्हि अछि, आब तँ ओ गोबर गैसक घटक भऽ गेल अछि। गैसक चुल्हिपर चाह बनैमे देरी

लागल।"

दरबज्जापर बैसल सुशील राय बजला-

"एक पाँछु काजसँ निवृत्त भऽ गेलहुँ, तँए राँची नहि जाएब तँ गामे-समाज करैमे नीक लागत।"

टाकाना देवी बजलीह-

"राय कहिया अहाँक आदेशकेँ काटलौं हम।"

'काटब' सुनि सुशील रायक मन जेना बिजलौका जकाँ चौंकलैन। चौंकलैन ऐ दुआरे जे निवृत्ति केना समाजमे करताह आ केना जेताह...। मनक रीतसँ सुशील रायकेँ अपन मनमे निवृत्ति उठलैन जे अपना मुहेँ जे जबाब जीनन्दलालकेँ देब तेहेन मुह-सब तँए ओक्का नीक नहि। तँए सभ भऽ सकैत आ मुहसँ तँ रहैय सकैत। मुदा जँ हृदयकान्त कक्काक मुहेँ बजैत निवृत्ति ओना आ अपन हुँहकारी देत मानि लेब तँ जीनन्दलालकेँ सहए मानैमे हिचक नहि हएत। संयोगो नीक भेल, तेँ विश्राम चाहि आबि गेल।

करना निवृत्ति वा काज किछु नहि, चाहे किछु ने किछु समयकेँ बान्हि कऽ रहय दैत। तेँबीच मन सहए कतौ बन उनैट-पुनैट जाइत अछि। जखन मनमे उनट-पुनट होइ तखन निवृत्ति उनैट-पुनैट जाइत अछि।

चाह दऽ सुशील राय बजला-

"जीनन्द, चाह दऽ जेना मन हरि गेल। आब लोक चाह पीबैत आकि खानापूर्ति करैत। किसानक घरक, मान जे माल-जाल पोसै छथि तिनका जहिना चाह होइत तहिना दोकान-दौरी आ नाकनिहारा घरक हएत।"

चाह पीब तँए गोर हृदयकान्त काका उठाम निहार हरलौं। हृदयकान्त

काका दत्तचित्त भेल रहथि। मुँहसँ प्रश्नमा कहितेन आ आँखिसँ मना ताकलथैन। ताकि-ताकि थाका गेल जे हृदयकान्त काका ककरासँ गप-सप्प करैत बाहर भेला अछि। युग ने बीतल रहए गेल अछि जे आँखिक रोशनी दुआरि लोक चश्मा लगबैत आ उमेर चश्माक पाछाँ आँखि निराशि-निराशि भेना सावालिक दृश्य देखैत जे आँखिक जे प्राण-सूत अछि सेहो खिंचा जाइत। तेँ किछु ने आँखिकँ बँचा कानसँ काज लेब।

सुशील राय बजला-

"काका, पुस्तकालय स्थापनाक विचार समाजमे उठि गेल अछि।"

विश्राम हृदयकान्त काका बजला-

"बौआ, नीक विचार समाजमे जागि रहल अछि। समाजाक जे बुझि बनल देख रहल छी से अनुकूलासँ अनुकूल अछि। अहिना होइ छै, गाम-गाममे गाम पूजा करैत जागरण होइत तँ गाम-गाम गाममे अस्पताल बनबैक, तहिना गाम-गाम गाममे विद्यालय बनबैत तँ गाम-गाम गाममे पुस्तकालय, कला-संस्कृति केन्द्र बनबैत होइत।"

हृदयकान्त काका बाजिये रहल छला कि विश्राम सुशील राय बजला-

"हँ, से तँ होइत अछि।"

ओना, अपन हृदयकान्त कक्काक विचार नीक जकाँ नहि बुझिमे आएल, मुदा गेया सुशील रायक समर्थन देख बजलौं-

"होइत किछु अछि, आगुओ हएत।"

बजला पछाइत मिसिया रहनि खांच-खचांच मनमे नहि उठल। मन मानियँ रहल अछि जे पाँच मिलि करी काज, हार हारब गाम न लाज। तहुमे सुशील राय जखन जिनगीक गतिक चमन्द जकाँ धारसमान छैथ, तखन चिन्ता कथीक। बढ़ हएत तँ पुलिस पकैत

कऽ जहल लऽ जाएत, सएह न हएत। सेहो तँ देखल अछि। दुनू गोटेक समर्थन देख आकि अपन मनक विचारकेँ जगौने हृदयकान्त कक्काक मन खिल उठलैन। बजला-

"बौआ सुशील, आश्चर्य नहि सभ दिनसँ एहेन होइत आबि रहल अछि जे करुणा उचित कल्याण काज समाजमे किए न हुअए मुदा मूँह दूसैवला लोक मूँह दूसब करैए। तेकर कोनो चिन्ता नहि करक।"

बीचमे बैसल रही, सभ बाजैथ आ अपन चुप रहब तखन तँ गप्पो आ साँयक खिस्सा भऽ जाएत। 'भुजंग प्रयात, भुंजग प्रयात..।' बजलौं-

"काका, जहिना महाराजाक समयमे भीम रहैथ, जिनका बुद्धि हमरा सन लोक जकाँ गोबर उठौन-उठौन गोबनाह भऽ गेल रहैन, से जखन अर्जुन सन भाय आ अभिमन्यु सन भातीज सभ समाजक नवरूपिक हाटक पाउल गेयान भऽ गेला तखन अपन सन पित्ती आ सुशील सन भाए सभ हमहूँ अपन जीवन दान करैत गेयान छी।"

हमर विचारक गदगदीसँ आकि अपन मनमे उठैत गदगदीक शक्तिसँ, से हृदयकान्त काका जानैथ। बजला-

"बौआ जीवन्द, रवि मौका मारि एकनामा पाठसँ तँ कालिदास महापण्डित भऽ गेला, आ उँ अपना गाममे सभदिना पुस्तकालय बनि जाएत तेहेन विद्यार्थी बनैत गेयान छह।"

हृदयकान्त कक्काक विचारक प्रवाहमे आकि अपन मनक उद्वेगक उजाहिमे, मुहसँ बजा गेल-

"रवि दिन न यविचारक चिन्तामे चिन्तित रहै छी, मुदा नाति तँ अपन करैत अछि। अही आनामक समयकेँ उँ अपनामे लगा लेब

गँ एनसिया कालिदासकेँ क कहैत जे मसल्ला पिसनिहार मांगैनिया खवाससँ हटि सकै छी।"

एहन विचार सुनि हृदयकान्त कक्काक दृष्टिमे चिन्तन-रेख जगलैन। बजला-

"आइक पछिला श्रम वृद्धजनकेँ समय बिताएब कठिन भऽ गेल छैन, गेठाम गामक बीच जँ ठाढ़ भऽ स्थान स्थापित भऽ जाइत, जेठाम सामाजिक सौहार्दपूर्ण रूप बनौने रहत गँ मनुक्ख गँ सहज मनुक्ख छिया। सभेटा समूह (समाज) मे रहैत चाहैत छैथ।"

हृदयकान्त कक्काक विचार अन्त न भेल छलैन कि बिच्चेमे सुशील राय बजला-

"काका, जहिना वृद्धजनक स्थिति बनि गेल छैन तहिना नव पीढ़ी पढ़ल-बिनु-पढ़ल, सभ एकैक भेल अछि।"

हृदयकान्त काका बजला-

"पइह छी जीवनक सीमान। ठाम ठामहक, गुलामीक जिनगी, स्वतन्त्रीय जीवनकेँ गना जकाँ कऽ पकाँ नव अछि, जे आगू-पाछूक मान भूत-भविष्यक, बाधे मेटा गेल अछि। पूर्वजसँ बसी पूर्वजकौह समाजमे पैदा लऽ गेल अछि। ठौर मान ठहल, घटल।"

हृदयकान्त कक्काक चिन्तित मन देख आकि अपन उसित मनक उत्साहसँ, सुशील राय बजला-

"काका, जखन ऐ गाम उठलौं तखन पुस्तकालय बनाएय कऽ छाड़ब।"

हृदयकान्त काका बजला- "अपना इच्छाक पूर्ति हएत।"

-जगदीश प्रसाद मण्डलजीक जन्म मधुबनी जिलाक बेरमा गाममे 5 जुलाइ 1947 ईस्वीमे भेलैन। मण्डलजी हिन्दी एवं राजनीति शास्त्रमे

एम.ए.क अध्ययन बादि जीविकोपार्जन हेतु कृषि कार्यमे संलग्न भऽ बुद्धि पूर्वक समाज सेवामे लागि गेला। समाजमे व्याप्त बुढ़िवादी एवं सामन्ती व्यवहार सामाजिक विकासमे हिनका बाधक बुझि पड़लैन। फलत: जमीन्दार, सामन्तक संग गाममे पुनर्जागरण लड़ाइ ठाढ़ भऽ गेलैन। फलत: मण्डलजी अपन जीवनक अधिकांश समय केस-मोकदमा, जहल यात्रादिमे व्यतीत केलाह। 2001 ईस्वीक पश्चात साहित्य लेखन-प्रक्रम एला। 2008 ईस्वीसँ विभिन्न पत्र-पत्रिकादिमे हिनक रचना प्रकाशित होअए लगलैन। गीत, काव्य, नाटक, एकांकी, कथा, उपन्यास इत्यादि साहित्यक मौलिक विधामे हिनक अनवरत लेखन अद्वितीय सिद्ध भऽ रहलैन अछि। अखन धरि दर्जन भरि नाटक/एकांकी, पाँच साएसँ ऊपर गीत/काव्य, उन्नैस गोट उपन्यास आ साढ़े आठसाए कथा-कहानीक संग किछु महत्वपूर्ण विषयक शोधालेख आदिक पुस्तकाकार, साएसँ ऊपर ग्रन्थमे प्रकाशित छैन। मिथिला-मैथिलीक विकासमे श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीक योगदान अविस्मरणीय छैन। ई अपन सतत क्रियाशीलता ओ रचना धर्मिताक लेल विभिन्न संस्थासभक द्वारा सम्मानित/पुरस्कृत होइत रहला अछि, यथा- विदेह सम्पादक मण्डल द्वारा गामक जिनगी' लघु कथा संग्रह लेल 'विदेह सम्मान- 2011', 'गामक जिनगी व समग्र योगदान हेतु साहित्य अकादमी द्वारा- 'टैगोर लिटिरेचर एवार्ड- 2011', मिथिला मैथिलीक उन्नयन लेल साऊथ दनरंगा द्वारा- 'वैदेह सम्मान- 2012', विदेह सम्पादक मण्डल द्वारा 'नै धाड़ैए' उपन्यास लेल 'विदेह बाल साहित्य पुरस्कार- 2014', साहित्यमे समग्र योदान लेल एस.एन.एस. ग्लोवल समिति द्वारा 'कौशिकी साहित्य सम्मान- 2015', मिथिला-मैथिलीक विकास लेल सतत क्रियाशील रहबाक हेतु अखिल भारतीय

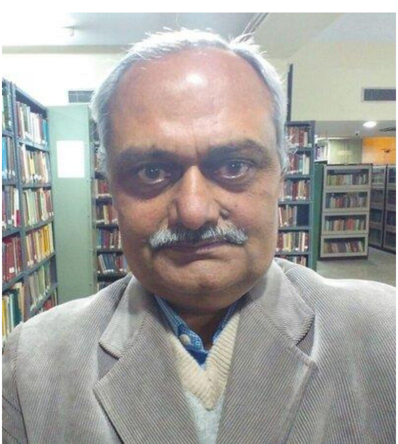
मिथिला संघ द्वारा- 'वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' सम्मान- 2016', रचना धर्मिताक उत्तम अमूल्य योगदान हेतु श्यामा-मण्डल द्वारा- 'कौमुदी सम्मान- 2017', मिथिला-मैथिलीक संग अन्य उत्कृष्ट सेवा लेल अखिल भारतीय मिथिला संघ द्वारा 'स्व. बाबू साहेब चौधरी सम्मान- 2018', चेतना समिति, पटनाक प्रसिद्ध 'यात्री चेतना पुरस्कार- 2020', मैथिली साहित्यक अहर्निश सेवा आ सृजन हेतु मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समिति, गुवाहाटी-असम द्वारा 'राजकमल चौधरी साहित्य सम्मान- 2020', भारत सरकार द्वारा 'साहित्य अकादमी पुरस्कार- 2021' तथा साहित्य ओ संस्कृतिमे महत्वपूर्ण अवदान लेल अमर शहीद रामफल मंडल विचार मंच द्वारा 'अमर शहीद रामफल मंडल राष्ट्रीय पुरस्कार- 2022'

रचना संसार : 1. इन्द्रधनुषी अकास, 2. राति-दिन, 3. तीन जेठ एगारहम माघ, 4. सरिता, 5. गीतांजलि, 6. सूखाएल पोखरिक जाइठ, 7. सोनबध, 8. चुनौती, 9. रहसा चौरी, 10. कामधेनु, 11. मन मथन, 12. अकास गंगा - कविता संग्रह। 13. पंचवटी- एकांकी संचयन। 14. मिथिलाक बेटी, 15. कम्प्रोमाइज, 16. झमेलिया बिआह, 17. रत्नाकर डकैत, 18. स्वयंवर- नाटक। 19. मौलाइल गाछक फूल, 20. उत्थान-पतन, 21. जिनगीक जीत, 22. जीवन-मरण, 23. जीवन संघर्ष, 24. नै धाड़ैए, 25. बड़की बहिन, 26. भादवक आठ अन्हार, 27. सधवा-विधवा, 28. ठूठ गाछ, 29. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं, 30. लहसन, 31. पंगु, 32. आमक गाछी, 33. सुचिता, 34. मोड़पर, 35. संकल्प, 36. अन्तिम भेँट, 37. कुण्ठा- उपन्यास। 38. पयस्विनी- प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना।

39. कल्याणी, 40. सगमाउ, 41. समभौगा, 42. गामक गमघैल, 43. वीनांगना- ज्कांकी। 44. गनगन, 45. वजन्मा-वृमन्मा- वीरहैन कथा संग्रह। 46. शंगुदास, 47. नटनी खढ- दीर्घ कथा संग्रह। 48. गामक जिनगी, 49. अर्द्धांगिनी, 50. सगरैया यारवैन, 51. गामक शकल-सूनग, 52. अयन मन अयन धन, 53. समनथाङ्ङ्क रूग, 54. अयुयन-वीनान, 55. वाल (गायाल, 56. रुकमाउ, 57. उलवा चाउन, 58. यगमाउ, 59. गर्डनगन हाथ, 60. लजविजी, 61. उकटू समय, 62. मधूमाछी, 63. यसनाक धनम, 64. गुजा-खुड्डीक गाटी, 65. रूलहान, 66. खसैग गाछ, 67. जगड्डा आमक गाछ, 68. शुरचिन्मक, 69. गाछयन सँ खसला, 70. जरियाजल गाम, 71. गुलगी दास, 72. मूजियाजल घन, 73. वीनांगना, 74. स्मृगि (शष, 75. वटीक यैनूख, 76. क्रान्मियाग, 77. त्रिकालदर्शी, 78. यैंगीस साल यछूआ (गलौं, 79. दाहनी हाक, 80. स्रिमानी जिनगी, 81. दखल दिन, 82. गयक यियाहूल लाक, 83. दिवालीक दीय, 84. अयुन गाम, 85. खिलगाउ रूमि, 86. चिगवनक शिकान, 87. यौनस खगक यौनस उयज, 88. समयसँ यहिन चग किसान, 89. रौक, 90. गामक आशा टूटि (गल, 91. यसनाक माल, 92. कृषियाग, 93. हानल वहना जीगल नुय, 94. नहि जाकन यनिवान, 95. कर्गाक नंग कर्मक संग, 96. गामक सूनग वदैल (गल, 97. अन्मिम यनीजा, 98. घनक खर्च, 99. नीक 0कान 0कलौं, 100. जीवनक कर्म जीवनक मर्म, 101. संचनध, 102. रनि मन काज, 103. आजल आशा चलि (गल, 104. जीवन दान गथा 105. अयुन सागी- लघू कथा संग्रह।

ऐ रचनापर अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

२.११.नवीन्द्र नारायण मिश्र- मातृभूमि (उपन्यास)- २२ म खण्ड



रबीन्द्र नारायण मिश्र

मातृभूमि (उपन्यास)- २२ म खण्ड

२२

जयन्तकेँ गामसँ चलि जएबाक समाचारसँ अनका जे किछु रहल होइक, मुदा हुनकर पितिऔत सुधाकरकेँ तँ लगलनि जेना स्वर्ग भेटि गेल। थानासँ जमानत करा कए लौटलाक बाद घर पहुँचिते ओ आगुक योजनाम लागि गेलाह। दरबज्जापर पिता भेटि गेलखिन। सुधाकरकेँ देखिते ओ पुछैत छथि-

"सुनैत छी जे जयन्त चलि गेलाह।"

"सभ दिन स्वतंत्र रहएवला लोककेँ गाम-घर कारा नीक लगैनि?"-सुधाकर बजलाह।

"से की?"

"हुनका नागबाबा अपना संग लए गेलखिन। सुनैत छी आब हुनके संग रहताह।"

"हमरा एही बातपर विश्वास नहि होइत अछि। ओ तँ अपन समाजक बीचमे रहए आएल छलाह। कौलिक परंपराक अनुसार पाठशालाकेँ पुनःस्थापित करए चाहैत छलाह। फेर अचानक एहन निर्णय किएक कएलनि?"

"जे कएलनि, से कएलनि। आब अहाँ तकर सोच नहि

मनाउ। काज हमहीं आएब। जयन्तक आशा छाड़ू। ओ महास्वार्थी आदमी थिक। अपन हेतुए जान दखलक पाछु गेल। हमरा-अहाँ सँ ओकरा की मतलब? जखन ओकरा आँखिम पानि नहि छैक तखन हमसब ओकरा बिना किएक कनी? हमरा विचारसँ त' ई हुनक मौका थिक। पाठशाला जगहम अपन पक्का मकान बनाबी। ई घर अछिओ छार, हुन बहुत पुरान भ' गेल अछि, कखन खसत तकर कोनो ठेकान नहि।"

"ई कोना भ' सकैत अछि। ओ जगह त' सबदिनसँ पाठशालाक नहलैक अछि। पूर्वजक कृतिकेँ हमही नष्ट कोना कएलब?"

"ईहए त' अहाँकेँ लए बैसल। सबदिन खाली कवाहुत पढ़ैत नहि गेलहुँ। साँस उमनवानिटाल ओहि जगहपन नजनि गनओन अछि। बाहेत अछि जे कहुना कब्जा कए ली। हमरा लोकनिक आपसी मतभेदक सबूत हेतुए ओतबए लागल अछि। ओ सब त' हसनीकेँ जगान सदा कए लेन छल। संयोग कहू जे जयन्त अपन हटि गेलाह। यदि ई मौका हाथसँ गेल त' ओ जगह सबदिनसँ अपन पनिवानक हाथसँ गेल। बुझलिऐक किछु की नहि?"

"कहि नहि सकै ई कुबुद्धि कोना भ' गेलह। जयन्त पनिवानक विद्वान छथि। हमरा लोकनिक वंशमे हुनक विद्वान आओर भनि नहि भेल छल। हमर सबक कर्तव्य अछि जे हुनका उचित सम्मान दी, हुनकर योजनाम मदति करी।"

"सुनू भऽ गेलहुँ न। हम बुझिए नही। जखन अहाँसन बाप हाथी तखन शत्रुक कोन काज? अपना बुत्तेँ तँ अहाँकेँ किछु भेल नहि। तखन हमहू जे किछु कनिहहुँ से तकर-तकरक दिक्कति कोन जा रहल छी। एकबेर यदि उपनवानिटालवलाक हाथमे ई जगह चलि गेल तखन हमर ठाठ हाथ नहि हएत से बुझा रहल अछि कि नहि?"

सुधाकरक तर्कपूर्ण पिता आगू किछु नहि बाजि सकलाह। सुधाकर लठैतसभकेँ बजौलक, बुलडोजरक डाइभर कलक आ पाठशालाक जमीनपर सदल-बल पहुँचि गेल। बुलडोजरक काज नहि रहैक। असलम पाठशाला तँ कहुनाक साढनसभपर लटकल छल। जहाँ साढन हटाओल गेल, ओकर चार धड़ाम दऽ खसि पड़ल। अधपक्कू ईंटासँ गिलवायन जोड़ल गेल देवाल बुलडोजरक पहिल धारमे मटिआमेट भऽ गेल। से तँ भेल। मुदा बात एतब पर नहि रुकल। उपनवानिटालमे हल्ला भऽ गेल। जकर देखू सएह पाठशाला दिस दौड़ल आबि रहल अछि। बच्चा, बूढ़, जवान सभ दौड़ल। ककरो हाथमे लाठी, ककरो हाथमे भाला, ककरो किछु..जकरा जे भेटलैक से लऽ लेलक। देखिते-देखिते पाठशालाक चारूकात लोकक कनमान लागि गेल। सुधाकरक लठैतसभ सेहो युद्धक तैयारीमे छल। ओ सभ सुधाकरकेँ इसारासँ पूछलकैक। सुधाकर सहमति देलखिन।

लठैतसभक बंदूकसँ धनाधन गोली निकलए लागल। ठाक...ठाक.....ठाक.....। ओ बाबू देखिते-देखिते पड़ाहि

लागि गेल। मिनटाम सरटा रीत नियमा रअ गेल। सुधाकन माछयन गाव दलाह।

"रुसाद कनअ वलल छलाह। हुनकासरकँ यगा हवाक चाही ज ककना संग रिनंग छनि?" -स कहि लठेगसरकँ यीठ ठाकेँग सुधाकन कहेग छथि-

"हमन ओही खानदानी जमीन अछि। अहींसर कहु अकना काना छाति दवैक?"

"सत्य नवन। आव ज कनवाक अछि स कअ लिअ। समय नहि विगाड।"-लठेग सर वाजल।

वूलडाजन लगाकअ याठशालाक जगहकँ किछुअ कालम समगल कअ दल गेल। यूननका चीज-वस्तुक काहू नामा-निसान नहि नहि गेल। नहि गेल गँ वस सुधाकन आ डाकन घमंड।

डानवानिटालक लाकसर डाहिठामसँ रागल गँ थानम जा कअ ठाढ रला। अगक लाककँ अना अकहिठाम अयसियाँग दखि कअ थानदान चिचिआअल-

"की वाग छैक? अहाँसर अना गाम छाति कअ कागअसँ आवि नहल छी?"

"जलुम रअ गेलैक दनागावावू!

"की रलैक स कहु न?"

"पाठशालाक जमीन सुधाकर कब्जा कए लेलक। पाठशालाकेँ बुलडोजर लगाकए ढाहि देलक। सुनै छी आब ओहिपर अपन मकान बनाओत।"

"एहि लेल अहाँसभ किएक परेसान छी। ओकर दियादी झंझटमे अनेरे ने जान देबए लागल छी।"

" एहना कतहु होइत अछि? ओ जगह सार्वजनिक छैक। सभदिनसँ ओहिठाम पाठशाला छलैक। ताहिठाम आब ओ अपन घर कोना बना सकैत अछि।"

" अहाँसभ अपन-अपन घर जाउ। व्यर्थक फसाद नहि करू। नहि तँ जहलमे सड़ि जाएब। सुधाकर कोना मामूली आदमी नहि अछि। मंत्रीसँ लए कए सन्तरी धरि सभ ओकर पाकिटमे छैक। किछु बुझलिऐक की नहि?"

दरोगाजीक बात सुनि लोकसभ छगुन्तामे पड़ए। मुदा करितए की? तैओ कओ थानालगसँ हटबाक नाम नहि लैक। किछु अगुआ छौंड़ासभ अंड-बंड सेहो बाजए लागल छल। ई बात सुधाकरकेँ पता चललैक। ओ लठैतसभकेँ लए थाना पहुँचि गेल। कहि नहि दरोगाजीसँ की बतिआएल, की कहलक की नहि? कनीके कालक बाद ओ थानासँ चलि गेल। तकरबाद तँ जे भेल से की कहू? दरोगाजीक सामनमे जे कतौ अएलैक तकरा मारि ठेंगासँ, मारि ठेंगासँ धबाधब कए देलकैक। सभ जान-बचाए भागल।

-रवीन्द्र नारायण मिश्र, पिताक नाम: स्वर्गीय सूर्य नारायण मिश्र, माताक नाम: स्वर्गीया दयाकाशी देवी, वयस: ६९ वर्ष, पैतृक ग्राम: अरेर डीह, मातृक: सिम्भिआ ठाढ़ी, वृत्ति: भारत सरकारक उप सचिव (सेवानिवृत्त), स्थल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट, दिल्ली(सेवानिवृत्त), शिक्षा: चन्द्रधारी मिथिला महाविद्यालयसँ बी.एस-सी. भौतिक विज्ञानमे प्रतिष्ठा : दिल्ली विश्वविद्यालयसँ विधि स्नातक, प्रकाशित कृति: मैथिलीमे: प्रकाशन वर्ष:२०११ १.भारतसँ साँस धरि (आत्म कथा),२. प्रसंगवश (निबंध), ३.स्वर्ग एहि अछि (यात्रा प्रसंग); प्रकाशन वर्ष:२०१८ ४. प्रसाद (कथा संग्रह) ५. नमस्तस्यै (उपन्यास) ६. विविध प्रसंग (निबंध) ७.महराज(उपन्यास) ८.लजकोटर(उपन्यास); प्रकाशन वर्ष:२०१९ ९.सीमाक ओहि पार(उपन्यास)१०.समाधान(निबंध संग्रह) ११.मातृभूमि(उपन्यास) १२.स्वप्नलोक(उपन्यास); प्रकाशन वर्ष:२०२० १३.शंखनाद(उपन्यास) १४.यैह थिक जीवन(संस्मरण)१५.दरकैत देवाल(उपन्यास); प्रकाशन वर्ष:२०२१ १६.पाथेय(संस्मरण) १७.हम आबि रहल छी(उपन्यास) १८.प्रलयक प्रात(उपन्यास); प्रकाशन वर्ष:२०२२ १९.बीति गेल समय(उपन्यास) २०.प्रतिबिम्ब(उपन्यास) २१.बदलि रहल अछि सबकिछु(उपन्यास) २२.राष्ट्र मंदिर(उपन्यास) २३.संयोग(कथा संग्रह) २४.नाचि रहल छलि वसुधा(उपन्यास)।

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

२.१२.नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (लेखक गजेन्द्र ठाकुर)

निम नवल दिनेश कुमार मिश्र (लेखक गजेन्द्र ठाकुर)



दिनेश कुमार मिश्र, मिथिलाक बाढ़ि, धार आ उल्लेखन बनाओल छथि/ बाढ़, समृद्धि हुनकर बन्दिनी महानन्दा, बागमतीक सद्गति, दुइ पाटनक बीच.. (कोसी धारक कथा), न घाट न घर, बगावत पर मजबूर मिथिलाक कमला धार, भुतही धार आ तकनीकी झाड़-फूंकी। दिनेश कुमार मिश्रक सम्पूर्ण पोथी आब हुनकर अनुमतिसँ उपलब्ध अछि निम्न आर्काइवमे: http://videha.co.in/pothi.htm

(साहित्य अकादमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य पंकज झा पराशर द्वारा दिनेश कुमार मिश्र जीक पोथी सभसँ चोराक चोरा चोरा कऽ अपना नाम उपन्यास छपबाओल गेल अछि, जकरा छद्म समीक्षक कमलानन्द झा ई चोर लेखक पंकज झा पराशरक निसर्ग कहै छथि। लिंक http://videha.co.in/investigation.htm पर स्क्रीनशॉट अपडेट कएल गेल अछि।)

बन्दिनी महानन्दा- दिनेश कुमार मिश्र (पछिला अंकसँ आगाँ)

गंगा घाटीक निर्माण

मोटामोटी ३३,१०० लाख वर्ष पहिने अपन पृथ्वी सूर्यसँ आगिक गोलाक रूपमे अलग भऽ गेल छल। तखन एकर ऊपरी सतहपर बड़का चट्टानक पहाड़ नहि छलै। समयक संग भारी चट्टान तखन बनली। मुदा हल्लुक चट्टान सभ ऊपर नहि गेल। भूकंपक प्रवाह ई बड़का चट्टान आ पाथरसँ निकलल गैसक प्रवाहसँ वायुमंडलक निर्माणमे हुअए लगलै। आस्ते-आस्ते जखन पृथ्वी आर ठंढा भेल तँ वायुमंडलमे भापक रूपमे वर्तमान पानि ठंढा भऽ गेल, वर्षा-वृष्टिमे बदलि कऽ वापस जमीनपर खसि पड़ल आ लाख वर्ष धरि ई पानिक घटनाक कारण समुद्रक निर्माण भऽ गेल। ई पानिहुँ पृथ्वीक सतहपर तापमान कम भेल मुदा जमीनक भीतरक गर्मी आ उथल-पुथल जारी रहल आ आइयो जारी अछि। आइ अपन धरतीक पपड़ी) काफी मोट मजबूत टुकड़ामे बँटल अछि आ एहन बड़का देश आ महाद्वीप बसल अछि । मुदा मोटामोटी ३० करोड़ वर्ष पूर्व धरि पृथ्वीक सतह एतेक टुकड़ामे नै बँटल छल। ताबत धरि सभ द्वीप वा महाद्वीप एक्के भूखण्डमे विद्यमान छल। मुदा पछिला २० करोड़ वर्षमे धरतीक सतहमे खाली दरारे नै भेल छै, वरन् ओहि कारणसँ विभाजित टुकड़ामे गति सेहो हुअए लागल छै, जकरा प्लेट कहल जाइ छै। ई प्लेट सभक पसरलासँ आइक दुनियाँक रूप निकलल अछि। ई प्रक्रिया एखनो रुकल नै अछि। आइयो ई प्लेट सभ एक दोसरासँ रगड़ा लैत रहैए। एक भाग दोसरपर चढ़ैए। एहिक भार वा दबाव हमरा सभक धरतीक नीचाँ प्रति ऊर्जा भऽ रहल अछि, जे कखनो काल भूकम्पक रूपमे अबैए। एकटा अनुमानक अनुसार दुनियामे सालमे लगभग १०,००० छोट-मोट भूकंप दर्ज होइए, मुदा ओइमे एहन भूकंपक संख्या

दससँ बेसी नै अछि जाहिसँ जान-मालक नुकसान होइत अछि। २०म शताब्दीक प्रारंभमे अमेरिकी वैज्ञानिक टेलर आ जर्मन वैज्ञानिक अल्फ्रेड पृथ्वीक विकास आ महाद्वीपक वर्तमान रूपक अध्ययन कएलन्हि। पृथ्वीक विकासक ई चित्र ओ दुनूक शोधसँ निकलै छै, ओहिसँ पता चलै छै जे एक समयमे दक्षिण अमेरिकाक पूर्वी सीमा आ अफ्रीकाक पश्चिमी सीमा एक संग छलै। तहिना उत्तर-पश्चिम अफ्रीकाक सीमा उत्तरी अमेरिकाक सीमाक संग मेल खाइत छल। आइक □स्ट्रेलिया कहियो अंटार्कटिकाक हिस्सा छल। आइक भारतक निम्न आ राजमहल पर्वत शृंखलाक नीचाँक भाग कहियो दक्षिण ध्रुवक बीचाबीच द्वीप जकाँ छल। भूवैज्ञानिक लोकनि ऐ जमीनक टुकड़ाकेँ गोंडवाना भूमि कहै छथि। समयक संग गोंडवानाक भूमि पूर्वोत्तर दिशामे एशिया लग आबय लागल । एशिया आ गोंडवाना भूमिक बीच टेथिस सागर छल। मुदा करीब ७.३ करोड़ साल पहिने गोंडवाना भूमि आ एशियाक मुख्य भूमि एक दोसरासँ हटि गेल छल। टेथिस सागर पहिने छोट भऽ गेल, मुदा बादमे एशियाक मुख्य भूमिपर लगातार बर्खा आ ओकर संग आयल बालु आ गाद ऐ समुद्रकेँ पूर्ण रूपसँ भरि देलक। आइक गंगा घाटी एशियाक मुख्य भूमि आ गोंडवाना भूमिक बीचक भरल समुद्र अछि। ऐ समस्त कथाक एकटा आन पक्ष अछि। वैज्ञानिक लोकनिक मानब छै जे जखन एशिया आ गोंडवाना कर भूमि एक संग जुटल तखन आइक छोटानागपुर-संथाल परगनाक राजमहल शृंखला आ पूर्वोत्तर राज्य क गारो शृंखला सेहोसँ पहिने एक-दोसरासँ टकरा गेलै। ऐ संयोगक कारण पानिक प्रवाहक लेल पूब दिसक बाट बन्न भऽ गेल छल। आब एशियाक भूमिक दक्षिण वा

गोंडवाना भूमिक उत्तरमे जे किछु पानि बरसैत छल, से सभटा पश्चिम दिस बहैत समुद्र धरि पहुँचि जाइत छल। मार ओहि समयमे गंगा रास्तमे उल्टा बहै छल, जखन कि ब्रह्मपुत्र घाटीक पानि सेहो अलग सागरमे बहैत छल। मुदा आस्ते-आस्ते पुना गोंडवाना भूमि एशियासँ हटि गेल, ओकर पश्चिम-उत्तर कात एशिया दिस बेसी मजबूतीसँ बढ़ल आ गारो आ राजमहल पहाड़ी भरसँ एक दोसरसँ अलग भऽ गेल। ई तरहेँ जलक अधिकांश जल निकासी पूर्व दिस शुरू भेल आ गंगाक जन्म भेल जे हिमालयसँ बंगालक खाड़ी धरि जाइत अछि। गोंडवाना भूमिक उत्तरी सीमापर जे पहाड़ वा चट्टान अछि, जकरा राजमहल शृंखला आ विन्ध्य पर्वत शृंखला कहल जाइत अछि, बहुत पुरान छल, मुदा एशियाक भूमि मात्र नव काँच माटि छल। एहन गुनगुन माटिपर जखन गोंडवाना जमीनक दबाव आयल तखन ओ पहाड़मे बदलि गेल, मुदा ई पहाड़ पाथर नै अछि, काँच माटिसँ बनल अछि, जकरा चट्टान बनबामे लाख वर्ष लागत। आइक नेपाल आ भूटानक पहाड़ अखनो नव अछि आ ओ मे सेहो एहन थाल-कादोक अछि। एहन स्थितिमे जखन ओ पहाड़पर पानिक संग वर्षा होइत अछि तँ ओइमे सँ निकलैत धारमे मात्रामे माटि आ बालु आबि जाइत अछि। कइएक सय सालसँ उत्तरमे पहाड़सँ नीचाँ बहैत माटि आ बालु गंगा घाटी आ ओकर मैदानक निर्माण कलक। पृथ्वीक विभिन्न प्लेटकसँ दूटा बात स्पष्ट अछि। एकटा ई जे आइक भारतीय भूमिक दबाव उत्तर दिस एशियाक मुख्य भूमिपर अछि आ दोसर बात जे भारतक लगातार पुना उत्तरी भागमे दु प्लेटक टक्कर जारी अछि। प्लेटक रगड़ाक कारण ओ ऊपरमे भयंकर भूकंप आबै छै। पृथ्वीक द्रव्यमान

निस्तायन बहुत सूक्ष्म प्रक्रिया छै, जकर अनुरूप सय-पचास वर्षमे नै कयल जा सकैत अछि। एकर परिवर्तन हजार वर्षमे अनुरूप कयल जा सकैत अछि। गंगा घाटीक निर्माण सेहो एहन घटना थिक। हजार वर्षक वर्षा आ परिणामस्वरूप गादक बालु ओ घाटीक निर्माणमे योगदान देलक अछि।

जल-चक्र

वर्षाक अपन सिद्धांत होइ छै। सूर्यक गर्मीक कारण समुद्रक पानि वाष्प भऽ आकाश दिस बढ़ि जाइ छै। ओतए पहुँचलाक बाद तापमानक कारण ई भाप ठंढा भऽ जाइ छै आ मेघक रूप लऽ हवाक प्रवाहक कारण जमीन दिस बढ़ि जाइ छै। ई जल मेघमे बनलाक बून्द, ओला वा बर्फक रूपमे संग्रहित होइत अछि आ अनुकूल परिस्थितिमे जमीनपर खसि पड़ैत अछि आ जीवक जीवनक आधार बनि जाइत अछि। ओस वा कुहेस सेहो ओ पानिक एकटा आन रूप अछि। जमीनपर खसैत पानिक किछु हिस्सा नाली आ धार होइत बाटसँ समुद्र तक पहुँचैत अछि। किछु पानि गाछक श्वसन सन गतिविधिक माध्यमसँ वापस वायुमंडलमे पहुँचि जाइ छै आ किछु पानि जमीनक भीतर जा कऽ भूमिगत जल स्तरकेँ समृद्ध करै छै। असलमे बहुत पानिक धार जमीनक नीचाँ विद्यमान अछि जेना जमीनक ऊपर धार आदिक रूपमे देखै छी। जमीनक नीचाँक पानि सेहो साधी पानि जकाँ समुद्रसँ अपन संपर्क बनौने रहैत अछि। ओ पानि समुद्रसँ समुद्रमे पानिक चक्र पूरा भऽ जाइत अछि। ई पूरा प्रक्रिया जल चक्र कहाइ छै, जइमे प्रकृति समुद्रक

नमकीन पानिकेँ उपयोगी मीठ पानिमे बदलि दै छै। पृथ्वीपर जीवनक कल्पना बिना मीठ पानिक नै कयल जा सकैत अछि। समुद्र सँ समुद्र धरि पानिक इहो निरंतर यात्रा कहियो नै रुकैत अछि ।

धारक मार्ग परिवर्तन

पहाड़ी इलाकामे जमीनक ढलान एतेक ऊँच होइ छै जे पानि नै रुकै छै, मुदा धारक पहाड़सँ मैदानमे उतरैत देरी जमीनक ढलान बहुत कम भऽ जाइ छै, जकर कारण पानिक गति काफी कम भऽ जाइ छै। पहाड़सँ उतरैत धारक पानि मात्र पानि नै, काफी मात्रामे गाछ, चट्टान, पाथर, बालु आ माटि सेहो लऽ जाइत अछि। जमीनक ढलान कम भेलापर पाथर आदि बेसी दूर धरि नै जाइत अछि। मुदा माटि/बालु धारक पानिक संग बहैत रहैत अछि। जमीनक ढलान आ पानिक वेग कम होबाक कारणेँ ई माटि/बालुकेँ धारक तलहटीमे बैसबाक मौका भेटै छै। एकर अलाव जखन धार किनार टापि बहै छै तँ पानिक संग आनल गेल बालु आ माटि पुनः ऊपरमे पसरि जाइ छै आ जमा भऽ जाइ छै। धार ई तरहेँ जमीनक निर्माण करैत अछि। धारक गतिमे कमी आबि कतेको स्थानपर देखल जाइत अछि जेना ई पहाड़सँ मैदानमे उतरैत अछि, मुदा जेना ई धार बाढ़िक समय पैघ धारसँ मिलैत अछि, छोट धारक गति प्रायः ठहरावमे बदलि जाइत अछि, कारण बड़का धारमे जलस्तरक अनुसार छोट धारक पानि बहैत अछि। समुद्रक कातमे समुद्रमे बहैत ज्वारमे आ जाहिठाम समुद्रसँ मिलय बला धारक मुहानापर सेहो लगातार एहन स्थिति उत्पन्न होइ छै। गति रुकलाक कारण ई

दुनू ठाम माटि/बालुक जमाव भऽ जाइत अछि जकर कारण नव भूमि/ डेल्टा बनैत अछि। अमेरिकाक मिसिसिपी धारक मुहानासँ ६.१ किमी चाकर पट्टीक निर्माण सय सालक भीतर पूर्ण भऽ जाइ छै। चीनक यांगत्से-कियांग धार ऐतिहासिक कालसँ ४८ किमी चाकर डेल्टाक निर्माण कएने अछि, चीनक शोक *ह्वांग हो* धार १,१०० कॉमन एरा पूर्वसँ लगभग १०० किमी चाकर डेल्टाक निर्माण कएने छै। पद्मा गंगा धार सेहो समुद्रसँ पहिने करीब २१० किलोमीटर इलाकामे डेल्टा बनने अछि। पृथ्वीक अधिकांश देशक मेघ हिमालय लगभग साल भरि बरसैत रहै छै। हमर देशमे बरसातक मौसम रहै छै आ कुल वार्षिक वर्षाक लगभग ८१ प्रतिशत जूनक मध्यसँ अक्टूबरक मध्य रहै छै। वर्षा आ बाढ़िक संग बहैत किछु बालु/माटि ओतहि इलाकामे जमा कएल भऽ जाइ छै। बाढ़िक कारण मोट बालु/माटिक परत जमा भऽ जाइत अछि, किछु ठाम पातर भऽ जाइत अछि, कटावक कारण खधाइ बनैत अछि आ किछु ठाम पानि जमा भऽ जाइत अछि। आगामी मौसममे जखन बाढ़िक पानि हटैत अछि तँ पछिला सालसँ जमा भेल माटि काटि कऽ नव धार बनि जाइत अछि। कखनो काल ई नव मार्ग शीघ्र मेघ आ प्रभावी होइत अछि जे ओ नव मार्गपर धार स्वयं हारि जाइत अछि । जाहि धारक पानिमे बालु/माटिक मात्रा अधिक रहै छै, ओकर कछारमे बालु/माटिक जमाव बेसी होइ आ ओहन धारमे बदलावक गुंजाइश बेसी होइ। एकर कारण अछि जे गंगाक दहिना कातमे मिलैबला धारमे परिवर्तनक संभावना गंगाक बाम कातमे मिलैबला धारक तुलनामे कम अछि, कारण दहिना कातमे मिलैबला धार पठारसँ अबैत अछि

आ बामवला धार हिमालयक काँच कच्चा आ भंगुर पहाड़सँ अपना संग बहुत रास माटि/बालु लऽ कऽ अबैत अछि। अधिक गादवला धारक मार्ग बदलनाइ ओतेक स्वाभाविक आ प्राकृतिक घटना छै जेना पृथ्वीक विभिन्न प्लेटक गति, वर्षा आ धार द्वारा तलछटक निर्माण। ई तरहँ बाढ़ि, कटाव, जल-जमाव, धारक मार्ग बदलब सन प्रश्न गंगाक बाम (उत्तरी) भागमे बेसी गंभीर अछि। ई सवाल ओइ ठाम आर गंभीर अछि जतऽ जमीनक ढलान लगभग समतल अछि। एहन स्थल पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तर बिहारक मैदान आ उत्तर बंगालमे गंगा घाटीमे स्थित अछि। लेकिन एकर मतलब एकदम नै छै जे बाढ़िक मामिलामे गंगाक दहिन किनारमे पूर्ण शांति छै। ओतऽ कमसँ कम मैदानमे समस्या ओतेक छै जतेक गंगाक उत्तरी तटपर। बिहारक भोजपुर, रोहतास, पटना, मुंगेर, भागलपुर आ साहेब गंज जिलामे बाढ़िसँ उत्पन्न मुद्दा एकर प्रमाण अछि। ई घाटीक दक्षिणमे विन्ध्य आ सतपुरा पर्वत श्रृंखला अछि, जे गोंडवाना भूमिक हिस्सा अछि। ई पहाड़ी हिमालयक पहाड़सँ बहुत पुरान अछि आ मजगूत पाथर बनि गेल अछि। से शिवालिक आ हिमालयक तुलनामे ई पहाड़ीमे माटिक कटाव कम होइ छै। मुदा उपरहलक हिसाबसँ गंगाक उतरवारी इलाका बाढ़िसँ बेसी तबाह अछि।

(अगिला अंकमे जारी)

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

२.१३.नि॰ नवल सुशील (लेखक गजेन्द्र ठाकुर)

नि॰ नवल सुशील (लेखक गजेन्द्र ठाकुर)



सुशीलक रचना संसार: हुनकर रचना संसार छन्हि- घराडी (उपन्यास) (१९७३), गामवाली (उपन्यास) (१९८२), स्वामनी (नाटक) (पहिल मंचन १९९१, प्रकाशन २०१३) आ अस्मिता (लघुकथा संग्रह) (२०१६) आ ई सभ पोथी हुनकर अनुमतिसँ विदेह पेटारमे उपलब्ध अछि लिंक www.videha.co.in/pothi.htm पर।

कमलानन्द झाक पोथी "मैथिली उपन्यास: समय समाज आ सवाल" (२०२१) मे लिखै छथि- "मैथिली उपन्यास-यात्राक लगभग सय वर्षक बाद मैथिल अन्तर्जातीय विवाहक रचना, संघर्ष आ विडम्बना पर गरिमायुक्त उपन्यास लिखबाक श्रेय गौरीनाथकेँ जाइत छनि।" तँ की कमलानन्द झा सुशीलसँ ई श्रेय छीनि लेलनि? चलू अहाँकेँ लऽ

चली कमलानन्द झा कतऽ स्वार्थी दुनियाँसँ दूर, छल-छद्मसँ दूर सुशीलक जादुवला साहित्यक निश्छल दुनियाँमे।

गामवाली (उपन्यास)- सुशील (पछिला अंकसँ आगाँ)

सड़क आँखिक काँट गामवाली आइ ओ बनून सहा करि गेल।

ओकरा चाहऽ वला, नै चाहऽ वला आ काग नहिनिहान, गीनू गनहक लोक खूब अछि। ओकर अन्तिम संस्थान क करतै? जादव समाज आकि ब्राह्मण समाज। जादव समाज आ ब्राह्मण समाजक लोक पहुँचे छथि मालिक मान सानमनि मा लग, ओ छथि पाउ-पाउ करैत, मसलनम ओछ०ल।

गामवालीक संस्थान जादव समाज मिलि कऽ करतै।

गोअन टालीक लोक ओकरा गामवाली कहव शुनू कलकै आ हून वहनटाली, कैथटाली, जालहा टालीक लोक सहा ओकरा गामवाली कहऽ लगलै।

गामवालीक नन बुढ़, ओ गसन वह छली, पहिलसँ बच्चा नै रहै गँ दासन बियाह आ हून दासनाम बच्चा आ पहिलामे। आ हून गसन बियाह सौख ललै। बाबू येनूखक गय छै, क काम वह उबि सकैत।

स्नानवन यादव मान हूनवनमार्कँ लोक मनखाह बना दलकै, अयन बलजानी ओकरा घना कऽ दऽ जाइ गेलै आ गहन लाहब मवा दइ गेलै गामम।

(𑒁𑒑𑒱𑒪𑒰 𑒁𑓀𑒏𑒧 𑒖𑒰𑒩𑒲)

𑒁𑒣𑒢 𑒧𑓀𑒞𑒫𑓂𑒨 editorial.staff.videha@gmail.com **𑒣𑒩 𑒣𑒚𑒰𑒅।**

𑓇 𑒬𑓂𑒩𑒲: 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑒢𑒢𑓂𑒠𑒢𑒱𑒅 𑒑𑓂𑒪𑓀𑒑 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱:

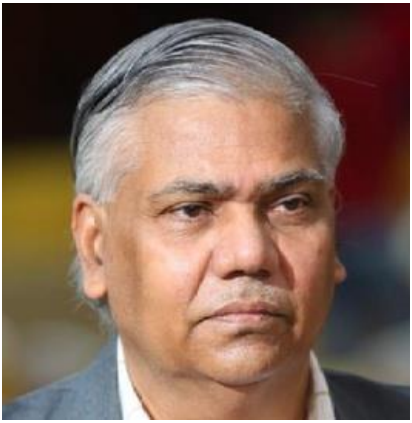
: :

𑓓.𑒣𑒠𑓂𑒨 𑒐𑒝𑓂𑒛

𑓓.𑓑.𑒩𑒰𑒖 𑒏𑒱𑒬𑒼𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩- 𑒠𑒳𑒙𑒱

𑓓.𑓒.𑒖𑒑𑒠𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒗𑒰 '𑒧𑒢𑒳'- 𑓗 𑒙𑒰 𑒑𑒖𑒪

𑓓.𑓑.𑒩𑒰𑒖 𑒏𑒱𑒬𑒼𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩- 𑒠𑒴𑒩𑒱



नाज किशोन मिश्र, निटायर्ड चीफ जननल मैनेजन (ख्ली), वी.एस.एन.एल.(मुख्यालय), दिल्ली,गाम- अन्नन ठीक, या. अन्नन हाट, मधुवनी

दूरि

कि ठा ना यलक नहि ,नहि छि टलक वी आ,
गेठा, जनमल दूरि क धी आ ,

क यटवौ अछि या नि ? दूर्वा दल,
अयन वल यन सवानि चानल,

यनूगेन अछि , दे छे मघ या नि वनखा म,
ज0मा स,दूर्वा -भि शु छल ,ममनखा म।

र्ष्टेग ङ्घ र्ष्न, भि भि न सँ, श्री गक यी युष,
नवि नदि कवि का नश्चि यनसञ म कंञ्चसा।

रा न चमकें चा नी सन ञा श्री ग वृह्र,
ञदि ञागु गऽ ,चङ्ककां ग मधि सहा कुह्र।

दुरि क जञि ञञल धनी सँ,
यहूँचल गल सँ यगा ल,
अयना वल सँ यसनि नहुल ङ्घ ,
दुन -दुन, जञि -जा ल।

कि ञा दखनि दा न नदि ,अयन वऽल,
नि ज यूनूषा नथ यन, दुर्वा दल।

रगा दलकें खनयी सँ ञाकना ,ङि लि -ङि लि ,
नकवी ज सन ञगि आञल ञा, यूनि -यूनि जी लि ।

सदरूवा ঙনि क नश्चि सन, अनगनि ग मुञी ,
खाॅॅं ङि म ङ्घ ना खल ञ्जी ,संग लह0ी -चुञी ।

दुर्वा ञग लल, अञग गऽ,अङि या सल या लल,
मूदा , दुरि अननूआ, ञाकना क नदि गा ञल?

अङि क0जी व ,अक्काज, मूदा जखन सजा ञल,

या ठल -या ठल गृध कगक सुहनगा या ङाल?

कगवा वि ह्वगि ह्व ञ्ञ्क, मृदा ञ्ञ्ी तनग नहि ,
या नि -या थन खसञङा ,यनङ्क मनग नहि ।

गँ गs, ञाशी र्वा दक समदा म ञछि वा ह्वल,
दी घं जि नगी क ग्नी क नुय म ञकना मा नल।

सनस थि क दुर्वा दल, ञाशी र्वा दक,
मा ल -जा ल ञछि नकटल , ञकन सा ञादक।

ङ्ठ की गा गगि गुरा न क?
कs सकगै दुरि क ञङ्क-रङ्क?
खसौ नङ्ग,वि ञना ङ(ओ ,
कs यञङगै कि ङा दुरि क गंग?

ञयन मंगच्च editorial.staff.videha@gmail.com **यन यगाङ।**

३.२.जगदानन्द झा 'मनु'- ७ टा गजल



जगदानन्द झा 'मनु'

७ टा गजल

गजल १

जखन कखनो ओ सावव हमना

अपन लअ(गेम यायव हमना

गजल हमन शब्द बनि गनमनम
कवाटग गँ अहाँ गाकव हमना

वहल दून छी काना वाग नै

अपन मानम दखव हमना

दूनू दू गन ओक जिनगी छी

अहाँ कखनो नै विसनव हमना

अहाँकँ हम छी कहलौं ओ 'मनू'

कि मूल्ला वाद्य मानव हमना

(वहन (गानिंद, मात्राक्रम : 12 22 22 22 2, सन याँगिमे। दासन (शनकँ दासन याँगिम दूटा अलग-अलग लघूकँ दिर्घ मानक छूट लल (गल अछि)

गजल २

दर्द देखायब करेजाक मानव की

काल्हि सयनाम हँसी छानि कानव की

प्रेम पुनुषक छैक (गावन अहाँ कहलौं

चीन देखायब करेजा गँ गानव की

दाख सरेम नै काउ एकम हेग

संग हेमना उालिम सरेक सानव की

आङ्ङ छै अह्वान सगना अहाँ कहलौं

आँखि मूनि लाङ्ङटसँ अह्वान आनव की

कनिक हेमनायन रेनासा क कय देखू

प्रेम ककना छै कहै 'मनू'सँ जानव की

(बहर कलीब, मात्राक्रम : 2122-2122-1222)

गजल ३

लगती जकर माछ आ ढूगन कहल काना

हाथ छै दूनू हटल नंक आ नहल काना

माथ यन हमन सदिखन जखन हाथ मैयाकँ

ओहिठाम नहलै काना कठिन टहल काना

लव छानि कखना दवाक बाग कनि साबु

सगन गाम दखु सूख शांति नहि वहल काना

(शनकँ घन वैसल नहि भिकान हटै छै

घनसँ आ निकलवै नहि घन वना महल काना

काज नहि अयन हिस्सा कान 'मनू' कनी हम सव

ई सपना सगर दुनिया नहि बनत जइत काना

(मात्राक्रम : 212-1222/ 212-1222 सभ पाँतिमे)

गजल ४

जखन सपना दर्द देलक

अपन सीमें लिन नाल

द'वल अपन हाथ गनदनि

गखन क ई नान मटल

धनक वहन छानि दुनिया

सटल जाउ नाट (गटल

दसासा कन् आव काना

लखन दख चान रहटल

दहजक 'मनू' चानिवक्का

वियाहक यहिनसँ सटल

(वहरे मजनिअ, मात्राक्रम 1222-2122)

गजल १

जखन मान कानल गजल कहलौं

नहल काँट छानल गजल कहलौं

जमाना सूतल छल जखन नींदसँ

गहन नागि जानल गजल कहलौं

लगन रहल गीसम वनख धनि नहि

यतासनसँ गानल गजल कहलौं

झाआ छल लदल काँहयन लाकक

पसीनासँ सानल गजल कहलौं

उमन 'मन्' विगलआन की कनवे

अपन मान ठानल गजल कहलौं

(मात्राक्रम सभ पाँतिमे 122-122-1222)

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

ॐ श्री: शान्तिनन्दनिऊ ग्नंग शान्ति:

: :

४.विदेह पेटार VIDEHA ARCHIVE

४.१.विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक Videha e journal's all old issues

४.२.मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download

४.३.मैथिली वीडियोक संकलन Maithili Videos

४.४.मैथिली शिशु, बाल आ किशोर साहित्य Maithili Children Literature

४.५.विदेह स्त्री कोना

४.६.विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण

४.७.विदेह ई-लर्निंग

४.८.मिथिला रत्न

४.९.मिथिलाक खोज

४.१.विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक Videha e journal's all old issues

वि दे ह विदेह Videha বিদেহ http://www.videha.co.in विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

Search Books powered by Google

Search above & below within more than 350 old issues of Videha eJournal विदेह मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् www.videha.co.in

https://books.google.com/

Videha Archive of Old Issues विदेह पुरान अंकक आर्काइव (पुरान अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र शैक्षणिक प्रयोग लेल) विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंकपर उपलब्ध अछि। All the old issues of Videha e journal are available for pdf download at the respective links below.

....

तिरहुता, नेवारी आ कैथी फॉन्ट डाउनलोड Google's Noto Fonts project/ GitHub

तिरहुता नोटो फॉन्ट	कैथी ओटीएफ	कैथी टीटीएफ	नेवारी ओ.टी.एफ.	नेवारी टी.टी.एफ.

https://fonts.google.com/ (Google Open Fonts download)

Tirhuta Offline Keyboard download

https://malarproject.gitlab.io/tirhuta (Tirhuta Keyboard Online)

....

१

गजेन्द्र ठाकुर (सम्पादन)

विदेह-सदेह १-२७ www.videha.co.in *विदेह ई-पत्रिकाक अंक १-३७० सँ- मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ गद्य आ पद्यक एकटा समानान्तर संकलन*	
देवनागरी	**मिथिलाक्षर**
विदेह:सदेह १	विदेह: सदेह १ तिरहुता
विदेह:सदेह २ मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना	विदेह: सदेह २ तिरहुता
विदेह:सदेह ३ मैथिली पद्य	विदेह: सदेह ३ तिरहुता
विदेह:सदेह ४ मैथिली कथा	विदेह: सदेह ४ तिरहुता
विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ७]	विदेह: सदेह ७ तिरहुता
विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ७]-	विदेह: सदेह ७ संस्करण-२ तिरहुता

संकलन-२	
विदेह मैथिली लघुकथा [विदेह सदेह ६]	विदेह: सदेह ६ तिरहुता
विदेह मैथिली पद्य [विदेह सदेह ७]	विदेह: सदेह ७ तिरहुता
विदेह मैथिली नाट्य उत्सव [विदेह सदेह ८]	विदेह: सदेह ८ तिरहुता
विदेह मैथिली शिशु उत्सव [विदेह सदेह ९]	विदेह: सदेह ९ तिरहुता
विदेह मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना [विदेह सदेह १०]	विदेह: सदेह १० तिरहुता
विदेह:सदेह ११	विदेह: सदेह ११ तिरहुता
विदेह:सदेह १२	विदेह: सदेह १२ तिरहुता
विदेह:सदेह १३	विदेह: सदेह १३ तिरहुता
विदेह:सदेह १४	विदेह: सदेह १४ तिरहुता
विदेह:सदेह १५	विदेह: सदेह १५ तिरहुता
विदेह:सदेह १६	विदेह: सदेह १६ तिरहुता
विदेह:सदेह १७	विदेह: सदेह १७ तिरहुता
विदेह:सदेह १८	विदेह: सदेह १८ तिरहुता
विदेह:सदेह १९	विदेह: सदेह १९ तिरहुता
विदेह:सदेह २०	विदेह: सदेह २० तिरहुता
विदेह:सदेह २१	विदेह: सदेह २१ तिरहुता
विदेह:सदेह २२	विदेह: सदेह २२ तिरहुता
विदेह:सदेह २३	विदेह: सदेह २३ तिरहुता
विदेह:सदेह २४	विदेह: सदेह २४ तिरहुता
विदेह:सदेह २५	विदेह: सदेह २५ तिरहुता
विदेह-सदेह २६-३६ www.videha.co.in *विदेह ई-पत्रिकाक अंक १-३५० सँ- थीम आधारित मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ मूल आ अनूदित गद्य आ पद्यक एकटा समानान्तर संकलन*	
विदेह:सदेह २६ (डॉ शम्भू कुमार सिंह आ डॉ अनूप कुमार सिंह अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २६ तिरहुता

विदेह:सदेह २७ (गजेन्द्र ठाकुर आ रवि भूषण पाठकक आन भाषासँ अनूदित गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २७ तिरहुता
विदेह:सदेह २८ (अनूदित गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २८ तिरहुता
विदेह:सदेह २९ (रवि भूषण पाठक आ डॉ. कैलाश कुमार मिश्र- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २९ तिरहुता
विदेह:सदेह ३० (स्कूल-कॉलेजक विद्यार्थी लेल- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३० तिरहुता
विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३१ तिरहुता
विदेह:सदेह ३२ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-१- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३२ तिरहुता
विदेह:सदेह ३३ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-२- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३३ तिरहुता
विदेह:सदेह ३४ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-३- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३४ तिरहुता
विदेह:सदेह ३५ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-४- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३५ तिरहुता

विदेह:सदेह ३६ (नवनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-७- अंक १-३७० सँ)	विदेह: सदेह ३६ तिरहुता

....

यू.पी.एस.सी. आ आन प्रतियोगिता परीक्षा लेल देखू:

विदेह:सदेह ११	विदेह:सदेह २१	विदेह:सदेह २३	विदेह:सदेह २६	विदेह:सदेह २९
विदेह:सदेह ३०	विदेह:सदेह ३२	विदेह:सदेह ३३	विदेह:सदेह ३४	विदेह:सदेह ३७

....

२

विदेहक सभटा पुरान अंक (अंक १ सँ ३७४ आ आगाँ)

विदेहक अंक १-१४९ (देवनागरी, मिथिलाक्षर आ ब्रेल)

देवनागरी	मिथिलाक्षर	ब्रेल
Videha_01_01_08	Videha_01_01_08_Tirhuta	1
Videha_15_01_08	Videha_15_01_08_Tirhuta	2
Videha_01_02_08	Videha_01_02_08_Tirhuta	3
Videha_15_02_08	Videha_15_02_08_Tirhuta	4
Videha_01_03_08	Videha_01_03_08_Tirhuta	5
Videha_15_03_08	Videha_15_03_08_Tirhuta	6
Videha_01_04_2008	Videha_01_04_2008_Tirhuta	7

Videha_15_04_2008	Videha_15_04_2008_Tirhuta	8
Videha_01_05_2008	Videha_01_05_2008_Tirhuta	9
Videha_15_05_2008	Videha_15_05_2008_Tirhuta	10
Videha_01_06_2008	Videha_01_06_2008_Tirhuta	11
Videha_15_06_2008	Videha_15_06_2008_Tirhuta	12
Videha_01_07_2008	Videha_01_07_2008_Tirhuta	13
Videha_15_07_2008	Videha_15_07_2008_Tirhuta	14
Videha_01_08_2008	Videha_01_08_2008_Tirhuta	15
Videha_15_08_2008	Videha_15_08_2008_Tirhuta	16
Videha_01_09_2008	Videha_01_09_2008_Tirhuta	17
Videha_15_09_2008	Videha_15_09_2008_Tirhuta	18
Videha_01_10_2008	Videha_01_10_2008_Tirhuta	19
Videha_15_10_2008	Videha_15_10_2008_Tirhuta	20
Videha_01_11_2008	Videha_01_11_2008_Tirhuta	21
Videha_15_11_2008	Videha_15_11_2008_Tirhuta	22
Videha_01_12_2008	Videha_01_12_2008_Tirhuta	23
Videha_15_12_2008	Videha_15_12_2008_Tirhuta	24
Videha_01_01_2009	Videha_01_01_2009_Tirhuta	25

Videha_15_01_2009	Videha_15_01_2009_Tirhuta	26
Videha_01_02_2009	Videha_01_02_2009_Tirhuta	27
Videha_15_02_2009	Videha_15_02_2009_Tirhuta	28
Videha_01_03_2009	Videha_01_03_2009_Tirhuta	29
Videha_15_03_2009	Videha_15_03_2009_Tirhuta	30
Videha_01_04_2009	Videha_01_04_2009_Tirhuta	31
Videha_15_04_2009	Videha_15_04_2009_Tirhuta	32
Videha_01_05_2009	Videha_01_05_2009_Tirhuta	33
Videha_15_05_2009	Videha_15_05_2009_Tirhuta	34
Videha_01_06_2009	Videha_01_06_2009_Tirhuta	35
Videha_15_06_2009	Videha_15_06_2009_Tirhuta	36
Videha_01_07_2009	Videha_01_07_2009_Tirhuta	37
Videha_15_07_2009	Videha_15_07_2009_Tirhuta	38
videha_01_08_2009	videha_01_08_2009_tirhuta	39
videha_15_08_2009	videha_15_08_2009_tirhuta	40
videha_01_09_2009	videha_01_09_2009_tirhuta	41
videha_15_09_2009	videha_15_09_2009_tirhuta	42
videha_01_10_2009	videha_01_10_2009_tirhuta	43

videha_15_10_2009	videha_15_10_2009_tirhuta	44
videha_01_11_2009	videha_01_11_2009_tirhuta	45
videha_15_11_2009	videha_15_11_2009_tirhuta	46
videha_01_12_2009	videha_01_12_2009_tirhuta	47
videha_15_12_2009	videha_15_12_2009_tirhuta	48
videha_01_01_2010	videha_01_01_2010_tirhuta	49
videha_15_01_2010	videha_15_01_2010_tirhuta	50
videha_01_02_2010	videha_01_02_2010_tirhuta	51
videha_15_02_2010	videha_15_02_2010_tirhuta	52
videha_01_03_2010	videha_01_03_2010_tirhuta	53
videha_15_03_2010	videha_15_03_2010_tirhuta	54
videha_01_04_2010	videha_01_04_2010_tirhuta	55
videha_15_04_2010	videha_15_04_2010_tirhuta	56
videha_01_05_2010	videha_01_05_2010_tirhuta	57
videha_15_05_2010	videha_15_05_2010_tirhuta	58
videha_01_06_2010	videha_01_06_2010_tirhuta	59
videha_15_06_2010	videha_15_06_2010_tirhuta	60
videha_01_07_2010	videha_01_07_2010_tirhuta	61

videha_15_07_2010	videha_15_07_2010_tirhuta	62
videha_01_08_2010	videha_01_08_2010_tirhuta	63
videha_15_08_2010	videha_15_08_2010_tirhuta	64
videha_01_09_2010	videha_01_09_2010_tirhuta	65
videha_15_09_2010	videha_15_09_2010_tirhuta	66
videha_01_10_2010	videha_01_10_2010_tirhuta	67
videha_15_10_2010	videha_15_10_2010_tirhuta	68
videha_01_11_2010	videha_01_11_2010_tirhuta	69
videha_15_11_2010	videha_15_11_2010_tirhuta	70
videha_01_12_2010	videha_01_12_2010_tirhuta	71
videha_15_12_2010	videha_15_12_2010_tirhuta	72
videha_01_01_2011	videha_01_01_2011_tirhuta	73
videha_15_01_2011	videha_15_01_2011_tirhuta	74
videha_01_02_2011	videha_01_02_2011_tirhuta	75
videha_15_02_2011	videha_15_02_2011_tirhuta	76
videha_01_03_2011	videha_01_03_2011_tirhuta	77
videha_15_03_2011	videha_15_03_2011_tirhuta	78
videha_01_04_2011	videha_01_04_2011_tirhuta	79

videha_15_04_2011	videha_15_04_2011_tirhuta	80
videha_01_05_2011	videha_01_05_2011_tirhuta	81
videha_15_05_2011	videha_15_05_2011_tirhuta	82
videha_01_06_2011	videha_01_06_2011_tirhuta	83
videha_15_06_2011	videha_15_06_2011_tirhuta	84
videha_01_07_2011	videha_01_07_2011_tirhuta	85
videha_15_07_2011	videha_15_07_2011_tirhuta	86
videha_01_08_2011	videha_01_08_2011_tirhuta	87
videha_15_08_2011	videha_15_08_2011_tirhuta	88
videha_01_09_2011	videha_01_09_2011_tirhuta	89
videha_15_09_2011	videha_15_09_2011_tirhuta	90
videha_01_10_2011	videha_01_10_2011_tirhuta	91
videha_15_10_2011	videha_15_10_2011_tirhuta	92
videha_01_11_2011	videha_01_11_2011_tirhuta	93
videha_15_11_2011	videha_15_11_2011_tirhuta	94
videha_01_12_2011	videha_01_12_2011_tirhuta	95
videha_15_12_2011	videha_15_12_2011_tirhuta	96
videha_01_01_2012	videha_01_01_2012_tirhuta	97

videha_15_01_2012	videha_15_01_2012_tirhuta	98
videha_01_02_2012	videha_01_02_2012_tirhuta	99
videha_15_02_2012	videha_15_02_2012_tirhuta	100
videha_01_03_2012	videha_01_03_2012_tirhuta	101
videha_15_03_2012	videha_15_03_2012_tirhuta	102
videha_01_04_2012	videha_01_04_2012_tirhuta	103
videha_15_04_2012	videha_15_04_2012_tirhuta	104
videha_01_05_2012	videha_01_05_2012_tirhuta	105
videha_15_05_2012	videha_15_05_2012_tirhuta	106
videha_01_06_2012	videha_01_06_2012_tirhuta	107
videha_15_06_2012	videha_15_06_2012_tirhuta	108
videha_01_07_2012	videha_01_07_2012_tirhuta	109
videha_15_07_2012	videha_15_07_2012_tirhuta	110
videha_01_08_2012	videha_01_08_2012_tirhuta	111
videha_15_08_2012	videha_15_08_2012_tirhuta	112
videha_01_09_2012	videha_01_09_2012_tirhuta	113
videha_15_09_2012	videha_15_09_2012_tirhuta	114
videha_01_10_2012	videha_01_10_2012_tirhuta	115

videha_15_10_2012	videha_15_10_2012_tirhuta	116
videha_01_11_2012	videha_01_11_2012_tirhuta	117
videha_15_11_2012	videha_15_11_2012_tirhuta	118
videha_01_12_2012	videha_01_12_2012_tirhuta	119
videha_15_12_2012	videha_15_12_2012_tirhuta	120
videha_01_01_2013	videha_01_01_2013_tirhuta	121
videha_15_01_2013	videha_15_01_2013_tirhuta	122
videha_01_02_2013	videha_01_02_2013_tirhuta	123
videha_15_02_2013	videha_15_02_2013_tirhuta	124
videha_01_03_2013	videha_01_03_2013_tirhuta	125
videha_15_03_2013	videha_15_03_2013_tirhuta	126
videha_01_04_2013	videha_01_04_2013_tirhuta	127
videha_15_04_2013	videha_15_04_2013_tirhuta	128
videha_01_05_2013	videha_01_05_2013_tirhuta	129
videha_15_05_2013	videha_15_05_2013_tirhuta	130
videha_01_06_2013	videha_01_06_2013_tirhuta	131
videha_15_06_2013	videha_15_06_2013_tirhuta	132
videha_01_07_2013	videha_01_07_2013_tirhuta	133

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒁𑓀𑒏 १७०-३४४

VIDEHA_165	VIDEHA_166	VIDEHA_167	VIDEHA_168	VIDEHA_169
VIDEHA_170	VIDEHA_171	VIDEHA_172	VIDEHA_173	VIDEHA_174
VIDEHA_175	VIDEHA_176	VIDEHA_177	VIDEHA_178	VIDEHA_179
VIDEHA_180	VIDEHA_181	VIDEHA_182	VIDEHA_183	VIDEHA_184
VIDEHA_185	VIDEHA_186	VIDEHA_187	VIDEHA_188	VIDEHA_189
VIDEHA_190	VIDEHA_191	VIDEHA_192	VIDEHA_193	VIDEHA_194
VIDEHA_195	VIDEHA_196	VIDEHA_197	VIDEHA_198	VIDEHA_199
VIDEHA_200	VIDEHA_201	VIDEHA_202	VIDEHA_203	VIDEHA_204
VIDEHA_205	VIDEHA_206	VIDEHA_207	VIDEHA_208	VIDEHA_209
VIDEHA_210	VIDEHA_211	VIDEHA_212	VIDEHA_213	VIDEHA_214
VIDEHA_215	VIDEHA_216	VIDEHA_217	VIDEHA_218	VIDEHA_219
VIDEHA_220	VIDEHA_221	VIDEHA_222	VIDEHA_223	VIDEHA_224
VIDEHA_225	VIDEHA_226	VIDEHA_227	VIDEHA_228	VIDEHA_229
VIDEHA_230	VIDEHA_231	VIDEHA_232	VIDEHA_233	VIDEHA_234
VIDEHA_235	VIDEHA_236	VIDEHA_237	VIDEHA_238	VIDEHA_239
VIDEHA_240	VIDEHA_241	VIDEHA_242	VIDEHA_243	VIDEHA_244
VIDEHA_245	VIDEHA_246	VIDEHA_247	VIDEHA_248	VIDEHA_249
VIDEHA_250	VIDEHA_251	VIDEHA_252	VIDEHA_253	VIDEHA_254
VIDEHA_255	VIDEHA_256	VIDEHA_257	VIDEHA_258	VIDEHA_259
VIDEHA_260	VIDEHA_261	VIDEHA_262	VIDEHA_263	VIDEHA_264
VIDEHA_265	VIDEHA_266	VIDEHA_267	VIDEHA_268	VIDEHA_269
VIDEHA_270	VIDEHA_271	VIDEHA_272	VIDEHA_273	VIDEHA_274
VIDEHA_275	VIDEHA_276	VIDEHA_277	VIDEHA_278	VIDEHA_279
VIDEHA_280	VIDEHA_281	VIDEHA_282	VIDEHA_283	VIDEHA_284
VIDEHA_285	VIDEHA_286	VIDEHA_287	VIDEHA_288	VIDEHA_289
VIDEHA_290	VIDEHA_291	VIDEHA_292	VIDEHA_293	VIDEHA_294
VIDEHA_295	VIDEHA_296	VIDEHA_297	VIDEHA_298	VIDEHA_299
VIDEHA_300	VIDEHA_301	VIDEHA_302	VIDEHA_303	VIDEHA_304
VIDEHA_305	VIDEHA_306	VIDEHA_307	VIDEHA_308	VIDEHA_309
VIDEHA_310	VIDEHA_311	VIDEHA_312	VIDEHA_313	VIDEHA_314
VIDEHA_315	VIDEHA_316	VIDEHA_317	VIDEHA_318	VIDEHA_319
VIDEHA_320	VIDEHA_321	VIDEHA_322	VIDEHA_323	VIDEHA_324
VIDEHA_325	VIDEHA_326	VIDEHA_327	VIDEHA_328	VIDEHA_329

VIDEHA_330	VIDEHA_331	VIDEHA_332	VIDEHA_333	VIDEHA_334
VIDEHA_335	VIDEHA_336	VIDEHA_337	VIDEHA_338	VIDEHA_339
VIDEHA_340	VIDEHA_341	VIDEHA_342	VIDEHA_343	VIDEHA_344

विदेहक सभ अंक सम्बन्धी किछु आवश्यक बात/ जानकारी

Learn Mithilakshar- Gajendra Thakur (2009)

Learn IPA through Mithilakshar- Gajendra Thakur (2009)

Learn Braille through Mithilakshar- Gajendra Thakur (2009)

Learn Kaithi- Gajendra Thakur (2009)

कैथी लिपि (मैथिली साहित्य संस्थान आउनलाइन लिंक)

Learn Newari- Gajendra Thakur (2009)

Learn Calligraphic Newari (Ranjana)- Gajendra Thakur (2009)

Learn Urdu Script- Gajendra Thakur (2009)

Learn Tibetan Script- Gajendra Thakur (2009)

Learn Japanese Script for Haiku- Gajendra Thakur (2009)

Learn Brahmi- Gajendra Thakur (2009)

Learn Kharoshthi- Gajendra Thakur (2009)

स्थायी स्तम्भ जेना मिथिला-रत्न, मिथिलाक खोज, विदेह पेटार आ सूचना-संपर्क-अन्वेषण सभ अंकमे समान अछि, ताहि हेतु ई सभ स्तम्भ सभ अंकमे नै देल जाइत अछि, ई सभ स्तम्भ देखबा लेल क्लिक करू नीचाँ देल विदेहक ३४६ म आ ३४७ म अंक, ऐ दुनू अंकमे सम्मिलित रूपेँ ई सभ स्तम्भ देल गेल अछि।

विदेहक ३४७म आ आगाँक अंक

देवनागरी	मिथिलाक्षर	आइ.पी.ए.	मैथिली ब्रेल
VIDEHA_345	VIDEHA_345_Tirhuta	VIDEHA_345_IPA	VIDEHA_345_Braille
VIDEHA_346	VIDEHA_346_Tirhuta	VIDEHA_346_IPA	VIDEHA_346_Braille
VIDEHA_347	VIDEHA_347_Tirhuta	VIDEHA_347_IPA	VIDEHA_347_Braille
VIDEHA_348	VIDEHA_348_Tirhuta	VIDEHA_348_IPA	VIDEHA_348_Braille
VIDEHA_349	VIDEHA_349_Tirhuta	VIDEHA_349_IPA	VIDEHA_349_Braille

देवनागरी	मिथिलाक्षर	आइ.पी.ए.	मैथिली ब्रेल	कैथी
VIDEHA_350	VIDEHA_350_Tirhuta	VIDEHA_350_IPA	VIDEHA_350_Braille	VIDEHA_350_KAITHI
VIDEHA_351	VIDEHA_351_Tirhuta	VIDEHA_351_IPA	VIDEHA_351_Braille	VIDEHA_351_KAITHI
VIDEHA_352	VIDEHA_352_Tirhuta	VIDEHA_352_IPA	VIDEHA_352_Braille	VIDEHA_352_KAITHI
VIDEHA_353	VIDEHA_353_Tirhuta	VIDEHA_353_IPA	VIDEHA_353_Braille	VIDEHA_353_KAITHI
VIDEHA_354	VIDEHA_354_Tirhuta	VIDEHA_354_IPA	VIDEHA_354_Braille	VIDEHA_354_KAITHI

नागरी	तिरहुता	आइपीए	ब्रेल	कैथी	रंजना	नेवारी	खरोष्ठी	ब्राह्मी
355	Tirhu	IPA	Brail	KAI	Ran	Newa	Kharo	Brahmi

नागरी	तिरहुता	कैथी	रंजना	प्रचलित	ब्राह्मी	IPA	ब्रेल	खरोष्ठी	उर्दू	तिब्बती	तिब्बती-उमे
356	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	खरोष्ठी	उर्दू	Tib	Ume
357	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	खरोष्ठी	उर्दू	Tib	Ume

नागरी	तिरहुता	कैथी	रंजना	प्रचलित	ब्राह्मी	IPA	ब्रेल	तिब्बती	तिब्बती-उमे
358	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	Tib	Ume
359	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	Tib	Ume
360	Tirhu	Kai	Ran	Newa	Brah	IPA	ब्रेल	Tib	Ume

नागरी	मिथिला	कैथी	नेवारी	आइ.पी.ए.	ब्रेल
361	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
362	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
363	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille
364	Tirhuta	Kaithi	Newari	IPA	Braille

....

३

निबन्ध विशेषांक

१)हाइकु विशेषांक

Videha_15_06_2008	Videha_15_06_2008_Tirhuta	12

२)गजल विशेषांक

Videha_01_11_2008	Videha_01_11_2008_Tirhuta	21

३)विहनि कथा विशेषांक

videha_01_10_2010	videha_01_10_2010_tirhuta	67

४)बालसाहित्य विशेषांक

videha_15_11_2010	videha_15_11_2010_tirhuta	70

५)नाटक विशेषांक

videha_15_12_2010	videha_15_12_2010_tirhuta	72

६) समीक्षा विशेषांक

videha_15_01_2011	videha_15_01_2011_tirhuta	74

७)नारी विशेषांक

videha_01_03_2011	videha_01_03_2011_tirhuta	77

८)अनुवाद विशेषांक (गद्य-पद्य रचना)

videha_01_01_2012	videha_01_01_2012_tirhuta	97

९)बाल गजल विशेषांक

videha_01_08_2012	videha_01_08_2012_tirhuta	111

१०)भक्ति गजल विशेषांक

videha_15_03_2013	videha_15_03_2013_tirhuta	126

११)गजल आलोचना-समालोचना-समीक्षा विशेषांक

videha_15_11_2013	videha_15_11_2013_tirhuta	142

१२) काशीकांत मिश्र मधुप विशेषांक

Videha_01_01_2015

१३) रवीन्द्र ठाकुर विशेषांक

Videha_01_11_2015

१४) जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल विशेषांक

Videha_01_12_2015

१५) विदेह सम्मान विशेषांक

विदेह सम्मान: सम्मान-सूची (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीत-नाटक अकादेमी सम्मान/ पुरस्कार नामसँ विख्यात)

साक्षात्कार/ समारोह

साक्षात्कार	videha_15_12_2011	videha_15_01_2012	videha_01_02_2012	videha_01_03_2012
videha_01_09_2012	videha_15_01_2013	videha_01_03_2013	Videha_15_04_2016	Videha_01_07_2016

१६) मैथिली सी.डी./ अल्बम गीत संगीत विशेषांक

Videha_01_01_2017

१७) मैथिली बाल एकांकी विशेषांक

VIDEHA_313

१८) मैथिली बीहनि कथा विशेषांक-२

VIDEHA_317

१९) रामलोचन ठाकुर विशेषांक

VIDEHA_319

२०) रामलोचन ठाकुर श्रद्धांजलि विशेषांक

VIDEHA_320

२१) राजनन्दन लाल दास विशेषांक

VIDEHA_333

२२) रवीन्द्र नाथ ठाकुर विशेषांक

VIDEHA_348	VIDEHA_348_Tirhuta	VIDEHA_348_IPA	VIDEHA_348_Braille

२३) केदार नाथ चौधरी विशेषांक

VIDEHA_352	VIDEHA_352_Tirhuta	VIDEHA_352_IPA	VIDEHA_352_Braille	VIDEHA_352_KAITHI

२४)

प्रेमलता मिश्र 'प्रेम' विशेषांक

Videha_357	Videha_357_Tirhuta

२५)

शरदिन्दु चौधरी विशेषांक

Videha_358	Videha_358_Tirhuta

....

४

लेखकक आमंत्रित रचना आ ओकर आमंत्रित समीक्षकक समीक्षा सीरीज

१.कामिनीक पाँच टा कविता आ ओकर मधुकान्त झाक टिप्पणी

Videha_01_09_2016

२.जगदानन्द झा "मनु"क "माटिक वासन"पर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

VIDEHA_353

३.मुन्नी कामतक एकांकी "जिनगीक मोल" आ ओकर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

VIDEHA_354

४.कपिलेश्वर राउतक ५ टा कथा आ ओकर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

VIDEHA_356

५.उमेश मण्डलक ५ टा कथा आ ओकर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

Videha_357

६.नाम विलास साहुक ५ टा कथा आ ओकर गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

Videha_358

१.निग नवल सुरेश चन्द्र यादव- सुरेश चन्द्र यादवक समग्र साहित्य आ अध्ययन गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

निग नवल सुरेश चन्द्र यादव

निग नवल सुरेश चन्द्र यादव (मिथिलाक्षर)

८.राजदेव मण्डलक साहित्ययन गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

Rajdeo Mandal- Maithili Writer
९.आचार्य रामदेव मण्डलक ७ टा कथा आ अध्ययन गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

Videha_360

१०.नन्द विलास रायक चारिटा कथा आ एकटा एकांकी आ अध्ययन गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

Videha_361

११.जगदीश प्रसाद मण्डलक साहित्ययन गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

Videha_362

१२.दुर्गानन्द मण्डलक पाँचटा कथा आ अध्ययन गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

Videha_363

१३.नारायण यादवक पाँचटा कथा आ अध्ययन गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

Videha_364

....

७

"पाठक हमर पोथी किएक पढथि"- लेखक द्वारा अपन पोथी/ रचनाक समीक्षा सीरीज

१. आशीष अनचिन्हार ०१ अगस्त २०२१

२. गजेन्द्र ठाकुर ०१ सितम्बर २०२२

....

६

एडिटर्स चॉइस सीरीज

एडिटर्स चॉइस सीरीज-१

विदेहमे बलात्कारपर मैथिलीमे पहिल कविता प्रकाशित भेल छल। ई दिसम्बर २०१२ क दिल्लीक निर्भया बलात्कार काण्डक बादक समय छल। ओना ई अनुदित रचना छल, गुलजार साहबक गीताक कविताक हिन्दी अनुवाद कएने छलीह आर. शांता सुन्दरी आ हिन्दीसँ मैथिली अनुवाद कएने छलाह विनीत उत्पल। हमरा जानकारीमे एहिसँ बेसी सिहराबैबला कविता ओ विषयपर कोनो भाषामे नै रचल गेल अछि। कतेक सालक बाद ई समस्या ओहिना अछि। ई कविता सभकेँ पढ़बाक चाही, खास कऽ सभ बेटीक बापकेँ, सभ बहिनक भाइकेँ आ सभ पत्नीक पतिकेँ। आ विचारबाक चाही जे हम सभ अपना बच्चा सभ लेल केहन समाज बनने छी।

एडिटर्स चॉइस सीरीज-१ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चॉइस सीरीज-२

विदेहमे ब्रज कौसलक समस्यापर विदेह म मीना झा कएल एकटा लघु कथा प्रकाशित भेल। ई मैथिलीक पहिल कथा छल जे ब्रज कौसल पर लिखल गेल। हिन्दीमे सेहो ताधरि ओ विषयपर कथा नै लिखल गेल छल, कारण ओ कथाक ई-प्रकाशित भेलाक १-२ सालक बाद हिन्दीमे दू गोटेमे घाँघाउज भऽ रहल छल कि पहिल हम आकि हम, मुदा दुनूक तिथि मैथिलीक कथाक परवर्ती छल। बादमे ई विदेह लघु कथामे सेहो संकलित भेल।

एडिटर्स चॉइस सीरीज-२ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चॉइस सीरीज-३

विदेहमे जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिलक किछु बाल कविता प्रकाशित भेल। बादमे हुनकर ३ टा बाल कविता विदेह शिशु उत्सवमे संकलित भेल जइमे २ टा कविता बबी चाइल्डपर छल। पढ़ू ई तीनू कविता, बादक दुनू बबी चाइल्डपर लिखल कविता पढ़ब टा करू से आग्रह।

एडिटर्स चॉइस सीरीज-३ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चॉइस सीरीज-४

विदेहमे जगदानन्द झा "मनु"क एकटा दीर्घ बाल कथा कहि लिअ वा उपन्यास प्रकाशित भेल, नाम छल चानरा। बादमे ई रचना विदेह शिशु उत्सवमे संकलित भेल, ई रचना बाल मनोविज्ञानपर आधारित मैथिलीक पहिल रचना छी, मैथिली बाल साहित्य कोना लिखी तकर ट्रेनिंग कोर्समे ऐ उपन्यासकेँ राखल जेबाक चाही। कोना मोतर्न उपन्यास आगाँ बढ़ै छै, स्थूल बाह्य स्थूल आ सहो बाल उपन्यास। पढ़ब टा करू से आग्रह।

एडिटर्स चाइस सीरीज-४ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चाइस सीरीज-५

एडिटर्स चाइस ५ मे मैथिलीक "उसन कहा था" मान कुमार यनकक दीर्घकथा "यह0" (साल्गान आंगिका)। हिन्दीक पाठक, जे "उसने कहा था" पढ़ने होता, ओ बूझल छहि जे कोना ओहि कथाकेँ रचि चन्द्रधर शर्मा "गुलेरी" अमर भऽ गेलाह। हम चर्चा कऽ रहल छी, कुमार यनकक "यह0" दीर्घकथाक। एकरा पढ़लाक बाद अहाँकेँ एकटा विचित्र, सुखद आ मान होल कर्नेबला अनुभव होएत, जे सम्भवीनिअन ब्रजली सँ मिलिता लागत आ रुनाक। मुदा ऐ रचनाकेँ पढ़लाक बाद तामस, घृणा सत्यन नियंत्रणकेँ आ सामाजिक/ पारिवारिक दायित्वकेँ सहो अहाँ आन गंभीरतासँ लेबै, से धनि पक्का अछि। मुदा एकर एकटा शर्त अछि जे एकरा सभ निकालि कऽ एक्के उसाँसमे पढ़ि जाइ।

एडिटर्स चाइस सीरीज-५ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चाइस सीरीज-६

जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा "विसाँढ": १९४२-४३ क अकालमे बंगालमे १५ लाख लोक मुइला, मुदा अमर्त्य सेन लिखैत छथि जे हुनकर कोना सेन-सम्बन्धी ओ अकालमे नै मरलाह। मिथिलामे अकाल आएल १९६७ ई. मे आ इन्दिरा गाँधी जखन ओ उग्र अकाली गाँ हुनका देखाओल गेल जे कोना मुसहर जातिक लोक विसाँढ खा कऽ ओ अकालकेँ जीति लेलहि। मैथिलीमे लेखकक एकरंगाह स्थिति विदेहक आगमनसँ पहिने छल। मैथिलीक लेखक लोकनि सहो अमर्त्य सेन जकाँ उहि महाविरोधिकासँ प्रभावित नै छला आ गाँ विसाँढपर कथा नै लिखि सकला। जगदीश प्रसाद मण्डल ओपर कथा लिखलहि जे प्रकाशित भेल चाना समितिक पत्रिकामे, मुदा कार्यकारी सम्पादक द्वारा वर्तनी पनिवर्तनक कारण ओ मैथिलीमे नै बनल् अबरहेम लिखल बूझा पड़ल, आ उनक प्रभावी नै भऽ सकल कारण विषय नहै खाँटी आ वर्तनी कृत्रिम। से एकर पुनः ई-प्रकाशन अपन असली रूपमे भेल विदेहमे आ ई संकलित भेल "गामक जिनगी" लघुकथा संग्रहमे। ओ पाठीपर जगदीश प्रसाद मण्डलकेँ टैगोर लिटरेचर अवार्ड भेटलनि। जगदीश प्रसाद मण्डलक लेखनी मैथिली कथाधाराकेँ एकरंगाह हवासँ बचा लेलक, आ मैथिलीक समानान्तर इतिहासमे मैथिली साहित्यकेँ दु कालखण्डमे बाँटि कऽ पढ़ल जाए लागल- जगदीश प्रसाद मण्डलसँ पूर्व आ जगदीश प्रसाद मण्डल आगमनक बाद। गाँ प्रस्तुत अछि लघुकथा

विसाँढ- अपन सुन्ना सन्नुपम।

एडिटर्स बुक्स सीरीज-६ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स बुक्स सीरीज-७

मैथिलीक पहिल आ एकमात्र दलित आत्मकथा: सहीय कुमार साही। सहीय कुमार साहीक दलित आत्मकथा जे अहाँकेँ अपन लघु आकारक अछैत हिलाडि देत आ अहाँक ई छिड़ि क' देत जे समानान्तर मैथिली साहित्य कतबा पर अहाँकेँ अछो नै हएत। ई आत्मकथा विदेहम ई-प्रकाशित होयबाक बाद लेखकक पोथी "वैशाखम दलानपर"म संकलित भेल आ ई मैथिलीक अखन धरिक एकमात्र दलित आत्मकथा थिक। ई प्रस्तुत अछि मैथिलीक पहिल दलित आत्मकथा: सहीय कुमार साहीक कलमसँ।

एडिटर्स बुक्स सीरीज-७ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स बुक्स सीरीज-८

नेना भुटकाकेँ लागिमि सुनबा लेल किछु लोककथा (विदेह पटानसँ)।

एडिटर्स बुक्स सीरीज-८ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स बुक्स सीरीज-९

मैथिली गजलपर पनिवर्वा (विदेह पटानसँ)।

एडिटर्स बुक्स सीरीज-९ (डाउनलोड लिंक)

....

विदेह सम्मान: **सम्मान-सूची** (समानान्तर साहित्य अकादमी, समानान्तर ललित कला अकादमी आ समानान्तर संगीत-नाटक अकादमी सम्मान/ पुनस्थान नामसँ विख्यात)

....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

<u>*राबायाक*</u>

२

मैथिलीक वर्णनीम यर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्पन्न एकान वर्णनी ऊ्शु BMAF001 सँ ग्रनिण वृषाञ्ज्ञ अछि, स एकान एकना एक उखणहाम उनटा-पुनटा दियौ, णाव धनि यर्याप्त अछि। यू.यी.एस.सी. क **मैथिली (कम्पलसनी) यपन लल सहय ञ्ली यर्याप्त अछि,** स उ विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसनी) यपन लन छथि स एकान एकटा आन स्वास्थ-नीतिंग दासन-उखणहाम कनथि|

IGNOU ऊ्शु **<u>BMAF-001</u>**

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **यन यठाउ।**

४.२.**मैथिली यांथी ताउनलाउ** Maithili Books Download

वि द ह विदह Videha विदेह http://www.videha.co.in विदह प्रथम मैथिली याक्षिक ञ्ली यत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदह प्रथम मैथिली याक्षिक ञ्ली यत्रिका नव अंक दखवाक लल पृष्ठ सरकँ निकश कउ दखु। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

powered by Google

Search Books

<u>Search above & below</u> within more than 350 old issues of Videha eJournal विदह मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् www.videha.co.in

https://books.google.com/

Videha Archive of Maithili Books 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑒼𑒟𑒲𑒏 𑒂𑒩𑓂𑒏𑒰𑒃𑒫 (𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝𑒞𑓁 𑒁𑒫𑓂𑒨𑒫𑒮𑒰𑒨𑒱𑒏 𑒅𑒠𑓂𑒠𑒹𑒬𑓂𑒨 𑒂 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒬𑒻𑒏𑓂𑒭𑒝𑒱𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒼𑒑 𑒪𑒹𑒪) 𑒮𑒿 𑒣𑒼𑒟𑒲 𑒣𑒲.𑒛𑒲.𑒋𑒤. 𑒛𑒰𑒅𑒢𑒪𑒼𑒛 𑒪𑒹𑒪 𑒏𑓂𑒩𑒧𑒰𑒢𑒳𑒮𑒰𑒩 𑒢𑒲𑒔𑒰𑒿𑒏 𑒪𑒱𑓀𑒏 𑒮𑒦𑒣𑒩 𑒅𑒣𑒪𑒥𑓂𑒡 𑒁𑒕𑒱। All the books are available for pdf download at the respective links below

....

𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰, 𑒥𑓀𑒑𑒰𑒪𑒲 𑒂 𑒏𑒻𑒟𑒲 𑒤𑒼𑒢𑓂𑒙 𑒛𑒰𑒅𑒢𑒪𑒼𑒛 Google's Noto Fonts project/ GitHub

𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 𑒢𑒼𑒙𑒼 𑒤𑒼𑒢𑓂𑒙	𑒏𑒻𑒟𑒲 𑒍𑒙𑒲𑒋𑒤	𑒏𑒻𑒟𑒲 𑒙𑒲𑒙𑒲𑒋𑒤	𑒥𑓀𑒑𑒰𑒪𑒲 𑒍.𑒙𑒲.𑒋𑒤.	𑒥𑓀𑒑𑒰𑒪𑒲 𑒙𑒲.𑒙𑒲.𑒋𑒤.

https://fonts.google.com/ (Google Open Fonts download)
Tirhuta Offline Keyboard download
https://malarproject.gitlab.io/tirhuta (Tirhuta Keyboard Online)

....

𑒥𑒾𑒠𑓂𑒡 𑒔𑒩𑓂𑒨𑒰𑒣𑒠

𑒔𑒩𑓂𑒨𑒰𑒣𑒠

𑒧𑒯𑒰𑒏𑒫𑒱 𑒛𑒰𑒏

𑒛𑒰𑒏𑒫𑒔𑒢

𑒖𑓂𑒨𑒼𑒞𑒱𑒩𑒲𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒡𑒴𑒩𑓂𑒞𑒮𑒧𑒰𑒑𑒧

𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱

𑒫𑓂𑒨𑒰𑒛𑒲𑒦𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒞𑒩𑒓𑓂𑒑𑒱𑒝𑒲

𑒑𑒼𑒩𑒏𑓂𑒭𑒫𑒱𑒖𑒨𑒧𑓂

𑒬𑓀𑒏𑒩𑒠𑒹𑒫

𑒣𑒰𑒩𑒱𑒖𑒰𑒞𑒯𑒩𑒝

𑒩𑒰𑒧𑒫𑒱𑒖𑒨

𑒠𑒻𑒞𑓂𑒨𑒰𑒩𑒱 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩

𑒬𑓂𑒨𑒰𑒧𑓀𑒞 𑒯𑒩𑒝 𑒨𑒰𑒞𑓂𑒩𑒰 (𑒁𑓀𑒏𑒱𑒨𑒰 𑒢𑒰𑒙)

𑒪𑒏𑓂𑒭𑓂𑒧𑒲𑒠𑒹𑒫

𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩𑒯𑒩𑒝 𑒢𑒰𑒙 𑒬𑒞 𑒮𑓂𑒏𑓀𑒡 𑒩𑒰𑒫𑒝 𑒫𑒡 (𑒁𑓀𑒏𑒱𑒨𑒰 𑒢𑒰𑒙)

𑒖𑒑𑒞𑓂𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒧𑒪𑓂𑒪

𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒫𑒞𑒲𑒯𑒩𑒝 𑒢𑒰𑒙𑒏

𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡 𑒢𑒩𑒮𑒱𑓀𑒯𑒧𑒪𑓂𑒪

𑒑𑒲𑒞𑒰𑒫𑒪𑒲 𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡𑒱

𑒖𑒑𑒞𑓂𑒖𑓂𑒨𑒼𑒞𑒱𑒩𑓂𑒧𑒪𑓂𑒪

𑒯𑒩𑒑𑒾𑒩𑒲 𑒫𑒱𑒫𑒰𑒯 𑒢𑒰𑒙𑒏 𑒏𑒳𑒘𑓂𑒖𑒫𑒱𑒯𑒰𑒩 𑒢𑒰𑒙𑒏

𑒯𑒩𑓂𑒭𑒢𑒰𑒟 𑒗𑒰

𑒧𑒰𑒡𑒫𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒢𑒰𑒙𑒏

उषाहरण

हर्षनाथ काव्यग्रन्थावली (संकलन रमानाथ झा १८४७-१८९८)

रत्नपाणि

उषाहरण नाटक

श्रीकांत

श्रीकृष्ण जन्म रहस्य

नन्दीपति

कृष्णकेलिमाला

गीतमाला

कान्ह रामदास

गौरीस्वयंवर

लाल

गौरीस्वयंवर नाटक

उमापति

पारिजात हरण

भानुनाथ

प्रभावती हरण

देवानन्द

उषाहरण

रमापति

रुक्मिणी परिणय

उपाध्याय रामदास

आनन्द विजयारिदान नाटिका

शिवदत्त

गौरीपरिणय सीतास्वयंवर दुर्गाविजय

पारिजात नाटक

....

कथा बौद्ध सिद्ध महथया (बाल साहित्य कड़ी) संहथम रहल ८२ म सगर राति दीप जरयम पठित कथा सरस्क संकलन

कथा बौद्ध सिद्ध महथया

सखुआनाली (नारी विमर्श कड़ी) हटियाबीम रहल ८३ म सगर राति दीप जरयम पठित कथा सरस्क संकलन

सखुआनाली

मुंशी रघुनन्दन दास (१८६०-१९४५) (सौजन्य- राधाकृष्ण दास)

सुभद्रा हरण

रासविहारी लाल दास (१८७२-१९४०) (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

सुमति

हरिनन्दन दास (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

सुदामा चरित

पं. रामजी चौधरी (१८१८-१९५२) (सौजन्य- श्री श्रीमोहन चौधरी)

विविध रचनावली

धनुषधारी दास (१८९५-१९६५) (सौजन्य- यशीकान्त विद्यानन्द झा)

मैथिली मे विहारी

....

डॉ. रामभरोस कापड़ि "भ्रमर" (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि भ्रमर)

महिषासुर मुर्दाबाद एवं अन्य नाटक (१९९१)

लोक नाट्य: जट जटिन (२००१) (शोध)

हुगली उपर बहैत गंगा आ आन कथा (कथा संग्रह) (२००८)

भ्रमर मैथिली दीर्घ कविता (हिन्दी अनुवाद-अब बस नहीं) (२००९)

मैथिली लोक संस्कृति (नेपाली भाषाम) (२००९)

रैया अएलै अपन सासुर (नाटक संग्रह) (२०१०)

घनमुहाँ (उपन्यास) (२०१२)- ई बुक वर्जन

घनमुँहा (उपन्यास) (२०१२)- प्रिंट वर्जन

अन्हरियाक चान (गजल संग्रह) (२०१३)

चीन जे हम देखल (यात्रा संस्मरण) (२०१४)

सूली पर इजोत एवं अन्य नाटक (२०१५)

सीमाक आर-पार (यात्रा संस्मरण) (२०१६)

युद्धभूमिक एसगर योद्धा (कविता संग्रह) (२०११)

एंटीवायरस (कथा संग्रह) (२०१९)

कोरोनाक संत्रासमे डगमगायल जिनगी (लकडाउन डायरी) (२०२०)

मिथिलाक लोकजीवन लोकसन्दर्भ (२०२२)

साहित्य गगनक अन्वेषी डा. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन'

मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी

स्मारिका (२०१०)

आंगन अंक-४ (२०१२)

गामघर-३०-०८-२०१८

गामघर-०४-१०-२०१८

गामघर-१६-०५-२०१९

गामघर-२१-०६-२०१९

आँगन (अंक वर्ष ३६, अंक ३)

रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क किछु नाटक

मुन्नाजी द्वारा साक्षात्कार पृ. ३२१-३२८

देसिल बयनाक बदरङ्ग रामलोचन ठाकुर प्रसंग पृ. ३४१-३५१

हमर स्नान-पिपासाक स्वाद: शरदिन्दु चौधरी पृ. ३१-३४

जट जटिन पृ. ५६८-१०५

ऐया, अञ्जली अपन समाज पृ. ५६८-१०५

आलेख कथा-फ्लैशबैक पृ. ८४-८८

आलेख पृ. पृ. १११-१२५

आलेख पृ. १२१६-१२९०

आलेख पृ. ९१-९८

रायपुर यात्रा प्रसंग पृ. १५०-१५४

सलहेस पनिचर्चा रिपोर्ट पृ. ४१-४५

रिपोर्ट पृ. २३१-२४३

रिपोर्ट पृ. ४४५

रिपोर्ट पृ ५६८-६०५

रिपोर्ट पृ. ५८३-५८५

गंगा प्रसादक स्मायत्ता आ हुगलीपर बहैत गंगा पृ. २२३-२२६

गीत पृ. १४४९-१४५०

गजल गीत पृ. २११

अह्वानक निबन्ध आ आजाद गजल पृ. ६१९-६२१)

वृषेश चन्द्र लाल (सौजन्य- वृषेश चन्द्र लाल)

आह्वालन (कविता संग्रह)

झलक (बाल कविता संग्रह)

सुस्मिता (अनूदित उपन्यास)

मोदिआइन (बी.पी.कोइरालाक कथा)

मान्छे (कथा संग्रह)

गोलबा (कथा संग्रह)

पनमश्वन कायथ (सौजन्य- पनमश्वन कायथ)

धूआ-धजा

अंक १

अंक १४

अंक १५

अंक १६

अंक १८

अंक १० जून २०१२

अंक २४ जून २०१२

२५ जुलाई २०१२

०५ अगस्त २०१२

२३ जनवरी २०१६

आसिन २०७३

सुजीत कुमार झा (सौजन्य- सुजीत कुमार झा)

पर्यटन डायरी (नियात्रा)

बिउ (लघुकथा-संग्रह)

जिद्दी (लघुकथा संग्रह)

कोइली घुमि आउ (बाल लघु-विहनि कथा संग्रह)

गन्ध (लघु कथा संग्रह)

खजनीवाली (लघु कथा संग्रह)

बुलबुल (कथा संग्रह)

दुश्मनी- (नेपाली आ मैथिलीमे)

अंक ३१ अंक ३२ अंक ३३ अंक ३४ अंक 35 अंक 36 अंक 37 अंक 38 अंक 39 अंक 40 अंक 41

निश्छल ठाकुर

नेपालक नाम मनुस्मृति

विनीत ठाकुर (सौजन्य- विनीत ठाकुर)

बाँकी अछि हमर दुखक कर्ज

संतोष मिश्र (सौजन्य- संतोष मिश्र)

पासपुत (लघुकथा-संग्रह)

उदास मन (लघुकथा-संग्रह)

एना-किए (कविता-संग्रह)

अएना (संपादन- कविता-संग्रह)

कनकमणि दीक्षित (मूल नेपालीसँ मैथिली अनुवाद रूपा धीरू आ धीरेन्द्र प्रेमर्षि, बाल साहित्य) (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

बेंगा बढ़क देश-भ्रमण

...

डॉ शशिधर कुमर आ सुप्रिया देवी कुमारी

रुकम्थ (पृ. ६३८-६७४)

अणिमा सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

शिशु गीत खेल

इलारानी सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

प्रेम- एक कविता (अनुदित नाटक)

अनुश्री देवी (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

मिथिलाक विदुषी महिला

कल्पना झा (सौजन्य- कल्पना झा)

गोसाउनिक गीत

नशामुक्ति हेतु गाबी गीत
निनियाँ
यायावरी- शेफालिका वर्मा (हिन्दी अनुवाद कल्पना झा)
मुन्नी कामत (सौजन्य- मुन्नी कामत)
सुखल मन तरसल आँखि (पद्य आ गद्य)
सुखल मन तरसल आँखि (कविता)
अंतः (कविता संग्रह)
चुक्का (बाल कथा संग्रह)
नीता झा (सौजन्य- नीता झा)
बिलाड़ि मौसी (बाल लघुकथा संग्रह)
शेफालिका वर्मा (सौजन्य- शेफालिका वर्मा)
यायावरी (यात्रावृत्तान्त)
यायावरी (हिन्दी अनुवाद- कल्पना झा)
अर्थयुग (लघुकथा संग्रह)
ओकरा अकास (लघुकथा संग्रह)
रागांजलि (गद्य गीत)
किस्त-किस्त जीवन (आत्म कथा)
आखर-आखर प्रीत
नागफांस (उपन्यास)
Naagphans (In English)
विभा रानी
विभा रानीक दूटा नाटक (भाग रौ आ बलचन्दा)
पन्ना झा (सौजन्य- नन्दू झा)
अनुभूति (लघुकथा संग्रह)
सुशीला झा (सौजन्य- प्रभा खेतान/ सुशीला झा)
छिन्नमस्ता- प्रभा खेतानक हिन्दी उपन्यासक मैथिली अनुवाद
डॉ. ललिता झा (सौजन्य- ललिता झा)
मैथिलीक भोजन सम्बन्धी शब्दावली
डॉ. कामिनी कामायनी
विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५० सँ)
प्रीति ठाकुर
गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा -पहिल मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)
मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)
मिथिलाक लोकदेवता (बाल साहित्य)
विद्यापतिक पुरुष परीक्षा (बाल साहित्य)
नल (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

गप्पू बुत नाचल नै छाउ छै

गुलिका (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमरा डर लागैए!

मधुलिका मिश्र (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

उड़ाका सीमा

लक्ष्मी ठाकुर

जानवर सब संग हँट-घाँट

पूनम मण्डल

सूत कालक खिस्सा

....

राधाकृष्ण चौधरी (सौजन्य- प्रकाश कुमार चौधरी/ IGNCA)

मिथिलाक इतिहास

A Survey of Maithili Literature

The Political and Cultural Heritage of Mithila

Mithila in the Age of Vidyapati

सुभाष चन्द्र यादव (सौजन्य- सुभाष चन्द्र यादव)

राजकमल चौधरी: मानपत्र (नित नवल राजकमल)

बनैत बिगड़ैत (लघुकथा संग्रह)

गुलो

रमता जोगी

मतंग

हाट

गुलो: कला आ भाषा (सम्पादक गजानन्द नियोगी आ कदान कानन)

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव (लखक गजेन्द्र ठाकुर)

नित नवल सुभाष चन्द्र यादव (मिथिलाक्षर)

अशोक (सौजन्य- अशोक आ शिवशंकर श्रीनिवास)

चक्रव्यूह (कविता संग्रह) (१९८६)

निकाश (कथा संग्रह) (१९८६)

उहि रातिक बात (कथा संग्रह) (१९९१)

मातवर (कथा संग्रह) (२००१)

संवाद (साक्षात्कार संग्रह) (२००१)

आँखिन देखल (यात्रा कथा) (२०१३)

वाद-विवाद (आलोचना) (२०१७)

ठेठीगाम (कथा संग्रह) (२०११)

अशोक-सलकस (विविध)

अशोक-नव कविता

नीक दिनक बाट्सआप (व्यंग्य संग्रह) (२०१८)

मुन्ना जी द्वारा साक्षात्कार (पृ. ३६२-३६७)

बनैत कम बिगड़ैत बेसी (पृ. २०२३-२०३१)

सम्पादक राजनन्दन लाल दास आ कर्णामृत (पृ. ११९-१२२)

रामलोचन ठाकुरक कविता यात्रा (पृ. ३२१-३४१)

केदार नाथ चौधरीक उपन्यास (पृ. १०१-१०६)

शरदिन्दुजी (पृ. १०-१३)

सुधांशु शेखर चौधरी (सौजन्य- शरदिन्दु चौधरी)

शेखर रचित गजल आ गीत

शरदिन्दु चौधरी (सौजन्य- शरदिन्दु चौधरी)

ॐ हम जनितहुँ (२००२)

बड़ अजगुत देखल (२००७)

गोबरगणेश (२०११)

कनिया कक्काक करामाति (२०१६)

बात-बातपर बात खण्ड-१ (२०१९)

मर्मान्तक-श्रद्धानुभूति (बात-बातपर बात खण्ड-२) (२०२०)

हमर अपराध: हुनक नहि दोष (बात-बातपर बात-३) (२०२१)

साक्षात् (बात-बातपर बात-४) (२०२१)

विदेह शरदिन्दु चौधरी विशेषांक

काशीकान्त मिश्र मधुप

विदेह काशीकांत मिश्र मधुप विशेषांक

राजनन्दन लाल दास

विदेह राजनन्दन लाल दास विशेषांक

प्रेमलता मिश्र प्रेम

विदेह प्रेमलता मिश्र प्रेम विशेषांक

रवीन्द्र नाथ ठाकुर

विदेह रवीन्द्र नाथ ठाकुर विशेषांक

कलानन्द भट्ट (सौजन्य- केदार कानन)

कान्ह पर लहास हमर मैथिली गजल संग्रह

अनुलक्षक-कासी कॉलोनी सँ किशन कुटीर धरि

मायानन्द मिश्र (सौजन्य- केदार कानन)

अवांतर (गजल-गीतल)

केदार कानन (सौजन्य केदार कानन/ CIIL)

सृजन केर दीप पर्व- सं

किशुन समग्र-१ (सम्पादक केदार कानन आ नरेश कुमार सिंह)

किशुन समग्र-२ (सम्पादक केदार कानन आ नरेश कुमार सिंह)

महेन्द्र (CIIL)

ड्रआयल कनकनी

बाबा बैद्यनाथ (सौजन्य- बाबा बैद्यनाथ)

पहुना ॐमानयन (गजल संग्रह)

अनिरुद्ध ठाकुर (सौजन्य- अनिरुद्ध ठाकुर/ CIIL)

पत्नी टूटि रहल अछि (कविता संग्रह)

अचानक विनाश म (लघु कथा संग्रह)

बहुनुयिया प्रदेश म (गजल संग्रह)

सृजन कान दीय पर्व- सं

विदेह अनिरुद्ध ठाकुर विशेषांक

नन्दु झा (सौजन्य- नन्दु झा)

निकास ड्रा अर्थतंत्र

राजश्वन झा (मैथिली साहित्य संस्थान आर्काइव)

मिथिलाञ्चलक उद्भव आ विकास

सुरेन्द्र झा सुमन (आर्काइव डॉट कॉम)

दत्त-वती (मूल)

गोविंद झा ((IGNCA Site आर्काइव)

Maithili-English Dictionary

रामदेव झा (सौजन्य- शंकरदेव झा)

सव्यसाची (अभिनन्दन ग्रन्थ)

मैथिली शब्द संचय

दत्त-वतीक वस्तु कौशल

डॉ शैलेन्द्र मोहन झा (आर्काइव डॉट कॉम/ CIIL)

पनिचय निचय

मैथिली गद्य संग्रह- सं

रमानाथ झा (CIIL Site आर्काइव)

प्रबन्ध संग्रह

रमानाथ मिश्र "मिहिर" (आर्काइव डॉट कॉम)

मैथिली मुहावरा एवम् लोकोक्ति प्रकाश

आनन्द मिश्र (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

मिथिला भाषाक सुबोध व्याकरण

श्यामानन्द झा (सौजन्य-रमानन्द झा "रमण")

मैथिली गीत वल्लिका

मैथिली संदेश (विशिष्ट कविक कविता-सम्पादित)

रुवग्रीगानन्द ओझा (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

पदावली

गणनाथ-विश्वनाथ पदावली (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

गणनाथ-विश्वनाथ पदावली

नृपनारायण झा "नाकण" (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

मनमोहन लड्डू

रामा लाल दास (आर्काइव्ज डॉट कॉम)

मैथिली सुबोध व्याकरण

खड्ग वल्लभ दास 'स्वजन' (सौजन्य- हेमन्त दास "हिम")

सीता-शील

डॉ. मदनेश्वर मिश्र (सौजन्य- पञ्जीकार विद्यानन्द झा)

एक छलीह महारानी

यात्री (नागार्जुन) (सौजन्य- मिथिला सांस्कृतिक परिषद)

बलचनमा

कालीकान्त झा "बुच"

कलानिधि- कविता-संग्रह

उपेन्द्रनाथ झा "व्यास" (सौजन्य- मयंक झा)

रुबाइयात-ए-उमर खैयाम (मैथिली पद्यानुवाद)

प्रतीक (कविता संग्रह)

संन्यासी (काव्य)

रमण नारायण (सौजन्य- शेफालिका वर्मा)

पाथरक नाव (लघुकथा संग्रह)

गोपालजी झा "गोपेश" (सौजन्य- गोपालजी झा "गोपेश")

गुम्म भेल ठाढ़ छी

विजय नाथ झा (सौजन्य- विजय नाथ झा)

अर्हींक लल (गीत-गजल संग्रह)

नगेन्द्र कुमर (सौजन्य- प्रसन्न कुमार झा)

ससरहानी

प्रबोध नारायण सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

अरुण नगरी (अनुवाद)

चयनिका (सम्पादन)

वैजयन्ती (कविता)

हाथीक दाँत

टटका गप (सम्पादित कथा संकलन)

प्रेमक राग (नाटक)

अमरनाथ (सौजन्य- अमरनाथ)

उर्मिका- विहनि कथा संग्रह

प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन'

पंचदशायासक भूमि मिथिला पृ. १००१-१०८०

डॉ. गंगेश गुंजन (सौजन्य- गंगेश गुंजन)

राधा (१-३०) पृ. १३१३-१७६०

प्रथम-चौबटिया-नाटक *(बुधिबधिया)*

नाटक आइ रंग

कथा-संग्रह उचितवक्ता

गीत-गजल दुखक दुपहरिया

कमलधन दास (सौजन्य- कमलधन दास)

मैथिल कर्ण कायस्थक गोत्र, प्रवर, मूल आ वैवाहिक सम्बन्ध

कीर्तिनारायण मिश्र (सौजन्य- कीर्तिनारायण मिश्र)

ध्वस्त होइत शान्ति स्तूप

सीमान्त

आदमीकेँ जोहैत

अयन एकान्त मे

लल्लन प्रसाद ठाकुर (सौजन्य- कुसुम ठाकुर)

लौंगिया मिरचाइ

कुसुम ठाकुर

प्रत्यावर्तन (आत्मकथा)(पृ. ४७६-७१२)

राजनाथ मिश्र

Mithila_Painting-Modern_Art-Photos

प्रेमशंकर सिंह

मैथिली भाषा साहित्य:बीसम शताब्दी (आलोचना)

डॉ. रमण झा (सौजन्य- रमण झा)

मैथिली काव्य अलङ्कार

अलङ्कार-भास्कर

मैथिली काव्य शास्त्र

छिन्न-अछिन्न

डॉ. रमानन्द झा 'रमण' (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण"/ CIIL Site आर्काइव)

हिआउल

सगर राति दीप जरय

नाङ्ग आ टाकाक गाछ (अनुवाद)

अखियासल

केदार नाथ चौधरी (सौजन्य- केदार नाथ चौधरी)

चमेलीरानी

माहुर

करार

अबारा नहितन

अयना

हीना

विदेह केदार नाथ चौधरी विशेषांक

योगेन्द्र पाठक "वियोगी" (सौजन्य- योगेन्द्र पाठक "वियोगी")

विज्ञानक बतकही

विज्ञानक बतकही भाग-२

ननक विजय (सम्पूर्ण)

ननक विजय (संशोधित)

हमर गाम (बाल उपन्यास)

धिनामितक दशम

अकटा मिसिया (कथा संग्रह)

नावार (अनुदित साँफ्लस-हिब्रान नाटक)

किछु गीत मधुर (यात्रा वृत्तांत)

सुशील (सौजन्य- सुशील)

घनाठी (उपन्यास) (१९७३)

गामवाली (उपन्यास) (१९८२)

भामती (नाटक) (पहिल मंचन १९९१, प्रकाशन २०१३)

अस्मिता (लघुकथा संग्रह) (२०१६)

कामेश्वर झा 'कमल' (सौजन्य- नवोनारायण मिश्र)

कमल-ताल (गीत संग्रह)

रामलोचन ठाकुर (सौजन्य- रामलोचन ठाकुर)

आँखि मूनने आँखि खोलने (संस्मरण)

स्मृतिक धोखरल रंग (संस्मरण)

अपूर्वा (कविता संग्रह)

इतिहासहन्ता (कविता संग्रह)

देशक नाम छलै सोन चिड़ैया (कविता संग्रह)

लाख प्रश्न अनुत्तरित (कविता संग्रह)

प्रतिध्वनि (विदेशी भाषाक कविताक मैथिली अनुवाद)

पद्मानदीक माझी (अनुदित उपन्यास)

मैथिली लोककथा

आजुक कविता (सम्पादित कविता संग्रह)

बेताल कथा (हास्य-व्यंग)

देसिल बयना (अखबान)

विदेह रामलोचन ठाकुर विशेषांक

डॉ. देवशंकर नवीन (सौजन्य- देवशंकर नवीन)

आधुनिक साहित्यक परिदृश्य

डॉ बचेश्वर झा

निबन्ध-निकुञ्ज

कीर्तिनाथ झा (सौजन्य- कीर्तिनाथ झा)

कुणाल: मैथिली रामानुवाद

जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" (सौजन्य- जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल")

आँखिक चित्र आ मैथिली कर (आत्मकथा- जारी)

धारक ओहि पार (दीर्घ कविता)

गीत गंगा (गीत संग्रह)

गजल गंगा (गजल संग्रह)

गाना अंगना म (गीत संग्रह)

गाना अंगना म (गीत संग्रह)- मूल

विदेह जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल विशेषांक

राज किशोर मिश्र

चाननि (कविता संग्रह)

समर्पण (कविता संग्रह)

रवीन्द्र नारायण मिश्र (सौजन्य- रवीन्द्र नारायण मिश्र)

भोरसँ साँझ धरि (आत्म कथा)

प्रसंगवश (निबंध)

स्वर्ग एतहि अछि (यात्रा प्रसंग)

प्रसाद (कथा संग्रह)

नमस्तस्यै (उपन्यास)

विविध प्रसंग (निबंध)

महराज (उपन्यास)

लजकोटर (उपन्यास)

सीमाक ओहि पार (उपन्यास)

समाधान (निबंध संग्रह)

मातृभूमि (उपन्यास)

स्वप्नलोक (उपन्यास)

शंखनाद (उपन्यास)

[illegible] थिक जीवन (संस्मरण)

ढहैत देवाल (उपन्यास)

पाथेय (संस्मरण)

हम आबि रहल छी (उपन्यास)

प्रलयक परात (उपन्यास)

बीति गेल समय (उपन्यास)

प्रतिबिम्ब (उपन्यास)

बदलि गेल अछि सभ किछु (उपन्यास)
राष्ट्र मंदिर (उपन्यास)
संयोग (कथा संग्रह)
नाचि रहल छलि वसुधा (उपन्यास)
नन्द कुमार मिश्र 'नन्द' (सौजन्य- नन्द कुमार मिश्र 'नन्द')
गामघर (कथा संग्रह)
सुजाता (उपन्यास)
महारानी कैकयी (प्रवचनात्मक निबंध)
गुदरीक लाल (उपन्यास)
अनठिया कुकुर (उपन्यास)
आत्मन (कथा संग्रह)
दिल्लीक यार्क (शब्द चित्र)
सुकन्या (उपन्यास)
स्वर्ण कमल (बाल उपन्यास)
काव्य सरिता (मैथिली काव्य संग्रह)
परिवार (संस्मरणात्मक उपन्यास)
पाचक के नाति (मैथिली शब्द-चित्र)
रामानन्द नियोगी (सौजन्य- रामानन्द नियोगी)
प्रलय रहस्य
सच्चिदानन्द पाठक (सौजन्य- सच्चिदानन्द पाठक)
हमर गाम
डॉ. उदय नारायण सिंह "नचिकेता" (सौजन्य- नचिकेता)
नो एण्ट्री : मा प्रविश
आन्दोलन
एक छल राजा
जनक आ' अन्यान्य एकांकी
नाटक के लेल
नायक के नाम जीवन
प्रत्यावर्तन
रामलीला
प्रियंवदा (एकांकी)
मैथिली कविता-त्रैमासिक (अप्रैल १९६९)
मैथिली कविता-त्रैमासिक (जुलाई १९६९)
रवि भूषण पाठक
निर्मल (नाटक)
विदेह:सदेह २९ (रवि भूषण पाठक आ डॉ. कैलाश कुमार मिश्र- अंक १-३१० सँ)

विदेह:सदेह २७ (गजेन्द्र ठाकुर आ नवि दुर्गा पाठकक आन भाषासँ अनुदित गद्य आ पद्य- अंक १-३७० सँ)

डॉ. कैलाश कुमार मिश्र

विदेह:सदेह २९ (नवि दुर्गा पाठक आ डॉ. कैलाश कुमार मिश्र- अंक १-३७० सँ)

कुमार मनोज कश्यप

विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३७० सँ)

डॉ. शम्भु कुमार सिंह

(गुलाम नामा लेटक कांकणी उपन्यासक मैथिली अनुवाद डॉ शम्भु कुमार सिंह द्वारा) पाखला

विदेह:सदेह २६ (डॉ शम्भु कुमार सिंह आ डॉ अनुप कुमार सिंह अंक १-३७० सँ)

डॉ. अनुप कुमार सिंह

विदेह:सदेह २६ (डॉ शम्भु कुमार सिंह आ डॉ अनुप कुमार सिंह अंक १-३७० सँ)

कुमार पवन (सौजन्य- अंशिका)

पञ्चो (मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ कथा)

डायनीक खाली पन्ना

केशव भारद्वाज

अजगुत अफ्रीका (अफ्रीका डायरी) पृ. २१४-४६६

किछु पढल आ किछु सुनल- इदी अमीन पृ. ४६८-७४८

खलौना पृ. ४६१-४६१

पेवन्द पृ. ७४९-७९८

किछु कथा ७०-४६३

गोपाल झा 'अविचल' (सौजन्य- गोपाल झा 'अविचल')

आउ सूर्य सामी कनी (कविता संग्रह)

आमोद कुमार झा (सौजन्य- आमोद कुमार झा)

विम्बक पथार (कविता संग्रह)

आशीष अनचिन्हार

संदर्भ सहित (गजल-आलोचना)

कुमारि इच्छा (गजल संग्रह)

जंघाजाठी (गजल संग्रह)

अनचिन्हार आखर (गजल, रुबाइ आ कताक संग्रह)

मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास

मैथिली नव पत्रकारिताक इतिहास (अनुलग्नक: अंशिका आलेख:अंजलि आ मैथिली: गजेन्द्र ठाकुर)

मैथिली गजलक नवी स्थापना

शब्द-अर्थ-शक्ति

मुन्नाजी

मोकाम दिस (विहनि कथा संग्रह)

प्रतीक (विहनि कथा संग्रह)

माँझ आँगनमे कतिआएल छी (मैथिली गजल संग्रह)

हम पुछैत छी (साक्षात्कार)

तीन टा बाल नाटक (मैथिली बाल साहित्य)

खुरलुच्ची (मैथिली बाल कविता- बाल साहित्य)

घाट (हाइकू-टंका संग्रह)

सन्दीप कुमार साफी

वैशाखमे दलानपर

ओम प्रकाश झा

कियो बुझि नै सकल हमरा (गजल, रुबाइ आ कता संग्रह)

अमित मिश्र

नव अंशु (गजल-हजल, रुबाइ संकलन)

चन्दन कुमार झा

मनक बात (गजल, हजल,बाल गजल, रुबाइ आ कताक संकलन)

डॉ. अनमोल झा

समय साक्षी थिक (विहनि कथा संग्रह)

ई ज समय अछि (विहनि कथा संग्रह)

विनय भूषण (सौजन्य- आशीष अनचिन्हार)

उगना पतवाक खाज (कविता संग्रह)

आनन्द कुमार झा

टाकाक मोल (नाटक)

कलह (नाटक)

बदलैत समाज (नाटक)

धधाइत नवकी कनियाँक लहास (नाटक)

हठात् परिवर्तन (नाटक)

मुक्ति यात्रा (नाटक)

शिव कुमार झा "टिल्लू"

क्षणप्रभा-कविता-संग्रह

अंशु-समालोचना

देवांशु वत्स

नताशा -मैथिली बाल चित्रशृंखला (कॉमिक्स)

डॉ. विनीत उत्पल

हम पुछैत छी (कविता संग्रह)

रेहन पर रग्घू - काशीनाथ सिंहक हिन्दी उपन्यासक विनीत उत्पल द्वारा मैथिली अनुवाद

[illegible]- लेखक हरिशंकरश्रीवास्तव "शलभ" (हिन्दीसँ मैथिली अनुवाद विनीत उत्पल द्वारा)

मोहनदास- उदय प्रकाशक हिन्दी उपन्यासक विनीत उत्पल द्वारा मैथिली अनुवाद

मोहनदास (मैथिली-देवनागरी) मोहनदास (मैथिली-मिथिलाक्षर) मोहनदास (मैथिली-ब्रेल)

जगदानन्द झा "मनु" (सौजन्य- जगदानन्द झा "मनु")

नदिया गुमैत रहल घनाढीयन (गजल संग्रह)

गामक काकक रंग (विहनि कथा संग्रह)

बानरा- (बाल उपन्यास)

व्यथा- (कविता-गीत संग्रह)

राजदेव मण्डल

अम्बरा-कविता-संग्रह

हमर टोल (उपन्यास)

वसुंधरा(कविता संग्रह)

जाल (पटकथा)

लाज (एकांकी)

जल रंजन (उपन्यास)

त्रिवणीक रंग (विहनि आ लघु कथा संग्रह)

पंचैती (लघु पटकथा)

रायसी

Rajdeo Mandal- Maithili Writer by Gajendra Thakur

दुर्गानन्द मण्डल

संचयिका

कथा कुसुम (विहनि आ लघु कथा संग्रह)

चक्र

राम विलास साहु

अंकुर- लघुकथा संग्रह

रथक चक्का उलटि चलै बाट (कविता/ टनका संग्रह)

कर्म विनु जग सून्ना (शासन कविता/ टनका संग्रह)

झूलक खिचड़ी (विहनि/ लघु कथा संग्रह)

दुखबचनी (लघु कथा संग्रह)

मनक मैल

नारायण यादव (सौजन्य- उमेश मण्डल)

खाली घर

रामदेव प्रसाद मण्डल "झारूदार"

हमरा बिनु जगत सूना छै

गीतांजलि झारू

कपिलेश्वर राउत

उलहन (विहनि - लघु कथा संग्रह)

नंद विलास राय

सखारी-पटारी(लघुकथा संग्रह)

मदन एमन (पासन लघु कथा संग्रह)

मनोजादेक राज (गसन लघुकथा संग्रह)

रुनदुनिया

छोटकी ताला

हमर चानुधाम

ललन कुमार कामत (सौजन्य- उमेश मण्डल)

किछु विहनि आ लघुकथा

उमेश पासवान

वर्णित रस

बेचन ठाकुर

बेटीक अपमान आ छीनरदेवी (नाटक)

बाप भेल पित्ती आ अधिकार (नाटक)

बिसवासघात (नाटक)

ऊँच-नीच (नाटक)

रँट (नाटक)

डॉ. उमेश मण्डल

जगदीश प्रसाद मण्डलक काव्य संसार (अनुसन्धान विश्लेषण)

अयन्दन (संकलन-सम्पादन)

हनुवक सँ हसवक ध्वनि (संकलन-सम्पादन)

जाए न जाए कनि डाए जाए अनुरुती (संकलन-सम्पादन)

निर्विकल्प (संकलन-सम्पादन)

समस्या सँ समाधान धरि (संकलन-सम्पादन)

निश्छकी- कविता संग्रह

मिथिलाक संस्कार गीत, विध-व्यवहार गीत आ गीतनाद (संकलन)

मिथिलाक वनस्पति स्लाइड शो मिथिलाक जीव-जन्तु स्लाइड शो मिथिलाक जिनगी स्लाइड शो

Mithila_Painting-Modern_Art-Photos

सगर राति दीप जरय- इतिहास

सगर राति दीप जरय- आरती कुमारी हाउल

दूध-पानि हेनाक-हेनाक (कथा एवं पाण्डुलिपि जगदीश प्रसाद मण्डल)-(छाया एवं सम्पादन- उमेश मण्डल)

हिन्दुस्तानी मुसलमान औरो हिन्दुस्तानियत - मूल हिन्दी लेख- गीतेश शर्मा, मैथिली अनुवाद- उमेश मण्डल

उमेश मण्डल द्वारा मैथिली लेखकक रचना संसारसँ बीछल विचारक पाम्फलेटक पोथी

जगदीश प्रसाद मण्डल राजदेव मण्डल डॉ. शिव कुमार प्रसाद रामदेव प्रसाद मण्डल "झारूदार" राम विलास साहु नन्दविलास राय कपिलेश्वर राउत प्रीतम कुमार निषाद

मिथिलाक सभ जाति आ धर्मक संस्कार, लोकगीत आ व्यवहार गीत (सौजन्य: उमेश मंडल)

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 3

2 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43

....

जगदीश प्रसाद मण्डल

गामक जिनगी (लघुकथा संग्रह)

मिथिलाक बेटी (नाटक)

मौलाइल गाछक फूल (उपन्यास)

जिनगीक जीत (उपन्यास)

उत्थान-पतन (उपन्यास)

जीवन-मरण (उपन्यास)

जीवन-संघर्ष (उपन्यास)

तरेगन (बाल प्रेरक विहनि कथा संग्रह)

पंचवटी (एकांकी-संचयन)

अर्द्धांगिनी..सताजनी.. सुरेन्द्रा.. भाइक सिनेह इत्यादि (लघुकथा संग्रह)

कम्प्रोमाइज (नाटक)

झमेलिया बिआह (नाटक)

इन्द्रधनुषी अकास (पद्य संग्रह)

शंभुदास (तीनटा दीर्घ कथा मइटुग्गन, शंभुदास आ हाँसी)

गीतांजलि (गीत संग्रह)

राति-दिन (कविता संग्रह)

सतभैंया पोखरि (लघु कथा संग्रह)

तीन जे0 एगारहम माघ (गीत संग्रह)

बजन्ता-बुझन्ता (विहनि कथा संग्रह)

रत्नाकर डकैत (नाटक)

बड़की बहिन (उपन्यास)

भकमोड़ (लघुकथा संग्रह)

उलबा चाउर (लघुकथा संग्रह)

सरिता (कविता संग्रह)

सुखाएल पोखरिक जाइ0 (गीत संग्रह)

नै धाड़ैए (बाल उपन्यास)

स्वयंवर (नाटक)

पतझाड़ (लघु कथा संग्रह)

फलहार (लघु कथा संग्रह)

गामक शकल सूरत (लघु कथा संग्रह)

लजबिजी (लघु कथा संग्रह)

बटसन काका (लघु कथा संग्रह)

आमक गाछी

अप्पन गाम

दिवालीक दीप

पंचदेव सीरीज

पंचदेव-१ पंचदेव-२ पंचदेव-३ पंचदेव-४ पंचदेव-५ पंचदेव-६ पंचदेव-७ पंचदेव-८ पंचदेव-९ पंचदेव-१० पंचदेव-२० पंचदेव-३० पंचदेव-४० पंचदेव-५० पंचदेव-६० पंचदेव-७० पंचदेव-८० पंचदेव-९० पंचदेव-१००

दूध-पानि रुसाक-रुसाक (कथा एवं पाण्डुलिपि जगदीश प्रसाद मण्डल)- (छाया एवं सम्पादन- उमेश मण्डल)

जगदीश प्रसाद मण्डल जीक ६५ टा पोथीक नव संस्करण विदेहक २३३ (Videha_01_09_2017) सँ २५० (Videha_15_05_2018) धरिक अंकमे धारावाहिक प्रकाशन नीचाँक लिंकपर पढ़ू:-

VIDEHA_233	VIDEHA_234	VIDEHA_235	VIDEHA_236	VIDEHA_237	VIDEHA_238
VIDEHA_239	VIDEHA_240	VIDEHA_241	VIDEHA_242	VIDEHA_243	VIDEHA_244
VIDEHA_245	VIDEHA_246	VIDEHA_247	VIDEHA_248	VIDEHA_249	VIDEHA_250

पंगु (उपन्यास)- साहित्य अकादमी मूल पुरस्कार २०२१ सँ सम्मानित पोथी

पंगु (हिन्दी अनुवाद नारायण प्रसाद मण्डल)

डॉ. शशिधर कुमर

उठ न सकी पर बैठ छी हम (भाग १-२) (पृ. १०५४-१०९५)

खिस्सा अण्टार्कटिका कर (पृ. १०५४-१०९५)

बाल कविता (पृ. ९९३-१२१५)

बाल कविता (पृ. १००४-१११३)

सचित्र बाल कविता (पृ. १४१-८३४)

सचित्र बाल कविता (पृ. १४६८-१८५०)

....

गजेन्द्र ठाकुर

तेलुगु कथा आ उड़िया, तेलुगु, गुजराती, राजस्थानी आ कश्मीरी कविता

तेलुगु कथा आ उड़िया, तेलुगु, गुजराती, राजस्थानी आ कश्मीरी कविता (मिथिलाक्षर)

मैथिली समीक्षाशास्त्र

मैथिली समीक्षाशास्त्र (तिरहुता)

मैथिली समीक्षाशास्त्र (भाग-२, अनुप्रयोग)

मैथिली प्रतियोगिता

प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना भाग-१

प्रवन्ध-निवन्ध-समालावना राग दु (कुनूऊग्म अन्कर्मनक-२)

प्रवन्ध-निवन्ध-समालावना (राग-२, कुनूऊग्म् अन्कर्मनक खण्ड-८) (सञिप्त)

निग नवल दिनश कूमान मिश्र

निग नवल दिनश कूमान मिश्र (मिथिलाऊन)

निग नवल दिनश कूमान मिश्र (कैथी)

निग नवल दिनश कूमान मिश्र (नवाठी)

निग नवल दिनश कूमान मिश्र (IPA)

दूषध यज्ञी- The Black Book

दूषध यज्ञी- The Black Book (मिथिलाऊन)

यर्वग ऊयन रमना ज सूगल (वीहनि, लघू आ दीर्घ कथा संग्रह)

यर्वग ऊयन रमना ज सूगल (मिथिलाऊन)

यर्वग ऊयन रमना ज सूगल (कैथी)

यर्वग ऊयन रमना ज सूगल (नवाठी)

यर्वग ऊयन रमना ज सूगल (IPA)

The_Science_of_Words

Rajdeo Mandal- Maithili Writer (Now with Supplement I & II)

निग नवल सूराष वन्द्र यादव

निग नवल सूराष वन्द्र यादव (मिथिलाऊन)

जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा वायाग्राफी

गंगा व्रिज (नाटक)

उल्कामूख (नाटक)

संकर्षध (नाटक)

धांगि वाट वनवाक दाम अगुवान यन छैं (नुवाऽ्ऽ, कगा आ गजल संग्रह)

सहस्रजिग् (यद्य संग्रह)

सहस्राब्दीक चौयऽयन (यद्य संग्रह)

त्वञ्चाहञ्च आ असञ्जाति मन (दुटा गीग प्रवन्ध)

सहस्रवाढनि (उयन्यास)

सहस्रवाढनि_व्रल-मैथिली (मैथिलीक यहिल व्रल याथी)

सहस्रशीर्षा (उयन्यास)

गल्प-गुच्छ (विहनि आ लघू कथा संग्रह)

शब्दशास्त्रम् (लघुकथा संग्रह)

वाल मण्डली/ किशान जगग (वाल नाटक, लघुकथा, कविगा आदि)

कुनूऊग्म् अन्कर्मनक

दवनागनी वर्सन मिनहूगा वर्सन व्रल वर्सन

Learn Mithilakshar Script

Learn Braille through Mithilakshar Script

Learn International Phonetic Script through Mithilakshar Script

Learn Kaithi
Learn Newari
Learn Calligraphic Newari (Ranjana)
Learn Urdu Script
Learn Tibetan Script
Learn Japanese Script for Haiku
Learn Brahmi
Learn Kharoshthi
मिथिला नक्श/ मिथिला चित्रकला/ मिथिलाक पाबनि तिहार (कथा) आ मिथिलाक संगीत
जलोदीप (बाल-नाटक संग्रह)
अञ्जनमुष्टिका (बाल-लघुकथा संग्रह)
बाढ़क बढ़ौना (बाल-पद्य संग्रह)
नाराशंसी (गीत-प्रबन्ध)
मबजु (नाटक)

बाल साहित्य (मूल)- गजेन्द्र ठाकुर

रेड जाउब हू(मैथिलीक २०१२ मे प्रकाशित पहिल क्लाइमेट-फिक्शन प्ले- *Maithili's first climate-fiction play originally published in 2012)*
कमलाक रंगा
तनहनिम यनीलाक
बसी छुट्टी कम इसकूल
बउद कनैउ दाउन न यौ
बाल गजल
फिनिश लाइन

अनूदित साहित्य (आन भाषासँ)- गजेन्द्र ठाकुर

विदेह:सदेह २१ (गजेन्द्र ठाकुर आ नवि सुभाष पाठकक आन भाषासँ अनूदित गद्य आ पद्य- अंक १-३१० सँ)

बाल साहित्य (अनुवाद- द्विभाषिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजेन्द्र ठाकुर

मसाई कन पनिर्वनिकानी नवका
शेष ४० टा बाल चित्र-पोथी नीचाँक लिंकपर:-

सुनु	घन सर	एकटा नीक दिन	चलु हम गँ ठीक छी न!	की अहाँ उ चिडे सरकँ देखन छी?
टामु	बऊटा! कनि पटा!	एगड हम सर नहि छी	राजगाछक राजकुमारी	राजगाछक राजकुमारी (चिन् शब्दक)
तूया	कच-कच कचाक	तून्न-मुन्नक नहनाइ	नना ज वेलुनसँ उ नाइग छल	अद्भुत हिसाबी अंक-शृंखला
हानु	अखन नै, अ खन नै!	जन्मदिनक उत्स व राज	माट नाजा पागन-दुबउ कुकुउ	बचिया ज अपन हँसी नै ना कि सकौ छलि

अंग्रेजी	हम सुघि सकै छी	छाट लाल-टुहटुह तनी	कनु नीक, रागु नी क	ई सब्टा विलाेमक दाख अछि!
वारा आ म!	हमन टालक वाट	जखन ईक ठु स्कूल गेल	माछी हन आउ टा टा!	अमावीक झलुम मशीन सद
टिंग टांग	याउ-स्याउ-नाद	कुकुरक एकटा दिन	हमना नीक लगैए	नीपाक नव-स्कूलम यहिल दिन
कनी हँसि यौ न!	लाल वनसाती	हम-ग्रामक नाश्यशाला	आउ यएन गानी	काेs अछि ई अंक ग?

विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग नीत-अलाउड ऑडियो बुक

https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF (मसाई कन यनिर्वनिकानी नवका)

https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgiT (वलु हम गँ ठीक छी न!)

https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo (एकटा नीक दिन)

https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp (घन सद)

https://bloomlibrary.org/player/dAzCOFubt7 (की अहाँ ओ विउ सरकँ दखन छी?)

NTA-UGC/ UPSC/ BPSC Maithili Optional- गाइड ऑनलाइन

मैथिली समीक्षाशास्त्र

मैथिली समीक्षाशास्त्र (तिनर्धा)

मैथिली समीक्षाशास्त्र (भाग-२, अनुप्रयाग)

मैथिली प्रतियाेगिता

[Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) भारोपीय भाषा परिवार मध्य मैथिलीक स्थान/ मैथिली भाषाक उद्भव आ विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ठ, मैथिली)]

(Criticism- Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)

(ज्योतिरीश्वर, विद्यापति आ गोविन्ददास सिलवसम छथि आ नसमय कवि वपुन वपुनपुत्र विद्यापति कालीन कवि छथि। एयय समीक्षा शृंखलाक प्रारम्भ कनवासँ पूर्व वानु गाेटक शब्दावली नव शब्दक पर्याय संग देल जा नहल अछि। नव आ पुनान शब्दावलीक स्थानसँ ज्योतिरीश्वर, विद्यापति आ गोविन्ददासक प्रश्नोत्तनम धान आउत, संगहि शब्दकाेष वएलासँ खाँटी मैथिलीम प्रश्नोत्तन लिखवाम धाख आम्ब-आम्ब खगम हायत, लखनीम प्रवाह आयत आ सुभ्रा रानक अभिव्यक्ति भय सकत।)

(वद्रीनाथ मा शब्दावली आ मिथिलाक कृषि-मत्स्य शब्दावली)

(वैल्यु एडीशन- प्रथम यत्र- लाेकिक गाथाम समाज आ संस्कृति)

(वैल्यु एडीशन- द्वितीय यत्र- विद्यापति)

(वैल्यु एडीशन- द्वितीय यत्र- यद्य समीक्षा- वानगी)

(वैल्यु एडीशन- प्रथम यत्र- लाेक गाथा नृत्य नाटक संगीत)

(वैल्यु एडीशन- द्वितीय यत्र- यात्री)

(ब्लू एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली रामायण)
(ब्लू एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली उपन्यास)
(ब्लू एडीशन- प्रथम पत्र- शब्द विधान)
(तिरहुता लिपिक उद्भव आ विकास)
अनुलग्नक-१-२-३ अनुलग्नक- ४-५
(मैथिली आ आसन पूर्वीया भाषाक बीचक सम्बन्ध (बांग्ला, असमिया आ ओड़िया) [यू.पी.एस.सी. सिलेबस, पत्र-१, भाग-"ए", क्रम-५])
[मैथिली आ हिन्दी/ बांग्ला/ राजस्थानी/ मगही/ संथाली- बिहार लोक सेवा आयोग (बी.पी.एस.सी.) केर सिविल सेवा परीक्षाक मैथिली (ऐच्छिक) विषय लेल]
NTA_UGC_NET_Maithili_01- गजेन्द्र ठाकुर
NTA_UGC_NET_Maithili_02- गजेन्द्र ठाकुर
Test_Series-1- गजेन्द्र ठाकुर
Test_Series-2- गजेन्द्र ठाकुर
GS (Pre)
Topic 1 - गजेन्द्र ठाकुर
गजेन्द्र ठाकुर (सम्पादन)

विदेह-सदेह १-२५ www.videha.co.in *विदेह ई-पत्रिकाक अंक १-३५० सँ मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ गद्य आ पद्यक एकटा समानान्तर संकलन*	
देवनागरी	**मिथिलाक्षर**
विदेह:सदेह १	विदेह: सदेह १ तिरहुता
विदेह:सदेह २ मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना	विदेह: सदेह २ तिरहुता
विदेह:सदेह ३ मैथिली पद्य	विदेह: सदेह ३ तिरहुता
विदेह:सदेह ४ मैथिली कथा	विदेह: सदेह ४ तिरहुता
विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ५]	विदेह: सदेह ५ तिरहुता
विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ५]-संस्करण-२	विदेह: सदेह ५ संस्करण-२ तिरहुता
विदेह मैथिली लघुकथा [विदेह सदेह ६]	विदेह: सदेह ६ तिरहुता
विदेह मैथिली पद्य [विदेह सदेह ७]	विदेह: सदेह ७ तिरहुता
विदेह मैथिली नाट्य उत्सव [विदेह	विदेह: सदेह ८ तिरहुता

सदेह ८]	
विदेह मैथिली शिशु उत्सव [विदेह सदेह ९]	विदेह: सदेह ९ तिरहुता
विदेह मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना [विदेह सदेह १०]	विदेह: सदेह १० तिरहुता
विदेह:सदेह ११	विदेह: सदेह ११ तिरहुता
विदेह:सदेह १२	विदेह: सदेह १२ तिरहुता
विदेह:सदेह १३	विदेह: सदेह १३ तिरहुता
विदेह:सदेह १४	विदेह: सदेह १४ तिरहुता
विदेह:सदेह १५	विदेह: सदेह १५ तिरहुता
विदेह:सदेह १६	विदेह: सदेह १६ तिरहुता
विदेह:सदेह १७	विदेह: सदेह १७ तिरहुता
विदेह:सदेह १८	विदेह: सदेह १८ तिरहुता
विदेह:सदेह १९	विदेह: सदेह १९ तिरहुता
विदेह:सदेह २०	विदेह: सदेह २० तिरहुता
विदेह:सदेह २१	विदेह: सदेह २१ तिरहुता
विदेह:सदेह २२	विदेह: सदेह २२ तिरहुता
विदेह:सदेह २३	विदेह: सदेह २३ तिरहुता
विदेह:सदेह २४	विदेह: सदेह २४ तिरहुता
विदेह:सदेह २५	विदेह: सदेह २५ तिरहुता
विदेह-सदेह २६-३६ www.videha.co.in *विदेह ई-पत्रिकाक अंक १-३५० सँ- थीम आधारित मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ मूल आ अनूदित गद्य आ पद्यक एकटा समानान्तर संकलन*	
विदेह:सदेह २६ (डॉ शम्भु कुमार सिंह आ डॉ अनुप कुमार सिंह अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २६ तिरहुता
विदेह:सदेह २७ (गजेन्द्र ठाकुर आ नवि रुषन्न पाठकक आन भाषासँ अनूदित गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २७ तिरहुता
विदेह:सदेह २८ (अनूदित गद्य आ पद्य- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २८ तिरहुता

विदेह:सदेह २९ (रवि भूषण पाठक आ डॉ. कैलाश कुमार मिश्र- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह २९ तिरहुता
विदेह:सदेह ३० (स्कूल-कॉलेजक विद्यार्थी लेल- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३० तिरहुता
विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३१ तिरहुता
विदेह:सदेह ३२ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-१- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३२ तिरहुता
विदेह:सदेह ३३ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-२- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३३ तिरहुता
विदेह:सदेह ३४ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-३- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३४ तिरहुता
विदेह:सदेह ३५ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-४- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३५ तिरहुता
विदेह:सदेह ३६ (रचनात्मक गद्य-पद्य लेखन भाग-५- अंक १-३५० सँ)	विदेह: सदेह ३६ तिरहुता

....

यू.पी.एस.सी. आ आन प्रतियोगिता परीक्षा लेल देखू:

विदेह:सदेह ११	विदेह:सदेह २१	विदेह:सदेह २३	विदेह:सदेह २६	विदेह:सदेह २९
विदेह:सदेह ३०	विदेह:सदेह ३२	विदेह:सदेह ३३	विदेह:सदेह ३४	विदेह:सदेह ३५

....

Videha-Sadeha

भाषापाक -विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

विदेह पुरान अंकक आर्काइव

Videha 1-50

Videha 51-100

Videha 101-149

Videha 150-250

Videha_251-Onwards
Audio_Archive_Folder
Mithila_Painting-Modern_Art-Photos
Videha_Old_Issues_Folder
Videha_Classical_Sites_Folder

पञ्जी (११००० मूल मिथिलाक्षर पाण्डुलिपि ११ टा पी.डी.एफ. फाइलमे)

दूषण पञ्जी

मोदानन्द झा शाखा पञ्जी

संतान- सन्तति कथ्य-प्राचीन

प्राचीन पञ्जी (लमीनेट कएल)

उतेढ़ पञ्जी

पनिचोभ बीनपुर

दरभंगा राज आदेश उतेढ़ आदि

छोटी झा पुस्तक निर्देशिका

पत्र पञ्जी

मूलग्राम पञ्जी

मूलग्राम परगना हिसाब पञ्जी

मूल पञ्जी-२

मूल पञ्जी-३

मूल पञ्जी-४

मूल पञ्जी-५

मूल पञ्जी-६

मूल पञ्जी-७

....

गजेन्द्र ठाकुर आ आशीष अनचिन्हार (सम्पादन)

मैथिलीक प्रतिनिधि गजल

मैथिली गजल: आगमन ओ प्रस्थान बिंदु (गजलक आलोचना-समालोचना-समीक्षा)

....

गजेन्द्र ठाकुर, नागेन्द्र कुमार झा आ पञ्जीकार विद्यानन्द झा (सम्पादन)

जीनोम मैपिंग (४५० ए.डी.सँ २००९ ए.डी.)--मिथिलाक पञ्जी प्रबन्ध

जीनियालोजिकल मैपिंग (४५० ए.डी.सँ २००९ ए.डी.)--मिथिलाक पञ्जी प्रबन्ध -भाग-२

MAITHILI-ENGLISH DICTIONARIES

Maithili-English_Dictionary_Vol.I

Maithili-English_Dictionary_Vol.II

ENGLISH-MAITHILI DICTIONARIES
Videha_English_Maithili_Dictionary
English-Maithili_Computer_Dictionary

....

दिनेश कुमार मिश्र (सौजन्य दिनेश कुमार मिश्र)

बन्दिनी महानन्दा

बागमती की सद्गति!

दुइ पाटन के बीच में.. (कोसी नदी की कहानी)

न घाट न घर

बगावत पर मजबूर मिथिला की कमला नदी

भुतही नदी और तकनीकी झाड़-फूँक

The Kamla River and People On Collision Course

Bhutahi Balan- Story of a ghost river and engineering witchcraft

Refugees of the Kosi Embankments

....

पत्रिका-जर्नल-स्मारिका

मैथिली कविता-त्रैमासिक (सौजन्य- नचिकेता)

मैथिली कविता-त्रैमासिक (अप्रैल १९६९)

मैथिली कविता-त्रैमासिक (जुलाई १९६९)

कौशिकी (सौजन्य- पञ्जीकार विद्यानन्द झा)

कौशिकी (१९७१-७२)

दलित वयना (अखबार) (सौजन्य- रामलावन ठाकुर)

दलित वयना (अखबार)

Society Today (सौजन्य- सुमित आनन्द)

अंक ११

अंतिका (सौजन्य- गौरीनाथ)

जुलाई-सितम्बर २००८ (हरिमोहन झा विशेषांक) अक्टूबर २०१०सँ मार्च २०११ अक्टूबर २०११ सँ मार्च २०१२

मिथिलांगन (सौजन्य मुकेश दत्त)

अप्रैल-सितम्बर २०२२

मैलोरंग (सौजन्य- प्रकाश झा)

अंक२-३

धुआ-धजा (सौजन्य- परमेश्वर कापड़ि)

अंक ७ अंक १४ अंक १७ अंक १६ अंक १८ अंक १० जून २०१२ अंक २४ जून २०१२ 23February2016 २७ जुलाई २०१२ ०७ अगस्त २०१२ आसिन २०१३

स्मारिका (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि भ्रमर)

स्मारिका (२०१०)

आंगन (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि भ्रमर)

आंगन अंक-४ (२०१२)

गामघर (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि "भ्रमर")

गामघर-३०-०८-२०१८

गामघर-०४-१०-२०१८

गामघर-१६-०७-२०१९

गामघर-२१-०६-२०१९

आँजुर (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि भ्रमर)

आँजुर (अंक वर्ष ३६, अंक ३)

दुखमोचन- (नेपाली आ मैथिलीमे) (सौजन्य- सुजीत कुमार झा)

अंक ३१ अंक ३२ अंक ३३ अंक ३४ अंक 35 अंक 36 अंक 37 अंक 38 अंक 39 अंक 40 अंक 41

घर-बाहर (सौजन्य- चेतना समिति)

अप्रैल-जून २०११

नवना (सौजन्य- सुभाष चन्द्र यादव)

दिसम्बर "०७ मार्च "०६राजकमल चौधरी: मानाग्रह

पल्लव (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

पल्लव- १ गजल अंक

पूर्वोत्तर मैथिल (सौजन्य- प्रेमकान्त चौधरी)

अप्रैल-जून 2010 जुलाई-सितम्बर 2010 जनवरी सँ मार्च 2011 अप्रैल-जून २०११ जुलाई-सितम्बर २०११

लालदास स्मरणांजलि स्मारिका २०२२ (सौजन्य डॉ संजीव शमा)

....

किछु मैथिली पोथी डाउनलोड साइट (डायल सार्स)

Sahitya Akademi

प्रकाशन

डिजिटल-पोथी

CIIL

अखियासल (रमानन्द झा रमण)

कुआयल कनकनी- महेन्द्र

प्रबन्ध संग्रह- रमानाथ झा (बी.पी.एस.सी. सिलेबस)

सृजन कल दीप पर्व- सं केदार कानन आ अनिरुद्ध ठाकुर

मैथिली गद्य संग्रह- सं शैलेन्द्र मोहन झा

Archive.Org (विजयदेव झा)

Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Video Archive

IGNCA

Maithili English Dictionary

विज्ञान रत्नाकर

मिथिला दर्शन

गीनगुञ्जि

OLE Nepal's e-Pustakalaya

पोथीक लिंक

IGNCA-ASI (search keyword Mithila)

History of Navya-Nyaya in Mithila
Studies in Jainism and Buddism in Mithila
Mithila in the Age of Vidyapati
Cultural Heritage of Mithila
Mithila under the Karnatas

Temple Survey Project ASI- English आ Hindi

मैथिली साहित्य संस्थान

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली

अनियन स्टाउडेशन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली ▯तिभा वृक्ष

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books

पोथी डॉट कॉम

I Love Mithila (पोथी डाउनलोड लिंक)

online maithili journal
owner I Love Mithila

ध्यान मैथिल चैनल- किसलय चौधरी आ संगीता आनन्द- मैथिलीक सरसँ लोकप्रिय यू ट्यूब चैनल

मिथिला चैनल

खिस्सा-पिहानी नेना भुटका लेल

जानकी एफ.एम समाचार

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्यूब चैनल

....

JNU

मैथिली

मैथिली लेक्सिकन

....

Videha e-Learning YouTube Channel

....

विदेह सम्मान: **सम्मान-सूची** (समानान्तर साहित्य अकादमी, समानान्तर ललित कला अकादमी आ समानान्तर संगीत-नाटक अकादमी सम्मान/ पुरस्कार नामसँ विख्यात)

....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

_भाषापाक_

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रेरित बुझाइत अछि, से एकर एकटा एक उदाहरणमे उनटा-पुनटा दियौ, ताहि धरि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो ई पर्याप्त अछि, से जे विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आन शास्त्र-नीतिक शासन-उदाहरण करथि।

IGNOU इग्नू _BMAF-001_

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

४.३.मैथिली वीडियोक संकलन Maithili Videos

वि दे ह विदेह Videha বিদেহ http://www.videha.co.in विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

"Videha" Ist Maithili Fortnightly ejournal Archive of Videos 'विदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका वीडियो आर्काइव मैथिली वीडियोक संकलन (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडेमिक प्रयोग लेल) वीडियो देखबाक लेल सम्बन्धित लिंककेँ क्लिक करू। For viewing videos click the respective links.

....

मिथिलाक सन्त जाति आ धर्मक संस्थान, लोकगीत आ भगवान गीत (सौजन्य: उमेश मंडल)

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43

....

गुवाहाटी विद्यापति पर्व २०१०

पहिल भाग दोसर भाग तेसर भाग चारिम भाग पाँचम भाग

गुवाहाटी अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन आ विद्यापति पर्व २०११

01 02 03 04 05 06 07 08 09 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46

....

चौबटिया (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

चौबटिया

सौराष्ट्र मिथिला

ललका पाग भाग-१

ललका पाग भाग-२

....

मिनाप-१

बुधियान छौंडा आ नाऊस

मिनाप-२

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४

....

श्याम मैथिल चैनल- किरण चौधरी आ संगीता आनन्द- मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय यू ट्यूब चैनल

मिथिला चेतन

खिस्सा-पिहानी नेना भुटका लेल

ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली

अनियन फाउण्डेशन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली □तिया वृक्ष

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books

https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF (मसाञ्जी कान यनितर्णनिकानी नवका)
https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgiT (वलु रुम गँ ठीक छी न!)
https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo (एकटा नीक दिन)
https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp (घन सर)
https://bloomlibrary.org/player/dAzCOFubt7 (की अहाँ ओ चिउ सरकँ दखन छी?)

जानकी एफ.एम समाचान

ममता गावय गीत (सौजन्य- श्री कदानननाथ चौधनी)

गीत

आकाशवाणी दनरंगा यु ट्युव चैनल

I Love Mithila

online maithili journal

owner I Love Mithila

....

वृखश वह्म लाल, जनकयूनक सौजन्यसँ

मिमिया

ढाल-पियरी

यवनकान्त मा (काश्यय कमल), रुटसिमनि, मधुवनीक सौजन्यसँ

नसनचौकी

....

निश्चायणि गीत

गुलिका

गीत-गोविन्ददास (गायन दीआ रानगी)

गोविन्ददास-१

गोविन्ददास-२

गोविन्ददास-३

गोविन्ददास-४

गोविन्ददास-५

गोविन्ददास-६

....

मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर, गायन दीपा भारती)

वरुण मृणालिनी

गजल-२

गजल-३

गजल-४

....

७१म सगर राति दीप जरय (०२ अक्टूबर २०१०), ग्राम बनमा, जिला मधुबनी (संयोजक- जगदीश प्रसाद मंडल)

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५ भाग-६

82 म सगर राति दीप जरय, स्थान- गजेन्द्र ठाकुर जीक निज आवास, ग्राम- मेंहथ, जिला- मधुबनी। दिनांक- 31 मई 2014 (शनि दिन), समय- संध्या छह बजेसँ। गोष्ठीक नाओं- कथा बौद्ध सिद्ध मेंहथया सगर राति दीप जरय। आयोजनक क्रम- ८२ म आयोजन, संयोजक- गजेन्द्र ठाकुर। विशेषता- बाल साहित्यपर केन्द्रित।

....

मैलोरंग-१ (सौजन्य- प्रकाश झा)

नचिकेताक एक छल राजा - भाग-1

नचिकेताक एक छल राजा - भाग- 2

काठक लोक- महेन्द्र मलंगिया भाग-1

काठक लोक- महेन्द्र मलंगिया भाग-2

मैलोरंग-२

कोसी सम्मेलन 12 सितम्बर 2008 भाग-१

काशी सेमिनार 12 सितम्बर 2008 भाग-२

....

मिथिलांगन

विदेह मैथिली नाट्य उत्सव

यू ट्यूब लिंक

विदेह मैथिली साहित्य/ नाट्य/ कविता/ परिचर्चा उत्सव

विदेह समानान्तर साहित्य अकादमी सम्मान समारोह

जनकपुर- विद्यापति पर्व

जितेन्द्र झा, जनकपुर

नामरेड्ड

सामा चकेवा 1

सामा चकेवा 2

मैथिली कवि सम्मेलन (मिथिला कल्चरल फाउन्डेशन, यू.के.)

नियल्लिक उ 2009 (रानग)

सगर राति दीप जरय, कविलपुर, जून २०१०

भाग-१ भाग-२

कृष्ण कुमार कश्यपसँ गजेन्द्र ठाकुर द्वारा लेल साक्षात्कार

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७

प्रबोध सम्मान: राजमोहन झा

(साहित्यकारकेँ बीचमे ल' जाउ, अदहाक बाद राजमोहन झासँ विनीत उत्पलक साक्षात्कार छैक।)

साहित्य अकादमी पुरस्कार: मन्त्रेश्वर झा

मिथिलाक खोज

1. गौरीशंकर

भाग-१ भाग-२

2. वाऽसी-वसैटी

वर्षकृत्य

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८ भाग-९ भाग-१०

समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबीटाट सेन्टर भारतीय भाषा महोत्सव

Samanvay 2-4 November 2012 IHC Indian Languages' Festival. Venue: India Habitat Centre, Lodhi Road, New Delhi -- 110 003.

3rd November 2012 Maithili- Love's Own Language/ Brahminism in Maithili/ Pre-Jyotirishwar Non-Brahmin Vidyapati

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८ भाग-९ भाग-१०

भाग-११ भाग-१२

2nd November 2012 Ugna Re- By Shovna Narayan (Pre-Jyotirishwar Non Brahmin Vidyapati's Life Episode)

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८

१७म सगर राति दीप जरय मे मुन्नाजीक चर्चित विहनि कथा आधारित प्रदर्शनी

मिथिलाक नृत्य- (रसन चौधरीक स्वरक संग)

हृदयनारायण झा

भाग-१ भाग-२ भाग-३

रंजन चौधरी आ हरी मिश्र (तबला)

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८ भाग-९

ललित नंद आ हरी मिश्र (तबला)

भाग-१ भाग-२ भाग-३

दीपा भारती

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४

सुषमा

बटगमनी

नन्द कुमार मिश्रक गजल पाठ

नन्द कुमार मिश्र जीक कविता पाठ

भाग-१ भाग-२

मैथिली- भोजपुरी अकादमी, नई दिल्ली

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

मैथिली- भोजपुरी अकादमी, नई दिल्ली सेमीनार 29 मार्च 2009

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८ भाग-९

मैथिली- भोजपुरी अकादमी, द्वारका, नई दिल्ली सेमीनार

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६

....

विदेह सम्मान: **सम्मान-सूची** (समानान्तर साहित्य अकादमी, समानान्तर ललित कला अकादमी आ समानान्तर संगीत-नाटक अकादमी सम्मान/ पुरस्कार नामसँ विख्यात)

....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी ई BMAF001 सँ प्रभावित बुझाइत अछि, से एकर एकटा एक उदाहरणमे उनटा-पुनटा दियौ, ताबे ध्वनि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो ई पर्याप्त अछि, से जे विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आन भाषा-नीतिंग शासन-उदाहरण करथि|

IGNOU सँ **BMAF-001**

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

४.४.मैथिली शिशु, बाल आ किशोर साहित्य Maithili Children Literature

वि दे ह विदेह Videha বিদেহ http://www.videha.co.in विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

Search Books powered by Google

Search above & below within more than 350 old issues of Videha eJournal विदेह मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् www.videha.co.in

https://books.google.com/

Videha Archive of Maithili Children Literature विदेह मैथिली शिशु, बाल आ किशोर साहित्यक आर्काइव (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र शैक्षणिक प्रयोग लेल) सभ पोथी पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंक सभपर उपलब्ध अछि। All the books are available for pdf download at the respective links below

....

विदेह मैथिली शिशु उत्सव

कथा वीर सिंह महथा (बाल साहित्य कथित) संइथम भेल ८२ म सगर राति दीप जरय पठित कथा सभक संकलन

कथा वीर सिंह महथा

नेना भुटकाकेँ राति सुनबा लेल किछु लोककथा

भोला लाल दास (आर्काइव डॉट कॉम)

मैथिली सुबोध व्याकरण

डॉ. रमानन्द झा 'रमण' (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

बाघ आ टाकाक गाछ (अनुवाद)

योगेन्द्र पाठक "वियोगी" (सौजन्य- योगेन्द्र पाठक "वियोगी")

विज्ञानक बातकही

विज्ञानक बातकही भाग-२

नरक विजय (सम्पूर्ण)

नरक विजय (संशोधित)

हमर गाम (बाल उपन्यास)

पिरामिडक देश

रोबोट (अनुदित साइन्स-फिक्शन नाटक)

रामलोचन ठाकुर (सौजन्य- रामलोचन ठाकुर)

मैथिली लोककथा

कीर्तिनाथ झा (सौजन्य- कीर्तिनाथ झा)

कुरल: मैथिली भावानुवाद

जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" (सौजन्य- जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल")

बाल कविता

मुन्नाजी

तीन टा बाल नाटक (मैथिली बाल साहित्य)

खुरलुच्ची (मैथिली बाल कविता- बाल साहित्य)

दनांशु वम

नताशा -मैथिली बाल चित्रशृंखला (कॉमिक्स)

जगदानन्द झा "मनु" (सौजन्य- जगदानन्द झा "मनु")

चानन (बाल उपन्यास)

जगदीश प्रसाद मण्डल

तरेगन (बाल प्रेरक विहनि कथा संग्रह)

नै धाड़ैछ (बाल उपन्यास)

नन्द कुमार मिश्र 'नन्द' (सौजन्य- नन्द कुमार मिश्र 'नन्द')

स्वर्ण कमल (बाल उपन्यास)

बृषेश चन्द्र लाल (सौजन्य- बृषेश चन्द्र लाल)

ढोलक (बाल कविता संग्रह)

सुजीत कुमार झा (सौजन्य- सुजीत कुमार झा)

काठुली घुरि आउ (बाल लघु-विहनि कथा संग्रह)

डॉ. शशिधर कुमर

उठि न सकी पर बिउ छी हम (भाग १-२) (पृ. १०५४-१०९५)

खिस्सा अण्टार्कटिका केर (पृ. १०५४-१०९५)

बाल कविता (पृ. ९९३-१२१५)

बाल कविता (पृ. १००४-११७३)

सचित्र बाल कविता (पृ. ७४७-८३४)

सचित्र बाल कविता (पृ. १४६८-१८५१)

डॉ शशिधर कुमर आ सुप्रिया देवी कुमारी

भूकम्प (पृ. ६३८-६७४)

कनकमणि दीक्षित (मूल नेपालीसँ मैथिली अनुवाद रूपा धीरू आ धीरेन्द्र प्रेमर्षि, बाल साहित्य) (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

भगता बढक दश-भ्रमण

अणिमा सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

शिशु गीत खल

कल्पना झा (सौजन्य- कल्पना झा)

नशामुक्ति हेतु गाबी गीत

निनियाँ

मुन्नी कामत (सौजन्य- मुन्नी कामत)

चुक्का (बाल कथा संग्रह)

प्रीति ठाकुर

गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा -पहिल मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मिथिलाक लोकदेवता (बाल साहित्य)

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा (बाल साहित्य)

जस (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

७ वी सी डी- प्रकृति अऊन याथी (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

सए खाख्ला अछि (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

वा श्याउ वाह (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

नळ सए (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

(०६) छाट आ येघ (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

(०१) माल-जाल आ जानवन दिस दखू (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

(११) हमन यनिवान (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

जानवन (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

याथी १३: १...२...३... (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

वाजाक अवाज (अनुवाद- वाल चित्रकथा)

नीतू कुमारी

मैथिली चित्रकथा (वाल साहित्य)

नीता झा (सौजन्य- नीता झा)

बिलाड़ि मौसी (वाल लघुकथा संग्रह)

किनक्ष चौधनी (अनुदित सचित्र मैथिली वाल कथा)

यिसी संग हम

हमन वाल-वाडी

आर्या कॉकयिट म

दीया कनमाकन- सही संतुलन म

जंगल म अहाँक स्वागत अछि

फूल छथि आकाश म

रैया क मुस्कान क चानौलक

वीज संचयक

अवंतिक कनय "हिवानावी"

शौचालयक खिस्सा

लाल वनसाती

गुल्लीक जादुई यटी

समीनाक विकट रजन

विनाह म जाड्ढी छी

प्रियंका झा (अनुदित सचित्र मैथिली वाल कथा)

हमन माँछ! नै हमन माँछ!

नश्मि प्रिया (अनुदित सचित्र मैथिली वाल कथा)

कोना सकै छी, नहिया कऽ सकै छी

सुनीता ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

बच्ची आ बबली

नीलिमा चौधरी (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर सबसँ नीक संगी

स्नाक्षिका ठाकुर (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

गप्पू बुच्चा नाचल नै सकै छै

तूलिका (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमरा ई चाही!

मधूलिका मिश्र (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

डांगानन रीमा

लक्ष्मी ठाकुर

जानवर सब संग ऊँट-घाँट

पूनम मण्डल

सूर्य कालक खिस्सा

गजेन्द्र ठाकुर
बाल साहित्य (मूल)- गजेन्द्र ठाकुर
बाल मण्डली/ किशोर जगत (बाल नाटक, लघुकथा, कविता आदि)
Learn Mithilakshar Script
जलोदीप (बाल-नाटक संग्रह)
अक्षरमुष्टिका (बाल-लघुकथा संग्रह)
बाङक बङौरा (बाल-पद्य संग्रह)

ए ऽ जाजव ह्र(*मैथिलीक २०१२ म प्रकाशित पहिल क्लाइमेट-फिक्शन ड्रा- Maithili's first climate-fiction play originally published in 2012)*

कमलाक रंगता

गनहनिम यनीलाक

वसी छुट्टी कम ऽऽसकूल

वउद कनैउ दाउन न यौ

वाल गजल

हिनिश लाऽऽन

वाल साहित्य (अनूवाद- द्विरागिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजड्ढ Oकून

मसाऽऽी कन यनिर्णनिकानी नवका

सुनू

घन सरए

उकटा नीक दिन

चलू हम गँ Oीक छी न!

की अहाँ उ चिउ सरकँ दखन छी?

टासु

वOीटा! कनियटा!

उगऽ हम सरए नहे छी

रानगाल्लक नाजकूमानी

रानगाल्लक नाजकूमानी (विनू शब्दक)

वूया

कव-कव कवाक

चुन्नु-मुन्नुक नहनाऽऽ

नना ज वेलूनसँ उनाऽऽग छल

अङ्कुर शिवानीक अंक-शृंखला

हानू

अखन नै, अखन नै!

जन्मदिनक उत्सव आज

सात बाजा बाजत-ढब्बर कुकुर

बचिया जे अपन हँसी नै रोकि सकैत छलि

अंग्रेजी

हम सूँघि सकै छी

छोट लाल-टुहटुह जनी

कनु नीक, रागु नीक

ई सरटा विलाटिक दाख अछि!

बारा आम!

हमर टालक बाट

जखन हुकउ स्कूल गेल

माछी हन आउ टाटा!

अमाचीक झलुम मशीन सर

टिंग टांग

याउ-म्याऊ-नाह

कुकुरक एकटा दिन

हमरा नीक लगैए

नीनाक नव-स्कूलमे पहिल दिन

कनी हँसियौ ने!

लाल वनसाती

ट्रुप-ब्राउनक नाट्यशाला

आठ पएर वाली

कतऽ अछि हमर अंक ७?

विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग रीड-अलाउड पिक्चर बुक

https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF (मसाला कोन प्रतियोगिताकारी?)
https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgiT (बलु हम तँ ठीक छी ने!)
https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo (एकटा नीक दिन)
https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp (घर सर)
https://bloomlibrary.org/player/dAzCOFubt7 (की अहाँ ओ विडिओ सरकैँ देखने छी?)
गजेन्द्र ठाकुर (सम्पादन)

विदेह मैथिली शिशु उत्सव [विदेह सदेह ६]

विदेह: सदेह ६ निमन्त्रण

गजेन्द्र ठाकुर, नागेन्द्र कुमार झा आ पञ्जीकार विद्यानन्द झा (सम्पादन)
English-Maithili Computer Dictionary
डॉ. ललिता झा (सौजन्य- ललिता झा)
मैथिलीक रोजन सम्बन्धी शब्दावली
गोविंद झा ((IGNCA Site आर्काइव)
Maithili-English Dictionary
रामदेव झा (सौजन्य- शंकरदेव झा)
मैथिली शब्द संचय
....
विदेह मैथिली पोथी डाउनलोड साइट (डायल सार्स)
Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Video Archive

विज्ञान नवाकन

OLE Nepal's e-Pustakalaya

याथीक लिंक

IGNCA-ASI (search keyword Mithila)

History of Navya-Nyaya in Mithila

Studies in Jainism and Buddism in Mithila

Mithila in the Age of Vidyapati

Cultural Heritage of Mithila

Mithila under the Karnatas

Temple Survey Project ASI- English आ Hindi

मैथिली साहित्य संस्थान

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली

ओनियन फाउन्डेशन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली □तिया वृक्ष

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books

याथी डॉट कॉम

खिस्सा-पिहानी नना जुटका लल

जानकी ७रू.७म समाचान

आकाशवाणी दनरंगा यू ट्यूब चैनल

....

विदह सम्मान: **सम्मान-सूची** (समानान्तन साहित्य अकादमी, समानान्तन ललित कला अकादमी आ समानान्तन संगीत-नाटक अकादमी सम्मान/ पुनस्कान नामसँ विख्यात)

....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदह मैथिली मानक राषा आ मैथिली राषा सम्पादन पाठ्यक्रम

रावापाक

२

मैथिलीक वर्तनीम पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र दखला उपन ७कन वर्तनी ह्लूह BMAF001 सँ प्रतिरा वूसाह्लग अछि, स ७कन ७कना ७क उखाहम उनटा-पूनटा दियौ, तखन धनि पर्याप्त अछि। यू.पी.७स.सी. क मैथिली (कम्पलसनी) पयन लल सहा ह्ली पर्याप्त अछि, स ज विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसनी) पयन लन छथि स ७कन ७कटा आन राष्ट्र-नीतिंग द्वासन-उखाहम कनथि|

IGNOU ह्लूह *BMAF-001*

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पन पठाउ।**

४.१.विदह स्त्री कोना

वि दे ह विदेह Videha বিদেহ http://www.videha.co.in विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

Search Books powered by Google

Search above & below within more than 350 old issues of Videha eJournal विदेह मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् www.videha.co.in

https://books.google.com/

(पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र शैक्षणिक प्रयोग लेल) सभ पोथी पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंक सभपर उपलब्ध अछि। All the books are available for pdf download at the respective links below.

....

सखुआबाली (नानी निर्मल ठाकुर) रहटियाहीमे रहल ८३ म सगर राति दीप जरयमे पठित कथा सभक संकलन

सखुआबाली

अणिमा सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

शिशु गीत खेल

इलारानी सिंह (सौजन्य- नचिकेता)

प्रेम- एक कविता (अनुदित नाटक)

अन्नपूर्णा देवी (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")

मिथिलाक विदुषी महिला

कल्पना झा (सौजन्य- कल्पना झा)

गोसाउनिक गीत

नशामुक्ति हेतु गाबी गीत

निनियाँ

यायावरी- शेफालिका वर्मा (हिन्दी अनुवाद कल्पना झा)

मुन्नी कामत (सौजन्य- मुन्नी कामत)

सुखल मन गनसल आँखि (पद्य आ गद्य)

<u>सुखल मन तरसल आँखि (कविता)</u>
<u>अंतः (कविता संग्रह)</u>
<u>बुक्का (बाल कथा संग्रह)</u>
नीता झा (सौजन्य- नीता झा)
<u>बिलाड़ि मौसी (बाल लघुकथा संग्रह)</u>
शेफालिका वर्मा (सौजन्य- शेफालिका वर्मा)
<u>यायावरी (यात्रावृत्तान्त)</u>
<u>यायावरी (हिन्दी अनुवाद- कल्पना झा)</u>
<u>अर्थयुग (लघुकथा संग्रह)</u>
<u>एकटा आकाश (लघुकथा संग्रह)</u>
<u>भावांजलि (गद्य गीत)</u>
<u>किछु-किछु जीवन (आत्म कथा)</u>
<u>आखर-आखर प्रीत</u>
<u>नागफांस (उपन्यास)</u>
<u>Naagphans (In English)</u>
विभा रानी
<u>विभा रानीक दुटा नाटक (भाग रौ आ बलचन्दा)</u>
यशा झा (सौजन्य- नन्दु झा)
<u>अनुभूति (लघुकथा संग्रह)</u>
सुशीला झा (सौजन्य- प्रभा खेतान/ सुशीला झा)
<u>छिन्नमस्ता- प्रभा खेतानक हिन्दी उपन्यासक मैथिली अनुवाद</u>
डॉ. ललिता झा (सौजन्य- ललिता झा)
<u>मैथिलीक भजन सम्बन्धी शब्दावली</u>
डॉ. कामिनी कामायनी

<u>विदेह:सदेह ३१ (डॉ. कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३७० सँ)</u>

प्रीति ठाकुर
<u>गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा -पहिल मैथिली चित्रकथा</u> (बाल साहित्य)
<u>मैथिली चित्रकथा</u> (बाल साहित्य)
<u>मिथिलाक लोकदेवता</u> (बाल साहित्य)
<u>विद्यापतिक पुरुष परीक्षा</u> (बाल साहित्य)
<u>नस (अनुवाद- बाल चित्रकथा)</u>
<u>ए बी सी डी- प्रकृति अक्षर पोथी (अनुवाद- बाल चित्रकथा)</u>
<u>सर खाइत अछि (अनुवाद- बाल चित्रकथा)</u>
<u>बा म्याउ बाह (अनुवाद- बाल चित्रकथा)</u>

नढ सरु (अनुवाद- वाल विचकथा)

(०६) छाट आ येघ (अनुवाद- वाल विचकथा)

(०७) माल-जाल आ जानवर दिस देखू (अनुवाद- वाल विचकथा)

(११) हमर यनिवार (अनुवाद- वाल विचकथा)

जानवर (अनुवाद- वाल विचकथा)

याथी १३: १...२...३... (अनुवाद- वाल विचकथा)

वाजाक अवाज (अनुवाद- वाल विचकथा)

नीरू कुमारी

मैथिली विचकथा (वाल साहित्य)

किनक चौधरी (अनुदित सचित्र मैथिली वाल कथा)

यिसी संग हम

हमर वाल-वाडी

आर्या कॉकयिट म

दीया कनमाकन- सही संतुलन म

जंगल म अहाँक स्वागत अछि

झूल छथि आकाश म

रैया क मुस्कान क वानौलक

वीज संचयक

अर्वीरग कनय "ह्विवानाची"

शौचालयक खिस्सा

लाल वनसाती

गुल्लीक जादुई यटी

समीनाक निकo राजन

विवाह म जाउई छी

प्रियंका झा (अनुदित सचित्र मैथिली वाल कथा)

हमर माँछ! नै हमर माँछ!

नमिता प्रिया (अनुदित सचित्र मैथिली वाल कथा)

कौया सकै छी, नदिया कs सकै छी

सुनीता ठाकुर (अनुदित सचित्र मैथिली वाल कथा)

वद्दी आ ववली

नीलिमा चौधरी (अनुदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमर सबसँ नीक संगी

स्वास्तिका ठाकुर (अनुदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

गप्पू बुढ़ा नाचल नै हाऽऽ है

गुलिका (अनुदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमरा ई चाही!

मधुलिका मिश्र (अनुदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

उंघाइत सीमा

लक्ष्मी ठाकुर

जानवर सब संग रूँट-घाँट

पूनम मण्डल

सूतै कालक खिस्सा

कनकमणि दीक्षित (मूल नेपालीसँ मैथिली अनुवाद **नूतन झा** आ धीरेन्द्र प्रेमर्षि, बाल साहित्य) (सौजन्य-धीरेन्द्र प्रेमर्षि)
रंगा बढ़क देश-भ्रमण
डॉ शशिधर कुमर आ **सुप्रिया देवी कुमारी**
हुकम्य (पृ. ६३८-६७४)
....
लेखकक आमंत्रित रचना आ अध्ययन आमंत्रित समीक्षकक समीक्षा सीरीज

१. **कामिनीक** पाँच टा कविता आ अध्ययन मधुकान्त झाक टिप्पणी

Videha_01_09_2016

२. **मुन्नी कामतक** एकांकी "जिन्दगीक मोल" आ अध्ययन गजेन्द्र ठाकुरक टिप्पणी

VIDEHA_354

यसुयूलटी गीता

ज्योतिरर्स चाल्र्स सीरीज-१

मीना झा

ज्योतिरर्स चाल्र्स सीरीज-२

जगदीश चन्द्र ठाकुर (३ टा बाल कविता आ **२ टा कविता स्वी चाल्र्सयन**)

ज्योतिरर्स चाल्र्स सीरीज-३

....

विद्यापति गीत

गुलिका

गीत-गोविन्ददास (गायन **दीआ रानी**)

गोविन्ददास-१

गोविन्ददास-२

गोविन्ददास-३

गोविन्ददास-४

गोविन्ददास-५

गोविन्ददास-६

मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर, गायन **दीआ रानी**)

वरुन मृकानिव

गजल-२

गजल-३

गजल-४

यान मैथिल चैनल- **किनष्ठ चौधरी** आ **संगीता आनन्द**- मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय यू ट्यूब चैनल

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

४.६.विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण

वि दे ह विदेह Videha বিদেহ http://www.videha.co.in विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

Search Books powered by Google

Search above & below within more than 350 old issues of Videha eJournal विदेह मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् www.videha.co.in

https://books.google.com/

सूचना

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant.

- Robert Louis Stevenson

……………………………………..

Videha: Maithili Literature Movement

Videha eJournal (link www.videha.co.in) is a multidisciplinary online journal dedicated to the promotion and preservation of the Maithili language, literature and culture. It is a platform for scholars, researchers, writers and poets to publish their works and share their knowledge about Maithili language, literature, and culture. The journal is published online to promote and preserve Maithili language and culture. The journal publishes articles, research papers, book reviews, and poetry in Maithili and English languages. It also features translations of literary works from other languages into Maithili. It is a peer-reviewed journal, which means that articles and papers are reviewed by experts in the field before they are accepted for publication.

१

"विदेहक जीवित साहित्यकार-सम्पादक आ रंगमंचकर्मी- रंगमंच-निर्देशक पर विशेषांक शृंखला"

विदेह अपन ३६९ म (०१ मई २०२३) अंकमे मैथिली लेखक अशोक पर आ ३७० म (१५ मई २०२३) अंकमे मैथिली लेखक राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' पर विशेषांक निकालत। विशेषांक लेल रचनाकार/ कलाकर्मीक काज, रचना-संपादन, संस्मरण आ अन्य रचनात्मक कार्यपर सेहो प्रकाशक रचना (संस्मरण, आलोचना, समालोचना, समीक्षा आदि) आमंत्रित अछि। अहाँ अपन रचना ३६९म अंकक विशेषांक लेल २४ अप्रैल २०२३ धरि आ ३७०म अंकक विशेषांक लेल ८ मई २०२३ धरि वउ स्वाईलमे ई-पत्र सङ्ग editorial.staff.videha@gmail.com पर पठा सकै छी।

<u>विदेह अनिरुद्ध ठाकुर विशेषांक</u>

<u>विदेह जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल विशेषांक</u>

<u>विदेह रामलोचन ठाकुर विशेषांक</u>

<u>विदेह राजनन्दन लाल दास विशेषांक</u>

<u>विदेह रवीन्द्र नाथ ठाकुर विशेषांक</u>

विदेह केदार नाथ चौधरी विशेषांक

विदेह प्रेमलता मिश्र प्रेम विशेषांक

विदेह शरदिन्दु चौधरी विशेषांक

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no +919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-547X VIDEHA

२

"विदेह द्वारा एक बेरमे कोनो एकटा संस्थाक समग्र मूल्यांकन शृंखला"

विदेह अपन ३१७ म (०१ जून २०२३) अंकमे "मिथिला स्टूडेंट यूनियन (एम.एस.यू.)" पर विशेषांक निकालत। मिथिला स्टूडेंट यूनियन (एम.एस.यू.) पर निम्न लीखल बिंदुपर मैथिलीमे आलेख आमंत्रित अछि।
१) एम.एस.यू. केर गठनक प्रमाणिक इतिहास,
२) एम.एस.यू. आ मिथिला केर नव चेतना,
३) एम.एस.यू. आ विभिन्न जाति केर समन्वय,
४) एम.एस.यू. द्वारा देल विभिन्न आंदोलन आ ओकर लेखा-जोखा एवम् ओकर प्रभाव वा
५) एम.एस.यू. संदर्भित आन कोनो लेख।

३१७म अंकक विशेषांक लेल अहाँ अपन रचना २५ मई २०२३ धरि वर्ड फाइलमे ई-पत्र सङ्केत editorial.staff.videha@gmail.com पर पठा सकै छी।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no +919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-547X VIDEHA

३

"विदेह मोनोग्राफ" शृंखला

विदेह एखन धरि रचनाकार/ कलाकर्मी पर विशेषांक शृंखलाक अन्तर्गत (१)अरविन्द ठाकुर, (२)जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल, (३)रामलोचन ठाकुर, (४) राजनन्दन लाल दास, (५)रवीन्द्र नाथ ठाकुर, (६) केदार नाथ चौधरी, (७) प्रेमलता मिश्र 'प्रेम' आ (८) शरदिन्दु चौधरी विशेषांक निकालने अछि।
अही सन्दर्भमे आठो साहित्यकार पर "विदेह मोनोग्राफ" शृंखला अन्तर्गत "मोनोग्राफ" आमंत्रित

कयल जा रहल अछि।

"विदेह मोनोग्राफ" शृंखलाक विवरण निम्न प्रकार अछि:

(१) इच्छुक लेखक उपरमे कोनो एक रचनाकार पर अपन मोनोग्राफ लिखबाक इच्छा editorial.staff.videha@gmail.com पर पठा सकै छथि। मोनोग्राफ लिखबाक अवधि सामान्यतः एक मास रहत।

(२) विदेह १० रचनाकारपर १० लेखकक नाम मोनोग्राफ लिखबाक लेल चयनित कऽ ओकर सार्वजनिक घोषणा करत।

"विदेह मोनोग्राफ" लिखबाक नियम:

(१) मोनोग्राफ पूर्ण नव रचनाकारपर केन्द्रित रहए। साहित्य अकादेमी, एन.बी.टी. आ किछु व्यक्तिगण नव लिखल मोनोग्राफ/ बायोग्राफीमे लेखक सम्मानक आ व्यक्तिगत प्रसंग जोड़ि कए रचनाकारक बदला अपन-आत्म-प्रशंसा लिखैत छथि। "विदेह मोनोग्राफ" फीफा वर्ल्ड कप फुटबाल सन रहत। फीफा वर्ल्ड कप फुटबाल एहन एकमात्र टूर्नामेण्ट अछि जाहि कारण "ओपनिंग" वा "क्लोजिंग" सेरीमनी नै होइत छै आ तकर कारण छै जे "ओपनिंग" वा "क्लोजिंग" मे टूर्नामेण्टमे नै खेला रहल लोक मुख्य अतिथि/ अतिथि होइत छथि आ फोकस खेलाड़ी सँ दूर चलि जाइत अछि। फीफा मात्र आ मात्र फुटबाल खेलाड़ीपर केन्द्रित रहैत अछि से ओकर टूर्नामेण्ट "ओपनिंग सेरीमनी" नै वरन् सीधे "ओपनिंग मैच" सँ आरम्भ होइत अछि आ ओकर समापन "क्लोजिंग सेरीमनी"सँ नै वरन् "फाइनल मैच आ ट्राफी"सँ खतम होइत अछि आ फोकस मात्र आ मात्र खेलाड़ी रहैत छथि। तहिना "विदेह मोनोग्राफ" मात्र आ मात्र ओ "सात्विक रचनाकार"पर केन्द्रित रहत आ कोनो सम्मानक आदि जोड़ि कऽ फोकस रचनाकारसँ अपनापर केन्द्रित करबाक अनुमति नै रहत।

(२) मोनोग्राफ लेल "विदेह पटल"मे उपलब्ध सामग्रीक सन्दर्भ सहित उपयोग कयल जा सकैए।

(३) विदेहमे ई-प्रकाशित रचना सबहक कॉपीराइट लेखक/संग्रहकर्त्ता लोकनिक लगमे रहतन्हि। सम्पादक 'विदेह' ई-पत्रिकामे प्रकाशित रचनाक प्रिंट-वेब आर्काइवक/ आर्काइवक अनुवादक आ मूल आ अनूदित आर्काइवक ई-प्रकाशन/ प्रिंट-प्रकाशनक अधिकार रखैत छथि। ई ई-पत्रिकामे कोनो रोयल्टी/ पारिश्रमिकक प्रावधान नै छै।

(४) "विदेह मोनोग्राफ"क फॉर्मेट: रचनाकारक परिचय (रचनाकारक जन्म, निवास-स्थान आ कार्यस्थलक भौगोलिक-सांस्कृतिक विवेचना सहित) आ रचनावली (समीक्षा सहित)।

घोषणा: "विदेह मोनोग्राफ" शृंखला अन्तर्गत (१) राजनन्दन लाल दास जी पर मोनोग्राफ निर्मला कर्ण, (२) रवीन्द्र नाथ ठाकुर पर मुन्नी कामत आ (३) केदार नाथ चौधरी पर प्रेम मोहन मिश्र द्वारा लिखल जायत। मैथिली पुत्र प्रदीप पर "विदेह मोनोग्राफ" लिखताह प्रेमशंकर झा "पवन"।

शेष ६ गोटेपर निर्णय शीघ्र कएल जायत।

घोषणा २: ओना तँ मैथिली पुत्र प्रदीप पर विदेह विशेषांक नै निकालल अछि, मुदा हुनकर अवदान केँ देखैत प्रेमशंकर झा "पवन"क हुनका ऊपर "विदेह मोनोग्राफ" लिखबाक विचार आयल तँ ओकरा स्वीकार कयल गेल।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no +919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-547X VIDEHA

४ (१)

विदेह द्वारा जे विशेषांक प्रकाशित होइ छै तकर संग विदेह ओहन लेखक-साहित्यकारपर अपन ध्यान सेहो केंद्रित करत जिनकापर विदेहक विशेषांक कोनो कारणवश नै प्रकाशित भऽ सकल। ऐ नव विचारक मुख्य बिंदु एना अछि-
१) हम एकटा कोनो लेखक वा कलाकारपर एकाग्र आलोचना करब जकर भाषा मैथिली अथवा अंग्रेजी रहत। ऐ पोथीक पहिल रूप ई-बुक कर रूपमे रहत आ प्रयास रहत जे एकर प्रिंट सेहो आबए जे कि परिस्थितिपर निर्भर करत।
२) ऐ शृंखलामे सुभाष चंद्र यादवपर केंद्रित "नित नवल सुभाष चंद्र यादव" एवं राजदेव मंडलपर केंद्रित "Rajdeo Mandal- Maithili Writer" प्रकाशित भेल अछि। दुनू पोथीक लोकार्पण ३१ दिसम्बर २०२२ कें १११म सगर राति दीप जरय मे कएल गेल।
३)आगाँक घोषणा लेल http://videha.co.in/investigation.htm देखैत रहू।

कमलानन्द झाक पोथी "मैथिली उपन्यास: समय समाज आ सवाल" (२०२१) क शीर्षक भ्रामक अछि। ई हुनकर किछु सवर्ण उपन्यासकारपर किछु सिलेक्टेड कथित समीक्षात्मक आलेखक संग्रह अछि, २६३ पन्नाक ई पोथी हार्डबाउण्डमे लाइब्रेरीकेँ मात्र बेचल जा सकत, जेऽ ई सेठ जायत, अमेजनसँ हम ई चारि सय पाँच टाकामे किनलौं मुदा ओमे पाँचो पाइक सामिग्री नै अछि।

एतऽ एकटा भूल सुधार अछि, एकटा गएर सवर्ण लेखक सुभाष चन्द्र यादवक उपन्यास 'गुलो'केँ बिनु पढ़ने ओ दु पाँति लिखलन्हि आ निपटा देलन्हि, ओ दुनू पाँति हम एतऽ अहाँक मनोरंजनार्थ प्रस्तुत कऽ रहल छी। अहाँ गुलो पढ़नहिये होएब, जँ नै पढ़ने छी तँ पहिने पढ़ि लिअ, कारण तखन बेसी मनोरंजक अनुभव होएत, गुलो सुभाष चन्द्र यादव जीक अनुमति सँ उपलब्ध अछि विदेह आर्काइवपर ऐ http://videha.co.in/pothi.htm लिंकपर।

"उपन्यासक कमजोरी अछि लेखकक राजनीतिक पूर्वाग्रह। राजनीति विशेषक पक्षधरता रचनाक संग न्याय नहि कऽ पबैत अछि।"

जइ उपन्यासमे राजनीति दुर-दुर धरि नै छै ओतऽ 'राजनैतिक पूर्वाग्रह' आ 'राजनीति विशेषक पक्षधरता'क तँ प्रश्ने नै छै। राजनीतिक पूर्वाग्रह वा पक्षधरताक साहस धूमकेतु आ यात्री प्रयुक्त कलन्हि। सुभाष चन्द्र यादव जीक 'घाट' जे २०२२मे आयल जे सुभाष चन्द्र यादव जीक अनुमति सँ उपलब्ध अछि विदेह आर्काइवपर ऐ http://videha.co.in/pothi.htm लिंकपर, से राजनीतिपर अछि मुदा ओतहुओ सुभाषजीक होता शैलीकेँ राजनीतिक पूर्वाग्रह वा पक्षधरताक साहसक आवश्यकता

ई पढ़लौं। पहिने हमर पोथी 'निज नवल सुरेश चन्द्र यादव' जे उपलब्ध अछि ऐ http://videha.co.in/pothi.htm लिंकपर।

कमलानन्द झाक बिनु पढ़ने सुरेश चन्द्र यादवक निबन्ध ब्राह्मणवादी जातिगत पूर्वाग्रह एकटा खगताक घड़ी अछि। ओना हिसाब ब्राह्मणवादकेँ आगाँ बढ़बैत कमलानन्द झा वामपंथक साधन बनौने छथि आ सामाजिक न्यायक बलि चढ़ा देने छथि, ताहि प्रति समानान्तर धारा सजग अछि। ई अपन बायोडाटामे गलत सवर्णसँ छीनि कऽ, समानान्तर धाराक लोकक हककेँ मारि कऽ लेल साहित्य अकादमीक मैथिल अनुवाद असाइनमेंटक गर्वसँ चर्चा करैत छथि। आ ई असाइनमेंट हिनका मेरिटसँ नै जातिगत टाइटिलसँ भेटल छन्हि, अही सभ किरदानीक एवजमे भेटल छन्हि। हिनका सन लोक लेल मैथिली बायोडाटाक एकटा पाँति अछि, समानान्तर धारा लेल जीवन-मरणक प्रश्न।

आब अहाँ पूछब जे ताहि प्रतिकार समानान्तर धारा कोना करत, तँ गँ कन्नारोहट नै करैत, तँ ताहि उत्तर अछि हमर ३ टा पोथी जे १११म सगर राति दीप जरय मे लोकार्पित भेल ३१ दिसम्बर २०२२ केँ, बहुत सगर राति दीप जरय जकरा साहित्य अकादमी गत दस वर्षसँ तोड़ि लेबाक प्रयास कऽ रहल अछि। अहाँसँ ऐ तीनू पोथीपर टिप्पणी ई-पत्र सङ्केत editorial.staff.videha@gmail.com पर आमंत्रित अछि। पहिल दू पोथी मे राजदेव मण्डल आ सुरेश चन्द्र यादवक साहित्यिक समीक्षा अछि जे हमर तेसर पोथी मैथिली समीक्षाशास्त्रक सिद्धांतक आधारपर कएल गेल अछि।

तीनू पोथीक लिंक नीचाँ देल गेल अछि।

Rajdeo Mandal- Maithili Writer (Now with Supplement I & II)

निज नवल सुरेश चन्द्र यादव

निज नवल सुरेश चन्द्र यादव (मिथिलाक्षर)

मैथिली समीक्षाशास्त्र
मैथिली समीक्षाशास्त्र (हिन्दी)
संगम पढ़ि कमलानन्द झा के ब्राह्मणवादपर प्रहार:
दुखद पञ्जी- The Black Book
दुखद पञ्जी- The Black Book (मिथिलाक्षर)
-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no +919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-547X VIDEHA

४(२)

नित नवल दिनेश कुमार मिश्र

दिनेश कुमार मिश्रक 'दुइ पाटन के बीच मे' कोसी नदीक ऐतिहासिक आत्मकथा थीक, ओ मिथिलाक आन धार सभक ऐतिहासिक आत्मकथा सेहो लिखने छथि जेना बन्दिनी महानन्दा, बागमती की सद्गति!, दुइ पाटन के बीच में.. (कोसी नदी की कहानी), न घाट न घर, बगावत पर मजबूर मिथिला की कमला नदी, भुतही नदी और तकनीकी झाड़-फूंक, The Kamla River and People On Collision Course, Bhutahi Balan- Story of a ghost river and engineering witchcraft, Refugees of the Kosi Embankments। साहित्य अकादेमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य पंकज झा पराशर द्वारा हिनकर पोथी सभसँ पोथाक पोथा मैथिली अनुवाद कऽ अपना नाम उपन्यास छपबाओल गेल अछि, जकरा छद्म समीक्षक कमलानन्द झा ओ चोर लेखकक निसर्ग कहै छथि! भेलऽ स्पष्ट कऽ दी जे ई दुनू चोर लेखक आ छद्म समीक्षक दुनू अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालयक हिन्दी विभागमे छथि। ई निसर्ग दिनेश कुमार मिश्रक थीक, जे आइ.आइ.टी. खड़गपुरसँ सिविल इंजीनियरिंग मे बी. टेक. १९६८ मे आ स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंगमे एम.टेक. १९७० मे कने छथि, आ ओइ निसर्ग लेल ब्लाकलिस्टेड छथि। जखन चोरा विषयमे नामांकन नै होइ छै तखन लोक हानि-थाकि हिन्दीमे नामांकन लऽ लैत, नै तँ कमलानन्द झा कें बूझऽ मे आबि जाइतन्हि जे ई निसर्ग चोरा सिविल इंजीनियरक रहऽ सकैत अछि, रहऽ सकैत बूझला होइतन्हि। हिन्दी मूल आ मैथिलीक स्क्रीनशॉट आँगा संलग्न अछि।

दिनेश कुमार मिश्र मिथिलाक नै छथि मुदा मिथिलाक सभ धारक कथा ओ लिखने छथि, हम सभ हिनका प्रति कृतज्ञ छी आ हिनकर प्रयाससँ मिथिलावासी कहियो उऋण नै भऽ सकत, मुदा मूलधाराक पुनस्थान आ पाइ लोलुप लोकसँ कृतघ्नता होएत से हुनि सिद्ध भेल। ओ लेखककेँ दस बारह वर्ष पहिने सेहो तारानन्द वियोगी उद्भावक भेटल छलखिन्ह जे लिखने नहि छथिन्ह जे ओ कविताम प्रकाशित भऽ अनायास अपन नवनाम दासनक सामिग्री चोरि कऽ लेने छथि, ओहन सन। आब ओ कमलानन्द झा के आश्रय तकलन्हि मुदा दुर्योग! जेहे हिसाब ब्राह्मणवादकेँ आगाँ बढ़बैत कमलानन्द झा वामपंथक साइन पकड़ने छथि आ सामाजिक न्यायक बलि चढ़बऽ चाहै छथि, तकर प्रति समानान्तर धारा सचेत अछि। सीलिंगसँ बचबा लेल जमीन-जत्थावला लोक कम्युनिस्ट बनला आ आब ब्राह्मणवाद बचबा लेल वामपंथक शरण, ओहन लोक सभसँ कम्युनिस्टकेँ बड़का नुकसान भेल छै।

दिनेश कुमार मिश्रक सभटा पोथी आब हुनकर अनुमतिसँ उपलब्ध अछि विदेह आर्काइवमे:
http://videha.co.in/pothi.htm
भेलऽ एकटा पर मान पाठक दी जे जखन बिल गेट्सकेँ पूछल गेलन्हि जे की ओ एकर बाँक्स रानाम पाल्हमीक तनसँ दनीसँ आनि नहुल छथि? तँ हुनकर उत्तर नहन्हि जे माइक्रोसॉफ्ट पाल्हमीक तन चोरा उत्पाद दनीसँ नै उतारल अछि। से विदेह पटानम हम सभ ओ तनहक निष्क नहिंता एकरा आन समृद्ध करैत नहुव, कारण समानान्तर धारामे सड़ल माँछ द्वारा पारम्परिक सभ माँछ नै सड़ैत, ओहुना मलाह गोट-गोट कऽ सड़ल माँछ निकालैत नहुल छथि, निकालैत नहता।

सिद्धीकरण समीक्षायन अन्तिम प्रहार।

मूल दिनेश कुमार मिश्र (दुइ पाटन के बीच में... २००६): यह ध्यान देने की बात है कि 1923 से 1946 के बीच कोसी क्षेत्र में मलेरिया से 5,10,000, कालाजार से 2,10,000, हैजा से 60,000 तथा चेचक से 3,000 मौतें (कुल 7,83,000) हुईं।
श्री पंकज झा पराशर **(साहित्य अकादमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य)** [जलप्रांतर २०११ (पृ. १०३)]:

ने अँग्रेज सब आ ने नवका रंगरेज सब। 1923 सँ 1946 के बीच मे कोसी क्षेत्र में मलेरिया से पाँच लाख दस हजार, कालाजार सँ दू लाख दस हजार, हैजा सँ साठि हजार आ चेचक सँ तीन हजार लोकक मृत्यु भेल! माने सब मिला कए करीब पौने आठ लाख लोक मरि

मूल दिनेश कुमार मिश्र (दुइ पाटन के बीच में... २००६): भारतवर्ष में बिहार में कोसी नदी को बांधने का काम 12वीं शताब्दी में किसी राजा लक्ष्मण द्वितीय ने करवाया था और इस काम के लिए उसने प्रजा से 'वीर' की उपाधि पाई और नदी का तटबन्ध 'वीर बांध' कहलाया। इस तटबन्ध के अवशेष आज भी सुपौल जिले में भीम नगर से करीब 5 किलोमीटर दक्षिण में दिखाई पड़ते हैं। डॉ. फ्रांसिस बुकानन (1810-11) का अनुमान था कि यह बांध किसी किले की सुरक्षा के लिए बनी बाहरी दीवार रहा होगा क्योंकि यह बांध धौस नदी के पश्चिमी किनारे पर तिलयुगा से उसके संगम तक 32 किलोमीटर की दूरी में फैला हुआ था। डॉ. डब्लू.डब्लू. हन्टर (1877) बुकानन के इस तर्क के साथ सहमत नहीं थे कि यह बांध किसी किले की सुरक्षा दीवार था। स्थानीय लोगों के हवाले से हन्टर का मानना था कि अधिकांश लोग इसे किले की दीवार नहीं मानते और उनके हिसाब से यह कुछ और ही चीज थी मगर वह निश्चित रूप से कुछ कहने की स्थिति में नहीं थे। फिर भी जो आम धारणा बनती है वह यह है कि यह कोसी नदी के किनारे बना कोई तटबन्ध रहा होगा जिससे नदी की धारा को पश्चिम की ओर खिसकने से रोका जा सके। लोगों का यह भी कहना था कि ऐसा लगता था कि इस तटबन्ध का निर्माण कार्य एकाएक रोक दिया गया होगा।

छद्म समीक्षक कमलानन्द झा द्वारा श्री उपन्यासकारक पी0 (ठाकुर, देखू छद्म समीक्षक कमलानन्द झा द्वारा उद्धृत श्री पंकज झा पराशर (मैथिली उपन्यास, समय, समाज आ सवाल पृ. २६१-२६८):

पंकज पराशरक पहिल उपन्यास 'जलप्रांतर'(2017) शोधपरक उपन्यास अछि। मैथिलीमे शोधपरक उपन्यास लिखबाक परम्परा नहि रहल अछि। एहि दुआरे ई उपन्यास रेखांकन योग्य अछि। पराशरजी एहि उपन्यासमे कोसी नदीक बान्हक इतिहास-कथा लिखलनि अछि। उपन्यासक वैशिष्ट्य ई जे बारहम शताब्दीसँ ल' क' आधुनिक काल धरि कोसी पर बान्ह बनेबाक दुसाध्य प्रयत्न, प्रशासनिक उठा-पटक, राजनीतिक दाँव-पेंच आदिक विस्तृत व्योरा रोचक कथाक माध्यमसँ कहलनि अछि। ध्यान देबाक बात ई जे सभटा सूचना आ व्योरा अत्यन्त विश्वसनीय बनि पड़ल अछि। पढुआ कक्का आ फूल बाबू सदृश्य पढ़ल-लिखल आ सचेत पात्रक माध्यमसँ लेखक एहि अनुसन्धानकेँ रखलनि अछि। दलान पर बैसल लोकक जिज्ञासाकेँ बढ़बैत पढुआ कका कहैत छथिन, "पहिल बेर बारहम शताब्दीमे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मण सेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह जे 1178सँ 1205 ई. धरि शासन

मैथिली उपन्यास : समय समाज आ सवाल : 257

कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगरसँ दू कोस पश्चिममे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकाननकेँ अनुमान रहनि, जे ई बान्ह सम्भवतः कोनो किलाकेँ रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मतसँ डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलनि जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत जे नदी पश्चिम दिस नहि बहय लागय।" एहि तरहेँ बान्हक मादे

चान यंकज मा यनाशन **(साहित्य अकादमीक मैथिली यनामर्शदात्री समितिक सदस्य)** [जलप्रांतन २०११ (यृ. ३१)]:

पढ़ुआ कका पछिला गप कें आगाँ बढ़बैत कहलखिन, 'फूल बाबू, कोसी नदीक बेसिन प्राचीन काल सँ मनुक्खक निवास लेल उपयुक्त स्थान रहल अछि। बारहम-तेरहम सदी मे भारत मे जखन कइक टा नदी सुखा गेल, तँ ओहि ठामक पशुचारक समाजक लोक एतय आबि कए बसलाह। तहिये सँ बढ़ैत जनसंख्या आ कोसी नदीक बदलैत प्रवाहक मध्य टकराहटि होमय लागल। नदीक अनियंत्रित धारा कें लोक बाढ़ि बूझय लागल। पहिल बेर बारहम शताब्दी मे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मणसेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह, जे 1178 सँ 1205 ईस्वी धरि शासन कयनें छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगर सँ दू कोस पश्चिम मे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकानन के अनुमान रहनि, जे ई बान्ह संभवत: कोनो किला के रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मत सँ डब्लू. डब्लू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलखिन, जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत, जे नदी पच्छिम दिस नहि बह' लागय।' पढ़ुआ कका सँ मुँहजबानी एतेक रास ऐतिहासिक तथ्य सुनियो कए फूल बाबू सहमति मे मूड़ी नहि डोलेलखिन। जाहि सँ ओतय बैसल लोक सबहक उत्सुकता और बढ़ि गेलनि, जे गप मे एहेन कोन तथ्य रहि गेलै जे फूल बाबू संतुष्ट नहि भेलखिन? लोक कें बुझेलनि जे फूल बाबू शास्त्रार्थ के अखड़हा पर माटि फेकि रहल छथिन। पढ़ुआ कका कें आइ जोड़ीदार भेटि गेलनि!

जलप्रांतर / 31

मूल दिनेश कुमार मिश्र (दुइ पाटन के बीच में... २००६): कोसी के प्रवाह कि ऐतिहासिकता की एक मलिक फिरोजशाह तुगलक की फौज के सन् 1354 में बंगाल से दिल्ली लौटने के समय मिली है। बताया जाता है कि जब सुल्तान की फौजें कोसी के किनारे पहुँचीं तो देखा कि नदी के दूसरे किनारे पर हाजी शम्सुद्दीन इलियास की फौजें मुकाबले के लिए तैयार खड़ी हैं। यह वही हाजी शम्सुद्दीन थे जिन्होंने हाजीपुर तथा समस्तीपुर शहर बसाये थे। फिरोज की फौजें शायद कुरसेला के आस-पास किसी जगह पर कोसी के किनारे सामने में पड़ गईं। नदी की रफ्तार उन्हें आगे बढ़ने से रोक रही थी। आखिरकार फैसला हुआ कि नदी के साथ-साथ ऊपर की ओर बढ़ा जाय और जहाँ नदी पार करने लायक हो जाय वहाँ पानी की थाह ली जाय। सुल्तान की फौजें प्रायः सौ कोस ऊपर गईं और जियारन के पास, जो कि उसी स्थान पर अवस्थित था जहाँ नदी पहाड़ों से मैदानों में उतरती थी, नदी को पार किया। नदी की धारा तो यहाँ पतली जरूर थी पर प्रवाह इतना तेज था कि पाँच-पाँच सौ मन के रोड़े पत्थर नदी में तिनकों की तरह बह रहे थे। जहाँ नदी को पार करना मुमकिन लगा उसके दोनों ओर सुल्तान ने हाथियों की कतार खड़ी कर दी और बीच वाली कतार में रस्से लटकाये गये जिससे कि यदि कोई आदमी बहता हुआ हो तो इन रस्सों की मदद से उसे बचाया जा सके। शम्सुद्दीन ने कभी सोचा भी न था कि सुल्तान की फौजें कोसी को पार कर लेंगी और जब उस को इस बात का पता लगा कि सुल्तान की फौजों ने कोसी को पार करने में

कामयाबी या ली है गा नह राग निकला।

चान पंकज झा पराशर (**साहित्य अकादमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य**) [जलप्रांतर २०११ (पृ. १०१)]:

> 'बेश, तँ सुनू। 1354 मे फिरोजशाह तुगलक के फौज जखन बंगाल सँ दिल्ली घुरि रहल छल, तँ कोसीक प्रवाह बहुत तेज छलै। तुगलकी सेना जखन कोसी के किनार पर पहुँचल, तँ कोसीक ओहि पार मे हाजी शम्सउद्दीन इलियास के सेना तुगलकी सेना सँ मोकाबला करबाक लेल अस्त्र-शस्त्र ल' कए तैयार छल। ई वएह हाजी शम्सउद्दीन छलाह, जे हाजीपुर आ समस्तीपुर नगर बसौनें रहथि। फिरोजशाह तुगलक के सेना संभवत: कुरसेला के आस-पास कोसी के तेज धार देखि कए सोच मे पड़ि गेल। पानिक रफ्तार देखि कए तुगलकी सेना कें नदी पार करबाक हिम्मत नहि भ' रहल छलै। अंतत: तुगलकी सेनापति तय कयलनि, जे नदीक किनारे-किनार उत्तर दिस बढ़ल जाय। जतय जा कए नदीक पाट कनें कम बूझि पड़य, ओतय पानिक थाह लेल जायत। एहि आशा मे फौज उत्तर दिस बढ़ैत रहल। कुरसेला सँ सय कोस आगाँ गेलाक बाद कोसी के पेट कनें शिकस्त बुझेलै। कोसी ओतहि पहाड़ सँ नीचाँ उतरैत अछि। पानिक वेग के अनुमान एहि सँ कयल जा सकैए, जे पाँच-पाँच सय मनक पाथर कोसी मे खढ़ जकाँ बहि रहल छल। तुगलकी सेनापति कें जतय नदी पार करब कनें आसान बुझेलनि, ओतय एक लाइन मे सैकड़ों टा हाथी कें ठाढ़ क' देल गेल। नीचाँ वला लाइन मे बड़का-बड़का रस्सा लटका देल गेल, जे जँ क्यो पानि मे भासि जायत, रस्सा के मदति सँ निकालि लेल जायत। एहि तरहें फिरोजशाह तुगलकक सेना कोसी पार क' गेल। हाजी शम्सउद्दीन सपनो मे नहि सोचनें छल,जे तुगलकी सेना कोसी पार क' जायत। जखन हाजी शम्सउद्दीन कें पता लगलै जे तुगलकी सेना कोसी पार क' चुकल अछि, तँ ओ डरे सँ पड़ा गेल। तँ एहि कोसीक तेज धार के ल' कए एतेक आत्मविश्वास मे छल हाजी शम्सउद्दीन।'

(... शीघ्र अही लिंकपर आन स्क्रीनशॉट अपडेट कएल जायत।)

विदेहक ३६३ म अंक दिनांक 01 जनवरी २०२३ सँ प्रारम्भ... निग नवल दिनेश कुमार मिश्र

http://videha.co.in/ विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) पर।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no +919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-547X VIDEHA

४ (३)

निग नवल सुशील

कमलानन्द झाकेँ हम किए छद्म समीक्षक कहलियनि?

कारण ओ छद्म समीक्षक छथि।

ओ लिखै छथि- "मैथिली उपन्यास-यात्राक लगभग सय वर्षक बाद मैथिल अन्तर्जातीय विवाहक रचना, संघर्ष आ विडम्बना पर गरिमापूर्वक उपन्यास लिखबाक श्रेय गौरीनाथकेँ जाइत छनि।"

तँ की कमलानन्द झा सुशीलसँ ई श्रेय छीनि लेलनि? की ई हुनकर ब्राह्मणवादी संस्कारक अहंकार- जे हम ककरो चढ़ा सकै छिऐ आ ककरो उतारि सकै छिऐ- तकर पराकाष्ठा थीक, आकि हुनकर अध्ययनक अभावक प्रमाण?

चलू अहाँकेँ लऽ चली कमलानन्द झा सन स्वार्थी दुनियाँसँ दूर, छल-छद्मसँ दूर सुशीलक जादूवला साहित्यिक निश्छल दुनियाँमे।

अहाँक स्वागत अछि सुशीलक साहित्यिक दुनियाँमे।

प्रस्तुत अछि सुशीलक 'गामवाली' (१९८२) जे आब उपलब्ध अछि विदेह आर्काइवमे लिंक http://videha.co.in/pothi.htm पर।

पहिल पाँतीमे उपन्यास आरम्भसँ पहिनहिये 'गामवाली' उपन्यासक सम्बन्धमे सुशील लिखै छथि-

"विधवा विवाह आ अन्तर्जातीय विवाहक समर्थनमे।"

आ उपन्यास आरम्भ।

गामवालीक मृत्यु आ पसरल मामला, गामवालीक दाह संस्कार के करतै? ब्राह्मण समाज कि यादव समाज?

मैथिलीक सिण्डीकेटक समीक्षापर अन्तिम प्रहार।

विदेहक ३६३ म अंक दिनांक ०१ जनवरी २०२३ सँ प्रारम्भ... **श्री नवल सुशील**

http://videha.co.in/ विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) पर।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no +919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-547X VIDEHA

५

संजू दास जीक चित्रकलापर बहस चलि रहल अछि। किछु लोक एकरा अश्लील मानि रहल छथि तँ किछु लोक एकरा कलाक स्वतंत्र हेबाक अनिवार्यता मानैत छथि। विदेह दुनू पक्षसँ टाइप कएल आलेखक अपील कs रहल अछि, आलेख तथ्यपरक हेबाक चाही। व्यक्तिगत लगाव वा दुश्मनी बला आलेख नै हुअय। अपन आलेख editorial.staff.videha@gmail.com पर सेहो पठाउ।

६

विदेहक "साहित्यिक भ्रष्टाचार विशेषांक"

विदेह "साहित्यिक भ्रष्टाचार विशेषांक" लेल निम्नलिखित विषयपर आलेख ई-मेल editorial.staff.videha@gmail.com पर आमंत्रित अछि।

१. साहित्य, कला आ संस्कृति अकादमीः-
(क) पुरस्कारक राजनीति
(ख) सरकारी अकादमीमे पैसबाक गैर-लोकतांत्रिक विधान
(ग) सत्तागुट आ अकादमी कर काज करबाक तरीका
(घ) सरकारी सत्ताक छत्र विरोधमे उपजल तात्कालिक समानांतर सत्ताक कार्यपद्धति
(ङ) अकादमी पुरस्कारमे पाइ रैकेटः मिथक वा यथार्थ
२. व्यक्तिगत साहित्य संस्थान आ पुरस्कारक राजनीति
३. प्रकाशन जगतमे पसरल भ्रष्टाचार आ लेखक
४. मैथिलीक छद्म लेखक संगठन आ ओकर पदाधिकारी सभहक आचरण
५. स्कूल-कॉलेजक मैथिली विभागमे पसरल साहित्यिक भ्रष्टाचारक विविध रूप-
(क) पाठ्यक्रम
(ख) अध्ययन-अध्यापन
(ग) नियुक्ति
६. साहित्यिक पत्रकारिता, विज्ञ, मंच-माला-माइक आ लोकार्पणक खेल-तमाशा।
७. लेखक सभहक जन्म-मरण शताब्दी कर चुनाव , कीर्तनवाद आ तकरा पाछूक राजनीति
८. दलित एवं लेखिका सभहक संग भेद-भाव आ ओकर शोषणक विविध तरीका
९. कोनो आन विषय।

७

विदेह ब्रॉडकास्ट लिस्ट

विदेह WWW.VIDEHA.CO.IN सम्बन्धी सूचना लेल अपन whatsapp नम्बर हमर whatsapp no +919560960721 पर पठाउ, ओकर प्रयोग मात्र विदेह सम्बन्धी समाचार देबाक लेल कएल जाएत।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, whatsapp no +919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN 2229-547X VIDEHA

....

मैथिली आ मिथिलासँ संबंधित किछु मुख्य साइट:- अपन लिंकक विषयमे सूचना editorial.staff.videha@gmail.com केँ ई-मेलसँ पठाबी।

http://www.videha.co.in/ ("विदेह" प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका)

http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html (इन्टरनेटपर मैथिली भाषाक प्राचीनतम उपस्थिति/ मैथिलीक पहिल ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक शुरुआत, ५ जुलाई २००४)

http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html (इन्टरनेटपर मैथिली भाषाक प्राचीनतम उपस्थिति/ मैथिलीक पहिल ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक शुरुआत, ५ जुलाई २००४)

भालसरिक गाछ जे सन २००० सँ याहूसिटीजपर छल http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.html, http://www.geocities.com/ggajendra आदि लिंकपर आ अखनो ५ जुलाई २००४ क बाद http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html *(किछु दिन लेल http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html लिंकपर, स्रोत wayback machine of https://web.archive.org/web/*/videha 258 capture(s) from 2004 to 2016- http://videha.com/ भालसरिक गाछ-प्रथम मैथिली ब्लॉग / मैथिली ब्लॉगक शुरुआत)* केर रूपमे इन्टरनेटपर मैथिलीक प्राचीनतम उपस्थितिक रूपमे विद्यमान अछि। ई मैथिलीक पहिल इंटरनेट पत्रिका थिक जकर नाम बादमे १ जनवरी २००८ सँ "विदेह" पड़लै। इंटरनेटपर मैथिलीक प्रथम उपस्थितिक यात्रा विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका धरि पहुँचल अछि, जे http://www.videha.co.in/ पर ई प्रकाशित होइत अछि। आब "भालसरिक गाछ" जालवृत्त 'विदेह' ई-पत्रिकाक प्रवक्ताक संग मैथिली भाषाक जालवृत्तक शुरुआतक रूपमे प्रयुक्त भऽ रहल अछि। विदेह ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA पल्लवमिथिला (वीरेन्द्र प्रमर्षि) २०५९ माघ संक्रान्ति- २००३ जनवरी मैथिलीक पहिल इन्टरनेट पत्रिका अछि जे ओ

लिंक www.pallavmithila.mainpage.net पर छल मुदा आब ई उपलब्ध नै अछि। ई टिप्पणी मात्र इतिहास सुरक्षा लेल अछि।

....

http://videha-aggregator.blogspot.com/ (मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर)

http://www.videha.com/ (इंटरनेटपर मैथिली भाषाक सभसँ पुरान उपलब्ध उपस्थिति/ लोकप्रिय ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर ७ जुलाई २००४ www.gajendrathakur.blogspot.com)

http://esamaad.blogspot.com/ (पूनम मंडल आ प्रियंका झाक पहिल मैथिली न्यूज पोर्टल, ६ अगस्त २००४ सँ)

http://prakarantar.blogspot.com/ (प्रकारान्तर मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, फरबरी २००७)

http://vidyapati.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, अगस्त २००७)

http://www.vidyapati.org/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, अगस्त २००७)

http://hellomithila.blogspot.com/ (हेल्लो मिथिला- धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सम्पादक-प्रकाशक, नूतन झा, सम्पादन सहयोग, पल्लव, मैथिली साहित्यिक, ३ मइ २००६)

http://pallav.blogsome.com/ (हेल्लो मिथिला- धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सम्पादक-प्रकाशक, नूतन झा, सम्पादन सहयोग, पल्लव, मैथिली साहित्यिक, ११ मइ २००६)

http://hellomithilaa.blogspot.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल, सितम्बर २००१)

http://www.hellomithila.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल, सितम्बर २००१)

http://shampadak.wordpress.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल, जनवरी-फरवरी २००८)

http://www.esamaad.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल, जनवरी-फरवरी २००८)

http://hellomithilaa.wordpress.com/

http://premarshi.wordpress.com/ (धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

…………………

http://anchinharakharkolkata.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय गजलक ब्लॉग)

……………………

https://vigyanprasar.gov.in/vigyan-ratnakar/ (विज्ञान रत्नाकर)

JNU

http://sanskrit.jnu.ac.in/maithili/index.jsp

http://sanskrit.jnu.ac.in/student_projects/lexicon.jsp?lexicon=maithili

………………………

ALL INDIA RADIO DOORDARSHAN आकाशवाणी दूरदर्शन

http://prasarbharati.gov.in/

http://newsonair.com/

https://doordarshan.gov.in/

आकाशवाणी मैथिली पॉडकास्ट http://prasarbharati.gov.in/podcast.php?filterlang=Maithili&from=1947-08-15&fromwp=2020-08-29&to=2050-12-31&search=GO

आकाशवाणी पटना/ दरभंगा मैथिली रीजनल न्यूज टेक्स्ट आर्काइव-1 http://newsonair.com/RNU-NSD-Audio-Archive-Search.aspx

आकाशवाणी पटना/ दरभंगा मैथिली रीजनल न्यूज टेक्स्ट आर्काइव-2 http://newsonair.com/Regional-Text.aspx

आकाशवाणी दरभंगा http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=282

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्युब चैनल https://www.youtube.com/channel/UCGdNveEFmv4pPolWiTEMxVA

आकाशवाणी भागलपुर http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=359

आकाशवाणी पूर्णियाँ http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=256

आकाशवाणी पटना http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=122

ALL_INDIA_RADIO_ENGLISH_NEWS

ALL_INDIA_RADIO_NEWS_ARCHIVE

ALL_INDIA_RADIO_TALKS_AND_CURRENT_AFFAIRS

RAJYA_SABHA_TV_NEWS_DISCUSSIONS

SANSAD_TV

VIDEHA_e-LEARNING_YOUTUBE_CHANNEL

https://www.youtube.com/channel/UC4abVKqMj2pDWIAkXiOHp7A

....

http://bramhanews.blogspot.com/ (मैथिली समाचार)

http://www.mithilakhabar.com/ (नेपालक मैथिली न्यूज पत्रिका)

http://mithilanews.com/

http://www.maithilinews.blogspot.com/ (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक साइट)

http://www.hamargam.in/ (मैथिली न्यूज पोर्टल)

http://mithiladotcom.blogspot.com/ (मैथिली राष्ट्रीय दैनिक)

https://mppdainik.com/ (मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश, मैथिली दैनिक)

http://mithilasamad.blogspot.com/ (मिथिला समाद, मैथिली दैनिक)

http://janakpurnews.blogspot.com/ (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक साइट)

http://www.mithilalok.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल)

http://mithimedia.blogspot.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल)

http://www.mithimedia.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल)

https://mithiladharohar.blogspot.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल)

https://simanchal.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल)

https://maithilijindabaad.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल)

....

https://kirtinath.blogspot.com/ (कीर्तिनाथ झा ब्लॉग)

http://jct27novmaithili.blogspot.com/ (जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" क ब्लॉग)

http://brikhesh.blogspot.com/ (वृषेश चन्द्र लाल)

http://www.chetnasamiti.org/ (चेतना समिति, पटनाक वेबसाइट)

http://shiv-pustak-bhandar.blogspot.com/ (मैथिली पोथी कीनू)

https://mishrarn.blogspot.com/ (भोरसँ साँझ धरि)

https://rjanakpuri.blogspot.com/ (साहित्यपुरी)

http://bataahmaithil.in/

http://maithilpravahika.org/

http://ganeshbawra.blogspot.com/

http://maithilinews.com/

http://anandjhakavitakahani.blogspot.com/

http://chaaywala.blogspot.com/

http://maithilputr.blogspot.com/

http://maithilputramanu.blogspot.com/

http://mithilanchalpatrika.blogspot.com/

http://mithilakbat.blogspot.com/

http://maithilitimesonline.blogspot.com/

http://mithilavidehavajjitirhut.blogspot.com/

http://samadiya.blogspot.com/

http://jitumaithili.blogspot.com/

http://pratipadamaithili.blogspot.com/

http://bhatsimar.blogspot.com/

http://maithilirangmanch.blogspot.com/

http://www.mithilavaani.blogspot.com/

http://www.maithilisongsjagat.co.in/

http://mithilablog.com/

http://www.lahakchahak.com/

http://www.jaimithila.com/

http://www.dahejmuktmithila.org/

http://mithilavaani.blogspot.com/

http://www.chamundanagarpachahi.com/

http://kisunsankalplok.wordpress.com/

http://www.kisunsankalplok.co.nr/

http://maithilisongshub.blogspot.com/

http://www.rajnipallavi.com/

https://maithilinewsnetwork.com/

https://mithilamirror.com/

https://www.emithila.in/

http://csts.org.in/ (CSTS)

http://www.samaysaal.com/ (समय साल)

https://www.maithili.org.in/ (आशन चौधरी)

https://doorvaksata.org/ (मिशन दूर्वाक्षत)

http://mithilaksharshikshaabhiyan.in.net/ (मिथिलाक्षर शिक्षा अभियान)

http://mithilakshar.in/ (मिथिलाक्षर शिक्षा अभियान)

https://missionmithilakshar.blogspot.com/ (सिद्धिरस्तु- मिशन मिथिलाक्षर लिपि)

https://mithilani.in/ (मिथिलानी)

https://www.maithilmanch.in/ (मैथिल मंच)

http://madhubani.co.in/

http://www.premkumarmallik.com

http://apandalan.wordpress.com/

http://www.mithilaworld.tk/

http://www.mithilachowk.com/

http://maithilisongsgeet.blogspot.com/

http://rayprabhatbhatt.blogspot.com/

http://amitmohanjha83.blogspot.com/

https://maithiliswasthyaparicharcha.blogspot.com/ (मैथिली स्वास्थ्य यनिचर्चा- नमाकन चौधनीक ब्लॉग)

http://maithili-darpan.blogspot.com/ (मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

http://mithilatol.blogspot.com (मिथिलाटाल मैथिलीक लाकप्रिय ब्लॉग)

http://maithilicinema.blogspot.com/ (मैथिली फिल्म्स)

http://maithilifilms.blogspot.com/ (मैथिली फिल्म्स)

http://maithili-drama.blogspot.com/ (विदह मैथिली नाट्य उत्सव- वचन ०कानक ब्लॉग)

http://mjnk.co.cc/ (श्री जनकयून ग्रुप, गनाश्री मॉडल, मिथिला श्रृङ्गारमिशन)

http://www.TeraiNepal.co.cc/ (गनाश्री नयाल मिथिला जनकयून मधेश हालचाल Anytime Anywhere see)

http://maithilaurmithila.blogspot.com/ (मैथिलक आ मिथिलाक लोकप्रिय ब्लॉग)

https://www.mithiladainik.in/ (मिथिला दैनिक)

http://www.mithilaamanch.blogspot.com (मिथिला मंच)

http://maithilisong.blogspot.com/ (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक ब्लॉग)

http://maithilifoundation.blogspot.com/ (मैथिली फाउन्डेशन)

http://maithilibhasha.blogspot.com/ (काश्यप कमलक ब्लॉग)

http://rkjteoth.blogspot.com/ (रूपेश कुमार झा "त्योंथ"क ब्लॉग)

http://paraati.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://singarhaar.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://vaachik.wordpress.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://mithilainfo.blogspot.com (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://mithlasamachaar.blogspot.com (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://pilakhwar.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://desilbayna.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://maithilynjha.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://gaam-ghar.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://mithila-mihir.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://www.maithililekhaksangh.blogspot.com/ (मैथिली लेखक संघक जालस्थल)

http://www.maithili.co.uk/ (मिथिला कल्चरल एसोसिएशन, यू.के.)

http://minapjanakpur.org/ (मिनाप, जनकपुर)

http://www.airdarbhanga.org/ (आकाशवाणी दरभंगाक साइट)

http://mithilangan.org/ (मिथिलांगनक साइट)

http://www.desilbayana.com/ (देसिल बयना, हैदराबाद)

http://www.vmym.in/ (विद्यापति मैथिल युवा मंच)

http://www.jaimithila.com/ (मिथिलाक सभ्यता, संस्कृति, विरासत, गीत-संगीत आ बहुत रास जानकारीक लेल)

http://sobhagyamithilatv.com/ (सौभाग्य मिथिला- पहिल मैथिली चैनल)

http://kashyap-mithila.blogspot.com/

http://mithilapaintingtraining.blogspot.com/

http://dularuababumaithilifilm.blogspot.com/

http://senuraklaajmaithilifilm.blogspot.com/

http://maithlivideosongs.blogspot.com/

http://kalikantjhabuch.org/ (काली कांत झा "बूच")

http://saketanands.blogspot.com/ (साकेतानन्दजीक जालवृन्द)

http://gunjang.blogspot.com/ (गुंजनजीक जालवृन्द)

http://darihare.blogspot.com/ (श्याम दरिहरेक जालवृन्द)

http://deoshankarnavin.blogspot.com/ (देवशंकर नवीनक जालवृन्द)

http://www.udayanarayana.com/ (नचिकेताक साइट)

http://www.indianembassy.org.np/ (भारतीय दूतावास नेपाल)

http://www.purvottarmaithilsamaj.com/ (पूर्वोत्तर मैथिल समाज)

http://www.purvottarmaithil.blogspot.com/ (मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समितिक त्रैमासिक पत्रिका)

http://apanmithladhaam.blogspot.com/

http://maithilikavita.blogspot.com/

http://pankajjha23.blogspot.com/

http://maithili-haiku.blogspot.com/

http://manak-maithili.blogspot.com/

http://mithilauday.org/

http://dsal.uchicago.edu/lsi/ (Linguistic Survey of India, Gramophone recordings)

http://dsal.uchicago.edu/lsi/taxonomy/term/1718 (Linguistic Survey of India, Gramophone recordings, Maithili)

http://music2.cooltoad.com/music/category.php?id=10576

http://maithiliacademy.org/

https://maithiliacademybihar.org/ (मैथिली अकादमी, पटना)

मैथिली राजधानी अकादमी, दिल्ली

http://artandculture.delhigovt.nic.in/wps/wcm/connect/doit_art/Art+Culture+and+Language/Home/Maithili-Bhojpuri+Academy/

http://maithili.sourceforge.net/

http://ansiss.org/

http://fedoraproject.org/

https://fedorahosted.org/fuel/wiki/fuel-maithili

http://l10n.gnome.org/teams/mai

http://translate.fedoraproject.org/languages/mai

http://www.biharlokmanch.org/ (मिथिला-मैथिली पोथी ऑनलाइन कीनू)

http://www.biharlokmanch.org/mithila_products_online.php (Buy Mithila-Maithili books online)

http://mithila-haat.com/ (Buy Mithila-Maithili books/ other materials online)

http://www.antikaprakashan.com/ (अंतिका प्रकाशनक साइट- मैथिली प्रकाशक)

https://shashiprakashan.blogspot.com/ (शशि प्रकाशन- - मैथिली प्रकाशक)

https://pallavipublication.blogspot.com/ (पल्लवी प्रकाशन- - मैथिली प्रकाशक)

http://www.navarambh.com/ (नवारम्भ- - मैथिली प्रकाशक)

http://www.gorkhapatra.org.np/

http://www.sajha.org.np/

http://www.kantipuronline.com/

http://mithilahyd.org/

http://www.jyoticonsultant.com/ (मैथिलक नोकरी डॉट कॉम)

http://www.mithilamanthan.com/

http://www.brandbihar.com/

http://www.biharbrains.org/

http://maithilijokes.blogspot.com/

http://www.rdo91fm.blogspot.com/

http://www.kfm961.com/ (हल्ला मिथिला कार्यक्रम प्रत्येक शनिकेँ नेपाली समयानुसार राति ९.३० बजेसँ ११ बजेधरि आ राजनीतिक विषयवस्तुपर केन्द्रित चौबटिया कार्यक्रम प्रत्येक सोमकेँ राति १० सँ ११ बजेधरि प्रसारित)

http://www.radiokantipur.com/ (सप्ताहमे मिथिला कार्यक्रम प्रत्येक शनिकेँ नेपाली समयानुसार राति ९.३० बजेसँ ११ बजेधरि आ राजनीतिक विषयवस्तुपर केन्द्रित चौबटिया कार्यक्रम प्रत्येक सोमकेँ राति १० सँ ११ बजेधरि प्रसारित)

http://www.jumptv.com/en/channel/nepal1/ (नेपाल1 टी.भी.-अन्य टी.भी. मैथिली कार्यक्रम सूचना)

http://janakifm.org.np/ (जानकी एफ.एम., मैथिली समाचार रेडियो)

http://www.mithilaradio.com/ (मैथिली रेडियो)

http://www.youtube.com/user/Janakifm (जानकी एफ.एम., मैथिली समाचार रेडियो Youtube channel)

http://www.radiomithila.org/ (मैथिली रेडियो)

http://www.appanmithila.org/ (रेडियो अप्पन मिथिला ९४.४ MHZ)

http://www.janakpurtoday.com.np/

http://madanpuraskar.org/

http://www.madheshuk.org/ (एसोसिएशन ऑफ नेपाली मधेसीज इन यू.के.)

http://www.mithilaart.com/ (श्रीमति प्रज्ञा झाक साइट)

http://www.mithilavihar.com/

http://www.sugatisopan.com/

http://www.maithilsamaj.org.in/

http://www.maithilsamaj.com/

http://www.janakpurcity.com/

http://www.janakpur.com.np/

http://home.att.net/~maithils/

http://shyamprakashjha.com/

http://ramanathjha.com/

http://www.ramajha.com/

http://sudhakar.co.in/maithili

http://www.maithils.net/

http://www.getpredictiononline.com/

http://www.bihartimes.com/

http://www.bihar.ws/

http://www.patnadaily.com/

http://www.krraman.blogspot.com/

http://www.adi-maithili-kavita.blogspot.com/

http://www.mithilasevasamiti.blogspot.com/

http://www.jankitoday.blogspot.com/

http://opjha.blogspot.com/

http://chitthajagat.in/ (देवनागरी लिपिक ब्लॉगक एग्रीगेटर)

http://mailorang.blogspot.com/ (मैलोरंग नाट्य संस्थाक ब्लॉग)

http://mailorang.in/ (मैलोरंग)

http://vandanasgeet.blogspot.com/

http://www.darbhangaraj.blogspot.com/

http://mithila_samachar.tripod.com/mithilasamachar/ (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक साइट)

http://www.ciilcorpora.net/maisam.htm

http://www.ildc.in/Maithili/MIindex.aspx (मैथिली अंग्रेजी आ शब्द)

http://www.mithilaarts.com/

http://www.mithilapainting.org/

http://www.maithili.net/ (मिथिला-मैथिल-मैथिलीक लोकप्रिय साइट)

http://www.mithilaonline.com/ (मिथिला-मैथिल-मैथिलीक लोकप्रिय साइट)

http://www.onlinemithila.in/ (मिथिला-मैथिल-मैथिलीक लोकप्रिय साइट)

http://www.nnl.gov.np/

http://www.nepalacademy.org.np/

http://www.karnagoshthi.org/

http://surmasti.com/

http://www.maithiliworld.com/

http://www.mithila-museum.com/aboutMM/Eindex.html

http://www.tribhuvan-university.edu.np/

http://www.swastifoundation.com/ (स्वस्ति फाउन्डेशनक साइट)

http://foundationsaarcwriters.com/

http://www.opmcm.gov.np/

http://www.moe.gov.np/ (नेपाल सरकारक साइट)

http://lnmu.bih.nic.in/

http://gov.bih.nic.in/ (बिहार सरकारक साइट)

http://www.india.gov.in/

http://rajbhasha.nic.in/

http://www.hindinideshalaya.nic.in/

http://themithila.tripod.com/

http://www.mithilaconnect.com/

http://www.esabha.net/ (मैथिल विचारक साइट)

http://www.maithilvivah.com/ (मैथिल विवाहक साइट)

http://www.kanyadan.net/ (मैथिल विवाहक साइट)

http://www.maithilbrahminvivahbandhan.org/ (मैथिल विवाहक साइट)

http://www.mithilashaadi.com/ (मैथिल विवाहक साइट)

http://www.kalyanifoundation.org/

http://www.madhubani.com/

http://www.janakpur.org/

http://www.darbhanga-friends.com/

http://www.hindisansthan.org/

http://www.biharassociation.net/

http://www.nationallibrary.gov.in/ (नेशनल लाइब्रेरी कोलकाता)

http://dpl.gov.in/ (दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी)

http://www.connemarapubliclibrarychennai.com/ (कोनेमारा पब्लिक लाइब्रेरी)

http://rrrlf.nic.in/ (राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन)

http://www.sahitya-akademi.gov.in/(साहित्य अकादमीक साइट)

http://www.nbtindia.org.in/ (नेशनल बुक ट्रस्टक साइट)

http://www.csuchico.edu/anth/mithila/

http://web.mac.com/nadjagrimm/iWeb/JWDC/Mithila%20Art%20.html

http://www.southasianist.info/india/mithila/index.html

http://www.mithilalive.com/

http://www.ethnologue.com/show_language.asp?code=mai

http://linguistlist.org/forms/langs/LLDescription.cfm?code=mai

http://www.languageshome.com/English-Maithili.htm

http://www.rosettaproject.org/archive/mai

http://www.nepalgov.gov.np/

http://maithili-mp3-songs.folkmusicindia.com/

http://www.ciil.org/ (भारतीय भाषा संस्थानक साइट)

http://www.ciillibrary.org/

http://www.lisindia.net/Maithili/Maithili.html

http://www.ntm.org.in/languages/maithili/default_maithili.asp (राष्ट्रीय अनुवाद मिशन)

http://www.samsung.com/in/news/localnews/2012/tagore-literature-awards-bring-together-india-best-literary-talent (TAGORE LITERATURE AWARD)

http://www.samsung.com/in/news/localnews/2011/samsung-felicitates-the-winners-of-tagore-literature-awards-2010 (TAGORE LITERATURE AWARD)

http://www.samsung.com/in/Tagore-Awards/index.html (TAGORE LITERATURE AWARD)

http://jnanpith.net/ (भारतीय ज्ञानपीठक साइट)

http://bparishad.in/ (भारतीय भाषा परिषद, कलकत्ताक साइट)

http://www.bharatiyabhashaparishad.com/ (भारतीय भाषा परिषद, कलकत्ताक वागर्थ)

http://www.themanbookerprize.com/ (मैन-बूकर पुरस्कारक साइट)

http://www.commonwealthfoundation.com/ (कॉमनवेल्थ फाउण्डेशनक साइट)

http://www.crossword.in/ (वोडाफोन-क्रॉसवर्डक साइट)

http://www.pulitzer.org/ (पुलित्ज़र पुरस्कारक साइट)

http://nobelprize.org/ (नोबेल पुरस्कारक साइट)

http://www.goakonkaniakademi.org/akademi/aims.htm (गोवा कोंकणी अकादमीक साइट)

http://www.museindia.com/

http://www.asiawrites.org

http://indianorway.wordpress.com/

http://samanvayindianlanguagesfestival.org/

http://jaipurliteraturefestival.org/

http://dscprize.com/

http://www.hindu.com/lr/2011/04/03/stories/2011040350010100.htm

http://southasianlitfest.com/

http://www.varnamala.org/

http://india.poetryinternationalweb.org/

http://www.fortunecity.com/victorian/charcoal/49/

http://www.tarainews.com.np/

VIDEHA IST MAITHILI FORTNIGHTLY EJOURNAL ARCHIVE

http://videha-archive.blogspot.com/

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका मैथिली पोथीक आर्काइव

http://videha-pothi.blogspot.com/

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका ऑडियो आर्काइव

http://videha-audio.blogspot.com/

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका वीडियो आर्काइव

http://videha-video.blogspot.com/

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका मिथिला चित्रकला, आधुनिक कला आ चित्रकला

http://videha-paintings-photos.blogspot.com/

विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक Videha e journal's all old issues

http://sites.google.com/a/videha.com/videha/

विदेह ई-पत्रिकाक पहिल ५० अंक

https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-i/
विदेह ई-पत्रिकाक ५०म सँ १४९ म अंक

https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-ii/
विदेह ई-पत्रिकाक १५०म आ आगाँक अंक

https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-iii/

मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download

http://sites.google.com/a/videha.com/videha-pothi

मैथिली ऑडियो संकलन Maithili Audio Downloads

http://sites.google.com/a/videha.com/videha-audio

मैथिली वीडियोक संकलन Maithili Videos

http://sites.google.com/a/videha.com/videha-video

मिथिला चित्रकला/ आधुनिक चित्रकला आ चित्र Mithila Painting/ Modern Art and Photos

http://sites.google.com/a/videha.com/videha-paintings-photos/

सगर राति दीप जरय

http://sagarraatideepjaray.blogspot.com/
http://sagarraatideepjaray.wordpress.com/

विदेह मैथिली क्विज :
http://videhaquiz.blogspot.com/

विदेह मैथिली जालवृत्त एग्रीगेटर :

http://videha-aggregator.blogspot.com/
विदेह मैथिली साहित्य अंग्रेजीमे अनूदित

http://madhubani-art.blogspot.com/
विदेहक पूर्व-रूप "भालसरिक गाछ" :

http://gajendrathakur.blogspot.com/
विदेह सूचना :

http://videha123.blogspot.com/

विदेह आर्काइव :

http://videha123.wordpress.com/

विदेह ब्राह्मी- ब्राह्मी लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग

https://maithili-brahmi.blogspot.com/

विदेह खरोष्ठी- खरोष्ठी लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग

https://maithili-kharoshthi.blogspot.com/

विदेह कैथी लिपिमे- मैथिलीक कैथी लिपिमे पहिल ब्लॉग

https://maithili-kaithi.blogspot.com/

विदेह नेवारी लिपिमे- मैथिलीक नेवारी लिपिमे पहिल ब्लॉग

https://maithili-newari.blogspot.com/

विदेह आइ.पी.ए. लिपिमे- मैथिलीक आइ.पी.ए.मे पहिल ब्लॉग

https://maithili-ipa.blogspot.com/

विदेह- उर्दू नस्तालिक लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग

https://maithili-urdu.blogspot.com/

विदेह- तिब्बती लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग

https://maithili-tibetan.blogspot.com/

विदेह: सदेह : पहिल तिरहुता (मिथिलाक्षर) जालवृत्त (ब्लॉग)

http://videha-sadeha.blogspot.com/

विदेह:ब्लॉग: मैथिली ब्लॉग: पहिल बेर विदेह द्वारा

http://videha-braille.blogspot.com/

विदेह गूगल-ग्रुप

https://groups.google.com/g/videha

गजेन्द्र ठाकुर इडेन्टिटी

http://gajendrathakur123.blogspot.com

मंगन खबास

http://mangan-khabas.blogspot.com/

Videha Radio विदेह रेडियो:मैथिली कथा-कविता आदिक पहिल पोडकास्ट साइट

http://videha123radio.wordpress.com/

http://videha.listen2myradio.com/

विदेह मैथिली नाट्य उत्सव

http://maithili-drama.blogspot.com/

समदिया

http://esamaad.blogspot.com/

मैथिली फिल्म्स

http://maithilifilms.blogspot.com/

मैथिली हाइकू

http://maithili-haiku.blogspot.com/

मानक मैथिली

http://manak-maithili.blogspot.com/

बिहनि कथा

http://bihanikatha.blogspot.com/

मैथिली कविता

http://maithili-kavita.blogspot.com/

मैथिली कथा

http://maithili-katha.blogspot.com/

मैथिली समालोचना

http://maithili-samalochna.blogspot.com/

Maithili Literature in English

http://madhubani-art.blogspot.com/

तिरहुता- कैथी फॉन्ट/ मैथिल ब्राह्मणक पञ्जी आधारित इतिहास

https://deepblue.lib.umich.edu/bitstream/handle/2027.42/110341/pandey_1.pdf?sequence=1 (उत्पन्न-विदेहक मैथिल ब्राह्मणक जाति)

https://www.unicode.org/L2/L2009/09329-maithili.pdf (यूनीकोड तिरहुता फॉन्ट लेल आवेदन ३० सितम्बर २००९- विदेहक सहयोग)

https://www.unicode.org/L2/L2011/11175r-tirhuta.pdf (यूनीकोड तिरहुता फॉन्ट लेल आवेदन ७ मई २०११- विदेहक सहयोग)

http://www.tirhutalipi.4t.com/ (देवनागरी-तिरहुता फॉन्ट- बसन्त आधारित)

http://www.anujha.co.cc/ (देवनागरी यूनीकोड आधारित तिरहुता फॉन्ट-मिथिला)

"विकीपीडिया"म मैथिली

http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai

http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai

http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai

अंतिम पाँच साइट विकी मैथिली प्रोजेक्टक अछि। एहि लिंक सभ पर जा कय प्रोजेक्टकेँ आगाँ बढाउ।

यूनीकोड विनहुना ठाँह, "विकीपीडिया"मे मैथिली आ आब मैथिली "गूगल ट्रान्सलेट"मे सेहो। अगिला लक्ष्य "अमेजन एलेक्सा"

गूगल ट्रान्सलेट

गूगल ट्रान्सलेटक लिंक

https://translate.google.com/?sl=en&tl=mai&op=translate

गूगल ट्रान्सलेटकेँ आन पृष्ठ करबाक खगता छै १०० लेल अगिला काज अढा रहल छी:

https://translate.google.com/about/contribute/

Crowdsource Maithili Community

Please fill the form

Next Step

Download the Crowdsource app from android play store and start contributing or go to web on the following link for contributing:

https://crowdsource.google.com/about/

Crowdsource by Google is a gamified platform that empowers users to directly train Google's artificial intelligence systems and make Google products work equally well for everyone, everywhere.

प्रमाण:

विकीपीडिया ०१ फरवरी २००८ लिंक

https://books.google.co.in/books?id=VC-

BD5Ad6z4C&lpg=PA1&pg=PA1#v=onepage&q&f=false (𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒠𑒹𑒫𑒢𑒰𑒑𑒩𑒲)

https://books.google.co.in/books?id=cTezCU59bJwC&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false (𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰)

https://books.google.co.in/books?id=3zKudz6wAO8C&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false (𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒥𑓂𑒩𑒹𑒪)

𑒑𑒴𑒑𑒪 𑒙𑓂𑒩𑒰𑒢𑓂𑒮𑒪𑒹𑒙 𑓒𑓓 𑒖𑒴𑒢 𑓒𑓐𑓑𑓑𑒏 𑒪𑒱𑓀𑒏

https://www.facebook.com/groups/videha/permalink/138489416229195/

𑒑𑒴𑒑𑒪 𑒙𑓂𑒩𑒰𑓀𑒮𑒪𑒹𑒬𑒢 𑒙𑒴𑒪𑒧𑒹

"𑒫𑒱𑒯𑒰𑒩𑒲" 𑒬𑒥𑓂𑒠𑒏 𑒥𑒠𑒪𑒰𑒧𑒹 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒪𑒹𑒪 𑒁𑒪𑒑 𑒙𑓂𑒩𑒰𑓀𑒮𑒪𑒹𑒬𑒢 𑒙𑒴𑒪 𑒥𑒢𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒂𑒫𑒹𑒠𑒢 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒏 𑒮𑒠𑒮𑓂𑒨𑒑𑒝 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒠𑒹𑒪 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒁𑒣𑒢 𑒨𑒼𑒑𑒠𑒰𑒢 𑒑𑒴𑒑𑒪 𑒙𑓂𑒩𑒰𑓀𑒮𑒪𑒹𑒙 𑒪𑒹𑒪 𑒏𑒩𑒴,
𑒂 𑒏𑒹𑒫𑒪 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒢 𑒥𑒠𑒪𑒥𑒰 𑒏𑒰𑒪 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒧 (𑒁𑓀𑒑𑓂𑒩𑒹𑒖𑒲𑒧𑒹) "𑒫𑒱𑒯𑒰𑒩𑒲" 𑒢𑒰𑒧𑒏 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒬𑒥𑓂𑒠 𑒢𑒻 𑒠𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒔𑒩𑓂𑒔𑒰 𑒏𑒩𑒴। 𑒌 𑒪𑒱𑓀𑒏𑒣𑒩 𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠 𑒏𑒩𑒴; 𑒑𑒴𑒑𑒪 𑒋𑒏𑒰𑒅𑓀𑒙𑒮𑒿 𑒪𑒼𑒑 𑒃𑒢 𑒏𑒹𑒪𑒰𑒏 𑒥𑒰𑒠 ।

http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject

http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?project=gws&langcode=bh (link closed)

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏𑓂𑒭𑒩 (𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰) 𑒤𑒼𑒢𑓂𑒙 𑒪𑒹𑒪 𑒂𑒫𑒹𑒠𑒢 𑓓𑓐 𑒮𑒱𑒞𑒧𑓂𑒥𑒩 𑓒𑓐𑓐𑓙 𑒂 𑒤𑒹𑒩 𑒮𑓀𑒬𑒼𑒡𑒱𑒞 𑒂𑒫𑒹𑒠𑒢 𑓗 𑒧𑒃 𑓒𑓐𑓑𑓑𑒏𑒿 𑒬𑓂𑒩𑒲 𑒁𑓀𑒬𑒳𑒧𑒢 𑒣𑒰𑒝𑓂𑒛𑒹𑒨 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒠𑒹𑒪 𑒑𑒹𑒪 𑒂 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒥𑒹𑒩 𑒍𑒧 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒏 𑒮𑒠𑒮𑓂𑒨𑒑𑒝 𑒮𑒧𑒩𑓂𑒟𑒢 𑒏𑒹𑒪𑒰। 𑓑𑓑 𑒖𑒴𑒢𑒏𑒿 𑒬𑓂𑒩𑒲 𑒁𑓀𑒬𑒳𑒧𑒢 𑒣𑒰𑒝𑓂𑒛𑒹𑒨 𑒋𑒏𑒩 𑒮𑓂𑒫𑒲𑒏𑒵𑒞𑒱𑒏 𑒮𑒴𑒔𑒢𑒰 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒏 𑒤𑒹𑒮𑒥𑒳𑒏 𑒑𑓂𑒩𑒳𑒣𑒣𑒩 𑒠𑒹𑒪𑒢𑒱। 𑒂𑒥 𑒌 𑒤𑒼𑒢𑓂𑒙 𑒥𑒢𑒱 𑒏ऽ 𑒞𑒻𑒨𑒰𑒩 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒢𑒲𑒔𑒰𑒿𑒏 𑒪𑒱𑓀𑒏𑒣𑒩 𑒛𑒰𑒅𑒢𑒪𑒼𑒛 𑒪𑒹𑒪 𑒅𑒣𑒪𑒥𑓂𑒡 𑒁𑒕𑒱।

𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰, 𑒢𑒫𑒰𑒛𑒲 𑒂 𑒏𑒻𑒟𑒲 𑒤𑒼𑒢𑓂𑒙 𑒛𑒰𑒅𑒢𑒪𑒼𑒛 Google's Noto Fonts project/ GitHub

𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 𑒢𑒼𑒙𑒼 𑒤𑒼𑒢𑓂𑒙	𑒏𑒻𑒟𑒲 𑒍𑒙𑒲𑒋𑒤	𑒏𑒻𑒟𑒲 𑒙𑒲𑒙𑒲𑒋𑒤	𑒢𑒫𑒰𑒛𑒲 𑒍.𑒙𑒲.𑒋𑒤.	𑒢𑒫𑒰𑒛𑒲 𑒙𑒲.𑒙𑒲.𑒋𑒤.

https://fonts.google.com/ (Google Open Fonts download)

Tirhuta Offline Keyboard download

https://malarproject.gitlab.io/tirhuta (Tirhuta Keyboard Online)

https://keymanweb.com/?_ga=2.7155890.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#mai-tirh,Keyboard_tirhuta

https://keymanweb.com/?_ga=2.241635586.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#mai-tirh,Keyboard_malar_tirhuta

https://aksharamukha.appspot.com/converter (Script/ Website Convertor)

https://aksharamukha.appspot.com/keyboards [Input (IME]

https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts (fonts- opensource)

https://www.cdac.in/ (Tirhuta/ Unicode Typing Tool)

𑒁𑒧𑒹𑒖𑒢 𑒁𑒪𑒹𑒏𑓂𑒮𑒰 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 (𑒬𑒲𑒒𑓂𑒩....)

𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒫𑒱𑒏𑒱𑒣𑒱𑒛𑒱𑒨𑒰 𑒣𑒵𑒭𑓂𑒚𑒏 𑒪𑒱𑓀𑒏:

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 (𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰) https://mai.wikipedia.org/s/kgv
𑒃𑒢𑓂𑒙𑒩𑒢𑒹𑒙𑒏 𑒮𑓀𑒮𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒦𑒰𑒭𑒰 https://mai.wikipedia.org/s/s6h

𑒦𑒰𑒪𑒮𑒩𑒱𑒏 𑒑𑒰𑒕 https://mai.wikipedia.org/s/ipm

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 https://mai.wikipedia.org/s/ie1

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒏 𑒤𑒹𑒮𑒥𑒳𑒏 𑒣𑒹𑒖 https://mai.wikipedia.org/s/iu1

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢 https://mai.wikipedia.org/s/jc2

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒂𑒩𑓂𑒏𑒰𑒃𑒫 https://mai.wikipedia.org/s/jc0

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒩𑒞𑓂𑒢 https://mai.wikipedia.org/s/jc3

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒐𑒼𑒖 https://mai.wikipedia.org/s/jc4

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒮𑒴𑒔𑒢𑒰 𑒮𑓀𑒣𑒩𑓂𑒏 𑒁𑒢𑓂𑒫𑒹𑒭𑒝 https://mai.wikipedia.org/s/jc5

𑒬𑓂𑒩𑒳𑒞𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢 https://mai.wikipedia.org/s/iu7

𑒁𑒢𑒫𑒱𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 𑒂𑒐𑒩 https://mai.wikipedia.org/s/ion

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒑𑒖𑒪 https://mai.wikipedia.org/s/idz

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒥𑒰𑒪 𑒑𑒖𑒪 https://mai.wikipedia.org/s/iex

मैथिली विकि गजल https://mai.wikipedia.org/s/if1

....

विदेह मैथिल पोथी, चित्र-वीडियो, कलाकृति/ यू ट्यूब चैनल डाउनलोड साइट (डायन सार्स)
SAHITYA AKADEMI

http://sahitya-akademi.gov.in/publications/e-books.jsp

http://sahitya-akademi.gov.in/general/Digitalbooks.jsp

CIIL

http://corpora.ciil.org/maisam.htm

अखियासल (रमानन्द झा रमण)

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI1.pdf

ऊआयल कनकनी- महेन्द्र

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI2.pdf

प्रबन्ध संग्रह- रमानाथ झा (बी.ए.एस.सी. सिलवस)

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI3.pdf

सृजन कन दीय पर्व- सं कदान कानन आ अनिरुद्ध ठाकुर

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI4.pdf

मैथिली गद्य संग्रह- सं शैलेन्द्र मोहन झा

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI5.pdf

ARCHIVE.ORG (विजयदेव झा)

https://archive.org/details/%40vijay_deo_jha?&sort=-publicdate&page=2

Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Video Archive

http://videha.co.in/archive.htm

IGNCA

http://ignca.nic.in/coilnet/mithila.htm

http://ignca.nic.in/coilnet/kalyani.htm (MAITHILI ENGLISH DICTIONARY)

मिथिला दर्शन

https://mithiladarshan.com/ (online pdf of Maithili journal)

तीरभुक्ति

https://archive.org/details/@teerbhukti_journal

OLE NEPAL's E-PUSTAKALAYA (https://pustakalaya.org/en/)

याथीक लिंक

आइ.जी.एन.सी.ए.- ए.एस.आइ. https://ignca.gov.in/divisionss/asi-books/

https://ignca.gov.in/Asi_data/16612.pdf (History of Navya-Nyaya in Mithila)
https://ignca.gov.in/Asi_data/42365.pdf (Studies in Jainism and Buddhism in Mithila)
https://ignca.gov.in/Asi_data/63227.pdf (Mithila in the Age of Vidyapati)
https://ignca.gov.in/Asi_data/64994.pdf (Cultural Heritage of Mithila)
https://ignca.gov.in/Asi_data/72754.pdf (Mithila under the Karnatas)

ए.एस.आइ.अंग्रेजी https://tspasibhopal.nic.in/assets/pdf/publication/temples_of_mithila_english.pdf

ए.एस.आइ.दिल्ली https://tspasibhopal.nic.in/assets/pdf/publication/temple_of_mithila_hindi.pdf

मैथिली साहित्य संस्थान https://www.maithilisahityasansthan.org/resources

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure_1 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure_2 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure_3 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

https://bloomlibrary.org/language:mai (ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली)

अरिपन फाउन्डेशन (http://www.aripanafoundation.org/)

PRATHAM_BOOKS_MAITHILI_STORYWEAVER

https://www.youtube.com/playlist?list=PLAT74nNc2fmYaW29mRVAIgzRq63_9zWbI (मैथिली वीडियो बुक्स)

https://www.youtube.com/channel/UCE1HEUJEzc-NUbMsHzklHLw (विदेह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग गीत-अलाउड वीडियो बुक)

https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF (मसाइली कान यनिवर्निकानी नवका)
https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgiT (बलू हम गँ ठीक छी ना!)
https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo (एकटा नीक दिन)

https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp (घन सए)
https://bloomlibrary.org/player/dAzCOFubt7 (की अहाँ ओ चिडै सभकँ देखने छी?)

पोथी डॉट कॉम

https://store.pothi.com/browse/free-ebooks/?language=Maithili

I LOVE MITHILA

https://www.ilovemithila.com/maithili-books-pdf-free-download/ (पोथी डाउनलोड लिंक)

https://www.ilovemithila.com/ *(online maithili journal)*

https://maithili.com.np/ *(owner I Love Mithila)*

ध्यान मैथिल

https://www.youtube.com/channel/UCq3OLlck2tNw8BI4t8jjzQg (*ध्यान मैथिल चैनल- किशन चौधरी आ संगीता आनन्द- मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय यू ट्यूब चैनल)*
https://www.youtube.com/MithilaChapter (मिथिला चैप्टर)

https://www.youtube.com/soumyajha (खिस्सा-पिहानी नेना गुटका लेल)

जानकी एफ.एम समाचार

https://www.youtube.com/user/Janakifm/videos (जानकी एफ.एम समाचार)

Videha e-Learning

https://www.youtube.com/channel/UC4abVKqMj2pDWIAkXiOHp7A

संघ लोक सेवा आयोग/ बिहार लोक सेवा आयोगक परीक्षा लेल मैथिली (अनिवार्य आ ऐच्छिक) आ आन ऐच्छिक विषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हेतु सामिग्री [एन.टी.ए.- यू.जी.सी.- नेट-मैथिली लेल सेहो]

……………………

http://www.youtube.com/user/ggajendra71(विदेह)

https://www.youtube.com/gunjanshree

http://www.youtube.com/user/Maithilinews
http://www.youtube.com/user/jitumaithil (जितेन्द्र झा, जनकपुर)
http://www.youtube.com/user/sobhagya8 (सौभाग्य मिथिला)
http://www.youtube.com/user/rajnipallavi (रजनी पल्लवी)
http://www.youtube.com/user/bhaskaranjha (रास्कर झा)
http://www.youtube.com/user/mahakalijha
http://www.youtube.com/user/karia1885
http://www.youtube.com/user/omuniv
http://www.youtube.com/user/sumankumar137
http://www.youtube.com/user/gyansjha
http://www.youtube.com/user/bclalan
http://www.youtube.com/user/gareri1986
http://www.youtube.com/user/avinashjha84
http://www.youtube.com/user/chandankumarjha1

http://www.youtube.com/user/mailorang
http://www.youtube.com/user/chandanmishra2010

http://www.youtube.com/user/nirmaana

http://www.youtube.com/user/Janakifm1

http://www.youtube.com/watch?v=XpSuVHtbaQ8&feature=mfu_in_order&list=UL

http://www.youtube.com/user/gxcng

http://www.youtube.com/user/gautamkrishna85

http://youtu.be/3i3OG5Nf3y8

http://youtu.be/sJnxSe-ckmo

http://www.youtube.com/user/jitmohanjha

http://www.youtube.com/user/MiTJnPNN

http://www.youtube.com/watch?v=-9KaC8ji9t4

http://www.youtube.com/user/luvvivek2k7

http://www.youtube.com/user/bindassatyandra

http://www.youtube.com/user/rustymind1

http://www.youtube.com/user/MrDeveshKarna

http://www.youtube.com/user/rambabushah

http://www.youtube.com/user/mukeshjha84

http://www.youtube.com/user/Mauahi
www.youtube.com/user/MrBasantjha
http://www.youtube.com/user/themadan
http://www.youtube.com/user/sentukhu

http://www.youtube.com/user/yarowjha

http://www.youtube.com/user/mkoxp
http://www.youtube.com/user/luvvick21

http://www.youtube.com/user/njyclubashok

http://www.youtube.com/user/MrRamkisor

http://www.youtube.com/user/pratyushsangita/
http://www.youtube.com/user/hellomithilaa

http://www.youtube.com/user/mariyoshj

http://www.youtube.com/user/dearshantanu/

www.youtube.com/user/RajuPrasadRajbanshi

www.youtube.com/user/premarshi
http://www.youtube.com/user/Dhipre (धीन्द्र प्रमर्षि)

http://www.youtube.com/user/TheShubhaprabhat

http://www.youtube.com/user/njyclubashok

http://www.youtube.com/user/mithilaconnect

http://www.youtube.com/user/NAYAKSAURABH80

http://www.youtube.com/user/Rabindra888

http://www.youtube.com/user/uday88mandal

http://www.youtube.com/user/nimesdeath

http://www.youtube.com/user/pawanks6102
http://www.youtube.com/user/sahayogee
http://www.youtube.com/user/sunilkumarpawan

http://www.youtube.com/user/videhuk

http://www.dailymotion.com/video/xjophq_documentary-kosi-katha_shortfilms#from=embed

http://blackbuddhas.com/

http://youtu.be/CPwpkn5YI1I

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

४.१.विदेह ई-लर्निङ्ग



[संघ लोक सेवा आयोग/ बिहार लोक सेवा आयोगक परीक्षा लेल मैथिली (अनिवार्य आ ऐच्छिक) आ आन ऐच्छिक विषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हेतु सामिग्री] [एन.टी.ए.- यू.जी.सी.- नेट-मैथिली लेल सेहो]

....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। मुदा प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रभावित बुझाइत अछि, से एकर एकरा एक उदाहरणमे उनटा-पुनटा दियौ, ताव धनि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो इहो पर्याप्त अछि, से जे विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आन भाषा-नीतिक शासन-उदाहरणमे करथि।

IGNOU इग्नू BMAF-001

....

Maithili (Compulsory & Optional)

UPSC Maithili Optional Syllabus

BPSC Maithili Optional Syllabus

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (ऐच्छिक)

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (अनिवार्य)

मैथिली प्रश्नपत्र- बी.पी.एस.सी.(ऐच्छिक)

....

यू. यी. एस. सी. (मस्म) ऑग्नल: मैथिली साहित्य विषयक टस्ट सीनीज

यू.यी.एस.सी. क प्रिलिमिननी यनीजा सम्पन्न रऽ गेल अछि। ज यनीजार्थी एहि यनीजाम उत्तीर्ण कनगाह आ जँ मस्मम हुनकन ऑग्नल विषय मैथिली साहित्य हगाइ गँ आ एहि टस्ट-सीनीजम सम्मिलित रऽ सकैत छथि। टस्ट सीनीजक प्रानम्भ प्रिलिम्सक निजल्टक गक्काल वाद हायत। टस्ट-सीनीजक उत्तन विद्यार्थी स्कैन कऽ editorial.staff.videha@gmail.com यन यठा सकैत छथि, जँ मलसँ यठवाम असाकर्ज हाऽइ गँ आ हमन ह्वाट्सएय नम्बन 9560960721 यन सहा प्रश्नोत्तन यठा सकैत छथि। संगम आ अयन प्रिलिम्सक एडमिट कार्डक स्कैन कएल कॉयी सहा वनीफिकेशन लल यठावथि। यनीजाम सरु प्रश्नक उत्तन नहि ढमय यउत छैक मुदा जँ टस्ट सीनीजम विद्यार्थी सरु प्रश्नक उत्तन दगाह गँ हुनका लल श्रेयस्कन नहगाइ। विदेहक सरु स्कीम जकाँ ऽहीसा यूर्णतः निःशुल्क अछि। - गजेन्द्र ठाकुन

संघ लाक सवा आयाग द्वाना आयाजित सिविल सर्विसज (मुख्य) यनीजा, मैथिली (ऐच्छिक) लल टस्ट सीनीज/ प्रश्न-यत्र- १ आ २

Test Series-1- गजेन्द्र ठाकुन

Test Series-2- गजेन्द्र ठाकुन

....

NTA-UGC/ UPSC/ BPSC Maithili Optional- गजेन्द्र ठाकुन

मैथिली समीजाशास्त्र
मैथिली समीजाशास्त्र (गितहुना)
मैथिली समीजाशास्त्र (राग-२, अनुप्रयाग)
मैथिली प्रतियागिता

[Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) रानायीय राषा यनिवान मध्य मैथिलीक स्थान/ मैथिली राषाक उद्भव आ विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ट, मैथिली)]

(Criticism- Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)

(ज्यातिनीश्वन, विद्यायति आ गाविन्ददास सिलवसम छथि आ नसमय कवि चतुन चतुनगुज विद्यायति कालीन कवि छथि। एयय समीजा शृंखलाक प्रानम्भ कनवासँ यूर्व चानू गाटक शब्दावली नव शब्दक यर्याय संग दल जा नहल अछि। नव आ यूनान शब्दावलीक स्थानसँ ज्यातिनीश्वन, विद्यायति आ

(गोविन्ददासक प्रश्नोत्तरमे ध्यान आओत, संगहि शब्दकोष बढ़लासँ खाँटी मैथिलीमे प्रश्नोत्तर लिखबामे धाख आस्ते-आस्ते खतम होयत, लेखनीमे प्रवाह आयत आ सूक्ष्म भावक अभिव्यक्ति भय सकत।)

(बद्रीनाथ झा शब्दावली आ मिथिलाक कृषि-मत्स्य शब्दावली)

(न्यू एडीशन- प्रथम पत्र- लौकिक गाथामे समाज ओ संस्कृति)

(न्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- विद्यापति)

(न्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- पद्य समीक्षा- बानगी)

(न्यू एडीशन- प्रथम पत्र- लोक गाथा नृत्य नाटक संगीत)

(न्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- यात्री)

(न्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली रामायण)

(न्यू एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली उपन्यास)

(न्यू एडीशन- प्रथम पत्र- शब्द विधान)

(तिरहुता लिपिक उद्भव ओ विकास)

अनुलग्नक-१-२-३ अनुलग्नक- ४-५

(मैथिली आ दोसर पूर्वभारतीय भाषाक बीचमे सम्बन्ध (बांग्ला, असमिया आ ओड़िया) [यू.पी.एस.सी. सिलेबस, पत्र-१, भाग-'ए', क्रम-५])

[मैथिली आ हिन्दी/ बांग्ला/ भोजपुरी/ मगही/ संथाली- बिहार लोक सेवा आयोग (बी.पी.एस.सी.) केर सिविल सेवा परीक्षाक मैथिली (ऐच्छिक) विषय लेल]

NTA_UGC_NET_Maithili_01

NTA_UGC_NET_Maithili_02

GS（Pre）

Topic_1

....

यू.पी.एस.सी. आ आन प्रतियोगिता परीक्षा लेल देखू:

विदेह:सदेह ११	विदेह:सदेह २१	विदेह:सदेह २३	विदेह:सदेह २६	विदेह:सदेह २९
विदेह:सदेह ३०	विदेह:सदेह ३२	विदेह:सदेह ३३	विदेह:सदेह ३४	विदेह:सदेह ३७

....

General Studies

NCERT-Environment Class XI-XII

NCERT PDF I-XII

Sansad TV

http://prasarbharati.gov.in/

http://newsonair.com/

....

Other Optionals

IGNOU eGyankosh

....

यटान (निसार्स सहन)

....

मैथिली मुहावरा एवम् लोकोक्ति प्रकाश- रमानाथ मिश्र मिहिर (खाँटी प्रवाहयुक्त मैथिली लिखबामे सहायक)

डॉ. ललिता झा- मैथिलीक राजन सम्बन्धी शब्दावली (खाँटी प्रवाहयुक्त मैथिली लिखबामे सहायक)

मैथिली शब्द संचय- डॉ श्रीरामदत्त झा (खाँटी प्रवाहयुक्त मैथिली लिखबामे सहायक)

दत्त-वतीक वस्तु कौशल- डॉ. श्रीरामदेव झा

परिचय निचय- डॉ शैलेन्द्र मोहन झा

English Maithili Computer Dictionary (Complete)- Gajendra Thakur

Maithili English Dictionary- गोविंद झा

अणिमा सिंह -शिशु गीत खेल

आनन्द मिश्र (सौजन्य श्री रमानन्द झा 'रमण')- मिथिला भाषाक सुबोध व्याकरण

मैथिली सुबोध व्याकरण- भोला लाल दास

राधाकृष्ण चौधरी- A Survey of Maithili Literature

राधाकृष्ण चौधरी- मिथिलाक इतिहास

राजेश्वर झा- मिथिलाक्षरक उद्भव आ विकास (मैथिली साहित्य संस्थान आर्काइव) (यू.पी.एस.सी. सिलेबस)

दत्त-वती (मूल)- श्री सुरेन्द्र झा सुमन (यू.पी.एस.सी. सिलेबस)

प्रबन्ध संग्रह- रमानाथ झा (यू.पी.एस.सी. सिलेबस) CIIL Site

सुभाष चन्द्र यादव-राजकमल चौधरी: मोनोग्राफ

शिव कुमार झा 'टिल्लू' अंशु-समालोचना

डॉ वचेश्वर झा- निबन्ध-निकुञ्ज

डॉ. देवशंकर नवीन- आधुनिक साहित्यक परिदृश्य

प्रेमशंकर सिंह- मैथिली भाषा साहित्य:बीसम शताब्दी (आलोचना)

डॉ. रमानन्द झा 'रमण'

हिआओल

अखियासल CIIL Site

दुर्गानन्द मण्डल-चक्र

हुन जहि मनलग्नु रहञ्ल सल्कँ सहा यद्धु:-

नामलावन ०क्रुन- मैथिली लाककथा

कुमान यवन (सारान अंगिका)

यञ्ञ० (मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ कथा)

तायनीक खाली यन्ना

कदारनाथ चौधनी

अवाना नहिगन	चमलीनानी	माहुन	कनान	अयना	हीना

डॉ. नमश्च मा

रिन्न-अरिन्न	मैथिली काव्यम अलङ्कान	अलङ्कान-रायन	मैथिली काव्यम ग्रागिष

यागन्ह याठक 'वियागी'

विज्ञानक वाकही	विज्ञानक वाकही राग-२	अकटा मिसिया (कथा संग्रह)
नवक विजय (सम्पूर्ण)	नवक विजय (संशाधित)	किछु गीत मधुन (यात्रा वृत्तांत)
हमन गाम	यिनामितक दश्म	नावाट (अनुदिग साइंस-फिक्सन नाटक)

अनुदिग साहित्य (आन रावासँ)- गजन्ह ठाकुन

विदह:सदह २१ (गजन्ह ठाकुन आ नवि दुखा याठकक आन रावासँ अनुदिग गद्य आ यद्य- अंक १-३७० सँ)

वाल साहित्य (अनुवाद- द्विरावित- मैथिली-अंग्रेजी)- गजन्ह ठाकुन

मसाञ्जी कान यनिर्वानकानी नवका

शेष ४० टा वाल वित्र-याथी नीचाँक लिंकयन:-

सुनु	घन सर	एकटा नीक दिन	बलु हम गँ ठीक छी न!	की अहाँ ओ बिउ सरकँ देखन छी?
टास्त	बठीटा! कनि यटा!	एगऽ हम सर नहि छी	रानगल्लक नाजकुमानी	रानगल्लक नाजकुमानी (विनू शब्दक)
नुया	काच- काच काचाक	चुन्नु- मुन्नुक नहुनाञ्ञ	नना ज बेलुनसँ उ नाञ्ञग छल	अहूण दिवानाबी अंक- शृंखला
हानु	अखन नै, अ खन नै!	जन्मदिनक उत्स न राज	माट नाजा याग्न- दूबउ कुकुउ	बबिया ज अयन हँसी नै ना कि सकैग छलि
अंग्रेजी	हम सूघि सकै छी	छाट लाल- टुहटुह उानी	कनु नीक, रागु नी क	ञ्ञी सरटा विलाउिक दाख अछि!
चारा आ म!	हमन टालक बाट	जखन ञ्ञकउ स्कूल गेल	माछी हुन आउ टा टा!	अमाबीक डलुम मशीन सर
टिंग टांग	याउ-स्याउ- नाह	कुकुउक एकटा दिन	हमना नीक लगैए	नीगाक नब- स्कूलम यहिल दिन
कनी हँसि यौ न!	लाल बनसागी	टुग-ग्रगाक नाट्यशाला	आउ यएन गानी	कगऽ अछि ञ्ञी अंक ग?

बिदह मैथिली-अंग्रेजी टॉकिंग नीत-अलाउउ ािया बुक

https://bloomlibrary.org/player/Wcf6zr5CoF (मसाञ्ञी कन यनिबर्गनकानी नबका)

https://bloomlibrary.org/player/p3sHdYBgiT (बलु हम गँ ठीक छी न!)

https://bloomlibrary.org/player/f19pSdhGMo (एकटा नीक दिन)

https://bloomlibrary.org/player/b2l5wesxCp (घन सर)

https://bloomlibrary.org/player/dAzCOFubt7 (की अहाँ ओ बिउ सरकँ देखन छी?)

....

किछु मैथिली पाथी उाउनलाउ साञ्ञट (डायन सार्स)

Sahitya Akademi

प्रकाशन

डिजिटल-पाथी

CIIL

अखियासल (नमानद्द झा नमध)

डाआयल कनकनी- मद्देन्द्र

प्रबन्ध संग्रह- नमानाथ झा (वी.यी.ऎस.सी. सिलवस)

सृजन कन दीय यर्व- सं कदान कानन आ अननिद्द Oाकून

मैथिली गद्य संग्रह- सं शैलेन्द्र मादन झा

Archive.Org (विजयदव झा)

Videha Maithili eBooks/ eJournals/ Video Archive

IGNCA

Maithili English Dictionary

विस्थान नन्नाकन

मिथिला दर्शन

गीनाुकि

OLE Nepal's e-Pustakalaya

याथीक लिंक

IGNCA-ASI (search keyword Mithila)

History of Navya-Nyaya in Mithila

Studies in Jainism and Buddism in Mithila

Mithila in the Age of Vidyapati

Cultural Heritage of Mithila

Mithila under the Karnatas

Temple Survey Project ASI- English आ Hindi

मैथिली साहित्य संस्थान

दर्शनीय मिथिला (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 1 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 2 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक)

ब्लूम लाइब्रेरी मैथिली

अनियन फाउण्डेशन

Pratham Books Maithili Storyweaver

मैथिली □िया वृक्ष

Videha Read Aloud Talking Maithili Audio Books

यात्री डॉट कॉम

I Love Mithila (यात्री डाउनलोड लिंक)

online maithili journal

owner I Love Mithila

यात्रा मैथिल चैनल- किनक चौधरी आ संगीता आनन्द- मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय यू ट्यूब चैनल

मिथिला रैडियो

मिथिला-विदेहानी नवा गुटका लेल
जानकी एफ.एम समाचार

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्यूब चैनल

....

JNU

मैथिली

मैथिली लर्निंगकन

....

Videha e-Learning YouTube Channel

....

विदेह सम्मान: **सम्मान-सूची** (समानान्तर साहित्य अकादमी, समानान्तर ललित कला अकादमी आ समानान्तर संगीत-नाटक अकादमी सम्मान/ पुरस्कार नामसँ विख्यात)

....

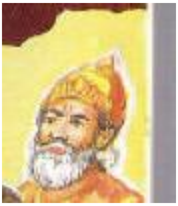
Maithili eBooks/ eJournals/ Videos can be downloaded from: **Maithili eBOOKS/ eJournals/ Videos**

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

४.८.मिथिला रत्न

वि दे ह विदेह Videha বিদেহ http://www.videha.co.in विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

रचना आ नायकक माध्यम पसरल मिथिलाक धरती प्राचीन कालहिसँ महान पुरुष ओ महिला लोकनिक कर्मभूमि रहल अछि। प्रस्तुत अछि मिथिला रत्नक एकटा छोट संग्रह। एहि संग्रहकेँ पूर्ण करबाक हेतु अपन बहुमूल्य संग्रहकेँ editorial.staff.videha@gmail.com केँ पठाउ। आवश्यकतानुसार सर्वाधिकार रचनाकार, सम्बन्धित फोटोग्राफर आ संग्रहकर्त्ताक लगमे छन्हि। फोटो सभ पठेबाक लेल धन्यवाद पाठकगण। सादर। पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकतमिक प्रयोग लेल। विशेष विवरण देखबा लेल क्लिक करू VIDEHA_346, VIDEHA_347 आ मिथिला रत्न/ मिथिला चित्रकला/ मिथिलाक पावनि तिहार (कथा) आ मिथिलाक संगीत।



वैदिक जनक

'वैदेह राजा' ऋग्वेदिक कालक नमी साप्यक नामसँ छलाह, यज्ञ कर्मो सदेह स्वर्ग



वाल्मीकि



सीतापति राम

गेलाह, मृगचर्म वर्णन अछि।
ओ अग्निक संग रहलाह अपन
नगरीक निकट आ गोतम अग्नि
हुनका बचओलन्हि। शतपथ
ब्राह्मणक विदेघमाथव आ
पुराणक निमि दुनू गोटेक
पुरोहित गौतम छथि से दुनू
एक छथि आ एतएसँ विदेह
नामक प्रारम्भ। माथवक पुरोहित
गौतम मिथिलेक यज्ञक/ बलिक
प्रारम्भ कएलन्हि आ पुनः एकर
पुनःस्थापना भेल महाजनक-२
क समयमे याज्ञवल्क्य द्वारा।
निमि गौतमक आश्रमक
लग **जयन्त** आ मिथि -जिनका
मिथिला नामसँ सेहो ज्ञान कएल
जाइत छन्हि, **मिथिला** नगरक
निर्माण कएलन्हि। निमीक
जयन्तपुर वर्तमान जनकपुरमे
छल, मिथीक मिथिलानगरीक
स्थान एखन धरि निर्धारित नहि

भऽ सकल अछि, अनुमानित अछि जनकपुरक लग। �सीरध्वज जनक� सीताक पिता छथि आ एतयसँ मिथिलाक राजाक सुदृढ परम्परा देखबामे अबैत अछि। �कृति जनक� सीरध्वजक बादक 18म पुरुष भेल छलाह। कृति हिरण्यनाभक पुत्र छलाह आ जनक बहुलाश्वक पुत्र छलाह। याज्ञवल्क्य हिरण्यनाभक शिष्य छलाह, हुनकासँ योगक शिक्षा लेने छलाह। कराल जनक द्वारा एकटा ब्राह्मण युवतीक शील-अपहरणक प्रयास भेल आ जनक राजवंश समाप्त भऽ गेल (संदर्भ अश्वघोष-बुद्धचरित आ कौटिल्य-अर्थशास्त्र)।



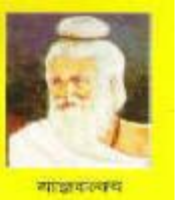
लव कुश



विदग्ध माथव

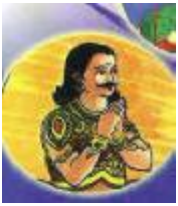
शतपथ ब्राह्मणक विदग्ध माथवक विदेह आगमन, आगिक सदानीरासँ आगाँ नहि बढ़बाक चर्चा।

शतपथ ब्राह्मणक विदग्धमाथव आ पुराणक निमि दुनू गोटक पुरोहित गोतम छथि से दुनू एक छथि आ एतएसँ विदेह नामक प्रारम्भ।



वाजसनेयी याज्ञवल्क्य

याज्ञवल्क्य मिथिलाक दार्शनिक राजा कृति जनकक दरबारमे छलाह। हुनकर माताक वा पिताक नाम सम्भवतः वाजसनी छलन्हि। ओना हुनकर पिता देवरातकेँ मानल जाइत छन्हि। याज्ञवल्क्य १. शुक्ल यजुर्वेद, २. शतपथ ब्राह्मण, ३.बृहदारण्यक उपनिषद आ ४.याज्ञवल्क्य स्मृतिक द्रष्टा/लेखक छथि।



अंगराज कर्ण



वैशेषिक दर्शन कणाद

वैशेषिक दर्शन कणाद



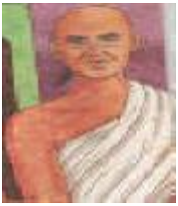
महावीर जैन 599-527

महावीर विदेहक छलाह आ बसाढ़वासी छलथि।



गौतम बुद्ध BC 563-483

ओना तँ महावीर विदेहक छलाह आ बसाढ़वासी छलथि मुदा बुद्ध अपना नै मुदा मिथिलामे बौद्ध धर्मक प्रचार पर्याप्त भेल। बुद्ध वैशाली नगरीमे आम्रपालीक



चाणक्य BC 350-283

धर्म आ विधिक उत्तम कौटिल्यक अर्थशास्त्र आ याज्ञवल्क्य स्मृतिमे बड्ड समानता अछि जे चाणक्यक मिथिलावासी होयबाक प्रमाण अछि।



चन्द्रगुप्त मौर्य चाणक्यक शिष्य BC 340-293

चाणक्यक शिष्य

उत्थानमे लिच्छवीगणकेँ सङ्घक रूप देलाह।	अर्थशास्त्रम्(१.६ विनयाधिकारिक प्रथमाधिकरणम् षष्ठोऽध्यायः इन्द्रियजय अरिषड्वर्गत्यागः) केनाल जनकक पतनक सेहो चर्चा अछि। तद्विरुद्धवृत्तिरवश्येन्द्रियश्चातुरन्तोऽपि राजा सद्यो विनश्यति- यथा। दाण्डक्यो नाम भोजः कामाद् ब्राह्मणकन्यामभिमन्यमानः सबन्धुराष्ट्रो विननाश करालश्च वैदेहः,...।		



आर्यभट्ट वैज्ञानिक 476-550

पञ्जीमे आर्यभट्टक विवरण-

(२१)

(३४/०६) महियापि: मंगरौनी माण्डेन सँ पीताम्बर न सुत दामू दौ मातृ सँ वीजी ग्रिनयनभट्ट: ए सुत ***आर्यभट्ट:*** ए सुत उदयभट्ट: ए सुत विजयभट्ट ए सुत सुलोचनभट्ट (सुनयनभट्ट) ए सुत भट्ट ए सुत धर्मजटीमिश्र ए सुत धानाजटी मिश्र ए सुतब्रह्मजटी मिश्र ए सुत ग्रिपुरजटी मिश्र ए सुत

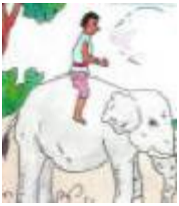


सिद्ध सरहपाद 700-780

सरहपाद-सिद्धिनाथ महंथ पहम पढिआत, मध्य पिवर्णा विसरत अमल्ट। मिथिलामे अज्ञानाश सिद्धिनाथ जकरा पूर्वमे सिद्धिनाथ, गणेशजीक अंकुश आँजी, लिखल जाइत अछि। मिथिलामे ई धारणा जे माँछ पिलासँ स्मरण शक्ति क्षीण होइत अछि; ई सरहपादक मिथिलावासी होएबाक प्रमाण अछि।



आदि शंकराचार्य 788-820 मंडन मिश्रसँ शास्त्रार्थ

विघूजटी मिश्र त सुत। अजयसिंह: त सुत। विजयसिंह: त सुत त सुत। आदिवराह: त सुत। महावराह: त सुत। दुर्योधन सिंह: त सुत। साधन जयसिंहकोचार्यास्य महास्फ विद्या रानळगा महामहोपाध्या य: नरसिंह:।।		
 म.म. गोनू झा 1050 -1150 करमह सारकरियाम गोनू झाक वर्णन यशीम अछि- महामहोपाध्याय धूर्जाज गोनू झा यशीक अनुसार	 कृष्णाराम आ हाथी सुवरन मिथिलाक यादव (गुआर) जातिक लोकदेवता कृष्णाराम अपन हाथी सुवरनयन संगे।	 वंशीधर ब्राह्मण

𑒣𑒲𑒜𑒲𑒏 𑒑𑒝𑒢𑒰 𑒏𑒋𑒪𑒰𑒮𑒿 𑒑𑒼𑒢𑒴𑒏 𑒖𑒢𑓂𑒧 (𑒑𑒼𑒢𑒴𑒏 𑒮𑒰𑒢𑒏𑒢𑒱𑒨𑒰𑒧 𑒏𑒢𑒧𑒯-𑒢𑒮𑒧 𑓒𑓔𑒧 𑒣𑒲𑒜𑒲 𑒔𑒪𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱) *𑒂𑒩𑓂𑒨𑒦𑒙𑓂𑒙𑒏 𑒫𑒰𑒠 (𑒂𑒩𑓂𑒨𑒦𑒙𑓂𑒙𑒏 𑒧𑒰𑒪𑒳𑒢-𑒏𑒰𑒬𑓂𑒨𑒣 𑓓𑓙 𑒧 𑒣𑒲𑒜𑒲 𑒔𑒪𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱) 𑒂 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒣𑒩𑒱𑒢 (𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒫𑒱𑒮𑒋𑒢𑒰𑒢 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳-𑒏𑒰𑒬𑓂𑒨𑒣 𑓑𑓔𑒧 𑒣𑒲𑒜𑒲 𑒔𑒪𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱)*𑒪𑒑𑒦𑒑 𑓑𑓐𑓗𑓐 𑒄.𑒧 𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒋𑒯𑒱 𑒞𑒩𑒯𑒹𑒿 𑒋𑒏 𑒣𑒲𑒜𑒲𑒏𑒹𑒿 𑓔𑓐 𑒮𑒿 𑒑𑒳𑒝𑒰 𑒏𑒪𑒰 𑒮𑒿 𑒂𑒩𑓂𑒨𑒦𑒙𑓂𑒙𑒏 𑒖𑒢𑓂𑒧 𑒪𑒑𑒦𑒑 𑓔𑓗𑓖 𑒄. 𑒂 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒖𑒢𑓂𑒧 𑒪𑒑𑒦𑒑 𑓑𑓓𑓗𑓐 𑒄. 𑒁𑒥𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒃𑒞𑒱𑒯𑒰𑒮𑒮𑒧𑓂𑒧𑒞 𑒁𑒕𑒱।



छेछन महराज

मिथिलाक डोम जातिक लोकदेवता



दीना- भदरी

मिथिलाक मुसहर जातिक लोकदेवता



ज्योति पँजियार



राजा सलहेस

मिथिलाक दुधवंशी (दुसाध) जातिक लोकदेवता



दुलरा दयाल

गोनू झाक गाम भरौड़ाक राजकुमार, "बहुरा गोढ़िन नटुआ दयाल" लोककथाक मलाह कथानायक। भरौड़ाम एखनो हिनकर गहवर छन्हि।

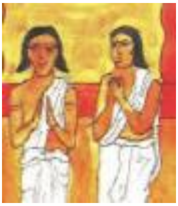


कालिदास



वाचि कायस्थ

विद्यापतिक पुरुष-परीक्षाम मृत्युकालम गंगा नदीक आयब आ वाचि-कायस्थकँ अपनाम सम्बन्धक खिस्सा वर्णित अछि जे बादम विद्यापतिकँ लऽ कऽ सेहो प्रचलित रहल।



राधाकृष्ण आ करताराम मल्लिक

मिथिलाक अमता घरानाक प्रारम्भिक गवैया



हाराज नान्यदेव

िथिलाक कर्णाट ंशक 1097 ई. म ापना। 1147 ई. म मृत्यु।



मल्लदेव

मिथिलाक कर्णाट वंशक संस्थापक नान्यदेवक पुत्र। मिथिलाक



महाराज हरिसिंहदेव

मिथिलाक कर्णाट वंशक। ज्योतिरीश्वर ठाकुरक वर्ण-रत्नाकरम हरिसिंहदेव नायक



ंत्री गणेश्वर

िथिलाक कर्णाट वंशक राजा रिसिंहदेवक

गंधवनिया राजपूत मल्लदेवकेँ अपन बीजीपुरुष मानैत छथि।

अछि राजा छलाह। 1294 ई. मे जन्म आ 1307 ई. मे राजसिंहासन। घियासुद्दीन तुगलकसँ 1324-25 ई. मे हारिक बाद नेपाल पलायन। मिथिलाक पञ्जी-प्रबन्धक ब्राह्मण, कायस्थ आ क्षत्रिय मध्य आधिकारिक स्थापक, मैथिल ब्राह्मणक हेतु गुणाकर झा, कर्ण कायस्थक लेल शंकरदत्त, आ क्षत्रियक हेतु विजयदत्त अहि हेतु प्रथमतया नियुक्त भेलाह। हरिसिंहदेवक प्रनप्तासँ- आ ई हरिसिंहदेव नान्यदेवक वंशज छलाह, ई नान्यदेव कर्णाट वंशक १००९ शाकमे स्थापना कर रहथि- नन्देन्दु शून्यं शशि शाक वर्ष (१०१९ शाक)... मिथिलाक पण्डित लोकनि शाक १२४८ तदनुसार १३२६ ई. मे पञ्जी-प्रबन्धक वर्तमान

ंत्री। *सुगतिसोपानम्* मिथिलाक सांवैधानिक इतिहासक वर्णन।

स्वनुयक ग्रामक्षक निर्णय करओलन्हि। पुनः वर्तमान स्वनुयम थोड़ वृद्धि विलासी लोकनि मिथिलेश महाराज माधव सिंहसँ १७६० ई. मे आदेश करबाए पञ्जीकारसँ शाखा पुस्तकक प्रणयन करबओलन्हि। ओकर बाद पाँजिमे (कखनो काल वर्णित १६०० शाक माने १६७८ ई. वास्तवमे माधव सिंहक बादमे १९०० ई.क आसपास) *श्रोत्रिय*नामक एकटा नव ब्राह्मण उपजातिक मिथिलामे उत्पत्ति भेल।



मीनां साहब



अमन बाबा



नीवन बाबा

मिथिलाक मुस्लिम लोकनिक बीच प्रसिद्ध लोकगाथाक नायक।	मिथिलाक मलाह जातिक लोकदेवता।	मिथिलाक धोबि जातिक लोकदेवता।
		
लालवन बाबा	**बंठा चमार**	**कानिख यजियान**
मिथिलाक चर्मकार जातिक लोकदेवता।		
		
लानिक	**नाय नधयाल**	**अयाची मिश्र**
		ब्रह्मण शास्त्रीक रत्ननाथ मिश्र ते येघ नैयायिक छलाह आ कहिया ककरोसँ कोनो वस्तुक याचना नहि कएलहि, तहि लल

र हुनका अयाची मिश्र कहल

गलाह।



शंकर मिश्र

"बालोऽहं जगदानन्द न मे बाला सरस्वती। अपूर्णे पंचमे वर्षे वर्णयामि जगत्त्रयम् ॥" कहलका। पद्धरम शास्त्रीम भवनाथ मिश्रक घरमे मधुबनी जिलाक सरिसब ग्राममे शंकर मिश्रक जन्म भेल। शंकर मिश्र महाराज भैरव सिंहक कनिष्ठ पुत्र राजा पुरुषोत्तमदेवक आश्रित छलाह। शंकर वर्णित रसार्णव ग्रंथमे भेटैत अछि। शंकर मिश्र कवि, नाटककार, धर्मशास्त्री आ



यज्ञधर मिश्र

विद्यापतिक समकालीन जयदेव मिश्र, जे अपन प्रकाश तर्कक कारण यज्ञधर मिश्रक नामसँ जानल गेलाह।



मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (ज्योतिरीश्वर पूर्व)

मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (विद्यापतिक चित्र: बिहार चित्रकला सम्मानसँ पुरस्कृत पनकलाल मण्डल द्वारा)

कवीश्वर ज्योतिरीश्वर(लगभग १२७५-१३५०)सँ पूर्व (कारण ज्योतिरीश्वरक ग्रन्थमे हिनक चर्चा अछि), मैथिलीक आदि कवि। संस्कृत आ अवहट्ठक विद्यापति ठक्कुरसँ

न्याय-वैशेषिकक व्याख्याकार नहथि। शंकर मिश्र ग्रंथावली- १.गौरी दिगम्बर प्रहसन २.कृष्ण विनोद नाटक ३.मनोभवपराभव नाटक४.रसार्णव५.दुर्गा-टीका६.वादिविनोद७.वैशेषिक सूत्र पर उपस्कार८.कुसुमांजलि पर आमोद९.खण्डनखण्ड-खाद्य टीका १०.छन्दोगाह्निकोद्धार ११.श्राद्ध प्रदीप १२.प्रायश्चित्त प्रदीप।

रहथि। सम्भवतः हिनके नामक वर्णन कालक श्री महेश ठाकुरक पुत्र। समानार्थक पर्यायवाची नामक विद्यापति पदावलीक (गोविन्ददाससँ पूर्वसँ) नृत्य-अभिनय सङ्ग अछि/गोविन्ददास पूर्व विद्यापति:- कश्मीरक अभिनव गुप्त (दशम शताब्दीक अन्त आ एगारहम शताब्दीक प्रारम्भ)- ग्रन्थ �ईश्वर प्रत्यभिज्ञा-विमर्शिनी� मे विद्यापतिक उल्लेख करै छथि। श्रीधर दासक सदुक्तिकर्णामृत, (रचना ११ फरवरी १२०६, मध्यकालीन मिथिला, वि.कृ. ठाकुर)- श्रीधर दास विद्यापतिक पाँच टा पद उद्धृत कएने छथि ज

विद्यापतिक पदावलीक रचना छी।

�जाग न मालति कत परगास

ताब न ताहि मधुकर विलास।� आ

�मृदुला मुकुल काय मकरन्द�

ज्योतिरीश्वर (१२७५-१३५०) **षष्ठः कल्लोल**- ॥अथ विद्यानन्द वर्णना॥ **अष्टमः कल्लोलः**- ॥अथ नायक वर्णना॥ म उल्लेख।







महाराज शिव सिंह

मिथिला नरेश विद्यापतिक आश्रयदाता ओइनवार वंशक महाराज शिव सिंह।

उगना महादेव

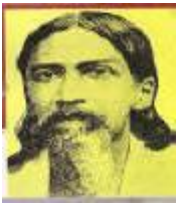
महादेव विद्यापतिक अहिठाम गीत सुनबा लेल उगना चाकर बनि रहैत छलाह।

महाकवि विद्यापति ठाकुर 1350-1435 (मैथिलीक आदि कवि ज्योतिरीश्वर-पूर्व विद्यापतिसँ भिन्न, संस्कृत आ अवहट्ठमे लेखन)

महाकवि विद्यापति ठाकुर 1350-1435

विद्यापति ठाकुरः 1350-1435 बिसइवार बिस्फी-काश्यप (राजा शिवसिंहक दरबारी) आ संस्कृत आ अवहट्ठ लेखक। कीर्तिलता, कीर्तिपताका, पुरुष परीक्षा, गोरक्षविजय, लिखनावली आदि ग्रंथ समेत विपुल संख्यामे कालजयी रचना। ओ मैथिलीक आदिकवि

		विद्यापति (ज्योतिरीश्वर पूर्व)सँ भिन्न छथि। (चित्रक आधार मिथिला सांस्कृतिक परिषद, कोलकाता द्वारा कोनो कलाकारसँ बनबाओल , कलाकारक नाम ६०-७० सालसँ अज्ञात कारणसँ गुप्त राखल गेल अछि।)
 शंकरदेव 1449-1569 पारिजातहरण।	 जगज्ज्योतिर्मल्ल १६१३-३१ हरगौरी विवाह नाटक, कुंज विहारी नाटक।	 सुनीति कुमार चटर्जी मैथिली प्रेमी 1890-1977



अनिरुद्ध घोष मैथिली प्रेमी 1872-1950

विद्यापति गीतक अंग्रेजीमे अनुवाद



डॉ. सर आशुतोष मुखर्जी मैथिली प्रेमी 1864-1924



सर जी. ए. ग्रियर्सन मैथिली प्रेमी 1851-1941



कवि चन्द्रा झा 1831-1907

मूलनाम चन्द्रनाथ झा, ग्राम- पिण्डारूछ, दरभंगा। कवीश्वर, कविचन्द्र नामसँ विभूषित। ग्रियर्सनकेँ मैथिलीक प्रसंगमे मुख्य सहायता



महाकवि लालदास 1856-1921

हिनक जन्म खड़ौआ ग्राममे १८५६ ई. मे तथा मृत्यु १९२१ ई. मे भेलन्हि। हिनक अनेक रचना उपलब्ध होइत अछि, यथा�रमेश्वर चरित रामायण,� स्त्री शिक्षा,� �सावित्री-



म. म. परमेश्वर झा 1856-1924

जन्म 1856 ई. मे तरौनी ग्राम (दरभंगा) जिलामे भेल छलन्हि तथा निधन 1924 ई. मे। संस्कृत व्याकरणक ओ दिग्गज विद्वान् छलाह

कविदास।

कृति- मिथिला भाषा रामायण, गीति-सुधा, महेशवाणी संग्रह, चन्द्र पदावली, लक्ष्मीश्वर विलास, अहिल्याचरित आऽ विद्यापति रचित संस्कृत पुरुष-परीक्षाक गद्य-पद्यमय अनुवाद।

सप्तशती,� �चण्डी चरित,� �विन्दावली,� �दुर्गा सप्तशती,� तन्त्रक मिथिला माहात्म्य� आदि। मैथिलीक अतिरिक्त ई संस्कृत, हिन्दी तथा फारसीक ज्ञाता छलाह। कविताक अतिरिक्त गद्यमे सेहो ई रचना कएल। रमेश्वर चरित रामायण हिनक सभसँ विशिष्ट ग्रन्थ अछि। राम-कथाक उल्लेखमे सीताक महिमाक महत्व दऽ मिथिला तथा मैथिलीक प्रति ई अपन श्रद्धा तथा भक्तिकेँ व्यक्त कएल अछि।

तथा �वैयाकरण केशरी� क उपाधिसँ विभूषित छलाह। मैथिली साहित्यमे अपन कृति �मिथिलातत्व विमर्श� तथा �सीमन्तिनी आख्यायिका�क कारणे महत्वपूर्ण स्थान रखैत छथि। ई महाराज रमेश्वर सिंहक दरबारमे राज-पंडितक पदपर अलंकृत रहि अति सुप्रतिष्ठित छलाह।





सर्वतंत्र स्वतंत्र बच्चा झा 1860-1921



म. म. शशिनाथ झा 1860-1930

अवध विहारी प्रसाद शाही 1859-1929	मधुबनी जिलांतर्गत नवानी(नबानी) गाममे हिनकर जन्म भेलन्हि। हिनक कृति सभ अछि। 1. सुलोचना-माधव चम्पू काव्य, 2.व्यावहारिक तात्पर्य व्याख्यान, 3.गूढार्थ तत्त्वालोक(श्री मद्भगवद्गीता व्याख्यारूप मधुसूदनी टीका पर) 4.व्याप्तिपंचक टीका 5.अवच्छेदकत्व निरुक्ति विवेचन 6.सव्यभिचार टिप्पणी 7.सत्प्रतिपक्ष टिप्पणी 8.व्याप्त्यनुगम विवेचन 9.सिद्धांत लक्षण विवेक 10.व्युत्पत्तिवाद गूढार्थ तत्त्वालोक 11.शक्तिवाद टिप्पणी 12.खण्डन-खण्ड खाद्य टिप्पणी 13. अद्वैत सिद्धि चन्द्रिका टिप्पणी 14.कुसुमाञ्जलि प्रकाश टिप्पणी।	







मुंशी रघुनन्दन दास 1860-1945	मधुसूदन ओझा 1866-1939	म.म. मुरलीधर झा १८६८-१९२९
ग्राम-सखवाड़, जिला-मधुबनी। "मिथिला नाटक" आ "दूतांगद व्यायोग"क लेखक।		जन्म- ग्राम- रुचाम (जिला मधुबनी), अपन मातृक श्यामसीधप बसि गेलाह। काशीसँ १९०५ ई. मे ई "मिथिलामोद" नामक मासिक मैथिली पत्रिकाक प्रकाशन शुरू कलन्हि। हितोपदेश (अनुवाद), मैथिली व्याकरण, "अर्जुन तपस्या" (उपन्यास) प्रकाशित।
		
मुकुन्द झा "बख्शी" 1869-1936	डॉ. सर गंगानाथ झा 1871-1941	जनार्दन झा जनसीदन 1872-1951

जन्म हरिपुर बख्शी टोल ग्राम (मधुबनी जिला) मे 1869 ई. मे भेल तथा हिनक निधन काशीमे 1937 ई. मे भेलन्हि । हिनक लिखल संस्कृत मे अनेक ग्रंथ अछि । मैथिलीमे हिनक महत्वपूर्ण कृति अछि �मिथिला भाषामय इतिहास�। एकर अतिरिक्त मैथिलीमे हिनक फूट निबन्ध सभ सेहो प्रकाशित भेल । मिथिलाक ऐतिहासिक वर्णन सभसँ पहिने हिनक प्रकाशित भेल । एहि इतिहासमे मिथिलाक सर्वांगीण परिचय प्रस्तुत कएल गेल अछि ।

जन्म मधुबनी जिलाक सरिसब-पाही ग्राममे 1871 ई. मे भेल तथा निधन प्रयागमे 1941 ई. मे । ई अपना समयक संस्कृतक प्रकाण्ड विद्वान म. म. चित्रधर मिश्र, म. म. जयदेव मिश्र तथा म. म. शिवकुमार शास्त्रीसँ मीमांसा एवं दर्शनक अध्ययन कएलन्हि तथा दर्शनक विभिन्न दुरूह ग्रंथक अंग्रेजीमे अनुवाद कए पाश्चात्य संसारक ध्यान आकृष्ट कएलन्हि । ई गवर्नमेन्ट संस्कृत कॉलेज बनारसमे 1917 सँ 1923 धरि प्रिंसिपल छलाह तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालयक 1923 सँ 1932 पर्यन्त कुलपति रहलाह । मैथिलीमे हिनक सम्पादित चन्दा झाक �महेशवाणी संग्रह� तथा �गङ्गानाथ-विश्वनाथ पदावली� प्रकाशित अछि । मैथिली साहित्य परिषद् द्वारा प्रकाशित हिनक �वेदान्त दीपक� (दर्शन) विषयक अपूर्व ग्रंथ अछि । एहिसँ

	हिन्न हिनक निबंध सभ सामयिक मैथिली पत्र-पत्रिकाम प्रकाशित अछि ।	
 रासविहारी लालदास 1872-1940 "मिथिला दर्पण" क लेखक।	 रामचन्द्र मिश्र "चन्द्र" 1873-1937 मैथिल प्रभा	 महावैयाकरणाचार्य पं दीनबन्धु झा 1878-1955
 रघुनाथ मिश्र 1879-1933 मैथिली शब्दकोष "मिथिला शब्द प्रकाश"क लेखक।	 कीर्त्यानन्द सिंह	 टंकनाथ चौधरी 1884-1928



रुनग्रीगानन्द उम्मा 1886-1970



कयिलश्चन मिश्र 1887-1987

गाम सलमयून, थाना-उजियानयून, जिला समस्कीयूना ◆सीगादाळ्ळ◆ यूस्फक रुंतानसँ प्रकाशिगा।



बालकृष्ण मिश्र 1888-1948



वलदन मिश्र 1890-1975

हिनक जन्म सहनसा जिलाक वनगाँव ग्राममे 1890 ई. मे एवं निधन रुनवनी, 1975मे



आचार्य नामलोचन शनण 1889-1971

सीगामढीमे जन्म आ दनरंगामे मृत्यु। "मैथिली नामचनिग मानस" सहिग गुलसीदासक समस्त नचनाक मैथिलीमे



सीगानाम झा 1891-1975

जन्म चौगामा ग्राममे १८९१ ई.मे तथा निधन १९७५ ई. मे रुलहि। संस्कृगमे शास्त्रि

रहलाह। प्रारम्भ पं. गेनालाल चौधरीसँ ज्योतिष पढि श्री काशीमे पं. सुधाकर द्विवेदीक शिष्य रहलाह। बहुत वर्ष धरि सनातनी रहन (वाराणसी) मे हस्तलिखित विभागमे कार्य कएल। पश्चात् पटनाक काशीप्रसाद जायसवाल रिसर्च संस्थानमे अनेक प्राचीन पोथी हस्तलिपिकँ देवनागरीमे लिप्यन्तरित कएल। �मिथिलामोद� प्रकाशन एवं म.म. मुरलीधर झाक प्रयाससँ ज्योतिषीजी १९१० ई.सँ �मोद�मे लिखए लगलाह। हिनक प्रकाशित रचना अछि��नामायण शिक्षा�, �वृद्धा झा�, �संस्कृति�, �रामा शिक्षा�, �गद्य-सद्य विवेक�, �समाज� आदि। ज्योतिषीजी यावत् धरि रचना करलाह

लिखल। मिथिलाक्षरमे मैथिलीक प्रकाशनक प्रारम्भ कनिहार। प्रकाशन संस्था "पुस्तक भण्डार", लहेरियासराय, पटनाक संस्थापक।

ात्मक अनेक रचनाक ाधुनिक मैथिलीमे हिनक �अम्ब चरित� महाकाव्य), �सूक्ति सुधा,� लोक लक्षण,� �यदुआचरित,� �पूर्वायन प्रवाह,� उगना चरित,� �अलंकार दर्पण�, �स्कन्ध दर्शन�, �काव्य षट-रस�, �मैथिली काव्यायन�, आदि ग्रन्थ उपलब्ध अछि। हिनक गीताक मैथिली अनुवाद सेहो उपलब्ध अछि। मिथिला मोदक सम्पादन १९२० ई.सँ १९२१ ई. धरि ई कएल।

वनावनि �मिव्हिन�म लिखैत नव्लाव् ।		
 गानाचनद्म झा 1892 -1928	 वद्रीनाथ झा 1893- 1973 जन्म मधुवनी जिलाक सनिसव ग्रामम १८९३ ई. म व्लाइ तथा १९१४ ई. म ई काशी लाव कओलिह । वहुत दिन धनि ई मुजफ्फनपुनक धर्म समाज संस्कृत कॉलजम साहित्यक अध्यापक छलाह । मैथिलीक विख्यात कवि लाकनि यथा सुमनजी, मधुपजी, माव्हनजी आदि व्हिनक शिष्य छथिह । संस्कृत साहित्यम व्हिनक अनक नवना	 ीननाथ नाय 1893- 964

अछि । जाहिमे राधा परिणय� (महाकाव्य) क स्थान विशिष्ट अछि । मैथिलीमे हिनक �एकावली परिणय� (महाकाव्य) एक नवीन कीर्तिमान स्थापित कएलक। काव्य अलंकारक दृष्टान्त रूपमे हुनक �एकावली परिणय� पर्याप्त अछि ।



उमेश मिश्र 1895-1967

जन्म मधुबनी जिलाक गजहरा ग्राममे 1895 ई. मे भेल छलन्हि । ई एकहत्तरि वर्षक आयुमे १९६७ ई. मे प्रयागमे



बाबू धनुषधारी दास 1895-1965

मैथिलीमे विद्यापति कविक अनुवाद प्रकाशित।



अमरनाथ झा 1897-1955

निवास पाहीटोल ग्राममे १८९७ ई. मे भेल । हिनक निधन घटनामे जखन ई विद्वान लोक सभा आयोगक

स्वर्गवासी भेलाह। हिनक अपन
स्वनाम-धन्य पिता म. म. जयदेव
मिश्र तथा म. म. डा. गंगानाथ
झाक सान्निध्यमे विद्यार्जन कएल।
१९२३ सँ १९७९ धरि मिश्रजी
इलाहाबाद विश्वविद्यालयमे
संस्कृतक प्राध्यापक छलाह।
दरभंगा �मिथिला शोध
संस्थान�क निदेशक पदपर
किछु समय कार्य कए १९६२
सँ ६७ धरि कामेश्वर सिंह
संस्कृत विश्वविद्यालयक कुलपति
रहलाह। म. म. मुरलीधर झासँ
प्रकाशित भए �मिथिलामोद�मे
हिनक लेखन प्रारम्भ कएलन्हि तथा
अपन विविध प्रकारक रचनासँ
मैथिलीक गद्यकेँ समृद्ध कएलन्हि।
मैथिलीमे हिनक प्रसिद्ध ग्रन्थ
अछि��कमला�
(शेक्सपीयरक �टेम्पेस्ट�क
रूपानुवाद), �नलोपाख्यान�,

अध्यक्ष छलाह, १९७७ मे
भेलन्हि। हिनक इलाहाबाद
विश्वविद्यालयक तीन वर्ष धरि
कुलपति रहि पश्चात् हिन्दू
विश्वविद्यालयक सेहो कुलपतिक
पदकेँ सुशोभित कएलन्हि। हिनक
अंगरेजीक प्रकाण्ड विद्वान्
छलाह, ताहि संग
हिन्दी, उर्दू, फारसी, संस्कृत, बङ्ला
एवं मैथिलीक सेहो अद्भुत
विद्वान् छलाह। मैथिलीमे हिनक
द्वारा सम्पादित �हर्षनाथ काव्य
ग्रन्थावली� तथा �गोविन्ददासक
शृङ्गारभजन� महत्त्वपूर्ण अछि
एहिसँ भिन्न हिनक मैथिली
साहित्य परिषदक अध्यक्षीय
भाषण तथा अन्य लेख प्रकाशित
अछि।

�मैथिली-संस्कृति� तथा अनेक वर्णनात्मक एवं आलोचनात्मक निबन्ध; मनबोधक कृष्णजन्मक सम्पादन, विद्यापतिक कीर्तिलता, कीर्तिपताका, गोरक्ष विजय आदिक अनुवाद-सम्पादन सेहो कएल।



रालालाल दास 1897-1977

हिनक जन्म दरभंगा जिलाक कसरौर म भेलन्हि। साहित्य सर्जनाक अतिरिक्त अयन संगठन क्षमता तथा मैथिली साहित्यक सर्वांगमुखी विकासक हेतु सतत तत्पर रहबाक



कुमार गंगानन्द सिंह 1898-1971

जन्म�बनैली राजपरिवारमे 24-9-1898, मृत्यु:-श्रीनगर पूर्णियाँ 17-1-1970। स्वर्गीय शिक्षामंत्री, बिहार एवं कुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय। रचना�अगिलही (अपूर्ण उपन्यास) तथा अनेक कथा



व्रजमोहन ठाकुर 1899-1977

कानधँ रला वावू मैथिली संसानक ७क स्न्नक नुयम नरुलारु । रिनक निधन 1977 ई. म रुल । मैथिलीक प्रचार-प्रसारम ई अयन जीवन समयित क७न छलारु। याथक्रमम मैथिलीकँ स्थान रु नारि रुमु ई वी७ उ०उलक्टि । विद्यालय स्नक अलक याथीक निर्माध क७ल । मैथिली सारित्य यनिषदक ई संस्थायक मण्डलक सदस्य छलारु । 1931 सँ 1940 ई. यर्यन्त उकन प्रधान मन्त्री नरुलारु । रिनक मन्त्रित्वकालम �रानी� नामक मासिक यत्रक प्रकाशन रुल । ७रिसँ यूर्व (१९२९-३१) कृ७श्वन कुमनजीक संग संयुक्त सम्यादनम �मिथिला� नामक यत्र चलाउल । ई नवीन ७वं ७कांकी । यूगक अनुनुय सामाजिक कुनीनि आदिकँ आधान वना७ सुधानवादी दृष्टि७ँ कथा सरत्रिक नवना ।

एवं प्रगतिशील विचारक लोक छलाह। ओतय लेखककेँ प्रोत्साहित करब, शैलीमे एकरूपता आनब, नव प्रकाशनसँ मैथिलीक साहित्य संतानक वृद्धि करब हिनक कर्तव्य बनि गेल छल। हिनक लिखल �मैथिली व्याकरण� तथा हिनकहि द्वारा सम्पादित �गद्यकुसुमांजलि बहुत दिन धरि विद्यालयमे पढ़ाओल जाइत रहल। हिनक लिखल अनेक निबन्ध समालोचना, कविता, संस्मरण, जीवनी-साहित्य मैथिलीक पत्र-पत्रिकामे छिड़िआएल अछि।







गुननश्वन प्रसाद 1902- दनरुंगा जिलाक वनौली गाम, निवास नायसाह्व याखनि लहनियासनाया सनस्नी स्कूल लहनियासनायम १९३०-१९६४ ई. धनि अध्यायना मैथिलीम "वाल नामायण� प्रकाशिता	जयनानायण मा 'विनीत' 1902-1991	नन्ध्र नाथ दास वि द्यालंकान १९०४-१९९३
 सुधाकन मा "शास्त्री" 1904-1974	 दामादन लाल दास विशान द 1904-1981	 ववुआजी मा 'अ स्नाप' 1904-1996 २००१- ववुआजी मा �अस्नाप� (प्रगिस्रा

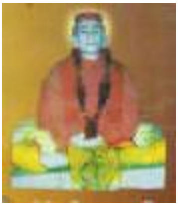
		फागुन, महाकाव्य)लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।
 श्रीवल्लभ झा हाटी 1905-1940	 रमानाथ झा 1906-1971 जन्म दरभंगा जिलाक उजान (धर्मपुर) ग्राममे 1906 ई. मे एवं हिनक निधन दरभंगामे १९७१ ई. मे भेलन्हि। 1930 ई. मे अङ्गरेजीमे एम. ए. कएलाक बाद ई कएक वर्ष धरि मधेपुर उच्च विद्यालयक प्रधानाध्यापक छलाह, तकरा बाद दरभंगा-राज-लाइब्रेरीक पुस्तकालयाध्यक्ष पदमे 1936 सँ अन्तिम समय धरि रहलाह	 काशीकान्त मिश्र "मधुप" 1906-1987 १९७0- काशीकान्त मिश्र �मधुप� (राधा विरह, महाकाव्य) पर साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त मैथिलीक प्रसिद्ध कवि आ मैथिलीक प्रचार-प्रसारक समर्पित कार्यकर्ता �संकल्प� कवितासँ क्रान्ति गीतक आह्वान कएलनि। प्रकृति प्रेमक

। 1952 सँ 62 चन्द्रधारी मिथिला कॉलजम प्रा. मा अद्धनजीक प्राध्यापक नुयँ कारुka यश्चात् उाही कॉलजम मैथिली विरुगाध्यक्ष वनाउल (गलाह । 1965 म नमानाथ वावू साहित्य अकादमीक मैथिलीक प्रतिनिधि निर्वाचित रुलाह जाहि यद यन उा जीवनक अन्त समय तक नहलाह ।

हिनक नचनाक उन्न वहुत ब्यायक छल । हिनक अनुसंधानात्मक निवंक दु (गाट संग्रह �निवन्धमाला� तथा �प्रवंध संग्रह� प्रकाशित अछि । संकलित सम्पादित यूस्तक सरुम �मैथिली यद्य-संग्रह�, �मैथिली गद्य-संग्रह�, �प्राचीन गीत�, �कथा काव्य�, �नवीन गीत�,

विलउाध कवि । �घसल अउाी कविताक लल कथ्य आ शिल्य-संवदना�दृहु स्फन यन वनम लाकप्रियता रुटलनि।

�कविता कुसुम�, �कथा संग्रह� आदि अछि। �कथासरित्सागर�क आधार पर प्राञ्जल गद्य शैलीमे हिनक �उदयन-कथा� तथा �वनवृत्ति-कथा� बड़ ख्याति पओलक। व्याकरणक �मिथिला भाषा प्रकाश�, �अलङ्कारप्रवेश� आदि अनेक ग्रन्थ प्रकाशित अछि। �मैथिली साहित्य पत्र� त्रैमासिक पत्रिकाक संपादक।



लक्ष्मीनाथ गोसाञि 1793-1872



मही दास



बुद्धन रगम, सं 1928-1991

धनहना कोठी_वनमनखी_अ्सली नाम_नामानुग्रहलाल दास_आश्रम_मायामाहल्ला, कुप्पाघाट, रागलपुन



अरिनाम दास

मिथिलाक प्रसिद्ध रागवत वाचक।



स्नेहलता 1909-1993

गाम- उनाठी, समस्तीपुन। पूर्ण नाम- कपिलदेव ठाकुन "स्नेहलता"। नामाश्रयी नसिक सम्प्रदायक संत। हिनकान नचिता वैदही विनाह संकीर्तन, विनय पदावली, शिवनाथी, चानननी, मूला- संकीर्तन, सीतानानन्द प्रवन्धकाव्य आ स्नेहशतक- दाहावली-कविता आदि मिथिलाक महिला वर्ग आ



स्वतंत्रता सेनानी स्व. नामफल मण्डल

संकीर्तनकान लाकनिक कं0म यनिच्याफ अछि आ लाकमंगलक अनुष्ठानम च्यायक नुयँ च्यनव्हा अछि। व्हिनक "वैदही निनाव्ह" मिथिलाक कीर्तनिया नाच्य यनम्यनाकँ लाकनुचिक अनुकूल वनौन अछि।



सुद्दन मा "शास्त्री" 1930-1998

जनकयून, नयाल, यूनानस्थाक जलक दूर्लव स्हाटा। नयाल यज्ञा यगिष्ठानक मानद सदस्यता- स्व. सुद्दन मा शास्त्री।



कांञ्चीनाथ मा "किनध" 1906-1988

जन्म स्थान-धर्मयून,लाव्हना नाउ, दनरंगा विव्हान। मैथिली राषा आंदालनम मव्हत्वयूर्ध रूमिका। �यनाशन� मव्हाकाच्य लल साव्हित्य अकादमी उा�कथा किनध� लल वैदही यूनस्कानसँ



यामानन्द मा 1906-1949

सम्मानित। प्रकाशित कृति:

चंद्रग्रहण (उपन्यास), दीन-प्रसून

(बालकथा), जय जन्मभूमि

(एकांकी), विजेता

विद्यापति (नाटक), कथा-किरण

(कथा-संग्रह), किरण-

कवितावली, काक दिनक

बात (कविता-संग्रह), पराशर

(महाकाव्य) आ किरण-निबंधावली

(निबंध-संग्रह)

आदि। १९८९- काशीनाथ

झा �किरण�

(पराशर, महाकाव्य)पर मैथिली मे

साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ

सम्मानित।







रमाकान्त झा, नेपाल 1907-1971

काशीनाथ झा 1907-1965

बहुमुखी प्रतिभाक कवि। प्राचीन आ नवीन पद्धतिक काव्य-रचनाक विलक्षण संयोग हिनकर कवितामे देखैत अछि। दलित वर्ग, शोषणक समस्या, स्वदेश प्रेमक यथार्थवादी रचनाक संग संग व्यक्तिनिष्ठ कल्पनाक अनेक विशिष्ट कविता मैथिलीमे लिखलनि।

भुवनेश्वर सिंह 'भुवन' 1907-1944

अपन समयक बहुमुखी प्रतिभाक कवि। प्राचीन आ नवीन गीतिक कविताक रचना प्रचुर संख्यामे कएलनि ?भुवन रागिनी? कविता संकलन प्रकाशनसँ मैथिली डाज आ नव चानाक शंख फूकलनि।



हरिमोहन झा 1908-1984

हिनकर मैथिली कृति १९३३ मे ?कन्यादान?



कालीकान्त झा 1909-

मूल गाम

ढंगा (हरियून), मधुबनी। हुन मातृक वनदवड़ा,या.



गंगानाथ झा 1909-1984

जन्म १९०९ ई मे दरभंगा जिलाक धर्मपुर ग्राममे भेलन्हि

(उपन्यास), १९४३
म "द्विरागमन�(उपन्यास), १९
४७ म �प्रथम दम्पती�
(कथा-संग्रह), १९४९
म �रंगशाला�(कथा-
संग्रह), १९६०
म �चर्चरी�(कथा-
संग्रह) आऽ १९४८
ई. म �खट्टर ककाक तरंग�
(व्यंग्य) अछि। मृत्युपरांत
१९८७म (जीवन
यात्रा, आत्मकथा)पर मैथिलीक
साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ
सम्मानित।

उपलाह, राधा-
मदनपुर, जिला-पूर्णियाम वसि
गेलाह। साधना
(मधुबनी), मदनपुर आ काशीम
यामिनी व्याकरणक
अध्ययन। "हनुमान चरित"क
लेखक।

मृत्यु ४-७-�८४,चक्रधानी
मिथिला कॉलेजम अर्थशास्त्रक
प्राध्यापक छलाह। अवकाश
ग्रहण क काव्य साधनाम
लागल रहलाह।
महाकाव्य, मुक्तक, एकांकी सब
विधाम ई सिद्ध हस्त छलाह
। हिनक �कीचक
वध� महाकाव्य
अछनजीक �ब्लैंक वर्स�
(अमित्राक्षर छन्द) म लिखल
अछि।
मैथिलीम �सौनेट� एवं ब्लैंक
वर्स�क ई प्रथम प्रयोक्ता
थिकाह। संस्कृत परम्पराम
काव्य रचना करितहुँ पाश्चात्य
शैलीक नवीनता हिनका
रचनाम रहल।
हिनक �कीचक
वध� डा �कृष्ण
चरित� महाकाव्य��मङ्गल-

पञ्चशिका� एवं �समस्या�
मैथिली साहित्यमे अपन
विशिष्ट स्थान रखैछ। एकर
आत्मिक मूलक काव्यमे
विषय वस्तुक व्यापकता एवं
शिल्प मौलिक प्रस्तुतता अपेक्षित
अछि। एक दिश यदि
प्राचीन ढंगक लेखन रहनाक
रचना कएलहि तँ दोसर
दिस �सौनेट�
(चतुर्दशपदी) �वैलेड� आ
दि लिखबामे पूर्ण सफलता
प्राप्त कएलहि। �कृष्ण
चरित� महाकाव्य पर
हिनका 1979 ई० क
साहित्य अकादमी पुरस्कार
भेटलहि। 1980 ई. मे
हिनका अभिनन्दन
ग्रन्थसमर्पित कएल गेलहि।



जीवनाथ झा 1910-1977



सुरेन्द्र झा 'सुमन' 1910-2002

जन्म: ग्राम : बल्लीपुर, जिला-समस्तीपुर। प्रकाशित कृति: प्रतिपदा, अर्चना, साओन-भादव, अंकावली, अन्तर्नाद, पयस्विनी, उत्तरा आदि तीससँ अधिक मौलिक कविता-पुस्तक; पुरुष-परीक्षा, अनुगीतांजलि, ऋतु शृंगार तथा वर्णरत्नाकर, पारिजात-हरण, कृष्णजन्म, आनन्द-विजय आदि कतिपय ग्रन्थक अनुवाद-संपादन; �मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव� नामक समीक्षा-ग्रंथ। �पयस्विनी� लेल १९७१ मे साहित्य अकादमी पुरस्कार



पं. रामचन्द्र झा 1910-

गाम तरौनी। काशी मिथिला ग्रन्थमालाक सम्पादक।

	तथा �उच्चना� सन १९१८ म मैथिली अकादमीक विद्यापति पुरस्कार प्राप्त । मैथिलीक प्रथम दैनिक पत्र �स्वदेश�क लब्धप्रतिष्ठ सम्पादक। १९९१- सुरेन्द्र झा �सुमन� (रवीन्द्र नाटकावली- रवीन्द्रनाथ टैगोर, बांग्ला)लेल साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार। २००० ई.- पं.सुरेन्द्र झा �सुमन�, दरभंगा;यात्री-चेतना पुरस्कार।	
 'नागार्जुन' वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' 1911-1998	 आरसीप्रसाद सिंह 1911 -1996 जन्म: ग्राम-एरौत, जिला-समस्तीपुर । प्रकाशित कृति: माटिक दीप, पूजाक	 गुरु जयदेव मिश्र 1 911- 1991 शिष्य गंगानाथ झा

जन्म अपन मामागाम सतलखाम स्लहि, ज स्लनकान गाम तरौनीक समीपहिम अछि, जिला-दनगा । मूल नाम: वैद्यनाथ मिश्र । हिन्दीम नागार्जुन नाम प्रख्यात । प्रकाशित कृति: चित्रा, पत्रहीन नग्न गाछ (मैथिली कविता-संग्रह); पारो, वलचनमा, नवतुरिया (मैथिली उपन्यास); युगधारा, सतरंगे पंखोंवाली, प्यासी पथराई आँखें, खिचड़ी विप्लव देखा हमने, तुमने कहा था, हजार हजार वाहों वाली, पुरानी जूतियों का कोरस, नागार्जुन, ऐसे भी हम क्या ! ऐसे भी तुम क्या ! (हिन्दी कविता-संग्रह); रतिनाथ की चाची, वलचनमा, नई पौध, वावा वटेसरनाथ, वरुण के	फूल, सुर्यमुखी (कविता-संग्रह), मेघदूत (अनुवाद), आनसी, नन्ददास, संजीवनी (हिन्दी काव्य संग्रह)। �सुर्यमुखी� लेल १९८४ म साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त ।	

वट, दुखमोचन, कुम्भीपाक, अभिनन्दन, उग्रतारा, इमरतिया (हिन्दी उपन्यास); आसमान में चन्दा तैरे (कहानी संग्रह); भस्मांकुर (हिन्दी खण्ड काव्य); अन्नहीनम् क्रियाहीनम् (निबन्ध-संग्रह); गीत (गोविन्द; मेघदूत; विद्यापति के गीत, विद्यापति की कहानियां (अनुवाद)। �पत्रहीन नग्न गाछ� लेल १९६८ म साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त। यायावरी जीवन। मैथिली प्रतिनिधिक नूयम नूस ऊमक। नागार्जुन (**स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र �यात्री�**), हिन्दी आ मैथिली कवि, १९९४ ई.म **साहित्य अकादमीक फेलो** (भारत देशक सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कार)।



य(गाधन मा

मिथिला वैरव, दर्शन मैथिली याथीयन 1966 म यहिल साहित्य अकादमी यूनस्नान मैथिली लल ग्राप्न।



वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु' 1912-1987

१९१६- वैद्यनाथ मल्लिक �विधु� (सीतायन, महाकाव्य) लल मैथिलीक साहित्य अकादमी यूनस्कान।



ीम मा 1912-

ूर्णिया जिलाक मदनयून ामक। जन्म ७ नवम्बर १९१२ ी.। वर्नेलीक श्री श्यामानन्द संहक अध्यञाम �नानायध संकीर्णन महामण्डली�क ायना।



नाधानाथ दास १९१२-



उपन्द्र ठाकुर 'मोहन' 1913-1980

जन्म १९१३ ई. म दनभंगा जिलाक वानिया ग्राम्म रलहि। मृत्यु २४-



ायनाथ मिश्र 1913-985

ए-१९४० । संस्कृत शिक्षामे साहित्याचार्य ओ बड़ौदा नरेशक विद्वत्-परिषदसँ �साहित्य-रत्न�क उपाधिसँ विभूषित भेलाह । दैनिक आर्यावर्तमे आदिअहिसँ, पश्चात् १९६० सँ मिथिला मिहिरक उप-सम्पादक एवं सह-सम्पादक रूपेँ कार्य करैत १९७१ मे सेवा निवृत्त भेलाह ।मोहनजी करीब पचास वर्ष साहित्य साधनामे लागल रहलाह ।

विजयानन्द, कुंजरंजन, सुदर्शन, पुण्डरीक, शास्त्री, वामन आदि छद्म नामसँ पत्र-पत्रिकामे विविध विषयपर हिनक लेख सभ प्रकाशित भेल अछि ।मोहन जीक �बाजि उठल मुरली�मे १०१ गोट कविताक संकलन अछि जाहिमे हिनक सुदीर्घ काव्य-आराधनाक विभिन्न विचारधाराक ओ विभिन्न अनुभूतिक सामग्री उपलब्ध अछि । एहि पुस्तकपर मोहन�जीकेँ १९७८ मे साहित्य अकादमी पुरस्कार

	रहलाह। ओहिसँ पहिने पूर्व हिनक �फूलडाली� नामक कविता संग्रह सेहो प्रकाशित भेल छल ।	
 श्रीकांत ठाकुर "विद्यालंकार"	 शशिकान्त सदानन्द झा 1914-1998 लब्ध प्रतिष्ठ ज्योतिषशास्त्र मार्तण्ड शशिकान्त सदानन्द झा, शिवनगर, अररिया, पूर्णियाँ। पिता-स्व. श्री रिखिया झा। पुत्र- शशिकान्त रिखिया झा। पूर्णिया जिलाक बनैली लगक शिवनगर गामक। जन्म २२ सितम्बर १९१४ ई.। सौराठ अपन मौसा स्व. लुटनझा सँ ज्योतिषशास्त्रक अध्ययन। १९४८-१९७१ ई. धरि दरभंगाम	 आनन्द झा 1914-1988

नहि आचार्य रमानाथ झाकेँ यौति पठौलनि। शास्त्रार्थ परीक्षा- दरभंगा। महाराज कुमार जीवेश्वर सिंहक यज्ञोपवीत संस्कारक अवसर पर महाराजाधिराज(दरभंगा) कामेश्वर सिंह द्वारा आयोजित परीक्षा- 1937 ई. आदिम मौखिक परीक्षाक मुख्य परीक्षक म.म. डॉ. सर गंगानाथ झा छलाह।



टोकियो हासेगावा, निदेशक मिथिला म्युजियम, निगाटा



माँगनि खबास 1908-1943 संगीतज्ञ

पचगछियामे जन्म आ अल्प वयसमे मृत्यु। पचगछियाक रायबहादुर लक्ष्मीनारायण सिंहक शिष्य।



रामाश्रय झा 'रामरंग' अभिनव सदारंग (1928-2009

जन्म ११ अगस्त १९२८ ई. तदनुसार भाद्र कृष्णपक्ष एकादशी तिथिकेँ मधुबनी

जिलान्दर्गग खड़ना नामक गामम रलहि। अरिग्नव गीगांजलि, दूनकन उत्वकाटिक शास्त्र नवना अछि। मिथिलावासी श्री नामनंग नाग गीनगुक्रिप, नाग वेदही रैनव, आऽ नाग विद्यापति कल्याध कन नवना सद्य कउन छथि आऽ मैथिली रावाम दिनकन खयाल �नंजयति ळ्नि नागः� कन अनुनुय अछि।



नामवतुन मल्लिक ध्रुय द संगीग 1905-1990



अरण्यनानायध मल्लिक



कुमान गानानद्द सिंह, संगीगज्ञ



संगीताचार्य रायबहादुर लक्ष्मीनारायण सिंह



पंडित रामानन्द चौधरी, संगीतज्ञ



हृदयनारायण झा



संगीत शास्त्र राजकुमार श्यामानन्द सिंह १९१६-१९९४



मिथिलेश कुमार झा, तबला वादन



नागेश्वर लाल कर्ण, तबला वादक



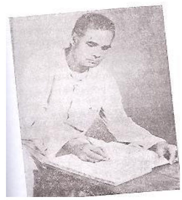




वावू साह्व चौधनी 1916-1998	लक्ष्मण (लखन) झा 1916-2000	ुद्वदन झा 'उग्रल' 1916-
दनरंगा जिलाक दुलानयून गामका १९४३ ई. म जीविकार्थ कलकत्ता अएलाह। ननम कआम स्वनाम आन्दोलनम वाम कए मिआक ईशिग्नी। कलकत्ताम स्थानीय मैथिल संघम प्रवश। कलककाम मैथिली आर्ट प्रस. ९/१, खिलाग घाव लन, कलकत्ता-७००००६ सँ मैथिली-मिथिला आन्दोलनम सक्रिय। �कुह्स� आ �वाघ्न क्ष� दुटा नाटका १९७१-७९ धनि �मिथिला दर्शन� आ �मैथिली दर्शन� मैथिली मासिकक सम्पादन।	मिथिला नायक अरियानी।	गाउ जिलाक अलखदन्द-महनयूनक निवासी। जन्म १६ अक्टूबन १९१६ ई.।



रामचन्द्र पाण्डेय "अग्नू" १९११-२०१०



लक्ष्मीनाथ झा मिथिला चित्र कला 1917-1990



उपेन्द्र नाथ झा 'व्यास' 1917-2002

जन्म स्थान-हरिपुर बकशीटोल, मधुबनी, बिहार। १९६९- उपेन्द्रनाथ झा �व्यास� (दू पत्र, उपन्यास) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित। साहित्य अकादमीक अनुवाद पुरस्कार प्राप्त। प्रकाशित कृति: कुमार, दू पत्र (उपन्यास), विडंबना, रचना रजल (कथा-संग्रह), पतन संन्यासी, प्रतीक (काव्य), महारानात (पहिल दू सर्ग) आदि।



मनमोहन झा 1918-2009

जन्म

सनिसबम, अशुकधा, वीनराथा,

मिथिलाक

निशायुनमा। २००९- स्व.मनमोहन

झा (गंगापुत्र, कथासंग्रह)पर

मृत्योपरान्त साहित्य अकादमी

पुरस्कार।



ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' 1918-1986

जन्म स्थान-बेहटा, दरभंगा बिहार।

१९७३- ब्रजकिशोर वर्मा �मणिपद्म�

(नैका बनिजारा, उपन्यास) लेल साहित्य

अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।

उपन्यासकार, कथाकार आ कवि।

प्रकाशित कृति:

कावागर्ल, कनकी, अर्द्धनारीश्वर, लालिक

विजय, नैका-बनिजारा, लवहरि-

कुशहरि, नाय नधयाल, आदिम गुलाम

आदि उपन्यास आ कं0हार (नाटक)

आदि।



पं. सहदेव झा १९१९-

"मिथिला की धरोहर" पोथी

प्रकाशित।



बुद्धिधारी सिंह रमाकर 1919-1991

जन्म मधुबनीमे 1919 ई. मे भेल। अपन पिता स्व. उमधारी सिंहसँ विविध विषयक शिक्षा ग्रहण कएलन्हि। ई रामकृष्ण कॉलेज, मधुबनीक मैथिली विभागाध्यक्ष छलाह। जतएसँ अवकाश प्राप्त कएलन्हि। बाल्य-वयसहिसँ ई कविकार्यमे लागल रहलाह अछि। संस्कृत तथा मैथिली दुनू भाषामे हिनक रचना प्रकाशित अछि। यथा�मैथिलीमे �प्रयास� (कथा-संग्रह), �मधुमती�,



आद्याचरण झा 1920-



चन्द्र भानु सिंह 1922-

२००४- चन्द्रभानु सिंह (शकुन्तला, महाकाव्य)लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।

�अमनवायु� (कविता-संग्रह), �शरशय्या� (खंड-काव्य) �स्मृति सारस्वत� (महाकाव्य) आदि।



सुधांशु शेखर चौधरी 1922-1990

जन्म दरभंगाक मिश्रटोलामे 1922 ई. मे भेलन्हि तथा मृत्यु 1990 ई. मे भेलन्हि। किछु दिन विभिन्न जीविकामे रहि पश्चात् साहित्यकारक जीवन प्रारम्भ कएल। किछु दिन �वैदेही�क सम्पादन श्री सुमनजी एवं श्री कृष्णकान्त मिश्रजीक संग कएल



गोविन्द झा 1923-

जन्मस्थान- इसहपुर, सरिसब पाही, मधुबनी, बिहार। सिद्ध कथाकार, उपन्यासकार, नाटककार, भाषा वैज्ञानिक ओ अनुवादक। साहित्य अकादमी पुरस्कार, साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कारसँ सम्मानित। बिहार सरकारसँ कामिल बुल्के पुरस्कार, ग्रियर्सन पुरस्कार आदिसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: उपन्यास, नाटक, कथा, कविता, भाषा



योगानन्द झा 1923-1986

हिनक जन्म मधुबनी जिलाक कोइलख ग्राममे 1923 ई. मे भेलन्हि। मृत्यु 1986 मे भेलनि। अंग्रेजीमे एम. ए. कएलाक पश्चात् ई किछु दिन चन्द्रधारी मिथिला कॉलेजमे प्राध्यापक रहलाह। बिहार प्रशासनिक सेवामे 1981 धरि विभिन्न

गाश्चात् 1960 ई. सँ 1982 ई. धरि यटनाम �मिथिला मिहिर��क सहल सम्पादन कउल। हिनक दु गोट नाट्यकृति-�एकाङ्ग बारहक जिनगी�, लटाङ्ग आँचन�, तथा �यहिल साँम� हिनक नाटकक नीक व्यावहारिक अनुहवक यनिवायक अछि। छद्मनामसँ हिनक दु गोट उपन्यास मिहिर� म प्रकाशित हल अछि। हिनक उपन्यास ई कारा संसान� ज मैथिली अकादमी द्वारा प्रकाशित हल आ जाहि यन 1980 क साहित्य अकादमीक पुरस्कार दल गेल।

विज्ञान आदि विभिन्न विधाम अउगीस टा पाथी प्रकाशित। प्रकाशन: सामाक पौती,नयाली साहित्यक इतिहास (अनु) आदि। १९९३- गोविन्द मा (सामाक पौती, कथा)पुरस्क लल सहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित। १९९३- गोविन्द मा (नयाली साहित्यक इतिहास- कुमान प्रधान, अंग्रेजी) लल साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार। प्रवाध सम्मान 2006 सँ सम्मानित। विदह सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादमी हला पुरस्कार २०१० (समग्र यागदान लल)

यदयन कार्य कउल। गाश्चात्मैथिली अकादमीक निदशक �84 धरि। यागानन्द माजी मैथिली साहित्यम अयन उपन्यास �हलमानुस� एवं �यविनास�क हतु ख्यात छथि। हिनक नाटक �मुनिक मणिराम� एवं कथा संग्रह �उउत वंशी� यथेष्ट प्रतिष्ठा प्राप्त कउन अछि। एकर अतिरिक्त ई महात्मा गान्धीक आत्मकथाक अनुवाद एवं �आमक जलखनी� नामक एक कथा संग्रहक सम्पादन सहा कउन छथि।



रामकृष्ण झा 'किसुन' 1923-1970

आधुनिक धाराक विशिष्ट कवि, कथाकार, चिन्तक। प्रकाशित कृति: आत्मनेपद (कविता संग्रह), मैथिली नवकविता (सम्पादन)।



उमानाथ झा 1923-2009

जन्म:-01-01-1923, मृत्यु 07-12-2009 महरैल, मधुबनी। पूर्व अंग्रेजी विभागाध्यक्ष एवं प्रति-कुलपति मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा। रचना:-रेखाचित्र, अतीत (कथा संग्रह); मैथिली नवीन साहित्य, द्रुम धनुष, विद्यापति गीतशती (सम्पादन)। १९८१- उमानाथ झा (अतीत, कथा) पर मैथिलीक साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।



जटाशंकर दास 1923-2006



प्रबोध नारायण सिंह

1924-2005

हिन्दी, संस्कृत, मैथिली, पाली एवं फ्रांसीसीक विद्वान्। मिथिला, मैथिल एवं मैथिलीक सेवी अनन्य एक छथि। कलकत्ता नहि मिथिला दर्शन�, मैथिली कविता�, मैथिली रंगमंच� आदि पत्रिकाक प्रकाशनक माध्यमसँ श्री प्रबोधजी मैथिलीक जे सेवा कएल अछि तकर वर्णन शब्दमे सम्भव नहि। अनेक बङ्गला कृतिक सेहो अनुवाद सेहो कएल अछि। हिन्दीमे सेहो हिनक �कविता



मदनेश्वर मिश्र 1924-2004

"एक छलीह महारानी" प्रकाशित।



अमोघ नारायण झा "अमोघ" 1924-

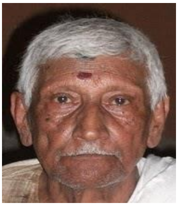
संग्रह� प्रकाशित अछि। कलकत्ता विश्वविद्यालयमे हिन्दीक पूर्व अध्यक्ष। २००२- डॉ. प्रबोध नारायण सिंह (पतझड़क स्वर- कुर्रतुल ऐन हैदर, उर्दू) लेल साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।		
		
मुरलीधर सिंह, ब्रज मोहन ठाकुर, शुरुक न झा, मदनेश्वर मिश्र 1924-2004, ललित नारायण मिश्र, दलनाथ राय	मणिनाथ मिश्र मणि 1924 -	आनन्द मिश्र 1924-2007



डॉ. जयमन्त मिश्र १९२५-२०१०

जन्म १५-१०-१९२५ मृत्यु ०१-०९-२०१०, गाम-ढंगा-हरिपुर-मजरही।

१९९५- जयमन्त मिश्र (कविता कुसुमांजलि, पद्य) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार- मैथिली।



चन्द्रनाथ मिश्र अमर 1925-

जन्म: खोजपुर, मधुबनी। वरिष्ठ कवि, कथाकार-उपन्यासकार। हास्य-व्यंग्यक कवितामे बेजोड़। मैथिलीक लेल समर्पित व्यक्तित्व। पाँच दर्जनसँ बेसी कथा आ बिदागरी, बीनकन्या (उपन्यास) जल समाधि (कथा संग्रह) प्रकाशित। १९८३- चन्द्रनाथ मिश्र ?अमर? (मैथिली पत्रकारिताक इतिहास) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित। एम. एल. एकेडमी, लहेरियासरायसँ शिक्षकक रूपमे अवकाश प्राप्त। आशा दिशा, गुदगुदी, युगचक्र, उनटा पाल आदि कविता संग्रह प्रकाशित।



सुकिनाथ झा (1926-2009)

	१९९८- चन्द्रनाथ मिश्र �अमर� (परशुरामक बीछल बेरायल कथा- राजशेखर बसु, बांग्ला) लेल साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार। चन्द्रनाथ मिश्र अमर २०१० मे मैथिली साहित्य लेल **साहित्य अकादमीक फेलो** (भारत देशक सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कार)।	
 शुभंकर झा 1926-	 दीनानाथ पाठक 'बन्धु' 1928-1962	 अनंग विहारी लाल दास "इन्दु" 1928-2010 २००१- अनङ्ग विहारी लाल दास �इन्दु� (युद्ध आ योद्धा-अगम सिंह गिरि, नेपाली)लेल साहित्य

		अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।
		
कृष्णकान्त मिश्र १९२८-२०००	**जगदानन्द झा 1928-**	**दुर्गानाथ झा "श्रीश"** हिनकर जन्म मधुबनी जिलाक [illegible]हा गाममे १९२९ ई. मे [illegible]लहि। हिन्दी आ मैथिलीमे [illegible]म.ए. आ बी.एल. कएलाक [illegible]ाद किछु दिन स्कूलमे [illegible]ध्यापन, तखन मिल्लत [illegible]ॉलेज, लहेरियासरायमे मैथिली [illegible]ा हिन्दी विभागक अध्यक्ष। [illegible]ैथिली साहित्यमे पहिल [illegible]ी.एच.डी.। "श्रीश" जीक [illegible]ैथिलीमे प्रकाशित रचना अछि- "मैथिली साहित्यक इतिहास",

गुञ्जन रानी" (सम्पादन), महामात्य झा मनु" (कविता), नाट्य कथा सार" (सम्पादन), पुरुषार्थ" (पद्य नाटक) आ अनेक कविता, एकांकी आ आलोचनात्मक निबंध।



राजकमल चौधरी 1929-1967

महिषी, सहरसा।

रचना:- आदि कथा, आन्दोलन, पाथर फूल (उपन्यास), स्वरगंधा (कविता संग्रह), ललका पाग (कथा संग्रह), कथा पराग (कथा संग्रह सम्पादन)। द्वितीय



विश्वनाथ झा "विषपायी" 1929-2005

"नाम रूपक सागर" (मैथिली रामायण) १९८० ई. मे प्रकाशित। २१ जनवरी २००५ कँ मृत्यु।



जयधारी सिंह 1929-2007

समीक्षक, कवि । प्रकाशन: बौद्धगानक तांत्रिक सिद्धांत, समीक्षा शास्त्र आदि । रामकृष्ण कॉलेज, मधुबनीमे मैथिली विभागक पूर्व अध्यक्ष ।

अनेक उपन्यास, कविताक रचना, चौरङ्गी (बङ्गला उपन्यासक हिन्दी अनुवाद) अत्यन्त प्रसिद्ध।		
 शैलेन्द्र मोहन झा 1929-1994 १९९२- शैलेन्द्र मोहन झा (शरतचन्द्र व्यक्ति आ कलाकार-सुबोधचन्द्र सेन, अंग्रेजी)लेल साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।	 विजयनाथ ठाकुर 1929-2008	 रमेशचन्द्र वर्मा 1930-



(गोयालजी मा '(गोयष' 1931-2008

जन्म मधुबनी जिलाक महुथ गामम १९३१ ई.म हलहि। हिनकर नचिन �सान दाऽक चिठी�, �गुम हल ठा८ छी�, �ञलवम� �ञाव कहू मन कहुन लगैञ�, "मखानक पात" प्रकाशित हल जाहिम सानदाऽक चिठी वश लोकप्रिय हल। २००६ ई.-श्री (गोयालजी मा (गोयष, मंहुथ, मधुबनी;यात्री-चेतना पुरस्कार।



निवकानन्द ठाकुर 1931-

२००७- निवकानन्द ठाकुर (चानन घन गछिया, पद्य)मैथिली लल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



ानाकांत मिश्र 1931-



ललित 1932-1983

जन्म स्थान बेर्सो0 चानपुरा मधुबनी, बिहार। प्रसिद्ध कथाकार ओ उपन्यासकार। प्रकाशित कृति: प्रतिनिधि, (कथा संग्रह), पृथ्वी-पुत्र (उपन्यास) आदि।



मुरारि मधुसूदन ठाकुर 1932-

ताराशंकर वंद्योपाध्यायक बंगला उपन्यास "आरोग्य निकेतन"क मैथिली अनुवाद लेल साहित्य अकादमीक अनुवाद पुरस्कार 1999 भेटल छन्हि।



विश्वनारायण ठाकुर 1933-



धूमकेतु 1932-2000

जन्म स्थान

कोइलख, मधुबनी, बिहार।



राजमोहन झा 1934-

जन्म स्थान

कुमरबाजितपुर, वैशाली, बिहार। प्रख्यात कथाकार ओ संपादक। आइ



डॉ. धीरेन्द्र 1934-2004

जन्म स्थान

रुना, मधुबनी, बिहार। प्रसिद्ध

प्रसिद्ध कथाकार, उपन्यासकार आ कवि। प्रकाशित कृति : दू टा कथा संग्रह आ एक टा उपन्यास।

काह्लि यनसू (कथा-संग्रह) लल १९९६ म साहित्य अकादमीसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति : एक आदि एकांत, म्0 साँच, एकटा गसन, अनुलग्नक, आ्ऌ काह्लि यनसू (कथा संग्रह), गलीनामा, रुनहि विद्यापति, टीयनीयादि (आलावना)। �आनन्द� यत्रिकाक संयादना प्रवाध सम्मान 2009 सँ सम्मानित।

कथाकार,उपन्यासकार आ कवि प्रकाशित कृति: कुरुस आ कनक्ष, यमाऌत घुनक आगि, शानुया आ मनू अयन श्विन (कथासंग्रह) हँगनम टाँगल काट, काह्लि आ आ्ऌ कविता संग्रह) सहित कैक निधाम निरिन्न याथी।



नमश नानायद्य १९३४- २०११

नाम- नमश नानायद्य दास, जन्म १७ मार्च १९३४ कँ मधुवनीक वरुना गाममा यिता-श्री दनिवल्लर लाल दासा शिआ



वावू श्री सयनानायद्य सिंह आ नाघनावार्य



मायानन्द मिश्र 1934-

हिनक जन्म ११ अगस्त १९३४ ई. कँ सुपौल जिलाक वनैनियाँ गामम रुलनि। रुन्ध लाटा, आगि माम आ� याथन आआन वद्ध-वेह्र- हिनकन कथा संग्रह सर

मधेपुर, मधुबनी आ पटनामे।

१९६१ ई.सँ १९९४

ई. धरि

ए.एन. कॉलेज, पटनामे हिन्दी

विभागमे अध्यापन। पाथरक

नाव (मैथिली कथा

संग्रह, १९७२) प्रकाशित। मृत्यु

१२ जनवरी २०११ कँ

पटनामे।

छथि। विहाडि पात पाथर, मंत्र-

पुत्र, खाम आ� चिठ्ठी

आ� सूर्यास्त हिनकर उपन्यास

सर अछि। दिशांतर हिनकर

कविता संग्रह अछि। एकर

अतिरिक्त स्वान की नैया माटी

क लाग, प्रथमं शैल पुत्री

च,मंत्रपुत्र, पुरोहित आ� स्त्री-ध

हिनकर हिन्दीक कृति

अछि। १९८८- मायानन्द

मिश्र (मंत्रपुत्र, उपन्यास)पर

मैथिलीक साहित्य अकादमी

पुरस्कारसँ सम्मानित।

प्रबोध सम्मान 2007सँ

सम्मानित।







गागानन्द गनूध १९३७-२०११	सामदन 1934- उयन्यासकान ओ कवि। साहित्य अकादमी यूनस्कानसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: चानादाइ, हाटल अनानकली (उयन्यास), काल ध्वनि (कविता संग्रह), वनैवति (गीति नाट्य) साम सगसइ (दाहा)। २००२- सामदन (सहस्रमूखी चौक यन, यद्य) लल साहित्य अकादमी यूनस्कान। २००१ ई. - श्री सामदन, दनरंगा; यात्री-चानना यूनस्कान, प्रवाध साहित्य सम्मान २०११।	नाजनन्दन लाल दास 1934- "कर्णामृत"क सम्यादन। "विन्रा-विचित्रा" प्रकाशित।
 नमानन्द नध्र 1934-2011	 कालीकांत मा "वूव" 1934-2009	 याम चद्र 1934-

जन्म स्थान

उसमाम0, दनरंगा, विहान।

वनिष्ठ कवि, कथाकान आ

उपन्यासकान। साहित्य अकादमी

पुनस्कानसँ सम्मानित। प्रकाशित

कृति: कवाट, त्रिकोण, अंगहीन

आकाश (कथा-संग्रह), दुधफूल

(उपन्यास), अंतत:, आकाश नाम

(कविता-संग्रह)।

२000- नमानह नग्र (कागक

नास वाप, यद्य)लल साहित्य

अकादमी पुनस्कान। विदह

सम्पादकक समानान्तन साहित्य

अकादमी हला पुनस्कान

२0११ (समग्र योगदान लल)

हिनक जन्म, महान दार्शनिक

उदयनाचार्यक कर्मभूमि

समस्तीपुन जिलाक करियन

ग्राममे 1934 ई. मे भेलनि।

पिता स्व. पंडित नाजकिशोन झा

गामक मध्य विद्यालयक प्रथम

प्रधानाध्यापक छलाह। माता

स्व. कला देवी गृहिणी छलीह।

अंतनस्नातक समस्तीपुन

कॉलेज, समस्तीपुनसँ कयलाक

पश्चात् विहान सनकानक प्रखंड

कर्मचानीक नूपमे सेवा प्रानंभ

कयलनि। वालहिं कालसँ

कविता लेखनमे विशेष नुचि छल

। मैथिली पत्रिका - मिथिला

मिहिन, माटि - पानि, भाखा तथा

मैथिली अकादमी पटना द्वाना

प्रकाशित पत्रिकामे समय - समय

पन हिनक नचना प्रकाशित

होइत नहलनि। जीवनक

विविध विधाकँ अपन कविता

उपन्यास "नुया दीदी" प्रकाशित।

ग्राम मलंगिया, जिला- मधुवनी।

एवं गीत प्रस्तुत कयलनि ।

साहित्य अकादमी दिल्ली द्वारा

प्रकाशित मैथिली कथाक

विकास (संपादक डॉ

वासुकीनाथ झा) मे हास्य कथा

कारक सूची मे डॉ विद्यापति

झा हिनक रचना��धर्म

शास्त्राचार्यक उल्लेख कयलनि ।

मैथिली अकादमी पटना एवं

मिथिला मिहिर द्वारा प्रशंसा पत्र

देल जाइत छल ।श्रृंगाररस

एवं हास्य रसक संग-संग

विचार मूलक कविताक रचना

सेहो कयलनि । डॉ दुर्गानाथ

झा श्रीश संकलित मैथिली

साहित्यक इतिहासमे कविक

नामक हिनक उल्लेख कएल गेल

अछि । **प्रकाशित**

कृति (मुद्रणयन्त्र) : कलानिधि-

कविता-संग्रह।



धनीलाल शर्मा "श्री प्रिय" १९३७-

"मिथिला की साहित्य साधना" साथी प्रकाशित।



रामभद्र, धनुषा, नेपाल १९३७-२०२०

साहित्य तथा अन्यान्य उत्तम कलाक सहज व्यक्तित्व अपन प्रशंसक आ पथ-प्रदर्शक मानैत छथि। मैथिली साहित्य-उद्यम हिनक परिचयक मादे भेटात कहब पर्याप्त होएत जे मैथिलीक मूर्द्धन्य साहित्यकार डा. धीरेन्द्र हिनका मैथिली साहित्यक सर्वश्रेष्ठ कथाकार मानैत छथि। हिनक कथामे प्रतीकात्मकताक अद्भुत प्रयोगहिटा नहि, अपितु एकटा आदर्श कथाक समस्त वैशिष्ट्यसँ विद्यमान रहैत अछि। कथाकारक अतिरिक्त ई उत्कृष्ट समालोचक, नाटककार आ कवि सेहो छथि। नेपालमे मैथिलीक पहिल



केदारनाथ चौधरी (१९३६-)

मैथिलीक पहिल फिल्म 'ममता गावय गीत' केर निर्माता त्रयमेसँ एकटा निर्माता छथि केदारनाथ चौधरी आ दोसर मदनमोहन दास। बादमे आर्थिक मजबूरीवश पसन सहनिर्माता भेलखिन उदयभानु सिंह। माता-स्व. कुसुमवती देवी, पिता- स्व. किशोरी चौधरी, जन्म: ०३/०१/१९३६

ग्रा.+पो. नेहरा (दरभंगा), अन्य पारिवारिक सदस्य-पत्नी- श्रीमती कुमुद चौधरी, संतान- प्रथम पुत्री-श्रीमती किरण झा,

मानाञ्ञामा लिखवाक (श्रय सद्य द्विनका जाञ्ञ्ञ छनि। सामाजिक कुनीगिसरकँ कुशलतासँ विग्रध कनवाम, विन्दनीय वनउवाम आ मन-मस्क्षिष्कयन अमिट छाय छाउवाम नामरुद्र सिद्धरुष्फ छथि। धनुषा जिलाक कुर्था गामम जनमल नामरुद्रक यूर्ध नाम नामरुद्र कर्ध छनि। अश्रनजी निषयक अनकाशप्राप्फ शिउक नामरुद्र ब्याकनध, या0ययुरफक आ सद्दायक युरफकसर लिखवाक काजम निनन्दन सक्रिय छथि।

द्वितीय यूत्री-श्रीमगी अर्चना वीधनी, शिउा- १९७८ ख्री.म अर्थशास्त्रम स्नातकाप्फन, १९७९ ख्री.म लॉ। १९६९ ख्री.म कैलिफोर्निया वि.वि.सँ अर्थशास्त्रम स्नातकाप्फन, १९११ ख्री.म मार्केटिंग ॲड डिस्ट्रीब्यूशन निषयम (गोल्डन (गेट यूनिवर्सिटी, सानफ्रांसिस्को, USA सँ एम.वी.ए., १९१८ म रानगा आगमन। १९८१-८६ क बीच दिल्लान आ फ्रैंकफूर्टमे। रून ममताख्री, यूदुध द्वाज्ञ्ञ नेटायनमंटक बाद २००० सँ माहनियासनाय, दनरंगाम निवास। ६ टा उपन्यास- कमलीनानी २००४, कनान २००६, माहून २००८, भवाना नहिगन २०१२, हीना २०१३, अयना २०१८.

सम्मान- १) विदेह साहित्य सम्मान, वर्ष-२०१३ (मानखंत मैथिली मंच, राँची द्वारा), २) प्रबोध साहित्य सम्मान, वर्ष-२०१६ आ ३) कदान सम्मान, वर्ष-२०१६,'अवाना नहिपन' ल।



जीवकांत 1936-

नाम- जीवकान्त झा,पिता- गुणानन्द झा, माता-मन्दाकिनी देवी, जन्म-२७.०१.१९३६ अगुआठ, जिला-सुपौल। नौकरी-विज्ञान शिक्षक (उ.वि.खजौली १९७१-८१), हिन्दी



देवकांत झा 1936-



डॉ अमरेश पाठक 1936-

हिनक जन्म सीतामढ़ी जिलाक अन्तर्गत सामानि ग्राममे १९३६ मे भेलन्हि। १९७१ मे पटना विश्वविद्यालयसँ मैथिलीक एम. ए. परीक्षामे प्रथम श्रेणीमे प्रथमस्थान

शिऊक (उ.वि.उउा७ ॲवं उ.वि.याखनाम १९८१-९८)। यहिल नवना-ॐॲ।उिया ॲा टिटही (कविता, जनवनी १९६७ मिथिला मिहिन)। यहिल छयल याथी- दु कूहसक वाट (उयन्यास १९६८)। नूतन याथी-खिखिनक वीॲनि (२००१ वाल यद्य कथा), ॲ0न्नी खसलॐ वनम (यद्य-कथा संग्रह) ॲा यंजनि प्रम प्रकासिया (जीवन-वृन्दक ॲंश)। यूनष्मान-साहित्य ॲकादमी 1998 गकें ॲछि विउ, यद्य , विनध्र सम्मान (१९९८), वैदही सम्मान (१९८७)। प्रकाशित याथी-

कविता संग्रह:नावू ह यृथ्वी (११), धान नहि हाॐछ

याउल। १९७१ सँ १९६० धनि नामकृष्ण महाविद्यालय, मधुवनीम व्याख्याता नूयँ गकना वाद यटना विश्वविद्यालयम व्याख्याता नूयम कार्य कनव लगलाह। यटना विश्वविद्यालयम मैथिली विनागाध्यऊ नूयँ। मैथिली उयन्यासक ॲालावनात्मक ॲध्ययन? शाध प्रवन्धयन हिनका विहान विश्व-विद्यालय द्वाना डि. लिक्क उयाधि रटलहि। ॐी शाध प्रवन्ध यूस्तकाकान नूयँ सहा प्रकाशित हल ॲछि विहान नाष्ट्रराषा यनिषदक विद्यायति ग्रन्थावलीक सम्यादक मण्डलक सदस्य। हिनक ॲन्य प्रकाशित नचना ॲछि ?निवन्ध संकलन?।

मुक्त (९१), गर्केत अछि चिठि (९७), खाँड (१९९६), या निम जागल अछि वस्ती (९८), रूनगी नीलाकाशम (२०००), गाछ मूल-मूल (२००४), छाह साहाडान (२००६), खिखिनिक वीअनि (२००१)

कथा-संग्रह: एकसनि ठाढ़ि कदम तर मे (७२), सूर्य गलि रहल अछि (७७), वस्तु (८३), कतमी मील (९८)

उपन्यास: दु कूहेसक बाट(६८), पनिपत(७१), नहि, कतहु नहि (७६), पीयर गुलाब छल (७१), अग्निवान (८१)

हिन्दी अनुवाद- निशान्त की चिठिया पर्केत अछि

एकरा छाडि विभिन्न पत्र-पत्रिकामे हिनक कतेको निबन्ध प्रकाशित छन्हि। मैथिली अकादमी द्वारा प्रकाशित कथा-संग्रह ऽऽहा एक सम्पादक छथि। ऽऽी अधिकारे उत्तर स्वनीय आलोचनात्मक निबन्ध लिखैत छथि। २०००- डॉ. अमरेश पाठक, (तमस- रीक्ष्म साहनी, दिल्ली)लल साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।

विऊ, साहित्य अकादमी, दिल्ली २००३)।

प्रबोध सम्मान 2010 सँ सम्मानित।



बलराम 1936-2008

जन्म स्थान यवही, मधुबनी, बिहार। विशिष्ट कथाकार। प्रकाशित कृति : दकचल दवाल (कथा-संग्रह)।



मैथिलीपुत्र प्रदीप 1936-

ग्राम- कथवार, दरभंगा। प्रशिक्षित एम.ए., साहित्य रत्न, नवीन शास्त्री, यंत्राग्नि साधक। हिनकर रचित "जगदम्ब अहीं अवलम्ब हमर" आ "सरस्क सुधि अहाँ लए छी हे अम्ब, हमरा किए बिसरै छी ये" मिथिलामे लोकप्रिय भऽ गेल अछि।



नामदव झा 1936-

कथाकार, समीक्षक, अनुवादक, ग्रंथ सम्पादक। साहित्य अकादमीक मूल एवं अनुवाद पुरस्कार प्राप्त कामे ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगाक मैथिली विभागक पूर्व आचार्य। प्रकाशन: यसिमेंत याथन, (अनु.) आदि। १९९१- नामदव झा (यसिमेंत

		याथन, ङकांकी)लल साह्त्यि अकादमी यूनस्कानसँ सम्मानित । १९९४- नामदन मा (सगाह्ूि- नाजिह्न सिंह वदी, उर्दू) लल साह्त्यि अकादमी मैथिली अनूनाद यूनस्कान।
 नवीह्व नाथ 0ाकून 19 36- जन्म यूर्णिआ जिलाक धमदाहा ग्रामम 1936 ह्ूी. म हलहि । नन अनस्थासँ गीत गङवाम ङवं कनिता लिखवाम विलेष नूचि । काना मंव यन 0ाढ हला यन ह्ूी सहजहि श्रीतार्कँ	 विनाद विहानी नर्मा 193 7-2003 मैथिल कनध कायस्थक याँजिक सर्वेजध, वलानक वानिहान उा यल्लवी तथा अन्य कथा (कथा संग्रह)	 वीन्द्र मल्लिक 1937 - जन्म- 3 जनवनी 1937 ह्ूी. यनसौनी , मधूवनीमा कवि, सम्यादक, स मीजक । आखन, अगनियत्रक सम्यादन

आह्लादित करैत छथि । हिनक सात गोट मैथिलीक गीत संग्रह, एक मिनी महाकाव्य, एक प्रयोगधर्मी काव्य, एक उपन्यास, एक नाटक�एक नाटि� एवं एक हिन्दी नाटक, प्रकाशित भेल छन्हि ।

। अग्नि-शिखा (कविता संग्रह)।



कीर्तिनारायण मिश्र 1937-

जन्म ११ जुलाई १९३१ ई. केँ ग्राम शेकहाना (बरौनी), जिला बेगूसराय भेलन्हि। हिनकर प्रकाशित कृति अछि



गौरीकान्त चौधरीकान्त 1937-2001



युगल किशोर मिश्र १९३८-२००१

मैथिली शब्दकोश।

सीमान्त,महानगर (दीर्घ कविता), हम स्वजन नहि लिखब, ध्वस्त होइत शान्ति स्तूप (एहि पोथीपर साहित्य अकादमी 1997 पुरस्कार), आदमीकेँ जाइत (कविता संग्रह)।

संस्मरण-अपन एकान्तम, स्मृति यात्रा, पत्रक दर्पणमा।

सम्पादन- आखर मासिक पत्रिका, आधुनिक मैथिली साहित्य, '63, राजकमल जीवन आ साहित्य, '68, कथा-संकलन- काल कहानी।

आलोचना- अर्थान्तर-2004







परशुराम झा १९३८-

प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन' 1938- ग्राम+पत्र- हसनपुर, जिला- समस्तीपुर। मैथिलीमे 1.नेपालक मैथिली साहित्यक इतिहास(विराटनगर,1972 ई.), 2.ब्रह्मग्राम(रिपोर्ताज दरभंगा 1972 ई.), 3.�मैथिली� त्रैमासिकक सम्पादन (विराटनगर,नेपाल 1970-73ई.), 4.मैथिलीक नवारीति (पटना, 1988 ई.), 5.नेपालक आधुनिक मैथिली साहित्य (पटना, 1998 ई.), 6. प्रबन्ध संग्रह कथा, भाग- 1 आs 2 (अनुवाद), 7. वाल्मीकिक देशम (महुआ, 2005 ई.)। 2004- डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह �मौन� (प्रबन्ध	महेश्वरनाथ मल्लिक 1938 -	ग्राम- मंगुरा (मधुबनी), कृति- डाउट्समैन आर पीस इन इंग्लिश ड्रामा,क्रिश्चियन पार्गेटिव ड्रामा।

की कहानी-प्रेमचन्द, हिन्दी) लल साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद यूनस्कार।



कुलानन्द मिश्र 1940-2000

जन्म यकठी काठी, सीतामढी, विहान। सुविख्यात कवि,, संयादक, समालाचक। प्रकाशित कृति- गानत ओव, हानक प्रतीक्षाम (कविता संग्रह), हानाक हाथा सर्वेऊक्ष, याता, नाजकमल चौधनी की श्रानह कहानियाँ (अनूवाद)।



विलट यासवान 'विहंगम' 1940-

जन्म मधुवनी जिलाक ओकहठा ग्रामम १९४० ई. म हलहि।



हजलुन नहमान हासमी 1940-2011

जन्म-यटना जिलाक वनाह गामम। वृत्ति अध्यापक। हिन्दी कविता संग्रह "नभि नाभि" आ मैथिली कविता संग्रह "निर्मोही" प्रकाशित। १९९६म अवुलकलाम आजाद- अब्बुलकवी दसनवी, उर्दूसँ मैथिली अनुवादयन साहित्य

अकादमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



गुणनाथ झा

गुणनाथ झा "लोक मञ्च" मैथिली नाट्य पत्रिकाक संचालन- सम्पादन करैत छथि। मैथिलीमे आधुनिक नाटकक प्रणयन। हुनकर नाटक सभ अछि:

मधुयामिनी: एकाङ्क नाट्य शैलीमे दूटा पात्र, पुरुष संयुक्त परिवारक पढ़ल लिखल आ स्त्री रकम विद्यार्थी।

पाथेय: एकाङ्क नाट्य शैलीमे नवीन, मुद्रा पूर्णाङ्कक सभ



प्रभास कुमार चौधरी 1941-1998

गाम- पिंडारुछ, जिला- दरभंगा। । प्रख्यात कथाकार ओ उपन्यासकार । प्रभासक प्रकाशित कृति : कथा- प्रभास, प्रभासक कथा, नव घर उठय पुरान घर खसय, दिदबल (कथासंग्रह), अभिशप्त, युगपुरुष, हमरा लग रहब, नवारम्भ, राजा पोखरिमे कतेक मछरी (उपन्यास) । विभिन्न महत्वपूर्ण पत्रिकाक सम्पादन । त्रैमासिक कथा गोष्ठी 'सगर राति दीप जरय' केर प्रारम्भ। १९९०- प्रभास



साकेतानन्द 1940-

वरिष्ठ कथाकार, गणनायक (कथा-संग्रह) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: मैथिली कथा। साहित्यमे 1962 स� सक्रिय । गोटक चालिस_पचास टा कथा, निबन्ध, संस्मरण, यात्रा_विवरण। मैथिलीमे प्रकाशित अधिकांश पत्र_पत्रिकामे छपल । पहिल मैथिली कथा �एलिसियन�

विशेषता ओम रहता। मुख्य अभिनेता मिथिलाक अधोगतिसँ दुखी रहs गामकँ कर्मस्थली बनबैत छथि, सृजन विनाश करै छथि।

लाल-वृक्षकान: एकाङ्क नाट्य शैलीम नविन। दाही गौदीसँ समानल निम्न आ मध्य-निम्न वर्ग सम्प्रताक यह्निह्निया आ बादा जीविकायार्जन लल प्रवास करबा लल अभिशप्त छथि।

सातम वनित्र: एकाङ्क नाट्य शैलीम नविन। मैथिली नंगमंचयन महिला अभिनेत्रीक अराव, सातम वनित्रक प्रतीजाम पुर्नाग्रास खाम रहs जाल्न्त अछि।

शेष नाछः आधुनिक सामाजिक पूर्णाङ्क नाटक।

कुमान चौधनी (प्रशासक कथा, कथा) लल साहित्य अकादमी पुनस्कानसँ सम्मानित।

1962म �मिथिलामिहिन�म प्रकाशित। हिह्नियाम दु दर्जन कथा आदि प्रकाशित। सन ११म छयल यहिल कथा_संग्रह �गधनायक� क उाही वर्ष �साहित्य अकादमी पुनस्कान। येघ वाब्र� स� अवैवला नियम्भिक नखांकित कनैत, यथाविनध क कथा वस्तु वना क� नाजकमल प्रकाशन स� प्रकाशित एवं अग्रांत चर्चित उपन्यास (�जौकुमंत्री हिह्नान�)

�सर्वसांत�। आकाशवाणीक नाष्ट्रीय कार्यक्रमम प्रसानित दु टा उल्लखनीय वृत्त नुयक_ �महानन्दा अन्यानथ� यत आधानित �जंगल वाला है� एवं मानखंड क ग्रामीण उपक ज्वलंत ताल्कालिक समस्या

पिता-माताक मृत्युक बाद अग्रजक अनुजक प्रति पितृवत व्यवहार।

आइक लोक: पूर्णाङ्क नाटक। विषय निम्नमध्यवर्गीय बेरोजगारी आ बियाहक दायित्वक बाध।

जय मैथिली: पूर्णाङ्क नाटक। मिथिलाक सामाजिक-सांस्कृतिक समस्या एकर कथावस्तु अछि।

महाकवि विद्यापति: विद्यापतिक नव विश्लेषण।

पर आधारित वृन्दावनक � नैना जोगिन � चर्चित एवं प्रसिद्ध ।



गंगेश गुंजन 1942-

जन्म स्थान- पिलखवाड़, मधुबनी। श्री



प्रेमशंकर सिंह 1942-

ग्राम+पोस्ट- जोगियारा, थाना- जाले, जिला- दरभंगा। मौलिक मैथिली: १.मैथिली



मार्कण्डेय प्रवासी 1942-2010

गंगेश गुंजन मैथिलीक प्रथम चौबटिया नाटक बुधिबधियाक लेखक छथि आ हिनका उचितवक्ता (कथा संग्रह) क लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटल छन्हि। एकर अतिरिक्त मैथिलीमे हम एकटा मिथ्या परिचय, लोक सुनू (कविता संग्रह), अन्हार- इजोत (कथा संग्रह), पहिल लोक (उपन्यास), आइ भोर (नाटक)प्रकाशित। हिन्दीमे मिथिलांचल की लोक कथाएँ, मणिपद्मक नैका- बनिजाराक मैथिलीसँ हिन्दी अनुवाद आ शब्द तैयार है (कविता संग्रह)। १९९४- गंगेश गुंजन (उचितवक्ता, कथा)पुरस्कृत

नाटक ओ रंगमंच,मैथिली अकादमी, पटना, १९७८ २.मैथिली नाटक परिचय, मैथिली अकादमी, पटना, १९८१ ३.पुरुषार्थ ओ विद्यापति, ऋचा प्रकाशन, भागलपुर, १९८६ ४.मिथिलाक विभूति जीवन झा, मैथिली अकादमी, पटना, १९८७ ५.नाट्यान्वय, शेखर प्रकाशन, पटना २००२ ६.आधुनिक मैथिली साहित्यमे हास्य-व्यंग्य, मैथिली अकादमी, पटना, २००४ ७.प्रपातिका, कर्णगोष्ठी, कोलकाता २००७, ८.इऊध, ऋचा प्रकाशन भागलपुर २००८ ९.युगसंधिक प्रतिमान, ऋचा प्रकाशन, भागलपुर २००८ १०.चेतना समिति ओ नाट्यमंच, चेतना समिति, पटना २००८। २००९ डॉ.-श्री प्रेमशंकर सिंह, जोगियारा, दरभंगा यात्री-चेतना पुरस्कार।

जन्म ग्राम: गनूआन, जिला: समस्तीपुर। प्रकाशित कृति: अगस्त्यायिनी (महाकाव्य); शब्दार्थ (कविता संग्रह), अञन रचना (काव्य संग्रह)। अरियान, हम कालिदास (उपन्यास)। �अगस्त्यायिनी� लेल १९८१म साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त।

लेल साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।		
 **देवेन्द्र झा १९४३-** गाम- चानपुरा (मधुबनी), कृति- विद्यापतिक श्रृंगारिक पदक काव्यशास्त्रीय अध्ययन, लालदास, सुधाकर झा "शास्त्री", अनुरूप, बदलि जाइछ घर टा।	 **डॉ. भीमनाथ झा 1945-** जन्म:कोइलख, मधुबनी, बिहार। प्रखर कवि, समालोचक, प्राध्यापक। �विविधा�निबन्ध पुस्तक लेल सन् १९९२मे साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: विधाता, बीआ, की रूसैत की नहि, नाम नै थिक ठाउँ (कविता संकलन), पनिवायिका, सीताराम झा, कवि चूड़ामणिक काव्य साधना, विविधा (निबंध, आलोचना),टाटन बौकसँ आदि।	 **महेन्द्र मलंगिया 1946-** गाम- मलंगिया, जिला- मधुबनी। मैथिलीक सुपरिचित नाटककार, रंग निर्देशक एवं मैलोरंगक संस्थापक अध्यक्ष। लोक साहित्य पर गंभीर शोध आलेख। मैथिलीमे 13टा नाटक, 19टा एकांकी, 14टा नुक्कड़ आ 10टा रेडियो नाटक प्रकाशित आ आकाशवाणी सँ प्रसारित। सीनियर

एकेडेमी (भारत सरकार), इन्टरनेशनल थियेटर इन्स्टिच्यूट (नेपाल), प्रबोध साहित्य सम्मान आदि सँ सम्मानित। संप्रति ज्योतिरीश्वर लिखित मैथिलीक प्रथम पुस्तक वर्णरत्नाकर पर शोध कार्य। श्री महेन्द्र मलंगियाक जन्म २० जनवरी १९४६ मे मधुबनी जिलाक मलंगिया गाममे भेलन्हि। मलंगियाजी मैथिली हिन्दी, अंग्रेजी आ नेपाली भाषाक जानकार आ थियेटर शिक्षा, पटकथा लेखन आ तत्सम्बन्धी शोधक फ्रीलान्स शिक्षक छथि। २००२ ई.- श्री महेन्द्र मलंगिया, मलंगिया;यात्री-

रचना पुरस्कार। प्रबोध सम्मान 2005 सँ सम्मानित।



डॉ नाम दयाल नाकश, सर्लाही, नेपाल 1942-

मैथिली मातृभाषा, हिन्दीक प्राध्यापक आ नेपालीक लेखक छी तीनू भाषा �नाकश�क व्यक्तित्व ऐना न मिसनाएल छैक जे कानहुँ हिनका भिन्न नहि कएल जा सकैत अछि। छी विशेषत: नेपालीमे लिखैत छथि, मुदा लेखनक विषय मूलत: मैथिलीए संस्कृति रहैत छनि। ईना मैथिली, हिन्दी आ



उपेन्द्र दोषी 1943-2001

जन्म स्थान नामपुर- कानिगामा, दनरंगा। कवि- कथाकान, गीत-गजलकान। प्रकाशित कृति: यंत्रधाक जन्म (कविता संग्रह)। हिन्दीमे अनेक पोथी प्रकाशित। उडियासँ मैथिली अनुवाद हेतु मृत्युपनान्त साहित्य अकादमीसँ पुनस्कृत। २००३- उपेन्द्र दोषी (कथा कहिनी- मनोज दास, उडिया) लेल साहित्य



उदयचन्द्र झा "विनोद" 1943-

जन्म 5 अप्रैल 1943 ई.। गाम- नहिका, मधुबनी। जन्म-ग्राम- दुलहा, मधुबनी। प्रकाशित कृति: संक्रान्ति, मौसम अयला पन, अहुना स्थितिमे, एति दह (गोना, अहि जनपदमे, दाहा गीत सय दु, कहलनि यमी, सहनजमीन, अपउ, प्रश्न वाचक (कविता-संग्रह), धूनी (सहयोगी कविता

अङ्ग्रेजीमे सेहो ई. अनेक रचना कएने छथि। नेपालक राजकीय-प्रज्ञा-प्रतिष्ठानक सदस्य �राकेश� दिल्ली विश्वविद्यालयसँ पी.एच.डी. आ अमेरिकास्थित इण्डियाना युनिवर्सिटीसँ पोस्ट डाक्टरल रिसर्च कएने छथि। डा. �राकेश�क जन्म २७ जुलाई १९४२ ई. कऽ सर्लाही जिलाक सिसौटियामे भेल छनि। नेपाली, मैथिली, हिन्दी आ अङ्ग्रेजीमे मौलिक, सम्पादित आ अनूदित कऽ करीब दु दर्जन पोथी प्रकाशित, दर्जनोनि देशक भ्रमण सेहो कएने छथि। नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानक सदस्यता- श्री राम दयाल राकेश (1999)।	अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।	संग्रह); जाँत (कथा संग्रह), उदास गाछक बसंत (नाटक)। �माटि पानि�क गन्ध सम्पादक। २००७ ई.-श्री उदय चन्द्र झा �विनोद�, नदिका, मधुबनी;यात्री-चेतना पुरस्कार।



नवी नमध लाल, ज नकपून 1943-



मंग्रश्वन सा 1944-

जन्म ६ जनवनी १९४४

ग्री.ग्राम-लालगंज, जिला-

मधुवनीमा प्रकाशित

कृति: खाधि, अभिनन्दान

गाम, वत्सल नागिक

ज्ञान (कविता संग्रह); एक वट

दु (कथा संग्रह), डाभा लख गाम

वाह (ललित निवन्ध)। मैथिली

कथा संग्रहक हिन्दी

अनुवाद �कुंतली� नामसँ

प्रकाशित। दि कुस्न

येनाताज्ज (अंग्रेजीम ललित

निवन्ध)। २००८ ग्री.-श्री

मंग्रश्वन सा, लालगंज,मधुवनी

यात्री-चना पुनस्कान।



नन्नश्वन मिश्र 1945-

अनूनादक, निवंधकान ।

कारान: गमिल साहित्यक

इतिहास,स्तनुति (दुनु

अनुवाद)।

२००८- मंत्रेश्वर झा (कतेक डारि पर, आत्मकथा) पर साहित्य अकादमी पुरस्कार।



जगदीश प्रसाद मंडल

गाम-बेरमा, तमुरिया, जिला-मधुबनी। एम.ए.। कथाकार (गामक जिनगी-कथा संग्रह आ तरेगन- बाल-प्रेरक लघुकथा संग्रह), नाटककार(मिथिलाक बेटी- नाटक), उपन्यासकार(मौलाइल गाछक फूल, जीवन संघर्ष, जीवन मरण, उत्थान-



राज



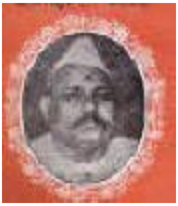
महाराजाधिराज लक्ष्मीश्वर सिंह 1858-1898

यान, जिनगीक जीत- उपन्यास)। मार्क्सवादक गहन अध्ययन। हिनकर कथाम गामक लोकक जिजीविषाक वर्णन आ नव दृष्टिकोण दृष्टिगोचर होइत अछि। विदेह सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादमी पुरस्कार २०११ मूल पुरस्कार- श्री जगदीश प्रसाद मण्डल (गामक जिनगी, कथा संग्रह)। मैथिली उपन्यास 'पंगु' ल ल साहित्य अकादमी पुरस्कार २० २१







महाराजाधिराज रम श्वर सिंह 1860-1929	महाराजाधिराज कामश्वर सिंह 1907-1962	सर हरगोविन्द मिश्र, अलीगढ़ आ कामश्वर सिंह
		
विनोदानन्द झा 1895-1971	ललित नारायण मिश्र 1922-1975	डॉ. रामवरन यादव, नेपाल राष्ट्रपति
		
स्वर्गीय बिन्ध्येश्वरी प्रसाद मंडल, राजनेता 1919-1982	सूर्यदेव नारायण मण्डल	कर्पूरी ठाकुर 1921-1988



रामविलास पासवान

१९४६-

जन्म ५ जुलाई १९४६, गाम-शहरबन्नी, जिला खगड़िया।

राष्ट्रीय राजनीतिज्ञ।



राम लखन राम "रमण"



राजेन्द्र झा



वगुनानन मिश्र



रमाकांत मिश्र



रमानाथ मिश्र "मिहिर"

"मैथिली मुहावरा ओ लोकोक्ति प्रकाश" प्रकाशित।

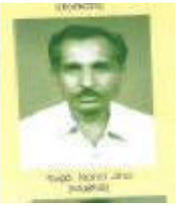


गजेन्द्र नारायण चौधरी, पत्रकार 1929-2008



मोहन भारद्वाज 1943-

गाम- नवानी, जिला- मधुबनी । मैथिलीक प्रखर समालोचक। २००७ ई.-श्री आनन्द मोहन झा, भारद्वाज, नवानी, मधुबनी; यात्री-चेतना पुरस्कार। प्रबोध सम्मान 2008 सँ सम्मानित।



योगानन्द झा 1955-

२००७- डॉ. योगानन्द झा (बिहारक लोककथा- पी.सी.राय चौधरी, अंग्रेजी)लेल साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार। **प्रकाशित कृति:** लोकजीवन ओ लोक साहित्य (निबन्ध) 1986, पतिव्रता (कथासंग्रह) 1987, फकीर मोहन सेनापति (अनुवाद) 2000, आलेख सञ्चयन (निबन्ध) 2002, बिहारक लोककथा (अनुवाद)

<table>
<tr><td></td><td></td><td>2003, स्नेहलता (विनिबन्ध)
2006, मैथिली पत्रकारिताकेँ सौ वर्ष (निबन्ध)
2006, गहवरगीत (निबन्ध)
2007, लोक-साहित्य ओ शब्द सम्पदा (निबन्ध)
2007, मैथिलीक पारम्परिक जातीय व्यवसायक शब्दावली (शोध-ग्रन्थ) 2009</td></tr>
<tr><td>
दीनानन्द झा "शास्त्री" ,पत्रकार</td><td>
दीनानाथ झा, पत्रकार</td><td>
न्द्र झा, अर्थशास्त्र-पत्रकार
विकास ओ अर्थतंत्र" प्रकाशित।</td></tr>
</table>



𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒬𑓀𑒏𑒩 𑒗𑒰, 𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩𑒏𑒰𑒩



𑒬𑒩𑒠𑒱𑒢𑓂𑒠𑒳 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲, 𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩𑒏𑒰𑒩



𑒩𑒰𑒖𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒗𑒰 (𑓑𑓙𑓒𑓓-𑓑𑓙𑓗𑓗)

𑒖𑒢𑓂𑒧- 𑒮𑒯𑒩𑒮𑒰 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒢𑒩𑒳𑒂𑒩 𑒑𑒰𑒧 (𑒂𑒥 𑒮𑒳𑒣𑒾𑒪 𑒖𑒱𑒪𑒰)।

𑒏𑒵𑒞𑒱- 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏𑓂𑒭𑒩𑒏 𑒅𑒠𑓂𑒦𑒫 𑒍 𑒫𑒱𑒏𑒰𑒮, 𑒁𑒫𑒯𑒙𑓂𑒚: 𑒅𑒠𑓂𑒦𑒫 𑒍 𑒫𑒱𑒏𑒰𑒮, 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒏 𑒂𑒠𑒱𑒏𑒰𑒪, 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒮𑓀𑒑𑒲𑒞𑒧 𑒫𑒩𑓂𑒝𑒱𑒞 𑒢𑒰𑒨𑒏-𑒢𑒰𑒨𑒱𑒏𑒰 𑒩𑒴𑒣 𑒋𑒫𑓀 𑒩𑒰𑒑-𑒩𑒰𑒑𑒱𑒢𑒲 𑒫𑒩𑓂𑒑𑒲𑒏𑒩𑒝।

𑒧𑒯𑒰𑒏𑒫𑒱 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱 𑒢𑒰𑒙𑒏, 𑒬𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩𑒰𑒩𑓂𑒟

<table>
<tr><td></td><td></td><td>नाटक, कठ्ठयीघाट
नाटक, ज्कादशी, विद्याधन-
कथा, उर्वशी, धर्मराज- कथा, म
नका।</td></tr>
<tr><td>
ज्स. ज्न. सत्यार्थी
मिथिलाक कला आ शिल्पकलायन
लखन।</td><td>
नाधाकृष्ण चौधनी, ज्ञिहा
सकान 1921-1985
मिथिलाक ज्ञिहास, A Survey of
Maithili Literature, THE
POLITICAL AND
CULTURALHERITAGE OF
MITHILA प्रकाशित।</td><td>
प्रो. नामशनद्य शर्मा
१९२०-२०११</td></tr>
</table>



विजयकान्त मिश्र इतिहासकार 1927-1994

डॉ. विजयकांत मिश्रक जन्म १० अगस्त १९२७ मंगरौनी गाम- जे नव्य न्याय आ तांत्रिक साधनाक जन्म-स्थली अछि- (जिला मधुबनी) मे भेलन्हि। ओ 1948 मे प्राचीन भारतीय इतिहास आ संस्कृति विषयमे इलाहाबाद विश्वविद्यालयसँ स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त कएलाक बाद किछु बरख धरि बिहार सरकार आ पटना विश्वविद्यालयसँ सम्बद्ध रहलाह आ 1957 ई. सँ भारतीय



द्विजेन्द्र नारायण झा, इतिहासकार



सुरेन्द्र झा, राजनीति विज्ञान

२००१- सुरेन्द्र झा (अन्तरिक्ष विज्ञान- जयन्त विष्णु नार्लीकर, मराठी)लेल साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।

पुरातत्त्व निदेशक काज

कएलन्हि आ उत्खनन

शिशुपालगढ़, कौशाम्बी, वैशाली, रु

म्मिनदेइ, कुम्हरार, पाटलिपुत्र, क

नियन, सानपुर, विलावली, नाल

न्दा, राजगीर, चण्डवल्ली, आ इन्दी

खेड़ामे निर्णायक भूमिकाक

योग देलन्हि। हिनकर लिखल-

सम्पादित पोथी सभ अछि:

1.वैशाली,1950 2.कुम्हरार

उत्खनन: 1950-1957

3.पुरातत्त्व की दृष्टिमे

वैशाली 4.नागेश रञ्जाज

पानिराषड्(शखन 5.मिथिला

आर्ट एण्ड

आर्किटेक्चर (सम्पादित)

6.कल्चरल हेरिटेज ऑफ

मिथिला 7.श्रृंगार

रत्नावली- एक अध्ययन 8.उप

यूनानीविज्ञान- ७.यूनानी शब्दावली।



रागीनथ लाल दास

हिनक कएक दर्जन पोथी छपल छन्हि आ जी.ए.टी.टी. मे हिनक प्रतिनिधि सेहो छलाह।



लक्ष्मीकान्त झा रिजर्व बैंक गवर्नर 1913-1988



एन. एन. झा डिप्लोमेट



कामेश्वरनाथ झा "अमल" 1938-



रघुनारायण झा 1941-



रमाकांत राय "रमा" 1947

जन्म- रास पूर्णिमा सम्वत् 2003, प्रथम रचना-

जन्म- 4 जनवरी 1938, गाम

काञ्ञलख (मधुबनी)।

ग्रिटांस (कथासंग्रह) प्रकाशित।

नट्क, वाल मासिक प्रयाग, कथा

विशेषांक द्वितीय

रागम 1964ई., प्रकाशित

ृति (क) गीनटा वावाजी-

नुसीसँ मैथिलीम मैथिलीम

टालस्टायक कथाक अनूवाद-

967ई.म, (ख)

फुलयात, कविता संग्रह 1978,

ग) रंगक (गाला

2004 ई.म), (घ) करैत

ाँखि : हँसैत आँखि , कथा

संग्रह-2005, शीघ्र प्रकाश्य-

कृष्णकान्त मिश्र (निनिवन्ध)

ाहित्य अकादमी नई

दिल्ली। प्राय: ३० स७

चना (कथा-निवन्ध कविता)

ैथिली हिन्दीक पत्र-

त्रिका, आकाशवाणी एवं

ूरदर्शनसँ प्रकाशित/ प्रसारित।

ाहित्य अकादमी द्वारा

आयोजित कवि सम्मलनक

आयोजनक क्रमम नलक चयटम

प्रतिदरिना यजन छावा

अनिगमा निकलांग। सना निवृत

अध्यायक (उच्च निद्यालय)

सम्पर्क- श्री

रमानिनास, मानानाय टाल या.

नरून (समस्तीपुन)।



प्रारुसन मरुछ्र 1947-

जन्म: रलाही, सुपौल, विरुान ।

प्रसिद्ध कवि, कथाकान, आलोचक

। वृत्ति: रू.ना. विश्वनिद्यालयक

स्नातकोत्तन कछ्र, सरुनसाम

मैथिली निरागाध्यक्ष। प्रकाशित

कृति साहित्य अकादमीसँ



मरुछ्र 1944-2009

जन्म मधुवनी जिलाक जमसम

गामम। प्रसिद्ध मैथिली गीतकान

आ गायक।



सुरोषचन्द्र यादव 1948-

जन्म ०१ मार्च

१९४८, मातृक

दीनानगंज, सुपौलमा। पैतृक

स्थान: वलवा-

मनाही, सुपौल। घनदखिया (मैथिली कथा-संग्रह), मैथिली

प्राकाशित मानाग्ररु (शैलन्द्र मारुन मा। सरुयागी संकलन-संकल्प। ?नाजकमल जयन्ती प्रसंगक संपादन।

अकादमी, पटना, १९८३, हा ली (अंग्रेजीसँ मैथिली अनुवाद), साहित्य अकादमी, नऽऽी दिल्ली, १९८८, वीठल कथा (हनिमारुन माक कथाक चयन एवं भूमिका), साहित्य अकादमी, नऽऽी दिल्ली, १९९९, विहा७ आउ (वंगला सँ मैथिली अनुवाद), किसून संकल्प लाक, सुपौल, १९९७, रानण-निराजन औन हिन्दी उपन्यास (हिन्दी आलोचना), विहान नाष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, २००१, नाज कमल चौधनी का सरुन (हिन्दी जीवनी) सानांश प्रकाशन, नऽऽी दिल्ली, २००१, वनौ-विगऊग (कथा-संग्रह) २००९।

मैथिलीमे कतेक सएटा कथा, गीत टा समीक्षा आ हिन्दी, बंगला तथा अंग्रेजी मे अनेक अनुवाद प्रकाशित।



सुरेन्द्र झा 1909-2000

"फॉर्मेशन ऑफ मैथिली लैंग्वेज"क लेखक।

१९८६- सुरेन्द्र झा (नाटिक पत्रक उपन्यास, निबन्ध)पर मैथिलीक साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।



रामावतार यादव, मैथिली भाषिकी, नेपाल 1942-

देश-विदेशक भाषाविज्ञान जर्नलमे यवासा आलेखक द्वारा मैथिलीक विशिष्टताकेँ उजागर कएलन्हि। *मैथिली ध्वनिशास्त्र* 1984 ई. मे जर्मनीसँ आ *मैथिलीक सन्दर्भ व्याकरण* 1996 ई. मे बर्लिन आ न्यूयार्कसँ प्रकाशित। 2000 ई..मे लंदनसँ प्रकाशित *भारतीय आर्यभाषा* पुस्तक मे संकलित हिनकर



योगेन्द्र प्रसाद यादव, भाषिकी, सिरहा, नेपाल 1946-

1998 ई. मे जर्मनीसँ प्रकाशित *स्टडीज इन मैथिली सिंटैक्स* आ *टॉपिक्स इन नेपालीज लिंग्विस्टिक्स*, *नोटिस इन मैथिली लैंग्वेज- लिटरेचर एन्ड कल्चर* आ *लक्ष्मीप्रसाद इन नेपाल* (सम्पादित) प्रकाशित।

	मैथिली भाषा संबंधी आलेख विशेष उल्लेखनीय। नेपाल राजकीय प्रज्ञा-प्रतिष्ठानसँ पासाङ ल्हामु प्रज्ञा-पुरस्कारसँ सम्मानित।	नेपाल राजकीय प्रज्ञा-प्रतिष्ठानमे भाषा-विभागक प्रमुख रहि कएक महत्वपूर्ण कार्यक सम्पादन। नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानक सदस्य श्री योगेन्द्र प्रसाद यादव (1994)। नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान आजीवन सदस्य श्री योगेन्द्र प्रसाद यादव।
 **रमानन्द झा 'रमण' 1949-** जन्म: 02 जनवरी 1949, शिक्षा-एम.ए., पीएच.डी., आजीविका -भारतीय रिजर्व	 **रामलोचन ठाकुर 1949-** श्री रामलोचन ठाकुर, जन्म १८ मार्च १९४९ ई.पलिमोहन, मधुबनीमे। वरिष्ठ कवि, रंगकर्मी, सम्पादक, समीक्षक। भाषाई आन्दोलनमे सक्रिय	 **गंगा प्रसाद मंडल "अकेला", नेपाल 1944-** पं. सुन्दर झा शास्त्री राष्ट्रिय प्रतिभा पुरस्कारसँ सम्मानित। मिथिलांचलक किछु लोक

बैंक, पटना (सेवा निवृत्त)। **प्रकाशन:** 1. नवीन मैथिली कविता,1982, 2. मैथिली नऽव कविता,1993, 3. मैथिली साहित्य ओ राजनीति, 1994, 4. अखियासल, 1995, 5. बसाहल,2003, 6. रुजानल, 2005., 7. निर्याण कौस शुनु कन? हिन्दी- निजर्व बैंक, पटनाक प्रकाशन सम्पादित 8. मैथिलीक आन्हिक कथा, 1978 समीक्षा, 9. श्यामानन्द नवनावली, 1981, 10. जनार्दन झा जनसीदन कृत निर्दयीसासु (1914) आ पुनर्विवाह (1926), 1984, 11. व्रजनाथ झा कृत श्रीजगन्नाथपुरी यात्रा (1910), 1994, 12. गजनाथ झा कृत सुन्दराजविजय नाटक (1919),

रागीदानी। **प्रकाशित कृति**- ऋतिहासरुम्भा, मार्टियानिक गीत, दशक नाम छल सान बिउया, अपूर्वा (कविता संग्रह), बंगाल कथा (ग्रंथ), मैथिली लोक कथा (लोककथा), प्रतिध्वनि (अनूदित कविता), *जा सकै छी, किन्तु किए जाउ*(अनूदित कविता), लाख प्रश्न अनुत्तरित (कविता), जादूगर (अनुवाद), स्मृतिक धोखनल रंग (संस्मरणात्मक निबंध), आँखि मूनने: आँखि खोलने (निबंध)। अनुवाद लेल **रामा-रानी सम्मान** 2003-04 (सी.आइ.आइ.एल., मैसूर) *जा सकै छी, किन्तु किए जाउ*- शक्ति चट्टोपाध्यायक बांग्ला कविता-संग्रहक मैथिली अनुवाद लेल प्राप्त। विदेह सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादमी पुरस्कार २०१२ अनुवाद पुरस्कार- श्री रामलोचन ठाकुर- (पद्मानदीक माझी, बांग्लासँ मैथिली

कथा (संकलन आ सम्पादन) आ शिरीषक फूल (अनुवाद) प्रकाशित।

1994, 13. नासविहनीलाल दासकृत स्मृति (1918), 1996, 14. जीवछ मिश्रकृत नामश्वन (1916), 1996, 15. रुटघाँट (रुटवार्ता), 1998, 16. नुवय गँ सग्र न गँ फुसि, 1998, 17. युश्वानह्र माकृत मिथिला दर्यंध (1925), 2003, 18. यदुवन नवनावली (1888-1934) 2003, 19. श्रीवल्लर मा (1905-1940) कृत विद्यायति विवनध, 2005, 20. मैथिली उयन्यासम चित्रित समाज, 2003। अनुवाद लल **राबा-रानी सम्मान 2004-05** (सी.आइ.आइ.एल., मैसूर) छउा विगहा आ0 कहा- स्कीन मारुन सनायणिक	अनुवाद, वांग्ला-उयन्यास - मानिक वंद्यायाध्याय)		

उड़िया उपन्यासक मैथिली

अनुवाद लेल प्राप्त।



महेन्द्रनारायण निधि, धनुषा, नेपाल



परमेश्वर कापड़ि, धनुषा, नेपाल



जयनारायण झा "जिज्ञासु", नेपाल



सुन्दर झा, नेपाल 1920-1995



रोहिणी रमण झा 1950-



डॉ. कमलाकान्त भण्डारी 1952-

कवीन (मैथिली) पर शोध।



निनाद विहानी लाल 1953-

जन्म स्थान

यवही, मधुवनी, विहान। चर्चित कथाकान। सयसँ ऊयन कथा प्रकाशित।



अननिरुद्ध ठाकुन 1954-

यनी टूटि नहल अछि (कविता संग्रह), अह्वानक विनाश्रम (कथा संग्रह), वहूनूयिया प्रदेश म (गजल संग्रह)।



याम दनिहन 1954-

न्म स्थान वनहा, वनीयट्टी मधुवनी, विहान। कवि, कथाकान प्रकाशित कृति : सनिसाम सु कथा संग्रह) अनूदित कृति : निप्रिया (धर्मवीन भानती)



दिनेश कुमान झा

मैथिलीक इतिहासयन लखना।



अशोक कुमान ठाकुन

जन्म 2 जनवनी 1944 ई.। ग्राम वडगाँव (यंतौल)।

नागमंडल (नाटक-



प्रायनानायण झा, नयाल

	अनुवाद), निर्माण, वसुधाक संसार (उपन्यास)	
 शीतल झा, नेपाल	 उग्रनारायण मिश्र "कनक "	 डॉ. शम्भुनाथ चौधरी 1920-2008
 इन्द्रकांत झा	 पंचानन मिश्र	 आरूसन गुनमेगा ालिनीश्रनयन लेखन।



महेन्द्र नारायण सिंह "मगन"



सूर्यकांत झा, जनकपुर



मदध झा (1957-)

रचना: यथाप्राप्य (कथा-संग्रह)- 1995, काव्य-वाटिका (कविता-संग्रह)- 1999, अलंकार-दर्पण (पूर्व-खण्ड) - 2002, अलंकार-दर्पण (अलंकार शास्त्र)- 2003, भिन्न-अभिन्न (समीक्षा)- 2008, संग सम्पादन: मैथिली (मिथिला विश्वविद्यालय, मैथिली विभागक शोध-पत्रिका) - 1996, सम्पादन: मैथिली (मिथिला विश्वविद्यालय, मैथिली विभागक शोध-पत्रिका)- 2007,2008



विजयनाथ झा

"अहींक लेल" (गीत-गजल संग्रह प्रकाशित)।



योगानन्द हीरा



बाबा बैद्यनाथ

करुना क्षमानयन (गजल संग्रह)



जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" १९५०-

मूल नाम जगदीश चन्द्र ठाकुर, जन्म: 27.11.1950, गंगुआर, मधुबनी। सेवा निवृत्त बैंक अधिकारी। मैथिलीमे प्रकाशित पोथी-1. धारा अनताम -गीत संग्रह-1978;



विद्यानन्द झा 1965-

बुद्धपूर्णिमा, १९६५मे कोठिनियाँ, समानपुर मधुबनीमे जन्म। पहिने जकाँ, बिछोल काल बिनीत जकाँ, दादूरक स्कूल जकाँ (कविता संग्रह) प्रकाशित। मूलतः कवि, थोड़ कथा लिखलनि, जे अपन मार्मिक



हेमकृष्ण झा 1950-

जन्म १० जुलाइ १९५० ई. ग्राम- कोइलख मे। परिवर्तनक अध्ययन छात्र मार्क्सवादी राजनीतिमे सक्रिय। अनेक कविता आ आलोचनात्मक निबन्ध प्रकाशित। अनुवाद एवं विकास विषयक

2. धानक उल्ल यान-दीर्घ कविता-

1999, गीत गंगा (गीत संग्रह), गजल गंगा (गजल संग्रह)।

अभिव्यक्तिक कारणे बस चर्चित रहल । वितण्डनायुक्त यान्त्रिकिक याठ्ठ जिम्मवान समाजार्थिक कारणक खोज हिनकन मूल सृजन प्रेरणा थिक ।

...ाव कार्यम नुचि। स्वतंत्र ...लेखन। प्रकृति एवं जीवनक ...ादात्म्य वाधक अग्रणी ...वि। "एना न� नहि ...ि" (कविता संग्रह)। २००८ ई. - श्री हनकृष्ण मार्क कविता संग्रह �एना न नहि ज�लल ...ीर्तिनारायण मिश्र साहित्य सम्मान।



उदय नारायण सिंह नचिकेता 1951-

जन्म-१९५१ ई. कलकत्तामा यहिल काव्य संग्रह �कवयो वदन्ति�। १९७१ �अमृतस्य पुत्राः�



आशीष अनचिन्हार

मूल लेखन: कुमानि [illegible] (गजल संग्रह), जँघा जाठी (गजल संग्रह), अनचिन्हार आखर (गजल, रुबाइ आ कताक संग्रह), मैथिली गजलक व्याकरण आ इतिहास, मैथिली



...कुमान यवन 1958

...ाम मूर्ति। कथा संग्रह, कविता संग्रह आ व्यंग्य संग्रह शीघ्र प्रकाश्य। मैथिलीमे १९९० ई. स... ...नियमित लेखन। २००८ ई. सँ ...दस सालक मौन रंगक वाद

(कविता संकलन) आऽ �नायकक नाम जीवन� (नाटक)| १९७४ म �एक छल राजा�/ �नाटकक लेल� (नाटक)। १९७६-७७ �प्रत्यावर्त्तन�/ �रामलीला�(नाटक)। १९७८म जनक आऽ अन्य एकांकी। १९८१ �अनुत्तरण�(कविता-संकलन)। १९८८ �प्रियंवदा� (नाटिका)। १९९१-�रवीन्द्रनाथक बाल-साहित्य�(अनुवाद)। १९९७ �अनुकृति�- आधुनिक मैथिली कविताक बंगलाम अनुवाद, संगहि बंगलाम दूटा कविता संकलन। १९९९ �अशु ओ यतिहास�। २००२ �खाम

नव यात्राकविताक इतिहास, मैथिली गजलक नवी नवालन, शब्द-अर्थ-शक्ति।

गजेन्द्र ठाकुर आ आशीष अनचिन्हार (सम्पादन): मैथिलीक प्रतिनिधि गजल, मैथिली गजल: आगमन ओ प्रस्थान बिंदु (गजलक आलोचना-समालोचना-समीक्षा)

पुनः नवनाक दासन यालीक ...नन्द।

खयाली�।

२००६म �मध्यमपुरुष एकवचन� (कविता संग्रह।

२००८ ई. म नाटक "ना एषा: मा प्रविश" सम्पूर्ण नवँ "विदेह" ई- पत्रिकाम धारावाहिक नवँ ई-प्रकाशित रूप एकटा कीर्तिमान बनलक। २००९ ई.-श्री उदय नारायण सिंह �नचिकेता�कँ नाटक ना एषा: मा प्रविश लल कीर्तिनारायण मिश्र साहित्य सम्मान।



कीर्तिनाथ झा 1955-

कृनल: मैथिली रचनानुवाद



महेन्द्र हजारी



स्व. चन्द्रकान्त मिश्र, आसी, दनरंग।



स्व. महेन्द्र नारायण झा, वलौंजा, मधुबनी



स्व.राजकुमार मल्लिक, साहनाय (पाखनिरीठा), मधुबनी



लक्ष्मीपति सिंह



फूलचन्द्र मिश्र रमण



किशोरनाथ झा

गाम- विठ्ठो, पो. सनिसरवाही, मधुबनी।

"लोकवेद" पोथी प्रकाशित।



सूर्यनारायण झा "सरस"

पोथी "मैथिली श्री सीतारामचरितमानस" प्रकाशित।



कलानन्द भट्ट

काह्न यन लहास व्हमन मैथिली गजल संग्रह



दयानाथ झा

गाम नागदह, मधुबनी। मैथिली रंगमंच मिथि-यात्रिक, कोलकाता।



डॉ. सुधाकर चौधरी १९४६-

जन्म १७ मार्च १९४६ ई.। प्रकाशित पोथी: काजन, गीन नंग गनह चित्र (कथा संग्रह), यंती जी ठग्पा (प्रहसन), निम्नी सुराख (नाटक)।



स्व. चुनचुन मिश्र, नरहिका, मधुबनी।



सत्यनारायण लाल कर्ण

मिथिला चित्रकला



ले. कर्नल मायानाथ झा 1945-

मिथिला नाटक आन्दोलन कर्मी।

जन्म 1 अप्रैल 1945 ई.।

ग्राम- रनाम (मधुबनी)।

जकर नारि चतुर

हाञ्ञ (मैथिली लोक कथा

संग्रह) प्रकाशित। विदेह

सम्पादकक समानान्तर

साहित्य अकादमी पुरस्कार

२०११ बाल साहित्य

पुरस्कार- ले.क. मायानाथ झा

(जकर नारी चतुर

हाञ्ञ, कथा संग्रह)



श्याम किशोर सिंह



सचिन्द्रनाथ झा

मिथिला लोक चित्रकला



कालीनाथ ठाकुर

ग्राम सर्वसीमा



राजेन्द्र विमल, जनकपुर, नेपाल 1949-

मैथिली, नेपाली आ हिन्दी साषाक ख्याति विमल शिआक रूपम विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)क उपाधि प्राप्त कएने छथि। कम्मा लिखिकs यथेष्ट यश अर्जनिहार डा. विमलक लेखनीक प्रशंसा मैथिलीक सङ्गसङ्ग नेपाली आ हिन्दी साहित्यम सेहो होइत रहलनि अछि। त्रिभुवन विश्वविद्यालयअन्तर्गत रा.रा.व. कैम्पस, जनकपुरधामम प्राध्यापन कएनिहार



नरेश कुमार विकल 1950 -

जन्म २१ जुलाई १९५० भगवानपुर देसुआ (समस्तीपुर)। काव्य- अनियन, महुआ मदन रस टपकय, बिन बाती दीप जरय। कथा-संग्रह- रनि गेल दर्दक जूनाना। उपन्यास- टहकैत टीस। नाटक- चाखरा खोंच।



जनक किशोर लाल दास

डा. विमलक पूर्ण नाम नारायण लाल छियनि। हिनक जन्म २६ जुलाई १९४९ ई. कऽ भेल अछि। साहित्यकारक नव पीढ़ीकेँ निरन्तर उत्प्रेरित करबाक कारणेँ ई डा.धीरेन्द्रक बाद जनकपुर-धनुषाक साहित्यिक गुरुक रूपमे स्थापित भऽ गेल छथि।



कृष्णचन्द्र झा "मयंक"



लक्ष्मण झा "सागर"

1953-

"उचित बैसू कौआ" मैथिली कविता संग्रह प्रकाशित।



रघुवीर मोची



𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒠𑒰𑒮 "𑒨𑒢𑒱𑒧𑒪"



𑒬𑒬𑒱𑒢𑒰𑒟 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 "𑒬𑒬𑒱"

1946-



𑒮𑒳𑒩𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒢𑒰𑒟



𑒁𑒧𑒩𑒢𑒰𑒟

𑓑𑓙𑓑𑓗 𑒃𑓀. 𑒧 "𑒅𑒩𑓂𑒧𑒱𑒏𑒰" 𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞। 𑒯𑒰𑒮𑓂𑒨 𑒏𑒟𑒰𑒏𑒰𑒩।



𑒥𑒔𑓂𑒔𑒰 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩



𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡𑒱𑒢𑒰𑒟 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩







राजाराम सिंह राठौर, धनुषा	वैद्यनाथ विमल 1955-	डॉ वासुकीनाथ झा 1940-
		
शिवशङ्कर मिश्र "जीवन"	वीशङ्कर नारायण झा	ीशङ्कर झा 1956- ानु झा पन लेखन।
		
वैकुण्ठ झा 1954- पिता- स्वर्गीय रामचन्द्र झा, जन्म- २४-०१-१९५४ (ग्राम- रनबाउ, जिला- दरभंगा), शिक्षा-	वैकुण्ठ झा	नित्यानन्द झा 'पञ्जी कान' 1957- जन्म- 09.04.1957, पचरुआ, गौल, ककरौड़ (मधुबनी), नगाठय(यु

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र), पेशा- शिक्षक।

मैथिली, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा मे लगभग २०० गीतक रचना।

गोनू झा पर आधारित नाटक "हास्यशिरोमणि गोनू झा तथा अन्य कहानी" क लेखन।

एकर अलावा हिन्दीमे लगभग १७ उपन्यास तथा कथाक लेखन।

र्णिया), शिवनगर (अररिया) आ सम्प्रति पूर्णिया। पिता लब्ध प्रतिष्ठ पञ्जीशास्त्र मार्तण्ड पञ्जीकार मोदानन्द झा, शिवनगर, अररिया, पूर्णिया। पितामह-स्व. श्री भिखिया झा। पञ्जीशास्त्रक दस वर्ष धरि 1970 ई.सँ 1979 ई. धरि अध्ययन, 22 वर्षक वयससँ पञ्जी-प्रबंधक संवर्द्धन आ संरक्षण संलग्न।

कृति- पञ्जी शाखा पुस्तकक लिप्यंतरण आ संवर्द्धन।



महेन्द्र नारायण कर्ण



डॉ. विश्वेश्वर मिश्र



अर्जुन नारायण चौधरी



नरेन्द्र

गजलकार।



महेन्द्र मिश्र, नेपाल



कमल कांत झा 1943-



महाप्रकाश 1946-

जन्म: बनगांव, सहरसा, बिहार। वरिष्ठ कवि आ कथाकार। प्रकाशित कृति: कविता संग्रह, संग समय क (कविता संग्रह)। कीर्तिनारायण मिश्र साहित्य सम्मान २०१० ई.-



छत्रानन्द सिंह झा 1946-



अयोध्यानाथ चौधरी, धनुषा, नेपाल 1947-

मूलत: कविक रूपमे परिचित छथि। नेपालक आधुनिक कविताक उत्तम हिनक नाम उल्लेखनीय अछि। श्री चौधरीक लेखनमे मानवीय संवेदनाक प्रतिबिम्ब पाओल

श्री महाप्रकाश (कविता संग्रह �संग समय क�)।		जाइत अछि। कविताक संग कथा आ निबन्ध सेहो हुनी कलम चलबैत छथि। रंगिसाउल लेखन हिनक विशेषता थिकनि। धनुषा जिलाक दुहवी गामक नहनिहार श्री चौधरीक जन्म ६अक्टुबर १९४१कऽ भेल छनि। हिनक जिनिजक उड़ियान नामसँ एक कविता-सङ्ग्रह प्रकाशित छनि।
 विद्यानाथ झा 'विदित'	 सियाराम झा "सरस" 1948-	 अग्निपुष्प 1948- जन्म: गनौली, दरभंगा। मूलनाम महेन्द्र झा। मैथिलीम

	जन्म स्थान मंरुथ, मधुवनी विहान । प्रसिद्ध गीतकान, वादम कथा लखन प्रानम्ह कलनि । प्रकाशित कृति आंज्ञन रनि सिंगनहान, (पाधिताजल उगैत सूर्यक धम्मक (कथा संग्रह)।	ारुस्फवाद् कनिता संग्रह ्रकाशित । मूक्ति प्रसंगक ्अनूनाद प्रकाशित । नामयंथी ्आह्मलनम सक्रिया। ्भजा, सम्पाद आदि यत्रिकाक ्सम्यादन । नामयंथी ्रेचानधानाक सशक्त कनि।
 मधुकांत मा 1949-	 नीनू राॐ	 सयानन्द याठक
 यागीनाज	 कुणाल 1951-	

		नाम रनास कायति ग्रमन, धनूषा, नया ल 1951- जन्म-वघवौना, जिला धनूषा (नयाल)। वन्नका0नी: ऊौ नाञ्ञ धूँआ (कविगा संग्रह), नहि, आव नहि (दीर्घ कविगा), गाना संगे जञ्वौ ञ कूजवा (कथा संग्रह, मैथिली अकादमी यटना, १९८४), मामक यघलौ अधन (गीग, गजल संग्रह, १९८३), अग्यन अनविद्दान (कविगा संग्रह, १९९० ञ्जी.), नानी वञ्चानी (नाटक), ञकटा आडान वसन्क (नाटक), महिषासुन मूर्दावाद ञवं अग्य नाटक (नाटक

		संग्रह), अन्हार (कथा-संग्रह), मैथिली संस्कृति बीच रमाउँदा (सांस्कृतिक निबन्ध सभक संग्रह), बिसरल-बिसरल सन (कविता-संग्रह), जनकपुर लोक चित्र (मिथिला पेंटिङ्स), लोक नाट्य: जट-जटिन (अनुसन्धान)। नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानक सदस्यता- श्री राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' (2010)।
		
धीरेन्द्रनाथ मिश्र	शिवेन्द्रलाल कर्ण, धनुषा, नेपाल 1951-	ब्रह्मदेव लाल दास

लेखकसँ अधिक शिक्षकक रूपम परिचित आ प्रतिष्ठित छथि। त्रिभुवन विश्वविद्यालयअन्तर्गत रा. व. कैम्पस, जनकपुर-धामक सह-प्राध्यापक श्री कर्णक ऐतिहासिक विषय-वस्तुपर लिखल कतोक लेख मैथिली, हिन्दी आ अंग्रेजी भाषाम प्रकाशित अछि। स्वान्त-सुखाय ई कहियो कालकऽ कविता-कथा सेहो लिखि लैत छथि। हिनक लेखन ज्ञानवर्द्धक, जानकारीमूलक एवं सामान्यजन नवीन अछि। देखलायन बुझना जाइत अछि जे ई हिनक गम्भीर अध्ययनक परिणति थिक। सामाजिक तथा साहित्यिक संघ-संस्थासभ सेहो सक्रिय प्राध्यापक कर्णक जन्म धनुषा जिलाक दनतीहा ग्रामम २ जनवरी १९७१ ई. कऽ भेल छनि।



चन्द्रभूषण खान

गाम- बड़ीटोल, जिला मधुबनी।

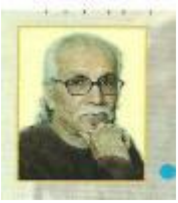
लघुकथा लेल चर्चित प्रशंसित।



दयाकान्त झा



राजेन्द्र नारायण सिंह, नेपाल



यशश्री श्री राजेन्द्र नारायण सिंह



हरिकान्त झा



सुरेन्द्रनारायण झा





सीताराम सिंह



कुलानन्द मिश्र

प्रवासी साहित्यालंकार



शैलेन्द्र कुमार झा 1952-

जन्म स्थान हनियुन, नवकी टोल, मधुबनी बिहार। प्रकाशित कृति: आगाह अनवाह, दशम खुट्टी (कथा संग्रह), इकानामिक हिस्ट्री □रु मिथिला (अंग्रेजी)।



शिवशंकर श्रीनिवास 1953-

जन्म स्थान लोहना मधुबनी, बिहार। चर्चित कथाकार ओ आलोचक। गीत ओ कविता सेहो कहियो काल लिखैत छथि। प्रकाशित कृति : त्रिकोण, अदहन, गाछ-पात, गामक लोक (कथा संग्रह)।



अशोक 1953-

जन्म स्थान लोहना, मधुबनी, बिहार। चर्चित कथाकार, कवि ओ सम्पादक। प्रकाशित कृति : चक्रव्यूह (कविता संग्रह) त्रिकोण सहयात्री (कथा संग्रह), ओहि ...ातिक रात (कथा-संग्रह), मातवन (कथा संग्रह)।



विभूति आनन्द 1953-

जन्म: शिवनगर, मधुबनी, बिहार। चर्चित कवि, कथाकार, संपादक। प्रकाशित कृति दूटा उपन्यास दूटा समीक्षा, तीन टा कथा संग्रह, दूटा गीत-गजल संग्रह ओ बालिटा कथा-संग्रह प्रकाशित। २००८- विभूति आनन्द (काठ, कथा)मैथिली लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



केदार कानन 1959-

जन्म स्थान सुपौल, बिहार। चर्चित कवि, कथाकार ओ संपादक। प्रकाशित कृति : आकार लोक शब्द (कविता संग्रह), अनूदित कृति बाजा नाम माछुन राय, प्रायश्चित्त। सम्पादन संकल्प, रानी मंडन (पत्रिका)।



डॉ. शशिनाथ झा 1954-

ग्राम-दीप, जिला- मधुबनी। मैथिली, बांग्ला, नेवारी आ देवनागरी पांडुलिपिक विशेषज्ञ। साहित्य अकादमीक भाषा सम्मान 2007 क्लासिकल आ मध्यकालीन साहित्य लेल।



धनुर्धर झा

ग्राम- बिरौली। "वाक्यार्थविवेचनम्" लेल श्रीनारायणालंकरण पुरस्कार 2010 प्राप्त।



शिवकान्त पाठक



डॉ. योगेन्द्र पाठक "वियोगी"

, वैज्ञानिक

"विज्ञानक बतकही" प्रकाशित।



राजनन्द झा

२००६- राजनन्द झा (कालबेला- समरेश मजूमदार, बांग्ला)लेल साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



आद्यानाथ झा "नवीन"



अमलदास 1956-



यंत्रनाथ मिश्र



दिगम्बर ठाकुर



गणेश झा 1950-



कन्हैयानारायण लाल कर्ण



शैलेन्द्र आनन्द 1955-



कमलाकांत झा

सचिव, मैथिली अकादमी, पटना



लल्लन प्रसाद ठाकुर 1951-1995



डॉ. कमलानन्द झा

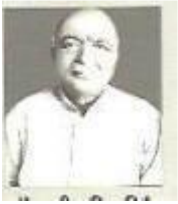


लोकनाथ मिश्र

जन्म ७ फरवरी १९७१ मुंगेर म श्रीमती सुलक्षा देवी आ श्री दीनानंद ठाकुरक द्वितीय बालक। पैतृक ग्राम-समौल,जिला-मधुबनी। सिविल इंजीनियर, टाटा स्टीलम चाकरी। प्रकाश झाक फिल्म "कथा माधोपुर की" म मुख्य भूमिका। नाटककार आ मंच अभिनेता। हुनक लिखल किछु प्रसिद्ध मैथिली नाटक छथि :बटुका साहब,मिस्टर निला काका, लौंगिया मिरचाई,बकलेल आदि ना अंत।







डॉ. रवीन्द्र कुमार चौधरी 1966-

जन्म: 5 मार्च 1966 ई. गनपतगंज, सुपौल। मैथिलीक प्राध्यापक। राज्यमंत्रीक पदक आ विद्वान आ झारखण्ड सरकार द्वारा पुरस्कृत। झारखण्डक मैथिली आन्दोलनमे अग्रणी।

अशोक अविचल

जन्म- ७ जनवरी १९६१, ग्राम- रहुआ संग्राम, जिला मधुबनी। मैथिली प्राध्यापक। रचना: एक बनू एक बनू (लघु नाटक), मैथिली भाषा: सर्वेक्षण आ विश्लेषण, हमरा दशक भागम (मैथिलीक प्रथम असंगत नाटक), सम्पादन: झारखण्डक सन्देश, कपाट (नौ अंक), झारखण्ड वाणी (हिन्दी साप्ताहिक), सम्मान: अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनक सम्मान (२०००), परमहंस लक्ष्मीनाथ गोस्वामी समिति सम्मान (२००८)

डॉ. श्रीपति सिंह १९४४-

"उमंग-तरंग" कविता-संग्रह प्रकाशित।



डॉ. उमाकान्त

मैथिली व्यंग्य-आलेखक पोथी "अयन वाण" प्रकाशित।



सुशील 1942-

अम्बिका (लघुकथा संग्रह), रामनी (नाटक) प्रकाशित।



श्रीरमन

मूल नाम- नागेश्वर झा। कथा-संग्रह "डिलकान", नाटक "लाल्ह ढना", गीत-प्रबन्ध "पुलामा" प्रकाशित।



सुकांत सोम 1950-

जन्म दरभंगा जिलाक गनौली गाममे 1950 ई. मे भेलनि। बी. ए. पास कए ई पटनाक दैनिक �जनशक्ति�क सहायक सम्पादक छलाह। हुनक नव



डॉ. रमाकांत मिश्र 1952-

पिता कविचूड़ामणि पं. काशीकांत मिश्र "मधुप", "वनीयन अनूमण्डलम मैथिली" पोथी प्रकाशित।



डॉ. नित्यानन्द लाल दास

पिता स्वर्गीय सूर्यनारायण दास। रामविलासगंज कॉलेज, रामविलासगंज सँ अंग्रेजी विभागाध्यक्ष पदसँ

रानप

टाऽऽस्म, यटनामा वाल्यनस्कासँ

ञयन यौगृक (यिपा यामीजी)

गुध कविपा कनवाक पथा कथा

लिखवाम सह्य यश ञर्जन

कएलहि ञछि । वर्द्धमान

नाजनीपि सामाजिक विषयसँ

सम्बद्ध व्यंग्यात्मक, सनल रापाम

लिखल नव कविपा हिनक

विशेषपा छहि । गामघनक

यनिवेश पदनुकूल शब्द एवं विम्ब

नवनाम क्रमहि सिद्ध छथि ।

१९९८ म ञवकाशप्राप्ता

डॉ. सुनेद्ध मा "सुमन"क

संयोजकत्वक

कार्यकालम "मैथिली

यनामर्शदापृ समिपि" (साहित्य

ञकादमी, दिल्ली)क सदस्या

मैथिली यत्रिका सर जना

वटृक, प्रयाग; मिथिला

मिहिन, यटना; स्वदेश, दनभंगा

; यहुँच, यटना ञा यनपी

यलान, ञनवियाम नवना

प्रकाशिपा। १९६१ ऽऽी. सँ

नाष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ म

सक्रिया। प्रांपीय प्रपिनिधि

२००४ धनि जिला

सनसंघचालका।

ज.यी.आह्यालनम लाकपंत्र

सनानी। डॉ. ए.यी.ज. अब्दुल

कलामक ञंग्रेजी

याथी "ऽऽशाऽऽटत

माऽऽध्स"क

मैथिलीमे "प्रज्वलित प्रज्ञा" नामसँ अनुवाद। साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार २०१०- डॉ. नित्यानन्द लाल दास- (स्वर्गीय ... डॉ.ए.पी.जे. कलाम, अंग्रेजी) लेल।



राजनाथ मिश्र 1950-

"अ वर्ष आ... न मिथिला" प्रकाशित।



पशुपतिनाथ झा, महादेवी, नेपाल 1954-

हिनक लेखन चिन्तनात्मक होइत अछि आ सम्बद्ध विषयमे नीकजकाँ जानकारी दैत अछि। विभिन्न पत्र-पत्रिकामे हिनक लेख-रचना बराबरि देखबामे अबैत रहैछ। ना.ना.व.



अनिलचन्द्र ठाकुर 1954-2009

जन्म 13 सितम्बर 1954 ई.केँ कटिहार जिलाक समेली गाममे भेलन्हि। 1982 ई.मे हिन्दी साहित्यमे स्नातकोत्तर कलाक बाद नवम्बर '93 सँ

𑒏𑒻𑒧𑓂𑒣𑒮, 𑒖𑒢𑒏𑒣𑒳𑒩𑒡𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒫𑒱𑒭𑒨𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒡𑓂𑒨𑒰𑒣𑒢𑒧𑒹 𑒮𑓀𑒪𑒑𑓂𑒢 𑒬𑓂𑒩𑒲 𑒗𑒰 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒮𑒧𑓂𑒥𑒢𑓂𑒡𑒲 𑒮𑓀𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒰𑒞𑓂𑒧𑒏 𑒑𑒞𑒱𑒫𑒱𑒡𑒱𑒮𑒿 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒖𑒳𑒛𑓃𑒪 𑒕𑒟𑒱। 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒦𑒰𑒭𑒰𑒏 𑒪𑒼𑒣𑒼𑒢𑓂𑒧𑒳𑒐 𑒁𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰𑒧𑒹 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒣𑒢 𑒪𑒱𑒣𑒱 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰𑒧𑒹 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒩𑒴𑒣𑒮𑒿 𑒪𑒱𑒐𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩 𑒬𑓂𑒩𑒲 𑒗𑒰 𑒋𑒏𑒩 𑒮𑓀𑒩𑒏𑓂𑒭𑒝-𑒮𑒧𑓂𑒥𑒩𑓂𑒠𑓂𑒡𑒢𑒏 𑒠𑒱𑒬𑒰𑒧𑒹 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑓂𑒩𑒱𑒨𑒰𑒬𑒲𑒪 𑒕𑒟𑒱। 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒡𑓂𑒨𑒰𑒣𑒏 𑒗𑒰 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒧𑒯𑒰𑒏𑒰𑒫𑓂𑒨𑒧𑒹 𑒩𑒮 𑒢𑒱𑒩𑒴𑒣𑒝 𑒫𑒱𑒭𑒨𑒣𑒩 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒫𑒰𑒩𑒱𑒡𑒱 𑒏𑒋𑒢𑒹 𑒕𑒟𑒱 𑒂 𑒬𑒱𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒞𑒟𑒰 𑒏𑒰𑒢𑒴𑒢 𑒫𑒱𑒭𑒨𑒧𑒹 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒮𑓂𑒢𑒰𑒞𑒏 𑒕𑒟𑒱। 𑒧𑒯𑒼𑒞𑓂𑒞𑒩𑒲 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒋𑒏𑒛𑒹𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒩𑒯𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩 𑒬𑓂𑒩𑒲 𑒗𑒰𑒏 𑒖𑒢𑓂𑒧 𑓔 𑒠𑒱𑒮𑒧𑓂𑒥𑒩 𑓑𑓙𑓗𑓔 𑒏𑓄 𑒦𑒹𑒪𑒕𑒢𑒱। 𑒫𑒩𑓂𑒭𑒼𑒧𑒹 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒩𑒞𑓂𑒢𑒮𑒿 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢𑒱𑒞।

𑒢𑒫𑒧𑓂𑒥𑒩 '94 𑒡𑒩𑒱 "𑒮𑒳𑒫𑒯" 𑒯𑒮𑓂𑒞 𑒪𑒱𑒐𑒱𑒞 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰𑒏 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒢-𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢 𑒏𑒋𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒂 𑒏𑒰𑒬𑒲 𑒏𑓂𑒭𑒹𑒞𑓂𑒩𑒲𑒨 𑒑𑓂𑒩𑒰𑒧𑒲𑒝 𑒥𑒻𑓀𑒏𑒧𑒹 𑒁𑒡𑒱𑒏𑒰𑒩𑒲 𑒩𑒯𑒟𑒱। 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲, 𑒁𑓀𑒑𑒱𑒏𑒰, 𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒲 𑒂 𑒁𑓀𑒑𑓂𑒩𑒹𑒖𑒲𑒧𑒹 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒩𑒴𑒣𑒹𑒿 𑒪𑒹𑒐𑒢। 𑒧𑒵𑒞𑓂𑒨𑒳𑒏 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫 𑒡𑒩𑒱 𑒡𑒴𑒧𑒢𑒮𑒿 𑒥𑒲𑒧𑒰𑒩 𑒔𑒪𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯। **𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒏𑒵𑒞𑒱**: 𑒂𑒥 𑒧𑒰𑒢𑒱 𑒖𑒰𑒅(𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)- 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒦𑒰𑒩𑒞𑒲-𑒧𑓀𑒛𑒢 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰𑒧𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪, 𑒤𑒹𑒩 𑒧𑒻𑒪𑒼𑒩𑓀𑒑 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒣𑒳𑒮𑓂𑒞𑒏𑒰𑒏𑒰𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪। ; 𑒏𑒔(𑒁𑓀𑒑𑒱𑒏𑒰𑒏 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒐𑒝𑓂𑒛 𑒏𑒰𑒫𑓂𑒨,1975); 𑒋𑒏 𑒎𑒩 𑒢𑒰𑒧 (𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒲 𑒢𑒰𑒙𑒏,1981); 𑒋𑒏 𑒒𑒩 𑒮𑒛𑓃𑒏 𑒣𑒩 (𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒲 𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮, 1982); 𑒠 𑒣𑒣𑒛𑓃 (𑒁𑓀𑒑𑓂𑒩𑒹𑒖𑒲

उपन्यास, 1990); अनन्त कहाँ सुख पावै (हिन्दी कहानी संग्रह,2007)। आब मानि जाउ (मैथिली उपन्यास) - एहि उपन्यासमे एक शहरी युवतीक संघर्ष-गाथा अंकित अछि जे अपन लगनसँ जीवन बदलैत अछि। असंख्य गामक स्त्री कथा कुलीनताक अध्ययनक कथा, संस्कारविहीनताक उद्घाटन आ एतिहासिक पीढ़ीकेँ बचएबाक कोशिश छी।



वृषेश चन्द्र लाल



नारायणजी 1956-



डॉ. श्री श्रीशंकर झा 1952-

जन्म 29 मार्च 1955 ई. कँ एलहि। पिताः स्व. उदितनारायण लाल,माताः श्रीमती गुनेश्वरी देवी। दिनकर छथिहानक नाम विश्वेश्वर छथि। मूलतः राजनीतिककर्मी । नेपालक लोकतन्त्रलेल निरन्तर संघर्षक क्रममे ११ बेर गिरफ्तार । लगभग ८ वर्ष जेल ।सम्प्रति तराई�मधेश लोकतान्त्रिक पार्टीक राष्ट्�ीय उपाध्यक्ष । मैथिलीमे किछु कथा विभिन्न पत्रपत्रिकामे प्रकाशित । आह्वान कविता संग्रह आ बी.पी. कोइरालाक प्रसिद्ध लघु उपन्यास मोदिआइनक मैथिली अनुवादक तथा नेपालीमे संघीय शासनतिर नामक पुस्तक प्रकाशित । डा विश्वेश्वर प्रसाद कोइरालाक प्रतिबद्ध राजनीति अनुयायी आ नेपालक प्रजातांत्रिक आन्दोलनक	जन्म: घाघनडीहा (मधुबनी)। मैथिली भाषा-साहित्यमे एम. ए., पी-एच. डी. वामेश्वर लता संस्कृत विद्यालय, घाघनडीहामे अध्यापन । प्रकाशित कृति: �घनि घुनि नहल छी� (काव्य-संग्रह)।	

सक्रिय योद्धा छथि। नेपाली राजनीतिपर बराबरि लिखैत रहैत छथि।



जगदीशनारायण "दीपक"



राजदेव मंडल

शिक्षा- एम.ए.द्वय, एल एल बी., पता- ग्राम- मुसहरनियाँ, रतनसारा (निर्मली, मधुबनी)। **प्रकाशित कृति**- अम्बरा-कविता-संग्रह, हमर टोल (उपन्यास), वसुंधरा(कविता संग्रह), जाल (पटकथा), लाज (एकांकी), जल रंगन (उपन्यास), त्रिवेणीक रंग (बिहनि आ लघु कथा संग्रह), पंचैती (लघु पटकथा), रायसी।



शिवप्रसाद यादव



धीरेन्द्र कुमार झा 1958-

जन्म 30 अगस्त 1958, ग्राम- कोइलख (मधुबनी), पिता श्री कामेश्वर नाथ झा। क्रांसरूलैन (मैथिली कथा संग्रह) प्रकाशित।



मानेश्वर मनुज 1958-

जन्म

गङ्गौलिया (मानपौन, मधुबनी)मे, 1978सँ 1992 धरि नौसेनामे विभिन्न अनुभाग कार्यरत, रेल यात्री चलला। सम्बन्ध (कथा संग्रह) प्रकाशित।



भवानाथ झा



महेन्द्र नारायण राम 1958-



रामानन्द वियोगी 1966-

महिषी, सहरसामे जन्म। पहिल पोथी अयना पुष्पक साक्ष (गजल संग्रह) १९९१ मे प्रकाशित। अन्य



कमलचन्द्र झा

ए.टी.डी., बी.ए., (अर्थशास्त्र), मुम्बईसँ थिएटर कलामे डिप्लोमा। मैथिलीक

	युम्हक हम्हऊय, प्रलय नहृय(कविता- संग्रह), अग्निक्रमध (कथा- संग्रह), शिलालख (लघुकथा संग्रह), कर्मधानय। नाजकमल चौधनीक कथाकृति एकटा चंयाकली एकटा विषधन संकलन-सयादन। साहित्य अकादमी मैथिली वाल साहित्य यूनस्कान २०१०-गानानन्द वियागीकँ याथी "श्री स्टल गँ की स्टल" लल। यात्री-चना यूनस्कान २०१० श्री.- डॉ. गानानन्द वियागी।	अगिनिक हिन्दी, मनाठी, अंग्रजी आ गुजनातीम निम्रात। १९७४ श्री.सँ मनाठी आ हिन्दी थिएटनम निदशक। महानाष्ट्र नाज्ञ उयाधि १९८६ आ १९९९ म। आई.एन.टी. कन लल नाटक �सीता� क निर्दशन। �वासुदव संगति� आई.एन.टी.क लाक कलाक शाध आ प्रदर्शनसँ ज्ञुल छथि आ नाट्यशालासँ ज्ञुल छथि विकलांग वाल लल थिएटनसँ। निम्न टी.वी. मीडियाम नचनात्मक निदशक नूयँ कायी लखन- वीछल वनायल मनाठी एकांकी(अनूवाद), सिंहावलाक न (मनाठी साहित्यक १७०

		वर्ष), आकाश (डी.टी.वी.क धारावाहिकक ३० एपीसोड), जीवन सन्ध्या(मराठी साप्ताहिक, डी.डी, मुम्बई), ध नाजी नाना चौधरी (मराठी), स्वयम्वर (मराठी), हिन नहीं करी नहीं(हिन्दी), आहट (हिन्दी), यात्रा (मराठी सीरियल), मयूरपंख (मराठी बाल-धारावाहिक), हल्कअन ठून २०० ए.डी.) (डी.डी.)। २००९ म- गोलवक्ष झा (वीठल वनायल मराठी एकाँकी- सम्पादक सुधा जोशी आ रत्नाकर मतकरी, मराठी)लल साहित्य अकादमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



मनमोहन झा



कुमार शैलेन्द्र



नमश 1961-

न्म स्थान

हथ, मधुबनी, बिहार। चर्चित

कथाकार आ कवि । प्रकाशित

ति: समांग, समानांतर, दखल

कथा संग्रह), नागरनी (गजल

ंग्रह), संगान, समक्ष स्वनक

भागु, कासी धानक सपना, याथ

न दूरि (काव्य

ंग्रह), प्रतिक्रिया (आलोचनात्मक

निबंध)।







मेघन प्रसाद 1961-	प्रदीप बिहारी 1963-	ब्रजमोहन झा यती
	जन्म स्थान कर्णौली मल्लिक टोल, खजौली, मधुबनी, बिहार। चर्चित कथाकार, उपन्यासकार आ रंगकर्मी । प्रकाशित कृति: गुमकी आ बिहाड़ि, विसूवियस (उपन्यास), औंठीह कमला पयरीह कमला, खण्ड-खण्ड जिनगी, सरोकार (कथा संग्रह)। २००७- प्रदीप बिहारी (सरोकार, कथा)मैथिली लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार ।	
		
डॉ. सुरेन्द्र लाभ, नेपाल	रोशन जनकपुरी, नेपाल	डॉ. अरविन्द अक्कू 1957-



फूलचन्द्र झा "प्रवीण" 1961-

गाम पुरौली दरभंगा, आयल नवल प्रभात, जागल पाठक छाउनि, हमरा मनक खंजन चिड़ैया, वसंतक बजनिआ (कविता संग्रह), रूप हल्ला भविष्य (कथा संग्रह)।



देवशंकर नवीन 1962-

ढा ला झा झी (गद्य-पद्य मिश्रित हिन्दी-मैथिलीक प्रारम्भिक सर्जना), चानन-काजर (मैथिली कविता संग्रह), आधुनिक (मैथिली) साहित्यक परिदृश्य, गीतिकाव्य के रूप में विद्यापति पदावली, राजकमल चौधरी का रचनाकर्म (आलोचना), जमाना बदल गया, सोना बाबू का यार, पत्थर-पानी (हिन्दी कहानी), अभिधा (हिन्दी कविता-संग्रह), हाथी चलए बजार (कथा-संग्रह)।



कुमार मनीष अरविन्द 1964-



बद्री नारायण वर्मा



राजेन्द्र किशोर, नेपाल



श्याम सुन्दर शशि, नेपाल

श्याम सुन्दर शशि, जनकपुरधाम, नेपाल। पेशा-पत्रकारिता। शिक्षा: त्रिभुवन विश्वविद्यालयसँ एम. ए. मैथिली, प्रथम श्रेणीमे प्रथम स्थान। मैथिलीक प्रायः सभ विधामे रचनारत। बहुत रास रचना विभिन्न पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित। हिन्दी, नेपाली आऽ अंग्रेजी भाषामे सेहो रचनारत आऽ बहुतरास रचना प्रकाशित।

सम्प्रति- कान्तिपुर प्रकाशक

जनक पुराम कार्यरत।



हिमांशु चौधरी, नेपाल

पिता : स्वर्गीय रामभुवन चौधरी,माता: श्रीमती चन्द्रावती चौधरी,जन्म: वि स २०२०/६/७ लहान, सिरहा,शिक्षा: स्नातकोत्तर(नेपाली),पेशा: पत्रकारिता (सम्प्रति : राष्ट्रिय समाचार समिति),कृति : की रंग साँQ ? (मैथिली कविता संग्रह),विगत दु दशकसं नेपाली आ मैथिली लेखन तथा अभियानमे निरन्तर क्रियाशील



सत्यनारायण महता



पुनर्वासन यादव

आ विभिन्न संघ संस्थासं आबद्ध
।



राजेन्द्र झा, धनुषा



अशोक कुमार मेहता



धर्मेन्द्र विह्वल, सिरहा, नेपाल 1967-

नमरा नकौर जिनगी, एक सृष्टि एक कविता, एक समयक बाद, धूअनाएल आकृति सभ (मैथिली कविता संग्रह), नेपालका उत्कृष्ट नाटकहरू, गोनूझाका कथाहरू (मैथिलीसँ नेपाली अनुवाद), मैथिलीक कक्षा 1 सँ 5 आ बाल-साहित्य संदर्भक तीनटा पोथीक सह-लेखक। पत्रकारिताक मूल

सिद्धांत (मैथिली, प्रथम), दलित

रिपोर्टिंग

मैनुअल (नेपाली, प्रथम)।



धीरेन्द्र कुमार झा



निमिष झा, नेपाल



(गौरीनाथ (अनल कान्त)

"अन्तिका"क सम्पादन।



आनन्द कुमार झा 1977-

जन्म

स्थान: मंगुथ, संग्रामपुर; पिता



नन्दनीपुत्र रुद्रनाथ, नाट ककान



बहुरूप

स्व. अरुणकांत झा, माता श्रीमती इन्दुकाली देवी, प्रकाशन- "धधाइत नवकी कनियाँक लहास", "हठात् परिवर्तन", "बदलैत समाज", "टाकाक माल", "कलह" (पाँचू मैथिली नाटक) प्रकाशित। विदेह सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादमी पुरस्कार २०११ युवा पुरस्कार- आनन्द कुमार झा (कलह, नाटक)		
		
राम सनक सिंह	शहीद दुर्गानन्द झा, नेपाल	उदयनाथ झा "अशोक"



कयिलश्नन नाउन

उलहन (निहनि - लघु कथा संग्रह) प्रकाशित।



कयिलश्नन साहु



डॉ. शम्भू कुमान सिंह

उन्म:

18 अप्रील 1965 सहनसा जिलाक महिषी प्रखंडक लहुआन गाममा। आर्रिभक शिक्षा, गामहिसँ, आइ.ए., बी.ए. (मैथिली सम्मान) एम.ए. मैथिली (स्वर्णपदक प्राप्त) तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार सँ BET [बिहार पात्रता परीक्षा (NET क समतुल्य) व्याख्याता हेतु उत्तीर्ण, 1995] �मैथिली

नाटकक सामाजिक विवर्त्तन विषय पर पी-एच.डी. वर्ष 2008, तिलका माँ. भा.विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार सँ मैथिलीक कतोक प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिका सभमे कविता, कथा, निबंध आदि समय-समय पर प्रकाशित। वर्त्तमानमे शैक्षिक सलाहकार (मैथिली) राष्ट्रीय अनुवाद मिशन, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर-6 मे कार्यरत।



कृष्णचन्द्र यादव, नेपाल



शिवकान्त ठाकुर



ताराकान्त झा



उमाकान्द मा आ प्रियंका, मैथिली नंगमंव



थ्यामानन्द Oाकुन



हनिकांग लाल दास, नयाल



शशिनाथ Oाकुन, नयाल



दुर्गानन्द मंडल

संवयिका, कथा कुसुम (विहनि आ लघु कथा संग्रह), वज्र प्रकाशित।



शिव कुमान मा 1973-

शिव कुमान मा ��टिल्लू��,पिताक नामः स्व. काली कान्त मा ��बुच��, माताक नामः स्व. चन्द्रकला दवी,जन्म तिथिः 11-12-1973,शिक्षाः स्नातक (प्रतिष्ठा),जन्म स्थानः

मातृक- मालीपुर मोड़तर, जि. - बेगूसराय, मूलग्रामः ग्राम- पत्रालय - करियन, जिला - समस्तीपुर, पिन: 848101,संप्रति:

प्रबंधक, संग्रहण,जे. एम. ए. स्टोर्स लि.,मेन रोड, बिस्टुपुर जमशेदपुर - 831 001, अन्य गतिविधि:

वर्ष 1996 सँ वर्ष 2002 धरि विद्यापति परिषद समस्तीपुरक सांस्कृतिक ,गतिविधि एवं मैथिलीक प्रचार-प्रसार हेतु डॉ. नरेश कुमार विकल आ श्री उदय नारायण चौधरी (राज्यपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक) क नेतृत्व संलग्न।

प्रकाशित कृति: उद्घोषणा- कविता-संग्रह, अंशु- समालोचना।



नाम विलास साहु

मनक

मेल, अंकुर- लघुकथा संग्रह, नथ

क बक्सा उलटि बलै बाट (कविता

/ टनका संग्रह), कर्म बिनु जग सु

न्ना (वासन कविता/ टनका संग्रह

), मूलक खिचडी (विहनि/ लघु

कथा संग्रह), दुधवनी (लघु कथा

संग्रह) प्रकाशित।



महाकान्त ठाकुर



प्रवश्वन झा, निर्मली

निबन्ध-निकुञ्ज" प्रकाशित।



धीरेन्द्र कुमार, निर्मली



चन्द्रशेखर कामति 1959-



नन्द विलास राय

	मैथिली कवि। शिक्षा- एम.ए. (राजनीतिशास्त्र), पिता- स्व. योगेन्द्र कामति , ग्राम-पोस्ट- कनियन, भाया- फुलमास नगर, थाना- नरहन, जिला- समस्तीपुर, बिहार। संप्रति प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी (बनीपट्टी)।	रनदुनिया", "स्थानिक ताला", "हमर चारुधाम" प्रकाशित।
		
विनय भूषण उजरा पथराक खोज (कविता संग्रह)	**सुधाकर झा, महादनी , नेपाल** सएसँ बेसी सएक नाटकमे मंचन।	**सदरे आलम "गौहर"** ग्राम-पुनसौलिया, भाया- जयनगर, जिला मधुबनी।



डॉ. गुवन किशोन मिश्र "गुवनेश"

मैथिली कथा संग्रह- शोवनछटा।



दिनकन कुमान

"पूर्वोदय मैथिल"क सम्पादन।



डॉ. विनय विश्ववन्धु



नामदेव प्रसाद मण्डल झानुदान

मैथिलीक रिखानी ठाकुनक नामसँ प्रसिद्ध मैथिलीक यर्हित जनकवि नामदेव प्रसाद मण्डल �झानुदान�।



उमेश पासवान

"वर्णित नस" प्रकाशित।



ओम प्रकाश झा

घाघनडीहा (मधुवनी)।

"किया वुझि नै सकल रचना" (गजल, नुवाइ आ कता संग्रह) प्रकाशित।

"𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒥𑒱𑒢𑒳 𑒖𑒑𑒞 𑒮𑒳𑒢𑒰 𑒕𑒻" 𑒂 "𑒑𑒲𑒞𑒰𑒘𑓂𑒖𑒪𑒱 𑒗𑒰 𑒙𑒴" 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞।



𑒖𑒑𑒠𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒗𑒰 𑒧𑒢𑒳

𑒢𑒜𑒱𑒨𑒰 𑒑𑒳𑒩𑓂𑒏𑒻𑒞 𑒯𑒧𑒩 𑒒𑒩𑒰𑒛𑒲𑒣𑒩 (𑒑𑒖𑒪 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯), 𑒑𑒰𑒯𑒩 𑒏𑒰𑒑𑒏 𑒢𑓀𑒑 (𑒥𑒱𑒯𑒢𑒱 𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯), 𑒔𑒰𑒢𑒯𑒰- (𑒥𑒰𑒪 𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮), 𑒥𑓂𑒨𑒟𑒰- (𑒏𑒥𑒱𑒞𑒰-𑒑𑒲𑒞 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)।



𑒁𑒧𑓂𑒥𑒪𑒰𑒪 𑒬𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩𑒲



𑒛𑒼 𑒁𑒧𑒰𑒪 𑒩𑒰𑒨



𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 𑒢𑒢𑓂𑒠



𑒛𑒼. 𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩



𑒬𑒱𑒥 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠



दिलीप कुमार झा



डॉ गंगाकान्त झा



रमनकान्त, नेपाल



मुरलीधर झा

कविलपुर, दरभंगा। बाल कथा संग्रह "झिलमिलहा गाछ" (2010) प्रकाशित।



कमलधर दास

"मैथिल कर्ण कायस्थक (गोत्र, प्रवर, मूल आ वैवाहिक सम्बन्ध" पोथी प्रकाशित।



श्रीकान्त मण्डल, मैथिली रंगमंच



पवन ठाकुर



गंगा झा



ग्राम: चनौरागंज, मधुबनी। प्रकाशित कृति: बेटीक अपमान आ छीनरदेवी (नाटक), बाप भेल पित्ती आ अधिकार (नाटक), विसवासघात (नाटक), ऊँच-नीच (नाटक), भोँट (नाटक); एक दर्जनसँ बेसी नाटक प्रकाशनक प्रतीक्षामे।

मैथिली रंगमंचक कोकिल मंच, कोलकाता। कोलकाता आ गाम पजुआरिडीह टोलमे मैथिली रंगमंच निर्देशन।

नवीनारायण मिश्र 1955-

पिता-श्री गोविन्द मिश्र, माता- श्रीमति अहुला देवी।

ग्राम- कुशमौल, पो. नागदह-बलाइन, थाना-अन्धराठाढ़ी, जिला-मधुबनी। मैथिली रंगमंचसँ सम्बद्ध "कोकिल मंच" संस्थाक माध्यमसँ।



कमलेश कुमार दास, रंगमंच कलाकार



किशोर केशव, मैथिली रंगमंच



कुमार गगन, मैथिली रंगमंच



अ(शाक दन्, जनक यून



मदन ठाकुन

वर्वि नंगकर्मी, जनकयूनक वर्वि संस्था मिथिला नाट्यकला यनिषदक संस्थायक। गीन दशकसँ वसी समयसँ नंगऊम्रम सक्रिया। कनीव ३०�४० (गाट मंचीय नाटकक सया प्रस्तुि, २०�२ग (गाट स७क नाटकक ह्जानसँ वसी प्रदर्शनम अभ्निय।२० (गाट टली-सीनियल आ आधा दर्जन मैथिली फीचन फिल्मम अभ्निय। यूनस्कान: सयाम अन्तर्नाष्ट्रिय महास्सवम सर्वश्रेष्ठ अभ्निना २०४९ वि.स., ऊष्टीय प्रगिरा



अरुय कुमान याद व, मैथिली नंगमंच

यूनेस्को (नेपाल सरकार) २०६३ वि.स.।



आशुतोष यादव अ रिङ्कू



कृष्ण कुमार कश्यप 1949-

जन्म १७ सितम्बर १९४९ ई.। पिता- कवि-उपन्यासकार स्व. इन्द्रनारायण लाल "साँवलिया"। जनवरी १९६७ ई. मे नेना सभ लेल "नाइट स्कूल", १९८१ ई. मे "कला आधारित जीवन आ शिक्षा पद्धति"क प्रवर्तन आ तकर कार्यान्वयन लेल शिवा कश्यप आ शशिबालाक सहयोगसँ "रागनी विकास संस्था"क स्थापना। रचना: शशिबालाक संग "मेघदूत" आ "गीत-गोविन्द"क मैथिली अनुवाद, माछ-राग, मिथिला



ललित कुमार

	चित्र-शिक्षा, राग-१, मिथिला चित्र-कान, राग-३।	
 बटोही झा, मिथिला चित्रकला	 प्रदीप कुमार ठाकुर जन्म तिथि -31 दिसम्बर 1977; जन्म स्थान - कछोली, सकरी, मधुबनी; शिक्षा- सूर्य नारायण हाई स्कूल - नरपतिनगर, बी. एस. सी - ममा निर्मल कॉलेज - दरभंगा, डिप्लोमा इन फैशन डिजाइन (नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन - नयी दिल्ली), चित्रकला � आर्डर फैशन पूर्वानुमानम विशेष यात्रा, निवास स्थान- दिल्ली, इंडिया; पिता- श्री सत्य नारायण	 लाला पंडित, मिथिला मूर्तिकला

	0ाकुन , सकनी - कझौली� ; माणा- श्रीम णी मालणी 0ाकुन , सकनी - कझौली । वर्णमानम अयन ওক্সযার্ট বিজনস ওস্কুল) �क नामसँ शुनुआण , यूर्निम प्रातक्ष उवलाय्मंट आडान मर्वंटक नूयम कार्यनण।	
 नाजेन्द्र यंतिण, मिथिला मूर्तिकला	 गिनीश चन्द्र लाल	 नवन्दु कुमान मा, यत्रकान
 चन्द्र किशोन लाल, यत्रकान, नेयाल	 उयन्द्र श्गण नागवंशी, नेयाल	 नमण नंजन, यनवाश, नेयाल 1966-

सडक नाटक।

यनवाड़ा, नेपालमे जन्म। नेपालीय कथा-जगतक नवीन मुदा सम्मानित नाम। जनयउधन कथा-दृष्टि आ मारुक शिल्प। थोड़ लिखलनि, मुदा चुन-चुन चर्चित भेलाह।



विनीत ठाकुर

"बाँकी अछि हम्मर दुखक कर्ज" प्रकाशित।



सुजीत कुमार झा, नेपाल

जिद्दी (लघुकथा संग्रह), चिउँ (लघुकथा-संग्रह), नियारेन डायरी (नियार्गाज), गद्य (लघु कथा संग्रह), खडनीवाली (लघु कथा संग्रह), कान्छी घुनि आउ (बाल लघु-विहनि कथा संग्रह), दुधमती- (सम्पादन- नेपाली आ मैथिलीमे)।



सनाज खिलाड़ी

नेपालक पहिल मैथिली नतिया नाटक संचालक



दुनांशु नम

जन्म- गुलायट्ठी, सुपौल। मास कम्यूनिकेशनम

एम.ए., हिन्दी, अंग्रेजी आ मैथिलीक विभिन्न पत्र-पत्रिकाम कथा, लघुकथा, विज्ञान-कथा, चित्र-कथा, कार्टून, चित्र-प्रहेलिका इत्यादिक प्रकाशन। विशेष: गुजरात राज्य शाला पाठ्य-पुस्तक मंडल द्वारा आठम कक्षाक लेल विज्ञान कथा �जंग� प्रकाशित (2004 ई.), नताशा: मैथिलीक पहिल-चित्र-शृंखला (कॉमिक्स) प्रकाशित।



संतोष मिश्र, नेपाल

पासपुत (लघुकथा-संग्रह), उदास मन (लघुकथा-संग्रह), एना-किए (कविता-संग्रह), अएना (संपादन- कविता-संग्रह)।



सुनील कुमार मल्लिक, गायक, जनकपुर, नेपाल 1968-

मैथिलीक गायक-सङ्गीतकारक रुपम प्रसिद्ध छथि। मैथिली भाषाक गीतसभम मौलिक तथा सार्थक सङ्गीतक सृजनम हिनक सक्रियता प्रशंसनीय छनि। सुनीलक गायन तथा सङ्गीतम कैसेट एलबमसभ सेहो बाहर भेल अछि। लखनदिस हिनक सक्रियता पनिमाणात्मक रुपम कम नहिताहुँ गुणात्मक दृष्टिएँ हृदयस्पर्शी मानल जाइत

अछि । पेशासँ विज्ञान-शिक्षक छथि ।



धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सिरहा, नेपाल 1967-

वि.सं.२०२४ साल भादव १८ गते सिरहा जिलाक गोविन्दपुर-१, बस्तीपुर गाममे जन्म लेनिहार प्रेमर्षिक पूर्ण नाम धीरेन्द्र झा छियनि। कान्तिपुरसँ हेल्लो मिथिला कार्यक्रम प्रस्तुत कर्ता आओर नुआ-धीरेन्द्रक धीरेन्द्रक अवाज गामक बच्चा-बच्चा चिन्हैत अछि। �पल्लव� मैथिली साहित्यिक पत्रिका



रवीन्द्र नारायण मिश्र

पिताक नामःस्वर्गीय सूर्य नारायण मिश्र, माताक नामःस्वर्गीया दयाकाशी देवी, पैतृक ग्रामःअड़ेर डीह, मातृकःसिम्रिआ ड्योढी। वृत्तिःयोजना आयोगक उप सचिव, दिल्लीमे स्थित मन्त्रालयीन मजिस्ट्रेट। आब सेवा निवृत्त। शिक्षा: चन्द्रधारी मिथिला महाविद्यालयसँ बी.एस-सी. भौतिकी विज्ञानमे प्रतिष्ठा; दिल्ली विश्वविद्यालयसँ विधि स्नातक। प्रकाशित कृति : मैथिली:-

१.

�भोरसँ साँझ धरि� (आत्म कथा), २.



कुमार रोशन

आ �समाज� मैथिली सामाजिक पत्रिकाक सम्पादन।	�प्रसंगवश� (निबंध), ३. �स्वर्ग ओहि अछि� (यात्रा प्रसंग), ४ . �रूसाद� (कथा संग्रह) ५. `नमस्ते� (उपन्यास) ६. विविध प्रसंग (निबंध) ७.मरुनाज (मैथिली उपन्यास) ,८.लजकाठन (मैथिली उपन्यास) ,९.सीमाक ओहि पार (मैथिली उपन्यास) १०.समाधान(निबंध संग्रह) ११.मातृभूमि (उपन्यास) १२.स्वप्नलोक(उपन्यास) १३.शंखनाद(उपन्यास)।	
 अमरेन्द्र यादव, नया ल	 रघुनाथ मुखिया	 प्रदीप पुष्प



संदीप कुमार साफी

"बैशाखक दलानपर" प्रकाशित।



उमेश मंडल

निश्तुकी- कविता संग्रह, मिथिलाक संस्कार गीत, विध-व्यवहार गीत आ गीतनाद (संकलन), "मिथिलाक वनस्पति स्लाइड शो मिथिलाक जीव-जन्तु स्लाइड शो मिथिलाक जिनगी स्लाइड शो", सगर राति दीप जरय- इतिहास, दूध-पानि रत्नाकर-रत्नाकर (कथा एवं पाण्डुलिपि जगदीश प्रसाद मण्डल)- (छाया एवं सम्पादन- उमेश मण्डल), हिन्दुस्तानी मूसलमान और हिन्दुस्तानियत - मूल हिन्दी लेख- गीतेश शर्मा, मैथिली अनुवाद- उमेश मण्डल।



वद्धमधि

 स्व. रमकान्त झा, गायक	 मुरलीधर, मैथिली फिल्म निर्देशक	 कुंज बिहारी, मैथिली गायक
 रामबाबू झा, गायक	 वि.पि.उदासी	 जीतू सहयोगी
 उदितनारायण फिल्म गायक	 प्रकाश झा, फिल्म निर्देशक	 कीर्ति आजाद क्रिकेट



श्रीराम झा शशांक



अभिषेक झा गोल्फ



अशोक कुमार 1981-

साधारण काश्तकारक परिवारमे समस्तीपुर जिलाक माखियानपुर सखलानी गाममे जनमल अशोक कुमार कहियो स्कूल नहि गेलाह। दिनमे पचास टाका कमनिहार दिल्लीक एकटा गोल्फ क्लबक एहि कैडीकेँ 1994 ई. मे चोरिक मिथ्यारोप लगा कऽ गोल्फ कोर्ससँ बाहर कऽ देल गेल। वैह कैडी दस सालक भीतर देशक नम्बर एक गोल्फर बनि गेल।



नाजश नंजन, मैथिली रूतना प्राजक्त



संजय मा

सुल्तानगंज, रागलयुन।

माटाभालाक सी.ई.आ.।



विश्वम्न याठक



विनाद मिश्र

डॉ. विनाद मिश्र सम्प्रति आई आई टी नुडकी, उत्तराखंडम अंग्रेजी यढबैत छथि आ दिनक नवनाb अंग्रेजी आ हिंदी म प्रकाशित रहल छथि। अहि वर्ष दिनक कविता



नाजकमल मा, अंग्रेजी लखक, यत्रकान

दिनकन अंग्रेजी उयन्यास "द ब्लू वडसप्रड" , "ईरू यु आन अरूनत ्रु हाईम" आ "रायनयुरु" प्रकाशित छथि। "द ब्लू वडसप्रड" (१९९९)यन हुनका "कॉमनवल्थ नाईटर्स प्राईज



मानस विहानी वर्मा, वैज्ञानिक

संग्रह Silent Steps and Other Poems प्रकाशित रहल छन्हि। एकर अतिरिक्त ओ अंग्रेजीमे आलोचनाक ग्रन्थ आ ० टा पोथी संपादित कए छथि। हिनक पोथी Communication Skills for Engineers and Scientists बहुतो इन्जीनियरिंग संस्थानमे पाठ्य पुस्तक रूपमे पढ़ाओल जाइत अछि।

हॉन वल्ड हर्स्ट बुक- युनिभिया" रहल छन्हि। राजकमल झा श्री मुनीश्वर झा आ श्रीमती नंदना झाक पुत्र छथि, "आइ.आइ.टी.खड़गपुर"सँ बी.टेक.छथि, आ आइ काल्हि दिल्लीमे रहै छथि, आओर ओ "इण्डियन एक्सप्रेस" मे एडिटर छथि।



रवीन्द्र नाथ 'ठाकुर' मिथिला रत्न 1921-1977



रामधारी सिंह 'दिनकर' मिथिला रत्न 1908-1974



रामवृक्ष बेनीपुरी 1 899-1967



डॉ. हरिवंश तरुण 1927-2009

जन्म 21 जून 1927 ई.। गाम- चकसलम, पो.- पटोरी, जिला- समस्तीपुर। तीन दर्जन सँ बेसी हिन्दी पोथी जाहिमे काव्य-कथा-प्रबन्ध सम्मिलित अछि।



हरिशंकर श्रीवास्तव "शलभ" 1934-



स्व. जनार्दन प्रसाद झा 'द्विज'

हिन्दीक साहित्यकार।



रामेश्वर प्रेम

हिन्दीक नाटककार।



डॉ. नवल किशोर दास " नवल"



ाहनानन्द झा 1955-



नामास्ता शशिधन



गणेश वंचल १९३०-२०११



ॉ. अमरेन्द्र



गोपलाल मनीषी



कृष्न अमिताभ



ंगु अगेही

न्म ८ जनवरी
१९४१, प्रकाशित कृति:उसनाल
ीहड़ (कथा-
ाव्य) १९९८, साँझा (कथा
ंग्रह)१९९९, गसनी
निआ (कथा
ाव्य)२००३, वज्जिका छंद
िलास २००१



याङ्कान नामानगान अनूप १९२३-१९९९



मजरून इमाम १९३०-२०१२



अनूप प्रकाश १९४८-२०१२



अंशुमन याण्डय

तिनहुता यूनीकाडक आवेदनकर्ता।



दिनेश कुमान मिश्र

मिथिलाक वाढिक एक्स्यर्ट। मिथिलाक माटा-माटी सन धानयन किताव प्रकाशित। उम्हन विहान की व्यथा कथा (१९९०), कासी- उम्र कैद स सजा-ए-मौत तक (१९९२) वंदिनी महानंदा (१९९४), वाया यए ववूल



उामप्रकाश रानती १९६८-

कासी नदीक लाक सांस्कृतिक अध्ययन - नदियाँ गाती हैं, विहान क यानम्पनिक नाट्य आ मैथिली क लाक नाट्य प्रकाशित

का- वा८ नियंग्रध का

नहत्य (२000), वगावग यन

मजवून मिथिला की कमला नदी

(२००४), गुगही नदी अौन

गकनीकी मा७- ढूक (२००१),

, दूळ्ळी याटन क वीच मं- कासी

नदी की कहानी (२००६) गथा

वागमनी की सङ्गति (२०१०)।



वैदही सीता



याज्ञवल्क्य पत्नी मैत्रेयी

याज्ञवल्क्यक दु टा पत्नी

छलथिह्न पहिल कात्यायनी आ

दासन मैत्रेयी। मैत्रेयी ब्रह्मवादिनी

छलीह। कात्यायनीसँ हुनका

गीनटा पुत्र



गार्गीदाऽ

मिथिलाक नजक (वाचि) जागिव

ाकदवना

छलहि- चन्द्रकान्ता, महामाया आ विजया।



बिहुला

चम्पानगरक बिहुला।



गांगो देवी

मिथिलाक महान जातिक लोकदेवता। गांगोदेवीक रूपमे अखनो मिथिलाक महान लोकनिमे प्रचलित अछि।



शमा, कुसुमा, दुल्ला



मानंगक माणीसायन



विन्ध्यवासिनी देवी मैथिली लोकगीत 1920-2006



कामेश्वरी देवी 1922-

मधुबनी जिलाक नवानी ग्रामक। जन्म १९२२ ई. मे अपन

ातृक नाहुनम रहलनि। यति यं

ादनमाहुन मा। वनौनीनासी

ासिद्ध गान्त्रिक यण्डित कशन मिश्र

हेनक यिता छलथिन। "मिथिला

संस्कान गीत" याथी।



कुसुमलता कर्ण



अणिमा सिंह 1924-

समीक्षिका, अनूनादिका, सम्यादिका । यकाशन: मैथिली लाकगीत, नसनश्नन (अनू.), शिशु खल गीत आदि। लती ब्रवार्न कॉलज, कलकत्ताम यूर्व याध्यायिका।



लिली न 1933-

जन्म:२६ जननी, १९३३,यिता:रीमनाथ मिश्र,यति:डॉ. एच.एन्.न, दू गीगंज, मैथिलीक निशिष्ट कथाकान एनं उयन्यासकान । मनीचिका उयन्यासयन साहित्य अकादमीक १९८२ ई. म यूनस्कान । मैथिलीम लगहग दू सय कथा आ

		पाँच टा उपन्यास प्रकाशित। विपुल बाल साहित्यक सृजन। अनेक भारतीय भाषाम कथाक अनुवाद-प्रकाशित। पहिल प्रबोध सम्मान 2004 सँ सम्मानित।
 चित्रलेखा देवी 1935 -	 मोहिनी झा 1937-	 डॉ. सावित्री झा
 कविता देवी 1942-	 प्रमिला झा	 शान्ति सुमन 1942-

		जन्म 15 सितम्बन 1942, कासि मयून, सहनसा, विहान, प्रकाशि त कृति, �उा प्रीतिजा, यनछा टूटती, सुलगत यसीन, यसीन क निश, मौसम हुआ कवीन, समय चालनी नहीं दगा, गय नह कवनान, रीगन-रीगन आग, मघ नील (मैथिली गीत संग्रह), शोध प्रबंध: मध्यवर्गीय चतना और हिन्दी का आधुनिक काव्य, उपन्यास: जल मुक्त हिनन। सम्मान: साहित्य सवा सम्मान, कवि नग्न सम्मान, महादवी वर्मा सम्मान। अध्यापन कार्य।



प्रभावती झा 1945-1999



स्व. इलारानी सिंह 1945-1993

इलारानी सिंह: जन्म 1 जुलाई, 1945, निधन : 13 जून, 1993, पिता : प्रो. प्रबोध नारायण सिंह सम्पादिका : मिथिला दर्शन, विशेष अध्ययन : मैथिली, हिन्दी, बंगला, अंग्रेजी, भाषा विज्ञान एवं लोक साहित्य। प्रकाशित कृति : सलोमा (आस्कर वाइल्डक अंग्रेजी नाटकक अनुवाद 1965), प्रेम एक कविता (1968) बंगला नाटकक अनुवाद, विषवृक्ष (1968) बंगला नाटकक अनुवाद, जिन्दगी (1972), स्वनविता: मैथिली कविता संग्रह (1973), हिन्दी संग्रह।



उषाकिरण खान 1945-

जन्म:२४ अक्टूबर १९४५,कथा एवं उपन्यास लेखनमे प्रख्यात। मैथिली तथा हिन्दी दुनू भाषाक चर्चित लेखिका। प्रकाशित कृति:अनुत्तरित प्रश्न, दूर्वाक्षत, हसीना मंजिल, भामती (उपन्यास)। २०१०-श्रीमति उषाकिरण खान (भामती, उपन्यास) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार-मैथिली।



नीरजा रेणु 1945-

जन्म: ११ अक्टूबर १९४७, नाम: कामाख्या देवी, उपनाम: नीरजा रेणु, जन्म स्थान: रतटाल, सनिसरपट्टी। शिक्षा: बी.ए. (आनर्स) एम.ए., पी-एच.डी., गृहिणी। प्रकाशित रचना: उसकल (कविता मि.मि., १९६०) लेखन पर पारिवारिक, सांस्कृतिक परिवेशक प्रभाव। मैथिली कथा धारा साहित्य अकादमी नई दिल्लीसँ प्रकाशित मैथिली कथाक चर्चित एवं प्रतिनिधि कथाक सम्पादन। सृजन धार पियासल कथा



वीणा ठाकुर 1954-

जन्म- रघुनीपुर, पण्डौल (मधुबनी)। पिता श्री श्रीमोहन ठाकुर। प्रकाशित कृति: मैथिली नाटकाव्यक परम्परा, इतिहास-दर्पण (समीक्षा), विद्यापतिक उत्स (समालोचना), रानी (उपन्यास)



ज्ञानसुधा मिश्र

ानाक उच्चतम न्यायालयक ानिम महिला न्यायाधीश आ िहल मैथिलानी।

संग्रह,आगि जरा ल कविता संग्रह,मृगतृष्णा कथा संग्रह,प्रतिध्वनि हिन्दी कथा संग्रह,१९६० सँ आकाशवाणि सऽसँ अधिक कथा, कविता, शोधनिबन्ध, ललित निबन्ध,आदि अनेक पत्र-पत्रिका तथा अभिनन्दनग्रन्थमे प्रकाशित। मैथिलीक अतिरिक्त किछु रचना हिन्दी तथा अंग्रेजीमे सेहो। २००३- नीरजा रेणु (मृगतृष्णा, कथा)लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



जस्टिस मृदुला मिश्र



वीणा कर्ण 1946-



शेफालिका वर्मा 1943-

जन्म 3 नवम्बर 1946, ग्राम- पटानी, पो.पं बगछिया, जिला- सहरसा। सदस्य, मैथिली साहित्य अकादमी परामर्शदातृ समिति 1987-1993, सदस्य, भाषा परामर्शदातृ समिति (मैथिली), भारतीय ज्ञानपीठ। अवकाशप्राप्त विश्वविद्यालय आचार्य आ अध्यक्ष, मैथिली विभाग, पटना विश्वविद्यालय। **प्रकाशित कृति**- अर्गला, भावनाक अस्थियंजन (मैथिली काव्य संग्रह), शंखनाद, तुग्रमव समर्पण, अनुबन्ध (हिन्दी काव्य संग्रह)। प्रकाश: सप्तपदी (मैथिली निबन्ध संग्रह), चारित्रिक पृष्ठभूमिमे मैथिलीक प्रसिद्ध उपन्यास, मैथिली-उपन्यासक कथा किछु कहैत अछि (मैथिली आलोचना); जिन्दगीनामा (हिन्दी काव्य संग्रह), क्रमशः (हिन्दी आलोचना)।

जन्म:९ अगस्त, १९४३, जन्म स्थान : बंगाली टोला, भागलपुर । शिक्षा: एम., पी-एच.डी. (पटना विश्वविद्यालय), ए. एन. कालेज, पटना मे हिन्दीक प्राध्यापिका पदसँ सेवानिवृत । नारी मनक ग्रन्थिकेँ खोलि:करुण रससँ भरल अधिकांश रचना। प्रकाशित रचना:झहरैत नोर, बिजुकैत ठोर; विप्रलब्धा (कविता संग्रह), स्मृति रेखा (संस्मरण संग्रह), एकटा आकाश (लघुकथा संग्रह), यायावरी (यात्रा-वृत्तान्त), भावाञ्जलि (काव्य-प्रगीत) , किस्त-किस्त जीवन (आत्मकथा, साहित्य अकादमी पुरस्कार)। अर्थयुग

(लघुकथा संग्रह) आखर-आखर प्रीत, नागफांस (उपन्यास)। २००४ ई.- डॉ. श्रीमती शेफालिका वर्मा, पटना; यात्री-चेतना पुरस्कार।



नीता झा 1953-

जन्म : २१-०१-१९५३, व्यवसाय: प्राध्यापिका। लेखन पर समाजक परम्परा तथा आधुनिकताक संक्रान्ति सँ उत्पन्न विसंगतिक प्रभाव। प्रकाशित कृति : क्षितिज, कथा संग्रह १९८४, कथानवनीत



आशा मिश्र 1950-

जन्म: ६-७-१९५० ई., प्रकाशित कथा मे मैथिलीक संग हिन्दी मे सेहो। सरोसँ पैघ विजय मैथिली कथा संग्रह।



डॉ. सुनीति झा

१९९०,सामाजिक असन्तोष आ मैथिली साहित्य शोध समीक्षा। विलाड़ मौसी (बाल लघुकथा संग्रह)।		
 प्रेमलता मिश्र 'प्रेम' 1948- जन्मस्थान:नहिका,माता:श्रीमती वृद्धा देवी,पिता:पं. दीनानाथ झा,शिक्षा:एम.ए., बी.एड.,प्रसिद्ध अभिनेत्री दू सयसँ बेसी नाटकमे भाग लेलनि। रंगिमा (नाट्यमंच) क संस्थापक उपाध्यक्षा, पत्रिकाक सम्पादन, कथालेखन आदिमे कुशल। �अनियन� आदि	 डॉ. ऊर्मिला झा 1957	 मेनका मल्लिक 1966-

अनेक संस्था द्वारा पुरस्कृत-सम्मानित।		
 शारदा सिन्हा मैथिली लोकगीत 1953-	 लालयनी दवी	 शकुन्तला चौधरी
 गोदावरी दत्त, मिथिला चित्रकला	 उषा वर्मा 1948-	 कमला चौधरी 1953- कृति- मैथिलीक केश-भूषा-प्रसाधन सम्बन्धी शब्दावली, प्रकाशनाधीन: बाट बिलायल यानि (कथा

		संग्रह), पिया मधुमास (कविता संग्रह), आशापूर्णा देवीक बंगला लघु उपन्यास **मन मंजूषा**क मैथिली अनुवाद। मुजफ्फरपुरसँ प्रकाशित मैथिली साहित्यिक पत्रिका **स्वाती**क सम्पादन (१९८४-८७)।
 सीता देवी, मिथिला चित्रकला	 सरस्वती चौधरी, जनकपुर	 डॉ. अनुपमा चौधरी
		

निरा नानी 1959-

मैथिली क 3 साहित्य अकादमी पुनस्थान विजया लखकक 4 गोट किताव "कन्यादान" (हनिमाहन झा), "नाजा पाखन मं किननी मछलियां" (प्रवास कुमान चाऊधनी), "विल टलन की वायनी" व "यटाऊय" (लिली न) हिन्दीम अनुदित छहि। 2 गोट लाककथाक पुस्तक "मिथिला की लाक कथाएं" व "गानू झा क किस्स"। मैथिली कथा संग्रह "खाहसँ निकसैत"।



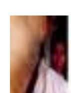
श्यामना वष्ठम 1963-

जन्मतिथि: १७ दिसम्बन, १९६३,जन्मस्थान : मनुआना, सिंधिया खुर्द, समस्तीपुन,पिता : श्री मार्कण्डेय प्रवासी,माता: श्रीमती सुशीला झा,अध्ययन । सुपनिचित कवयित्री, कथाकान । प्रकाशित कृति: वानसाञ्जी (कविता संग्रह), मिमिनकाना (कथासंग्रह)।



सुस्मिता पाठक 1962-

जन्म: सुपौल, विहान । यनिचिति कविता संग्रह प्रकाशित । कथावाचक, कथासंग्रह प्रकाशनाधीन । नाजनीति शास्त्रम एम.ए.। संगीत, पेंटिंगम नुचि । मैथिलीक पाथी पत्रिका पन अनक नखाचित्र प्रकाशित । समकालीन जीवन, समय, आ गकन स्पंदनक कवयित्री । अनक रायाम नवनाक अनुवाद प्रकाशित।



उर्मिला देवी, मिथिला चित्रकला	यमुना देवी, मिथिला चित्रकला	यशोदा देवी, मिथिला चित्रकला
 नमा झा, सम्पादक मिथिला दर्पण	 यन्ना झा अनुभूति (लघुकथा संग्रह)।	 सुधा कर्ण
 नूतन दास सम्पादिका, मिथिलांगन	 नाधिका झा, अंग्रेजी लेखिका डुनकन अंग्रेजी उपन्यास "स्मेल" आ "लैण्ड्स □न दयन डॉर्स" आ अंग्रेजी लघु कथा संग्रह "द ब्लीडन्ग ओफ द	 स्वयंप्रभा झा 1970-

मारुति" प्रकाशित अछि।

उपन्यास "स्मेल" लेल हुनका "फ्रेंच प्रिक्स गुएरलेन" पुरस्कार भेटल छन्हि आ ऐ पोथी सोलह भाषाम अनूदित भेल अछि। राधिका "एमहर्स्ट कॉलेज"सँ "एन्थ्रोपोलोजी" पढ़ने छथि आ "शिकागो विश्वविद्यालय"सँ राजनीति विज्ञानम मास्टर्स डिग्री लेने छथि। ओ "हिन्दुस्तान टाइम्स" आ "बिजनेस वर्ल्ड"म काज केने छथि आ संगम "राजीव गांधी फाउन्डेशन, दिल्ली" म सेहो, जतए ओ आतंकवादसँ पीड़ित बच्चा सभ लेल सम्पर्क कार्यक्रम प्रारम्भ केने रहथि। आइ काल्हि ओ अपन पति आ बच्चाक संग टोक्योम रहै छथि।







रूपा धीरू 1973-

रूपा धीरू- जन्मस्थान- मयनाकट्टी, सप्तरी, श्रीमती पूनम झा आ श्री अनुपकुमार झाक पुत्री। स्थायी पता- अञ्चल- सगरमाथा, जिल्ला- सिरहा। प्रथम प्रकाशित रचना-काञ्चली कानन, माटिसँ सिनेह (कविता), रङ्गता बढक दश-प्रसंग (कनक दीक्षितक पुस्तकक धीरेन्द्र प्रेमर्षिसँग मैथिलीमे सह-अनुवाद, सङ्गीतसम्बन्धी कृति- राष्ट्रियगान, राम, नरूक वन्दन, रचना, प्रियतम हमर कमौआ (पहिल मैथिली सीडी), प्रेम रङ्ग रनघुङ्गीम, स्वतन्त्र मातृ गीतमाला, सुरक सरस। सम्पादन-पल्लव, मैथिली साहित्यिक मासिक पत्रिका, सम्पादन-

रंजना झा, विद्यापति संगीत गायिका

रश्मि दत्त, गायिका, जनकपुर

सहयोग,हमर मैथिली पोथी (कक्षा १, २, ३, ४ आ ७ आ कक्षा 9-10 क ऐच्छिक मैथिली विषय पाठ्यपुस्तकक रचना सम्पादन)।		
 कामिनी कामायनी	 मुन्नी झा युवा रचनाकार	 कामिनी 1978- युवा कवियित्री
 रुक्साना सिद्दीकी	 कल्पना मिश्र, मैथिली रंगमंच	 प्रीति झा, मैथिली रंगमंच



किरण झा, मैथिली रंगमंच



प्रियंका झा, मैथिली रंगमंच



ऋतु कर्ण, मैथिली रंगमंच



ज्योति वत्स, रंगमंच



नेहा वर्मा, रंगमंच



सरिता



अनुप्रिया



मृदुला प्रधान



अनुभा मिश्र, महिला बॉक्सिंग



साखी दास, मिथिला चित्रकला



बनारसी पंडित, मिथिला चित्रकला, धनुषा, नेपाल



रत्नकला देवी कर्ण, मिथिला चित्रकला, नेपाल



मदनकला कर्ण, मिथिला चित्रकला, नेपाल



महासुन्दरी देवी, मिथिला चित्रकला



निर्मला झा, मिथिला चित्रकला, नेपाल





रजनी पल्लवी



फूला साहु, मिथिला चित्रकला, महोत्तरी, नेपाल

संगीता कुमारी, मैथिली रूतना प्रोजेक्ट



निरुश्वनी दास



गौरी सेन



सीमा झा



नाथी मिश्र, कवियित्री

१९१३-१९९६

कोइलख, मधुबनी। जन्मस्थान गिलाठी, नेपाल।



मौसमी बनर्जी, कवियित्री



शैल झा



शान्ति देवी



शशिबाला

पिता श्री उग्र नारायण लाल, पति श्री उमेश कुमार कण्ठ (विसदृथ)। शिवा कथक आ कृष्ण कुमार कथकक सहयोगसँ "रानी विकास संस्था"क स्थापना। रचना: कृष्ण कुमार कथकक संग "मेघदूत" आ "गीत-गोविन्द"क मैथिली अनुवाद, माछ-भाग, मिथिला चित्र-शिक्षा, भाग-१, मिथिला चित्र-कला, भाग-३।



मुन्नी कामत

सूखल मन नोरसल आँखि (कविता संग्रह)।



प्रनधा झा

मिथिला लोक कला



अंशुमाला

मैथिली लोकगीत।



श्वेता झा चौधरी, चित्रकार

ग्राम सनिसब-पाही, ललित कला आ गृहविज्ञानमे स्नातक। मिथिला चित्रकलामे सर्टिफिकेट कोर्स। कला प्रदर्शिनी: एक्स.एल.आर.आइ., जमशेदपुरक सांस्कृतिक कार्यक्रम, ग्राम-श्री मेला जमशेदपुर, कला मन्दिर जमशेदपुर (एक्जीबिशन आ वर्कशॉप)। कला सम्बन्धी कार्य: एन.आइ.टी. जमशेदपुरमे कला प्रतियोगितामे निर्णायकक रूपमे सहभागिता, २००२-०७ धरि

		वसना, जमशेदपुरमे कला-शिक्षक (मिथिला चित्रकला), वूमेन कॉलेज पुस्तकालय आ हॉटल बुलवार्ड लेल वाल-पेंटिंग। प्रतिष्ठित ग्राहक: कॉनफ्लुएन्ट कम्युनिकेशन्स, टिस्को; टी.एस. आर.डी.एस, टिस्को; ए.आइ.ए.डी.ए., स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, जमशेदपुर; विभिन्न व्यक्ति, हॉटल, संगठन आ व्यक्तिगत कला संग्राहक। हॉबी: मिथिला चित्रकला, ललित कला, संगीत आ डानस-डाग।

 श्वेता झा मिथिला चित्रकला, सम्प्रति सिंगापुरमे निवास।	 नानी झा	 रानी कर्ण मिथिला चित्रकला
 निक्की प्रियदर्शिनी	 प्रज्ञा झा	 डॉ. नलिनी चौधरी
 नीलम चौधरी, कथक नृत्यांगना	 ज्योत्स्ना मल्लिक	 गुंजन कर्ण

यिगा स्व. शिवनन्द्वन मल्लिक, गाम-महिसानि, दनरंगा। यति श्री कमलेश कूमान, एनटूली, दनरंगा।

नाँटी मधूवनी, सम्प्रति यू.क.म नहै छथि। www.madhubaniarts.co.uk यन हूनकन कलाकृति दखि सकै छी।







यूनम मंतल

प्रियंका माक संग मैथिली न्यूज यार्टल "समदिया" www.esamaad.blogspot.com क संचालन।

प्रियंका मा

यूनम मंतलक संग मैथिली न्यूज यार्टल "समदिया" www.esamaad.blogspot.com क संचालन।

ष्मृति नानायण







डॉ. ललिता झा १९७१

जन्म

शनिवार, दरभंगामे। "मैथिलीक राजन सम्बन्धी शब्दावली" प्रकाशित"।

आरती कुमारी १९६१-

"मैथिली मुक्तक काव्यम नारी" प्रकाशित।

मीना झा

वस्तु कौशलक समन्वयन विरुद्ध म मीना झा कान एकटा लघु कथा प्रकाशित भेल। ओ मैथिलीक य हिल कथा छल जे वस्तु कौशल य न लिखल गेल। द्वितीय सह्रा गा धनि एहि विषयन कथा नहि लिखल गेल छल।







अनुपमा प्रियदर्शिनी

पति डॉ. रतन कर्ण, ग्राम- उजान (बड़कागाम), पो. लोहना हाट, जिला दरभंगा। सम्प्रति लाजियाना (संयुक्त राज्य अमेरिका), शिक्षा- एम.एस.सी. (जंतु

आराधना मल्लिक

मैथिली रंगमंच।

शिखा

मैथिली रंगमंच।

विज्ञान), ल.ना. मिथिला वि.वि., दरभंगा; बी.एस.सी. बी.आर. अम्बेडकर वि.वि. मुजफ्फरपुर, हॉबी, मिथिला चित्रकला, कम्प्यूटर आर्ट चित्रकला, ललित कला। उपलब्धि: अखिल भारतीय कला आ दस्तकारी प्रतियोगिताक पुरस्कार 1995 मे; संस्थान स्तरीय भाव नृत्य प्रतियोगिता 1989 मे सहभागी।



प्रीति ठाकुर

गाम- जगली, भाया रानीगंज, पूर्णियाँ। मैथिली बाल साहित्यमे "रानू झा आ आन



अनुपमा झा

ट्रांसपरेंसी इन्टरनेशनल, पटना।



विनीता मल्लिक

चित्र कथा २००८", "मैथिली चित्रकथा २००९" आ "मिथिलाक लोकदेवता २०१०", नित्यायनिक युगक यतीआ (बाल साहित्य) २०१४ प्रकाशित।



ानी मिश्र



अनामिका नाज



ारा झा



प्रियंवदा राना झा



डॉ अपर्णा



ान्ति लक्ष्मी चौधरी

ाम गोविन्दपुर, जिला सुपौल निवासी आ राजेन्द्र मिश्र महाविद्यालय, सहरसा म

कार्यरत पुस्तकालयाध्यक्ष श्री
रामानन्द साह जेष्ठ
पुत्री, आडान ग्राम महिषी
(पुनर्वास आनापट्टी), जिला
सहरसा निवासी आ दिल्ली स्कूल
ऑफ इकोनोमिक्स सँ एम.फिल
समन्वयक आ समाजशास्त्री श्री
संजय कुमार चौधरीक
अर्धांगिनी छथि। प्राणीशास्त्र सँ
स्नातकोत्तर तथा शिक्षाशास्त्रक
स्नातक शिक्षार्थी आ एकटा
समाजशास्त्री सँ सान्निध्यक चलिते
ग्राम जीवनक सामाजिक विषय-
वस्तु आ खास कऽ महिलाजन्य
सामाजिक समस्या आ घटनाम
हिनक विशेष अभिरुचि
स्वाभाविक।



अनुपम मैना



डॉ चित्रलेखा



डॉ कल्पना शशिकान्त मिश्र

पिता डॉ शिव कुमार झा, गाम

ाटी, सासुर- गजहारा।

तिकल शिक्षा ज. ज.

हॉस्पीटल/ आन हॉस्पीटलसँ

सम्पन्न कय स्त्री-रोग विशेषज्ञ।

मुम्बइसँ १९८०-८२ मे

प्रकाशित हाथवला मैथिली

पत्रिका "विदेह"क पति डॉ

शशिकान्त मिश्र (निर्माता- मैथिली

फिल्म- आउ पिया हमर

नगरी) संग सम्पादन।

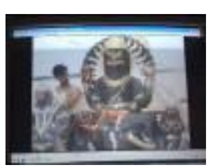
४.९.मिथिलाक खोज

वि दे ह विदेह Videha বিদেহ http://www.videha.co.in विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

प्रस्तुत अछि विदेह, मिथिला, तीरभुक्ति आ तिरहुतक नामसँ विख्यात वर्तमान राज्य आ नेपालक प्रदेशक माटिक प्राचीन आ नव स्थापत्य, चित्रांकित अभिलेख आ मूर्त्तिकलाक एकटा छोट संग्रह। एहि संग्रहकेँ पूर्ण करबाक हेतु अपन बहुमूल्य संग्रह editorial.staff.videha@gmail.com केँ पठाउ। आधिकारिक सर्वाधिकार रचनाकार, सम्बन्धित फोटोग्राफर आ संग्रहकर्त्ताक लगमे छन्हि। फोटो सभ पठेबाक लेल धन्यवाद पाठकगणकेँ। सारणी। विशेष विवरण देखबा लेल क्लिक करू, दर्शनीय मिथिला, Brochure 1, Brochure 2, Brochure 3 (मैथिली साहित्य संस्थान लिंक), IGNCA ASI (Cultural Heritage of Mithila- search keyword Mithila), Temple Survey Project ASI- English आ Hindi. पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल।

		
भुवनेश्वरी देवनीपुर (Madhubani, Bihar) बौद्ध तारा	सूर्य देवनीपुर (Madhubani Bihar)	विष्णु देवनीपुर (Madhubani, Bihar)

सँ समानता नाकम कुण्डल दखु		
 दुर्गा, याखनिसँ स्टल, उगादि वहनी मन्दिर (वजानसँ दक्षिण)म स्थापित	 हनुमान मन्दिर घनश्यामपुर (दनरंगा)- चानि रs (गल	 (गौरीशंकर, जमथनि, हँठी वाली, मधुवनी
 (गौरीशंकर, जमथनि, हँठी वाली, मधुवनी	 (गौरीशंकर, जमथनि, हँठी वाली, मधुवनी	 (गौरीशंकर, जमथनि, हँठी वाली, मधुवनी

		
गौनीशंकन, जमथनि, हैंठी वाली, मधुवनी	गौनीशंकन, जमथनि, हैंठी वाली, मधुवनी	वाङ्ङसी- वसैटी, अनरिया मिथिलाउन ताम्रलेख
		
वाङ्ङसी- वसैटी, अनरिया मिथिलाउन ताम्रलेख	वाङ्ङसी- वसैटी, अनरिया मिथिलाउन ताम्रलेख	वाङ्ङसी- वसैटी, अनरिया मिथिलाउन ताम्रलेख
		

धनरुना, वनमनखी, यूर्धियाँ, ननसिंह अनान	धनरुना, वनमनखी, यूर्धियाँ, ननसिंह अनान	यूनधारुनी, यूर्धियाँ
 विदश्नन स्थान अरिलख, मधूवनी	 अनुप्राOारढी अरिलख, मधूवनी	 वृद्ध अषधातु, सिसव वसंयून, वगहा
 12 शताब्दी, काॅरलख, मधूवनी	 अग्नि विदश्नन स्थान, मधूवनी वृद्ध, मूंगेन	 अहिल्या स्थान



अन्ध्राठाढी, मधुबनी



अशोक स्तंभ, बसाढ, वैशाली



बुद्ध



अवलोकितेश्वर ताला, भागलपुर



बसाढ, वैशाली



बुद्ध भूमिस्पर्श



बुद्ध, ताम्र



बुद्ध मस्तक, सुल्तानगंज



वैशाली मूर्ति



चामुण्डा नाग-नागिनी, मुंगेर



मुकुटधारी बुद्ध, अंगी चक, भागलपुर



नाचैत गणेश, 10म शताब्दी, दरभंगा



दरभंगा म्युजियम



दरभंगा म्युजियम



दुर्गा, कार्त्तिकेय



10म शताब्दी, भीठ भगवानपुर, अन्धरा ठाढी



गणेश बुद्ध



गौतम बुद्ध, वैशाली



हरिहर बुद्ध



चितौँ खजुराहो महिला, राजमहल



लौरिया नन्दनगढ, अशोक स्तंभ



लोमश सुदामा गुफा



मुंगेर



नागराज तीर्थंकर



कुमारिल भट्ट स्कूला द, नालन्दा



विक्रमशिला विश्वविद्यालय, भागलपुर



ठाढ़ बुद्ध



पार्वती



रामायण



रामपुरवा वृषभ



रामपुरवा



बुद्धक अवशेष



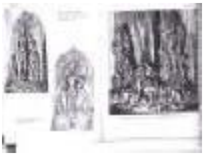
संकिसा



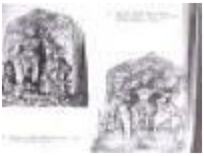
सप्तमातृका



सर्वतो भद्र मण्डल



सूर्य

 𑒮𑒴𑒩𑓂𑒨	 𑒮𑒴𑒩𑓂𑒨𑒏 𑒮𑓀𑒑𑒲	 𑒮𑒴𑒩𑓂𑒨, 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 𑒂 𑒦𑒰𑒑𑒪𑒣𑒳𑒩
 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱	 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱	 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱, 𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲
 𑒅𑒧𑒰 𑒧𑒰𑒯𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩, 𑒏𑒪𑓂𑒨𑒰𑒝 𑒮𑒳𑒢𑓂𑒠𑒩	 𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲 𑒫𑒵𑒭𑒦 𑒬𑒲𑒩𑓂𑒭	 𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲, 𑒬𑒰𑒪𑒦𑓀𑒖𑒱𑒏𑒰 𑒦𑒰𑒑𑒪𑒣𑒳𑒩



निषू वुद्धा



याँखियूकृ महिला



अहिल्या



अष्टयोगिनी मन्दिन, स हनसा



वनगंगा



दनरंगा



दनरंगा नगन, 1934



दनरंगा मतिकल कॉलज



दूल्हदूल्हिन मन्दिन, जन कयून

 गण्डीश्वर	 गंगासागर पोखरि, मधुबनी	 हनुमान मन्दिर, मधुबनी
 हरिहरस्थान	 मधुबनी हॉस्पीटल	 जनकपुर जानकी मन्दिर
 जानकी मन्दिर	 जानकी मन्दिर, सीतामढ़ी	 जानकी मन्दिर, सीतामढ़ी



जिला स्वास्थ्य कार्यालय राजविराज, नेपाल



कल्नेश्वर बाबा



कपिलेश्वर



कोषलेखाकार्यालय, राजविराज, नेपाल



मिथिला विश्वविद्यालय , दरभंगा।



लक्ष्मीश्वर पैलेस, 1934



माध्यमिकविद्यालय , जनकपुर



महेन्द्र चौक, जनकपुर



जनकपुर मंदिर



मिथिला,

1988 स्नुकम्प



यगलावावा धर्मशाला,

जनकपून, नयाल



यंजौल अस्ल्या



मधूवनी वस स्टैंत



नाज स्त □फ्सि,

1934



नाज हॉस्पीटल, दनरं

गा, 1934



सौना0 सरा



शिव मन्दिन, 1934



शिवशंकन सिनमा, म

धूवनी



𑒬𑓂𑒨𑒰𑒧𑒰 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩



𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱, 𑒫𑒱𑒮𑓂𑒤𑒲



𑒅𑒑𑓂𑒩𑒞𑒰𑒩𑒰, 𑒞𑒰𑒩𑒰𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢, 𑒧𑒯𑒱𑒭𑒲, 𑒮𑒯𑒩𑒮𑒰



𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱 𑒮𑓂𑒧𑒰𑒩𑒏, 𑒫𑒱𑒮𑓂𑒤𑒲



𑒫𑒱𑒮𑓂𑒤𑒲, 𑒅𑒑𑒢𑒰 𑒧𑒯𑒰𑒠𑒹𑒫



𑒫𑒱𑒮𑓂𑒤𑒲, 𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩𑒲 𑒠𑒹𑒫𑒲



𑒁𑒯𑒪𑓂𑒨𑒰 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒁𑒯𑒱𑒨𑒰𑒩𑒲



𑒁𑒬𑒼𑒏 𑒮𑓂𑒞𑓀𑒦, 𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲



𑒮𑓂𑒞𑒴𑒣 𑒁𑒬𑒼𑒏 𑒮𑓂𑒞𑓀𑒦, 𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲



𑒥𑒪𑒱𑒩𑒰𑒖𑒣𑒳𑒩 𑒏𑒱𑒪𑒰 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫𑒲 𑒑𑒺𑒙



𑒥𑒪𑒱𑒩𑒰𑒖𑒣𑒳𑒩 𑒏𑒱𑒪𑒰 𑒧𑒲𑒢𑒰𑒩



𑒔𑒝𑓂𑒛𑒲 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢, 𑒥𑒱𑒩𑒰𑒙𑒣𑒳𑒩, 𑒮𑒯𑒩𑒮𑒰



𑒑𑒰𑓀𑒡𑒲 𑒣𑒼𑒐𑒩𑒱, 𑒜𑒰𑒏𑒰, 𑒧𑒼𑒞𑒱𑒯𑒰𑒩𑒲



𑒑𑒰𑓀𑒡𑒲 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒪𑒨, 𑒜𑒰𑒏𑒰, 𑒧𑒼𑒞𑒱𑒯𑒰𑒩𑒲



𑒑𑒱𑒩𑒱𑒖𑒰 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢, 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲



𑒯𑒩𑒱𑒯𑒩 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒮𑒼𑒢𑒣𑒳𑒩



𑒖𑒻𑒢 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒦𑒰𑒑𑒪𑒣𑒳𑒩



𑒖𑒻𑒢 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲

 कमलादित्य स्थान	 कपिलेश्वर शिव मन्दिर	 लौरिया नन्दनगढ़
 मदनेश्वर शिव मन्दिर	 मन्दार पर्वत, बाँका	 मोतिहारी सत्याग्रह स्मारक
 परमेश्वरी मन्दिर, ठाढ़ी, मधुबनी	 रामजानकी मन्दिर, सीतामढ़ी	 सत्याग्रह स्मारक, सीतामढ़ी



शांति स्तूप, वैशाली



उच्चै0 भगवती



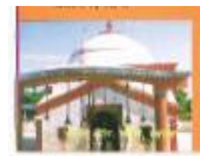
उच्चै0 मन्दिर



सिंहेश्वर स्थान, मधेपुरा



सूर्यधाम, यनसा



उग्रतारा मन्दिर, महिषी, सहरसा



वैशाली स्तूप



विक्रमशिला विश्वविद्यालय, भागलपुर



विनाटयून मन्दिर, मधेपुरा



वृषभ शीर्ष, नामयूनला



सिंह शीर्ष, नामयूनला



शनभ, नेपाल



याँखियुक्त देवी, वैशाली



बाबा बटेश्वर, दनना, बनगाँव



वट वृक्ष, बनगाँव



भगवान विष्णु, दनना, बनगाँव



शास्त्रार्थ स्थल,गानास्थान महिषी



शास्त्रार्थ स्थल,गानास्थान महिषी



तारास्थान महिषी



माता तारा, तारास्थान महिषी



उग्रतारा (खाद्य ना क्षी तारा) मूर्ति, महिषी



वशिष्ठ मुनि, तारास्थान महिषी



आवर्धित काली उग्र0



बौद्धकी तारा वाली समस्तीपुर



रुगवती सकूली





	𑒦𑒑𑒫𑒞𑒲 𑒑𑒱𑒩𑒱𑒖𑒰 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢	𑒦𑒑𑒫𑒞𑒲 𑒧𑒵𑒝𑓂𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱 𑒑𑒩𑓂𑒦𑒫𑒰𑒢𑒱
		
𑒦𑒑𑒫𑒞𑒲 𑒞𑒰𑒩𑒲 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒞𑒲𑒣𑒳𑒩	𑒑𑒳𑒞𑒞𑓂𑒫𑒢𑒲 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨	𑒠𑒹𑒫𑒲𑒏𑒰𑒪𑒲 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨
		
𑒑𑓀𑒑𑒰𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱 𑒢𑒑𑒩𑒞𑒲𑒯 𑒠 𑒞𑒩𑓀𑒑𑒰।	𑒑𑒼𑒮𑒰𑒅𑒢𑒱 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨	𑒯𑒹𑒩𑒳 𑒠𑒹𑒫𑒲 𑒯𑒰𑒫𑒲𑒞𑒲𑒯
		

काली उड़ै0	महिषासुनमर्दिनी वह नी दनरंग।	महिषासुनमर्दिनी हा वीठीह
		
महिषासुनमर्दिनी नाह न-रुगवनीयून	उमा ॠष्ठमर्दिनी मिर्जा यून दनरंग।	यमूना रैनव वलिया मधूवनी
		
रैनव, रैनव-वलिया	नटनाज, गानालाही	शिव- यार्वती मन्दिन, कयिल श्मनस्थान

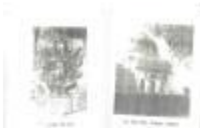
 शिव- यार्वती मन्दिर, कपिलश्व नस्थान	 शिव मन्दिर, सिंगिया, निरथी	 उमामाहेश्वर, महादेव म0
 उमामाहेश्वर, गिरहूल	 विष्णु, रखानीपुर	 विष्णु, डी0 रघुनाथपु र
 विष्णु, जयनगर	 विष्णु, लदहा	

		𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳, 𑒮𑒰𑒯𑒰-𑒨𑒢𑒢𑒲, 𑒯𑒰𑒥𑒲𑒛𑒲𑒯
 𑒬𑒹𑒭𑒬𑒰𑒨𑒲 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳, 𑒮𑒫𑒰𑒮, 𑒧𑒳𑒖𑒤𑓂𑒤𑒩𑒣𑒳𑒩	 𑒫𑒩𑒰𑒯 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱, 𑒢𑒱𑒪𑒏𑒝𑓂𑒚 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢	 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏𑓂𑒭𑒩 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒹𑒐, 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳 𑒫𑒵𑒠𑓂𑒡 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱
 𑒦𑒑𑒫𑒞𑒲 𑒅𑒑𑓂𑒩0, 𑒥𑒢𑒲𑒨𑒯𑓂𑒩𑒲	 𑒦𑒑𑒫𑒞𑒲 𑒢𑒰𑒑𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩𑒲, 𑒩𑓀𑒞𑒰𑒢𑒲𑒮𑒧	 𑒔𑒰𑒧𑒳𑒝𑓂𑒛𑒰 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒏𑒙𑒩𑒰, 𑒧𑒳𑒖𑒤𑓂𑒤𑒩𑒣𑒳𑒩
		

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒦𑒳𑒖 𑒑𑒝𑒹𑒬, 𑒯𑒰𑒫𑒲 𑒛𑒲𑒯	𑒁𑒭𑓂𑒙𑒦𑒳𑒖 𑒑𑒝𑒹𑒬, 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒟	𑒑𑓀𑒑𑒰, 𑒂𑒢𑓂𑒡𑓂𑒩𑒰-𑒚𑒰𑒜𑒲
		
𑒧𑒯𑒱𑒭𑒰𑒮𑒳𑒩𑒧𑒩𑓂𑒠𑒱𑒢𑒲, 𑒠𑒳𑒩𑓂𑒑𑒰	𑒧𑒯𑒱𑒭𑒧𑒩𑓂𑒠𑒱𑒢𑒲 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒧𑒱 𑒖𑒰𑒨𑒴𑒢, 𑒠𑒢𑒩𑓀𑒑𑒰	𑒢𑒙𑒩𑒰𑒖
		
𑒩𑒰𑒧𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒁𑒯𑒱𑒪𑓂𑒨𑒰𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢	𑒮𑒯𑒢𑒲, 𑒫𑒺𑒬𑒰𑒪𑒲, 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳 𑒬𑒱𑒪𑒏-𑒨𑒖𑓂𑒘𑒰𑒣𑒫𑒲𑒞𑒡𑒰𑒩𑒲	𑒢𑒴𑒞𑒢𑒑𑒩 𑒬𑒱𑒫 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩

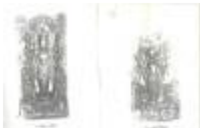
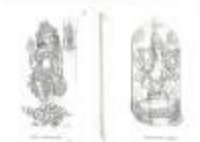
 सूर्य, दकुली	 सूर्य मूर्ति, तिलाही	 सूर्य मूर्ति, विष्णु, वनगाम
 उमामाहेश्वर	 यमुना, आन्ध्रा-ठाढ़ी	 सिमरौनागढ मूर्ति
 आदि काली, चैनपुर सहरसा	 गाथागढक स्वामी माधवानन्द कौलाचार्य काली मन्दिर	 गाथागढक दसमुखी काली

बैजनाथपुर सहरसा- मिथिलाक एकमात्र नीलकंठ मन्दिर, संगम आदिकालीन उग्र काली- मन्दिर सहित एहि गाममे अछि। महाशिवरात्रि आ कालीपूजा बड़ धूमधामसँ बैजनाथपुरमे होइत अछि।	थाथा गढ़ लग। पुरान गढ़। एकर पूबमे ब्रह्मपुराक बाबा हरिहरनाथ महादेव मन्दिर आ दक्षिणमे उच्चैठ भगवती छथि।	थाथा गढ़ लग। पुरान गढ़। एकर पूबमे ब्रह्मपुराक बाबा हरिहरनाथ महादेव मन्दिर आ दक्षिणमे उच्चैठ भगवती छथि।
		
कोइलख (मधुबनी) देवीक मन्दिर	अकौन, बेनीपट्टी, भगवती दुर्गा, भगवती पीठ	अकौन, बेनीपट्टी, भगवती दुर्गा, भगवती पीठ

 १.अष्टभुज गणेश, कार्थ २.शिव मन्दिर, सिंघिया, विस्फी	 १. बौद्ध देवी तारा, नानी, समस्तीपुर २.उग्र तारा मन्दिर, महिषी, सहरसा	 १.भगवती, नानी २. भगवती, देकुली
 १. भगवती गिरिजा, फुलहर २.काली, उच्चैठ	 १. भैरव, भैरव बलिया २. उमामाहेश्वर, महादेवमठ	 १. देवीकाली, कार्थ २. गुसाउनि स्थल मन्दिर, कार्थ
		

<table>
<tr><td>१. गणेश, लहनियास नाय २.उमामाहेश्वर ३. नटराज, ४. विष्णु, गिलक, जनउ धानी, स हान, वैशाली</td><td>१. गंगा मूर्ति, नगनती ह, दरभंगा २. भगव ती मूर्ति, गन्धवारि</td><td>१. हैहय देवी, हावी डीह २.भुवनेश्वरी, का थे</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>१. कपिल काली, उचै0, २.अष्टभुज गणेश, का थे</td><td>१. महिषासुर मर्दिनी, हावीडीह, २.उमा, महिषमर्दिनी, मिर्जापुर, दरभंगा</td><td>१.महिषासुरमर्दिनी, भगवतीपुर, नाहर, महिषासुर मर्दिनी, व हेनी, दरभंगा</td></tr>
<tr><td> </td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>१. महिषमर्दिनी भगवती, मिर्जापुर, दरभंगा २.</td><td>१. महिषमर्दिनी भगवती , मिर्जापुर, दरभंगा</td><td></td></tr>
</table>

नाम मन्दिन, अहिल्या स्थान	२.सिंहेश्वन स्थान, म धेपूना	१. नटनाज, गानाला ही २. उमामाहेश्वन
		
१_भेषसायी, सनास, मुजक्कनपुन, २_नटना ज_गानालाही ३_ भग वती ४_ उमा माहेश्वनी	१- शिव पार्वती मन्दिन, क पिलश्वन स्थान २. सूर्य मूर्ति तिलाही	१_ सूर्यमूर्ति, विष्णु व नूआन २. गंगा, आ न्ध्रा ठाढी
		
१_उग्रे० हगवती, वनी यही २_महिषासुनमर्दि नी, दुर्गा ३_ चामुण्डा म न्दिन, कटना, मुजक्कनपु	१. वनाहमूर्ति, गिलक श्वनस्थान, २.विष्णु, र नानीपुन	१. विष्णु, जयनगन २ .विष्णु, सी० भगवान पुन

न ४._रगवती वानश्व नी, रघ्ानिसम		
 १_विष्णु, लदहा, २.सूर्य, दकुली	 १_विष्णु_साहा यन्त्री, स्थापित-हारीतीह २.वुद्ध-विष्णु मूर्ति अभिलेख	 १_विष्णु, सहान, २_वराह ३_गणेश ४. शिव मन्दिर_नुयनगर
 १_यमुना, आन्ध्रा ठाढी, २.अष्टभुज गणेश, हावीडीह	 १_यमुना, रैयाम वलिया, २_शेषसायी, सवास, मुजफ्फरपुर, ३_नटराज_गानालाही	 कथित, काली, उच्चैठ, वनीपट्टी

	४_स्कन्दी ७_उमा माहेश्वरी	
 मूर्ति (मिथिला उग्र)	 सम्भवतः सूर्य	 वेणुगोपाल, मिथिला
 विष्णु, जाल, दरभंगा	 विष्णु	 विष्णु, उसौल, दरभंगा

मिथिलाक खोज

श्री आलोक रमन दशकसँ अपनेक मिथिलाक यात्राक अपनाम्हक सूत्र-वृत्तान्त अछि आ ओतए ओ सभ स्थानक स्थानीय निवासी आ गाइड

सभक अकथनीय योगदान छन्हि । कखनो कालेँ एहेन गोटेक ग्रामीण लोकनि सेहो नीक गायक सिद्ध भेला। -गजेन्द्र ठाकुर

"मिथिलापदपत्रश्च मध्यं निवसा ततो मिथिला नगरी" - मिथिला नामक शब्दक मतलब जानल अछि- पाणिनीक निरुक्त।

किला आ गढ़

बलिराजपुर किला- मधुबनी जिलाक बाबूबरही प्रखण्डसँ ७ किलोमीटर पूब बलिराजपुर ग्राम अछि। एकर दक्षिण दिशामे एकटा पुरान किलाक अवशेष अछि। किला चारि किलोमीटर लम्बाइ आ एक किलोमीटर चाकर अछि। दस फीटक मोट देवालसँ ई घेरल अछि।

असुरगढ़ किला- मिथिलाक प्राचीन किला मधुबनी जिलाक पूब आ उत्तर सीमा पर भिलयुगा थानक कोसम महादेव मठ लग ७० एकड़मे पसरल अछि।

जयनगर किला- मिथिलाक प्राचीन किला अछि एहन नेपाल सीमा पर प्राचीन जयपुर आ वर्तमान जयनगर लग। दरभंगा लग पंचोभ ग्रामसँ प्राप्त ताम्र अभिलेख पर जयपुर केर वर्णन अछि।

नन्दनगढ़- बेतियासँ १२ मील पश्चिम-उत्तरमे ई किला अछि। तीन पंक्तिमे १७ टा ऊँच टीला अछि।

लौरिया-नन्दनगढ़- नन्दनगढ़सँ उत्तर स्थित अछि, एतऽ अशोक स्तंभ आ बौद्ध स्तूप अछि।

देकुलीगढ़- शिवहर जिलासँ तीन किलोमीटर पूब हाइवेक कातमे दु टा किलाक अवशेष अछि। चारू दिस खधाइ अछि।

कटरागढ़- मुजफ्फरपुरमे कटरा गाममे विशाल गढ़ अछि, देकुली गढ़ जकाँ चारू कात खधाइ खूनल अछि।

नौलागढ़-बेगुसरायसँ २५ किलोमीटर उत्तर ३५० एकड़मे पसरल ई गढ़ अछि।

जयमंगलगढ़- बेगुसरायमे बनियापुरक थानामे काबर झीलक मध्य एकटा ऊँच टीला अछि। एतऽ ई गढ़ अछि। राजाकोठी (मझौल) गाम लग ई गढ़ अछि।

मंगलगढ़- समस्तीपुर जिलामे हसनपुर ब्लॉकमे दुधपुरा बजार लग दहार गाम लग। भगवान बुद्धक उपदेश एतऽ भेल, स्थानीय राजा मंगलदेवक आग्रहपर बुद्ध किछु दिन एतऽ निवास सेहो कएलन्हि।

अलौलीगढ़- खगड़ियासँ १५ किलोमीटर उत्तर अलौली गाम लग १०० एकड़मे पसरल ई गढ़ अछि।

कीचकगढ़- पूर्णिया जिलामे डंगराघाटसँ १० किलोमीटर उत्तर महानन्दा नदीक पूबमे ई गढ़ अछि।

बनगढ़- टेढ़गाछ थानामे कवल धारक कातमे ई गढ़ अछि।

बनिजनगढ़- बहादुरगंजसँ छह किलोमीटर दक्षिणमे लोनसबरी धारक कातमे ई गढ़ अछि।

रजनी- दरभंगाक बिरौल प्रखण्डसँ १३ किलोमीटर पश्चिमम एकटा गढ़ अछि जे लोरिकक मानल जाइत अछि।

बुद्ध

कुण्डग्राम- हाजीपुरसँ बत्तीस किलोमीटर उत्तर-पूर्वम बसाढ़-वैशाली आ लगम बासोकुण्ड लग गाम गढ़-टीलासँ २ कि.मी. उत्तर-पूर्व अछि कुण्डग्राम , जतए जैनक २४म तीर्थंकर महावीरक जन्म स्थल छलन्हि। एतए बुद्धक स्तूप, अभिषेक पुष्करिणी (राजा अभिषेकसँ पूर्व एतए नहाइत रहथि), अशोक स्तम्भ आ संसद-भवन (राजा विशालक गढ़) अछि।

पजवागढ़ रदही टाल- एतए एकटा बुद्ध मूर्ति स्थल छल, मुदा ओकर आब कोनो पता नै अछि। ई स्कूल सेहो रखवारी गामक लग अछि।

मंगलगढ़- समस्तीपुर जिलाम हसनपुर ब्लॉकम दुधपुरा बजार लग हडाह गाम लग। भगवान बुद्धक उपदेश एतए स्थल, स्थानीय राजा मंगलदेवक आग्रहपर बुद्ध किछु दिन एतए निवास सेहो कएलन्हि।

मूसहरनियां डीह- अंधरा ठाढ़ीसँ ३ किलोमीटर पश्चिम पस्टन गाम लग एकटा ऊँच डीह अछि। बुद्धकालीन एकजनियाँ कोठली, बौद्धकालीन मूर्ति, पाइ, बर्त्तनक टुकड़ी आ पजवाक अवशेष एतए अछि।

अकौन- मधुबनीसँ २० किलोमीटर पश्चिम आ उत्तरम अकौन गामम

एकटा ऊँच टील अछि, जतऽ बौद्धकालक मूर्त्ति अछि।

लौरिया-नन्दनगढ़- नन्दनगढ़सँ उत्तर स्थित अछि, एतऽ अशोक स्तंभ आ बौद्ध स्तूप अछि।

विक्रमशिला- भागलपुरमे स्थित प्राचीन विश्वविद्यालय। भागलपुर जिलाक अंतीचक गाममे राजा धर्मपालक बनाओल बुद्ध विश्वविद्यालय अछि। १०८ व्याख्याता लेल रहबाक स्थान आ बाहरसँ पढ़ए बला लेल सेहो स्थान एतऽ निर्मित अछि।

चम्पानगर- भागलपुरक पश्चिममे, आब नगरसँ सटि गेल अछि। ई जैन लोकनिक एकटा पवित्रस्थल अछि, एतऽ महावीर तीनटा वर्षावास कएने रहथि। दू टा जैन मन्दिर एतऽ अछि, जे जैनक बारहम तीर्थंकर वासुपूज्य नाथकेँ समर्पित अछि। महावीर निर्दहम छह टा वर्षावास बितओलन्हि। वर्षा ऋतुमे चारि मास एक ठाम निवासकेँ वर्षावास कहल जाइत छल। बुद्ध एकटा वर्षावास निर्दहम सेहो बितओलन्हि, मुदा वैशाली नगरीमे आम्रपालीक उद्यानमे लिच्छवीगणकेँ सम्बोधन देने छला। आम्रपालीसँ भिक्षा ग्रहण कऽ बुद्ध गेला बेलुवनी करय चारि मासक वर्षावास।

अभिलेख

गौरी-शंकर स्थान, मधुबनी जिलाक जमथरि गाम आ हैंठी बाली गामक बीच ई स्थान गौरी आ शंकरक सम्मिलित मूर्त्ति आ ओहिपर मिथिलाक्षरमे लिखल पालवंशीय अभिलेख। विदेश्वरस्थानसँ २-३ किलोमीटर उत्तर दिशामे ई स्थान अछि।

भीठ-भगवानपुर अभिलेख- राजा नान्यदेवक पुत्र मल्लदेवसँ संबंधित अभिलेख भेटल अछि। मधुबनी जिलाक मधेपुर थानामे ई स्थल अछि।

भगीरथपुर- पण्डौल लग भगीरथपुर गाममे अभिलेख अछि जाहिसँ ओइनवार वंशक अंतिम दुनू शासक रामभद्रदेव आ लक्ष्मीनाथक प्रशासनक विषयमे सूचना भेटैत अछि।

मंदार पर्वत- बांका स्थित स्थलमे मिथिलाक्षरक गुप्तवंशीय ७म् शताब्दीक अभिलेख अछि। समुद्र मंथनक हेतु मंदारक प्रयोग भेल छल। निकटमे बौंसीमे जैनक बारहम तीर्थंकर वासुपूज्य नाथक दुटा मूर्ति अछि, ऐछ मूर्ति लाल पाथरक अछि ई दोसर काँसाक जकर सामाँ दुटा पदचिह्न अछि। जैनक बारहम तीर्थंकर वासुपूज्य नाथक जन्म चम्पानगरमे आ निर्वाण एतए भेल छलन्हि।

विदेश्वर- मधुबनी जिलामे लोहनारोड स्टेशन लग स्थित शिवधामक स्थापना महाराज माधवसिंह कयलन्हि। एहि युगक मिथिलाक्षरक अभिलेख सेहो भेटल अछि।

बसैठी (वाणेश्वरी-बसैठी), अररिया अभिलेख - पूर्णियाँमे श्रीनगर लग मिथिलाक्षरक ई अभिलेख मिथिलाक पहिल महिला शासक रानी इन्द्रावतीक राज्यकालक वर्णन करैत अछि। रानी इन्द्रावती (११८४-१८०२) ओ अकालक समय कूप-पोखर-बर्क आ अन्य कल्याणकारी कार्यक प्रारम्भ करने रहथि।

जयनगर किला- मिथिलाक पसर किला अछि भारत नेपाल सीमा

एहि प्राचीन जयपुर आ वर्त्तमान जयनगर लग। देवरंगा लग पंचार गामसँ प्राप्त ताम्र अभिलेख एहि जयपुरक वर्णन अछि।

विष्णु

हुलासपट्टी- मधुबनी जिलाक फुलपरास थानाक जागेश्वर स्थान लग हुलासपट्टी गाम अछि। कारी पाथरक विष्णु भगवानक मूर्त्ति भेटल अछि।

पिपराही- लौकहा थानाक पिपराही गाममे विष्णुक मूर्त्तिक चारू हाथ भग्न भऽ गेल अछि।

मधुबन- पिपराहीसँ १० किलोमीटर उत्तर नेपालक मधुबन गाममे चतुर्भुज विष्णुक मूर्त्ति अछि।

कमलादित्य स्थान- अंधरा ठाढ़ी लगमे कमलादित्य स्थानक विष्णु मंदिर कर्णाट राजा नान्यदेवक मंत्री श्रीधर दास द्वारा स्थापित भेल।

संग्रामपुर अनुमण्डलक नरवारी गाममे वृक्षक नीचाँ राखल विष्णु मूर्त्ति, गांधारशैली मे बनाओल गेल अछि।

मटिहानी- विष्णु मन्दिर

जनकपुर- वृहद् विष्णुपुराणमे मिथिलामाहात्म्यमे जनकपुर उत्तरक वर्णन अछि। सत्रहम शताब्दीमे संत सूर किशोरकेँ अयोध्यामे सरयू धारमे राम आ जानकीक दू टा स्वर्ण मूर्त्ति भेटलन्हि, जकरा ओ जानकी मन्दिर, जनकपुरमे स्थापित कऽ देलन्हि। वर्त्तमान मन्दिरक

स्थापना टीकमगढ़क महारानी द्वारा १९११ ई. मे भेल। नगरक चारूकात यमुनी, गेरूखा आ दुग्धवती धार अछि। राम नवमी (चैत्र शुक्ल नवमी),जानकी नवमी (वैशाख शुक्ल नवमी) आ विवाह पंचमी (अगहन शुक्ल पंचमी) पर एतऽ मेला लगैत।

अंधरा-ठाढ़ीक स्थानीय वाचस्पति संग्रहालय- गौड़ गामक यक्षिणीक रुद्र मूर्ति एतऽ राखल अछि।

गौतम तीर्थ- कमतौल स्टेशनसँ ६ किलोमीटर पश्चिम ब्रह्मपुर गाम लग एकटा गौतम कुण्ड पुष्करणी अछि।

मुंगेरक पूब 'सीता-कुण्ड'गर्म कुण्ड अछि, सीता जी एतए पृथ्वीमे समाहित भेल छली। ठंढा जलक कुण्ड 'रामकुण्ड', लक्ष्मण कुण्ड, भरत कुण्ड, आ शत्रुघ्न कुण्ड सेहो अछि, भैयारीमे बड्ड मिलान। से मिलान बाबू गढ़ रानिकलमे सेहो छै, बसी पढ़ल लिखल गाममे से आब कहाँ?

हलावर्त- जनकपुरसँ ३५ किलोमीटर दक्षिण पश्चिममे सीतामढ़ी नगरमे हलेश्वर शिव मन्दिर आ जानकी मन्दिर अछि। एतसँ ७८ किलोमीटर पर पुनौरीक उत्तरमे सीताकुण्ड अछि। हलावर्तमे जनक द्वारा हर चलबा काल सीता भेटलि छली। राम नवमी (चैत्र शुक्ल नवमी) आ जानकी नवमी (वैशाख शुक्ल नवमी) पर एतऽ मेला लगैत।

फुलहर-मधुबनी जिलाक हरलाखी थानामे फुलहर गाममे जनकक पुष्पवाटिका छल जतऽ सीता फूल लोढ़ै छली।

धनुषा- जनकपुरसँ १८ किलोमीटर उत्तर धनुषा स्थानमे पीपरक गाछक नीचाँ एकटा धनुषाकार खण्ड पड़ल अछि। लोकक मानल छै ई धनुष अछि। ओतसँ पूब बाणगंगा धार बहैत छै लक्ष्मण द्वारा बाणसँ उत्पादित भेल छल।

सुग्गा- जनकपुर लग जलेश्वर शिवधामक समीप सुग्गा ग्राममे शुकदेवजीक आश्रम अछि। शुकदेवजी जनकसँ शिक्षा लेबाक हेतु मिथिला ऐल छला- ओ ठाम हुनका ठहरेबाक व्यवस्था भेल छल।

सिंहेश्वर- मधेपुरासँ ८ किलोमीटरपर गौरीपुर गाम लग सिंहेश्वर शिवधाम अछि।

कपिलेश्वर- कपिल मुनि द्वारा स्थापित महादेव मधुबनीसँ ६ किलोमीटर पश्चिम अछि।

कुशेश्वर- समस्तीपुरसँ उत्तर-पूब, लहेरियासरायसँ ६० किलोमीटर दक्षिण-पूब आ सहरसासँ २८ किलोमीटर पश्चिम ई एकटा प्रसिद्ध शिवस्थान अछि। एतऽ चिड़ै-अभयारण्य सेहो अछि जतऽ उज्जर आ कारी गेबर, लालसर, दिघौछ, मैल, नकटा, गेरी, गगन, सिल्ली, अधानी, हरिअल, चाहा, करन, नावा चिड़ै सभ नवम्बरसँ मार्च धरि देखबामे अबैत।

सिमरदह- थलवारा स्टेशन लग शिवसिंह द्वारा बसाओल शिवसिंहपुर गाम लग ई शिवमन्दिर अछि।

सोमनाथ- मधुबनी जिलाक सौराठ गाममे सभागाछी लग सोमदेव

महादेव छथि।

मदनेश्वर- मधुबनी जिलाक अंधरा ठाढ़ीसँ ४ किलोमीटर पूब मदनेश्वर शिव स्थान अछि।

चण्डेश्वर- संग्रामपुरम हरनी गाम लग चण्डेश्वर ठाकुर द्वारा स्थापित चण्डेश्वर शिवस्थान अछि।

शिलानाथ- जयनगर लग कमला धारक कातम शिलानाथ महादेव छथि।

उग्रनाथ- मधुबनीसँ दक्षिण पण्डौल स्टेशन लग भवानीपुर गामम उगना महादेवक शिवलिंग अछि। विद्यापतिकेँ प्यास लगलन्हि तँ उगनारूपी महादेव जटासँ गंगाजल निकालि जल पियेलखिन्ह। विद्यापति हठ कएलनि ओ स्थान पर उगना हुनका अपन असल शिवरूपक दर्शन देलखिन्ह।

उच्चैठ छिन्नमस्तिका भगवती- कमतौल स्टेशनसँ १६ किलोमीटर पूर्वोत्तर उच्चैठम कालिदास भगवतीक पूजा करैत छला। भगवतीक मौलिक मूर्त्ति मस्तक विहीन अछि।

उग्रतारा- मण्डन मिश्रक जन्मभूमि महिषीम मण्डनक गोसाउनि उग्रतारा छथि।

भद्रकालिका- मधुबनी जिलाक कोइलख गामम भद्रकालिका मंदिर अछि।

चामुण्डा- मुजफ्फरपुर जिलाम कटराग८ लग लक्ष्मणा वा लखनदेई धार लग दुर्गा द्वारा चण्ड-मुण्डक वध कएल गेल। ओहि स्थानपर एकटा मन्दिर अछि।

पनसा सूर्य मन्दिर- मंगानपुरम सग्रामसँ पाँच किलोमीटर पूर्व पनसा गामम साढ़े चारि फीटक ऊँच सूर्य मूर्ति रहल अछि।

चैनपुर सहरसा- मिथिलाक एकमात्र नीलकंठ मन्दिर, संगम आदिकालीन ऊँच काली-मन्दिर सहो ऐ गामम अछि। महाशिवरात्रि आ कालीपूजा बड़ धूमधामसँ चैनपुरम होइत अछि।

धनहरा, बनमनखी, पूर्णियाँम नरसिंह भगवानक स्थान अछि, एकटा खाढ़ जकाँ पैघ पाथा अछि जाहिम जँ किछु फेकबै तँ बड़ी काल धरि गें-गें अवाज होइत रहत। ऐ स्थान आर नरसिंह भगवानक मूर्ति आ मन्दिरक कारणसँ बस विकसित भs गेल अछि। एहि नरसिंह पाथा फाड़ि अवतरित भेल छला।

बिसफी- मधुबनी जिलाक बेनीपट्टी थानाम कमतौल स्टेशनसँ ६ किलोमीटर पूब आ कपिलेश्वर स्थानसँ ४ किलोमीटर पश्चिम बिसफी गाम अछि। भारतीनीश्वर पूर्व महाकवि विद्यापतिक जन्म-स्थान ऐ गाम अछि।

मिथिलाक बीस टा सिद्ध पीठ- १.गिरिजास्थान (फुलहर, मधुबनी), २.दुर्गास्थान (उचैठ, मधुबनी), ३.भद्रेश्वरी (दाखन, मधुबनी), ४.भुवनेश्वरीस्थान (भगवतीपुर, मधुबनी), ५. उग्रकालिका (कोइलख, मधुबनी), ६.चामुण्डा स्थान (पचाही, मधुबनी), ७.सोनामाइ

(जनकपुर, नेपाल), ८.योगनिद्रा (जनकपुर, नेपाल), ९.कालिका स्थान (जनकपुर स्थान), १०.राजदेवी देवी (जनकपुर, नेपाल), ११.छिन्नमस्ता देवी (उच्चैठ, मधुबनी), १२.वनदुर्गा (खननख, मधुबनी), १३.सिद्धेश्वरी देवी (सरिसब, मधुबनी), १४.देवी-स्थान (अंधरा ठाढ़ी, मधुबनी), १५.कंकाली देवी (भारत नेपाल सीमा आ रामबाग प्लेस, दरभंगा), १६.उग्रतारा (महिषी, सहरसा), १७.कात्यायनी देवी (बदलाघाट, सहरसा), १८.भुवन देवी(पूर्णियाँ), १९.काली स्थान (दरभंगा), २०.जैमंगलास्थान(मुंगेर), ५२. जनकपुर परिक्रमाक १५ स्थल आ ओकर मुख्य देवता १. हनुमाननगर- हनुमानजी, २.कल्याणेश्वर- शिवलिंग, ३.गिरिजा-स्थान- शक्ति, ४.मटिहानी- विष्णु मन्दिर, ५.जलेश्वर- शिवलिंग, ६.मड़ई- माण्डव ऋषि, ७. ध्रुव कुण्ड- ध्रुव मन्दिर, ८.कंचन वन- कोनो मन्दिर नै मात्र मनोरम दृश्य, ९.पर्वत- पाँच टा पर्वत, १०.धनुषा- शिव धनुषक टुकड़ी, ११.सतोखड़ी- सप्तर्षिक सात टा कुण्ड, १२.हनुमाना- विमलागंगा, १३. करूणा- कोनो मन्दिर नै मात्र मनोरम दृश्य, १४. विशौल- विश्वामित्र मन्दिर आ १५.जनकपुर।

दरभंगा कैथोलिक चर्च- १८९१मे स्थापित ई चर्च १८९१ केर भूकम्पमे क्षतिग्रस्त भऽ गेल। एकरा होली रोजरी चर्च सेहो कहल जाइए। संत फ्रांसिस असिसी चर्च मुजफ्फरपुरमे अछि।

शिखा सलामी मजार- गंगासागर पोखरि दरभंगाक महानयन ई मजार अछि। मकदुम बाबाक मजार:ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय आ कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगाक बीच

𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞 𑒄 𑒧𑒖𑒰𑒩 𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒴 𑒂 𑒧𑒳𑒮𑓂𑒪𑒱𑒧 𑒮𑒦𑒰𑒫𑒪𑒧𑓂𑒥𑒲𑒏 𑒉𑒏𑒙𑒰 𑒣𑒰𑒫𑒢 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒁𑒕𑒱। 𑒠𑒩𑒦𑓀𑒑𑒰 𑒙𑒰𑒫𑒩 𑒧𑒮𑓂𑒖𑒱𑒠 𑒃𑒮𑓂𑒪𑒰𑒧 𑒮𑒦𑒰𑒫𑒪𑒧𑓂𑒥𑒲𑒏 𑒉𑒏𑒙𑒰 𑒧𑒳𑒐𑓂𑒨 𑒧𑒮𑓂𑒖𑒱𑒠 𑒂 𑒡𑒰𑒩𑓂𑒧𑒱𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒪 𑒁𑒕𑒱।

